سُوْرَةُ الفَاتِحَة

**m~iv dvwZnv**

**f~wgKv**

**m~iv 1**

|  |  |
| --- | --- |
| Avkªq PvIqv | عِيَاذ (ع و ذ) |
| Avwg Avkªq PvB | أَعُوْذُ |
| me©bvg: †\_‡K, m‡½, Øviv, g‡a¨ | بِ |
| me©bvg: †\_‡K, n‡Z, wKQy n‡Z, ZLb | مِنْ |
| weZvwoZ, Awfkß | رَجِيْمٌ (ر ج م) |
| we‡kl¨: bvg | اِسْمٌ |
| A‡kl `qvevb | اَلرَّحْمَانُ |
| AZxe †g‡nievb | اَلرَّحِيْمٌ (ر ح م) |
| mKj cÖKvi cÖksmv, mg¯— cÖksmv | اَلْحَمْدُ (ح م د) |
| me©bvg: Rb¨, Kvi‡Y | لِ |
| mgMÖ wek¦Rvnv‡bi cÖwZcvjK | رَبِّ الْعَالَمِيْنَ |
| gvwjK, cÖfy, ivRv | مَالِكِ (م ل ك) |
| w`b | يَوْمَ |
| b¨vqwePvi, ag©, Cgvb, wek¦vm | اَلدِّيْن |
| GKgvÎ †ZvgviB, †Kej †Zvgv‡KB | إِيّاَكَ |
| Avgiv Bev`Z Kwi | نَعْبُدُ (ع ب د) |
| Ges | وَ |
| Avgiv mvnvh¨ PvB | نَسْتَعِيْنُ |
| mvnvh¨ PvIqv | اِسْتَعَانَ (ع و ن) |
| ‡n`vqZ Ki, c\_†`LvI | اِهْدِ (ه د ي) |
| Avgv‡`i‡K | نَا |
| iv¯Zv, c\_ | صِرَاطَ |
| ‡mvRv, mwVK, gReyZ, b¨vqcivqY, mr | مُسْتَقِيْمٌ |
| hviv, hv‡`i‡K | اَلَّذِيْن |
| Zzwg wbqvgZ `vb K‡iQ, cyi®K…Z K‡iQ | أَنْعَمْتَ (ن ع م) |
| me©bvg: Zv‡`i Dci | عَلَيْهِمْ |
| e¨ZxZ, Qvov, ev‡` | غَيْر |
| hv‡`i Dci Mhe c‡o‡Q | مَغْضُوْبٌ (غ ض ب) |
| bv, bvB | **لاَ** |
| hviv c\_åó, weåvš— | (fvewe‡kl¨*.:* ضَلَالَة، ضَلَال ) اَلضَّآلِّيْنَ (ض ل ل) |

سُوْرَةُ البَقَرةِ

**m~iv evK¡iv**

**Mi“**

**m~iv 2**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| HwU | ذالِكَ |
| ‡Kvb m‡›`n ‡bB | لَا رَيْب |
| Zv‡Z, Zvi g‡a¨ | فِيْهِ |
| Avj­vn‡K hviv fq K‡i, mshZ | مُتَّقِيْنَ |
| Zviv Cgvb Av‡b, wek¦vm K‡i | يُؤْمِنُوْنَ (ا م ن) |
| A`„k¨, †Mvcb | غَيْبُ |
| Ges | وَ |
| Zviv Kv‡qg K‡i,cÖwZwôZ K‡i | يُقِيْمُوْنَ |
| mvjvZ, bvgvh | الصَّلَاةُ |
| Zv n‡Z | مِمَّا |
| Avgiv wih&&K& w`‡qwQ, | رَزَقْنَا (ر ز ق) |
| Avgiv | نَا |
| Zv‡`i‡K | هُمْ |
| Zviv e¨q K‡i, LiP K‡i | يُنْفِقُوْنَ (ن ف ق) |
| m‡½ hv, Hwel‡q hv | بِمَا |
| AeZxY© Kiv n‡q‡Q | أُنْزِلَ |
| ‡Zvgvi cÖwZ | إِلَيْكَ |
| hv | مَا |
| ‡Zvgvi c~‡e© | قَبْلِكَ |
| g„Zz¨i c‡ii Rxeb, ciKvj, hv c‡i Av‡m | ااخِرَةٌ |
| Zviv `„p wek¦vm K‡i | يُوْقِنُوْنَ (ي ق ن) |
| Zviv | أُوْلَآئِكَ |
| Dci | عَلَى |
| ‡n`v‡qZ | هُدًى |
| mdj,Kj¨vY jvfKvix | مُفْلِحُونَ |
| wbtm‡›`‡n, wbðqB | إِنَّ |
| Zviv Awek¦vm K‡i‡Q | كَفَرُو |
| mgvb, eivei | سَوَآءٌ |
| ‡h, wK | ءَ |
| Zzwg mZK© Ki‡j | أَنْذَرْتَ (ن ذ ر) |
| A\_ev | أَمْ |
| bv | لَمْ |
| Zviv Cgvb Avb‡e bv, Zviv wek¦vm ¯’vcb Ki‡e bv | لاَ يُؤْمِنُونَ |
| wZwb mxj‡gvni K‡i w`‡q‡Qb | خَتَمَ |
| gb, ü`q | (GKePb: قَلْبٌ) قُلُوْبٌ |
| Zv‡`i kªebkw³ | سَمْعِهِمْ |
| `„wókw³ | أَبْصَارٌ |
| c©`v, AveiY, Av”Qv`b | غِشَـوَةٌ |
| Ges Zv‡`i Rb¨ i‡q‡Q | وَلَهُمْ |
| kvw¯— | عذَابٌ |
| eo,KwVb, gnv | عَظِيْمٌ |
| **i“Kz- 2** |  |
| gvbyl, †jv‡Kiv | اَلنَّاسُ |
| ‡h, hviv | مَن |
| ‡m e‡j | (fvewe‡kl¨: قَوْلٌ) يَقُوُلُ |
| Avgiv Cgvb G‡bwQ, wek¦vm K‡iwQ | اامَنَّا |
| Zviv bq | مَا هُم |
| Zviv †auvKv ‡`q, Zviv cÖZvwiZ K‡i | يُخَادِعُوْنَ (خ د ع) |
| G Qvov | إِلَّا |
| wb‡R‡`i‡K | أَنْفُسَهُم (ن ف س) |
| Zviv Abyfe K‡i bv, Zviv Dcjwä K‡i bv | مَايَشْعُرُوْنَ |
| ‡ivM | مَرَضٌ |
| myZivs, ZvB | فَ |
| wZwb e„w× Ki‡jb | زَادَ |
| hš¿Yv`vqK, Kó`vqK | أَلِيْمٌ |
| G Kvi‡Y †h | بِمَا |
| Zviv wQj | كانُوْا |
| Zviv wg\_¨v e‡j | يَكْذِبُوْنَ (ك ذ ب) |
| hLb | إِذَا |
| ejv nq | قِيْلَ |
| Zv‡`i‡K, Zv‡`i D‡Ï‡k¨ | لَهُمْ |
| ‡Zvgiv wech©q m„wó Ki bv | لَا تُفْسِدُوْا (ف س د) |
| c„w\_ex‡Z | فِي الْأَرْضِ |
| Zviv e‡j | قَالُوْا (ق و ل) |
| ïay, †Kej, g~jZt | إِنَّمَا |
| Avgiv | نَحْنُ |
| kvwš— ¯’vcbKvix, ms‡kvabKvix | مُصْلِحُوْنَ (ص ل ح) |
| mveavb | أَلَا |
| wech©q m„wóKvix | مُفْسِدُوْنَ (ف س د) |
| wKš‘ | لكِنْ |
| ‡Zvgiv Cgvb Avb, wek¦vm Ki | اامِنُوْا |
| ‡hgb, †hi“c | كَمَا |
| wK | أَ |
| †evKv, wb‡e©va | سُفَهآءُ |
| Zviv wgwjZ nj, mv¶vr Kij | لَقُوْا (ل ق ي) |
| Avgiv Cgvb G‡bwQ, wek¦vm K‡iwQ | اامَنَّا |
| Zvnviv GKv‡š— wgwjZ nj, ‡Mvc‡b wgwjZ nj | خَلَوْا (خ ل و) |
| kqZvb (eÜziv) | شَيَاطِيْن |
| we`ª“cKvix, DcnvmKvix | مُسْتَهْزِءُوْنَ (ه ز ء) |
| AeKvk †`b | يَمُدُّ |
| we‡`ªvn, mxgvjsNb | طُغْيَانْ |
| Zviv A‡Üi g‡Zv Qy‡U †eovq | يَعْمَهُوْنَ (ع م ه) |
| Zviv µq Kij | اِشْتَرَوْا (ش ر ي) |
| c\_åóZv | ضَلَالَةٌ |
| ‡n`v‡qZ | هُدى |
| myZivs bv | فَمَا |
| jvfRbK nj | (jvfRbK nqwb: مَا رَبِحَتْ) رَبِحَتْ (ر ب ح) |
| e¨emv | تِجَارَةٌ |
| ‡n`v‡qZcÖvß | مُهْتَدِيْنَ |
| Zv‡`i D`vniY, Zv‡`i `„óvš— | مَثَلٌ |
| ‡hgb | كَ |
| ‡mB e¨w³ | الَّذِيْ |
| ‡m R¡vjvj | اِسْتَوْقَدَ (و ق د) |
| Av¸b | نَارٌ |
| AZtci hLb | فَلَمَّا |
| Av‡jvwKZ Kij | أَضَآءَ تْ (ض و ء) |
| Zvi Pvwiw`K | حَوْلَهُ |
| `~i Ki‡jb | ذَهَبَ |
| ‡Q‡o w`‡jb | تَرَكَ |
| g‡a¨ | فِىْ |
| A‡bK AÜKvi, AÜKvimg~n | ظُلُمَاتٌ |
| Zviv †`‡L bv | لَا يُبْصِرُوْنَ (ب ص ر) |
| ewai | صُمٌّ |
| ‡evev | (GKePb*.*: أَبْكَمُ) بُكْمٌ |
| AÜ | (GKePb*.*: أَعْمى) عُمْىٌ |
| AZtci Zviv | فَهُمْ |
| Zviv wd‡i Avm‡e bv | لَا يَرْجِعُونَ (ر ج ع) |
| ev , A\_ev | أَوْ |
| ‡hgb | كَ |
| e„wó | صَيِّبٌ |
| AvKvk | سَمَآءُ |
| †g‡Ni MR©b | رَعْدٌ |
| we`y¨r PgK | بَرْقٌ |
| Zviv iv‡L | يَجْعَلُونَ |
| Zv‡`i Av½yj | (GKePb*.:* إِصْبَعٌ) أَصَابِعْ |
| Zv‡`i Kv‡b | (GKePb*.:* أُذُنٌ) ااذَانٌ |
| eRªaŸwb | (GKePb*.:* صَاعِقَةٌ) صَوَاعِقُ |
| fq | حَذَرٌ |
| g„Zz¨ | مَوْتٌ |
| ‡NivIKvix, †eóbKvix | مُحِيْطٌ |
| AwP‡iB, cÖvq | يَكَادُ |
| ‡m wQwb‡q †bq, †K‡o †bq | يَخْطَفُ (خ ط ف) |
| hLbB | كُلَّمَا |
| Zviv P‡j, nvu‡U | مَشَوْا (م ش ي) |
| hLb | إِذَا |
| AÜKvi nq | أَظْلَمَ (ظ ل م) |
| Zviv `uvovj | قَامُوْا |
| hw` | لَوْ |
| Pvb | شَآءَ (ش ي ء) |
| mewKQy | كُلِّ شَيْءٍ |
| kw³kvjx, ¶gZvevb | قَدِيْرٌ |
| **i“Kz- 3** |  |
| ‡n gvby‡liv, †n gvbeRvwZ | يَآ أَيُّهَا النَّاسُ |
| ‡Zvgiv Bev`Z Ki | اُعْبُدُوْا |
| cÖwZcvjK | (eûePb*.:* أَربَابٌ) رَبَّ |
| ‡Zvgv‡`i | كُمْ |
| whwb | اَلَّذِيْ |
| m„wó K‡i‡Qb | خَلَقَ |
| †Zvgiv †hb | لَعَلَّكُمْ |
| ‡Zvgiv †hb fq Ki, ‡eu‡P Pj‡Z cvi (cvc n‡Z) | تَتَّقُوْنَ (و ق ي) |
| wZwb evwb‡q‡Qb | جَعَلَ |
| ‡Zvgv‡`i Rb¨ | لَكُمْ |
| c„w\_ex | أَرْضٌ |
| weQvbv, wekªv‡gi ¯’vb | فِرَاشًا |
| Qv`, Av”Qv`b, AÆvwjKv | بِنَآءٌ |
| wZwb bvwhj K‡i‡Qb | أَنْزَلَ (ن ز ل) |
| cvwb | مَآءٌ |
| wZwb ‡ei K‡i‡Qb, Drcv`b K‡i‡Qb | أَخْرَجَ (خ ر ج) |
| Zvi mvnv‡h¨, Dnvi Øviv | بِها |
| ‡\_‡K, n‡Z | مِنْ |
| djg~j | (GKePb*.:* ثَمَرَةٌ) ثَمَرَاتْ |
| myZivs †Zvgiv evwbI bv, myZivs †Zvgiv Ki bv | فَلَا تَجْعَلُوْا (ج ع ل) |
| mgK¶, mgZyj¨, Askx `vi | أَنْدَادًا |
| †Zvgiv | أَنْتُمْ |
| Rv‡bv | (fvewe‡kl¨*.:* عِلْمٌ) تَعْلَمُوْنَ (ع ل م) |
| hw` | إِنْ |
| †Zvgiv nI | كُنْتُمْ |
| g‡a¨ | فِي |
| m‡›`n, mskq | رَيْبٌ |
| Avgiv bvwhj K‡iwQ | نَزَّلْنَا (ن ز ل) |
| Dci | عَلى |
| `vm | عَبْدٌ |
| Zvn‡j ‡Zvgiv Avb, ‰Zix Ki | فَأْتُوْا |
| GKwU m~iv (KziAv‡bi) | (eûePb*.:* سُوَرٌ) سُوْرَةٌ |
| Zvi g‡Zv,Zvi Abyiƒc | مِثْلِها |
| Ges †Zvgiv WvK | وَ ادْعُوْا (د ع و) |
| mv¶x, mnvqK | (GKePb*.:* شَهِيْدٌ) شُهَدَاءُ |
| Avj­­vn Qvov | مِنْ دُوْنِ اللهِ |
| mZ¨ev`x | (GKePb*.:* صَادِقٌ) صَادِقِيْنَ (ص د ق) |
| AZtci | فَ |
| hw` | إِنْ |
| bv | لَمْ |
| ‡Zvgiv Ki‡Z cvi | تَفْعَلُوْا (ف ع ل) |
| KL‡bv bv | لَنْ |
| hv (Ggb †h) | اَلَّتِيْ |
| BÜb, R¡vjvbx | وَقُوْدٌ |
| Gi, Zvi (¯¿xwj½) | هَا |
| cv\_i | حِجَارَةٌ |
| cÖ¯‘Z Kiv n‡q‡Q | أُعِدَّتْ (ع د د) |
| Awek¦vmxiv | (GKePb*.:* كَافِرٌ) كَافِرِيْنَ |
| mymsev` `vI | (mymsev`: بَشَارَةٌ) بَشِّرْ |
| Zviv KvR K‡i‡Q | عَمِلُوْا |
| fv‡jv KvR | (eûePb*:* صَالِحُوْنَ) صَالِحَاتْ |
| ‡h | أَنَّ |
| Zv‡`i Rb¨ | لَهُمْ |
| RvbœvZ, evMvb | (GKePb*.:* جَنَّةٌ) جَنَّاتٍ |
| cÖevwnZ nq | تَجْرِيْ |
| Zvi bxP w`‡q | تَحْتَ |
| b`x | (GKePb*.:* نَهْرٌ) أَنْهَارٌ |
| hLbB | كُلَّمَا |
| Zv‡`i‡K RxweKv †`qv nq | رُزِقُوْا |
| djg~j | (GKePb*.:* ثَمَرَاتٌ) ثَمَرَةٌ |
| GUv | هذَا |
| Zv‡`i‡K †`qv nq | أُتُوْا |
| mv`„k¨c~Y©, Abyi“c | مُتَشَابِهًا |
| ¯¿xiv | (GKePb*.:* زَوْجٌ ) أَزْوَاجٌ |
| cweÎ | مُطَهَّرَةٌ |
| wPi¯’vqxfv‡e emevm Ki‡e | خَالِدُوْنَ |
| wZwb j¾v‡eva K‡ib bv | لَا يَسْتَحْيا |
| wZwb `„óvš— ‡`b, D`vniY ‡`b | يَضْرِبُ مَثَلاً |
| gkv, Wvuk | بَعُوْضَةٌ |
| ev Zvi ‡P‡qI eo | فَمَا فَوْقَهَا |
| Avi | فَأَمَّا |
| wbðqB Zv | أَنَّهُ |
| mZ¨ | حَقُّ |
| wK | مَاذَا |
| wZwb B”Qv Ki‡jb | أَرَادَ |
| wZwb weåvš— K‡ib | يُضِلُّ |
| wZwb ‡n`v‡qZ K‡ib | يَهْدِيْ |
| A‡bK‡K | كَثِيرْ |
| e¨ZxZ, Qvov | إِلَّا |
| mxgvj•NbKvixMY | فَاسِقِيْنَ (ف س ق) |
| Zviv wQbœ K‡i, Zviv fv‡O | يَنْقُضُوْنَ (ن ق ض) |
| cÖwZkÖ“wZ | عَهْد |
| Gi c‡i | مِنْ بَعْدِ |
| k³-my`„p Kiv, Ave× nIqv (cÖwZkÖ“wZ) | مِيْثَاق |
| Zviv wQbœ K‡i | يَقْطَعُوْنَ (ق ط ع) |
| wb‡`©k w`‡q‡Qb | أَمَرَ |
| m¤úK© hy³ ivL‡Z | يُوْصَلُ (و ص ل) |
| ¶wZMÖ¯— †jvK | خَاسِرُوْنَ (خ س ر) |
| wKfv‡e, wK K‡i | كَيْفَ |
| g„Z, wbR©xe, wb®cÖvY | أَمْوَاتًا (م و ت) |
| AZtci wZwb †Zvgv‡`i‡K Rxeb `vb K‡i‡Qb | فَأَحْيَاكُمْ |
| Zvici | ثُمَّ |
| ‡Zvgv‡`i‡K wd‡i †h‡Z n‡e | تُرْجَعُوْنَ (ر ج ع) |
| wZwb m„wó K‡i‡Qb | خَلَقَ |
| ‡Zvgv‡`i R‡b¨ | لَكُمْ |
| mewKQy | جَمِيْعًا |
| j¶¨ w`‡jb, g‡bv‡hvM w`‡jb | اِسْتَواى |
| w`‡K | إِلىا |
| ‰Zix Ki‡jb, m¤ú~Y© Ki‡jb | سَوّى |
| Zv‡`i | هُنَّ |
| mvZ | سَبْعَ |
| AvKvk¸‡jv | (GKePb*.:* سَمَآءٌ) سَمَاوَات |
| gnvÁvbx | عَلِيْمٌ (ع ل م) |
| **i“Kz- 4** |  |
| ‡Zvgvi cÖwZcvjK | رَبُّكَ |
| cÖwZ, Rb¨ | لِ |
| ‡d‡ikZviv | مَلَآئِكَةٌ |
| wbðqB Avwg | إِنِّيْ |
| whwb m„wó K‡ib, mªóv | جَاعِلٌ |
| cÖwZwbwa | خَلِيْفَةٌ |
| cÖevwnZ Kiv‡e, Siv‡e | يَسْفِكُ |
| i³mg~n | (GKePb*.*: دم) دِمآءٌ |
| Avgiv cweÎZv †NvlYv Kwi | نُسَبِّحُ (س ب ح) |
| Avgiv cweÎZv eY©bv Kwi, Avgiv gvnvZœ¨ eY©bv Kwi | نُقَدِّسُ (ق د م س) |
| Avcbvi | لَكَ |
| wkLv‡jb | عَلَّمَ |
| bvg¸‡jv | (GKePb*.:* اِسْمٌ) أَسْمَآءَ |
| mewKQy | كُلَّهَا |
| Dc¯’vcb Ki‡jb | عَرَضَ |
| Avgv‡K RvbvI, Avgv‡K AewnZ Ki | أَنْبِئُوْنِيْ (ن ب ء) |
| Avgv‡K | نِيْ |
| Gme | هؤُلَآءِ |
| Avcwb cweÎ | سُبْحَانَكَ |
| Avgv‡`i Rb¨ | لَنَا |
| Avcwb Avgv‡`i‡K wkwL‡q‡Qb | عَلَّمْتَ |
| wbðqB Avcwb | إِنَّكَ |
| AvcwbB | أَنْتَ |
| gnvÁvbx | عَلِيْمٌ |
| gnvweÁ | حَكِيْمٌ |
| Zvici hLb | فَلَمَّا |
| Avwg wK ewjwb? | أَلَمْ أَقُلْ |
| Avwg Rvwb | أَعْلَمُ |
| ‡Zvgiv cªKvk Ki | تُبْدُوْنَ |
| ‡Zvgiv †Mvcb Ki | تَكْتُمُوْنَ (ك ت م) |
| wmR&`v Ki | اُسْجُدُوْا (س ج د) |
| Bejxm, kqZvb | إِبْلِيْس |
| ‡m A¯^xKvi Kij, Agvb¨ Kij | أَبى |
| ‡m AnsKvi Kij, wb‡R‡K eo g‡b Kij | اِسْتَكْبَرَ (ك ب ر) |
| †m nj | كَانَ |
| emevm Ki | اُسْكُنْ (س ك ن) |
| ‡Zvgiv `yRb LvI | كُلَا |
| ¯^v”Q‡›` | رَغَدًا |
| ‡hLv‡bB | حَيْثُ |
| †Zvgiv `yRb PvI | (GKePb*.* شَآءَ) شِئْتُمَا |
| ‡Zvgiv `yRb Kv‡Q hv‡e bv | لَا تَقْرَبَا (ق ر ب) |
| GB | هذِهِ |
| MvQ | شَجَرَةٌ |
| ‡Zvgiv `yRb nI (n‡q hv‡e) | تَكُوْنَا |
| †m (Zv‡`i‡K) c`öwjZ Kij | أَزَلَّ |
| Zv‡`i‡K | هُمَا |
| n‡Z | عَن |
| Zv, Zvi (¯¿xwj½) | هَا |
| ‡m †ei K‡i w`j | أَخْرَجَ (خ ر ج) |
| Zviv `yRb wQj | (GKePb*.:* كَانَ) كَاناَ |
| ‡Zvgiv bx‡P ‡b‡g hvI | اِهْبِطُوْا |
| wKQy | بَعْضٌ |
| kÎ“ | عَدُوٌّ |
| wVKvbv, evm¯’vb | مُسْتَقَرٌّ |
| RxweKvi DcKiY | مَتَاعٌ |
| GKUv wbw`©ó mgq | حِيْنَ |
| Zvici ‡m wk‡L wbj | فَتَلَقّى |
| wKQy evYx, wKQy kã | (GKePb*.:* كَلِمَةٌ) كَلِمَات |
| wZwb Zv‡K ¶gv Ki‡jb | تَابَ عَلَى |
| ZvIev KeyjKvix | تَوَّابٌ |
| Zvici hLb | فَإِمَّا |
| ‡Zvgv‡`i Kv‡Q Avm‡e | يَأْتِيَنَّكُمْ |
| Avgvi c¶ n‡Z | مِنِّيْ |
| AbymiY Kij | تَبَعَ |
| Avgvi c\_-wb‡`©kbv, †n`v‡qZ | هُدَايَ |
| fq | خَوْفٌ |
| Zv‡`i Rb¨ | عَليْهِمْ |
| `ytL | حُزْنٌ |
| Zviv A¯^xKvi Kij | كَفَرُوْا (ك ف ر) |
| Zviv wg\_¨v g‡b Kij | كَذَّبُوْا (ك ذ ب) |
| Avgv‡`i AvqvZ (Av‡`k, evYx, wb`k©b) | ااياَتِنَا |
| Rvnvbœv‡gi Awaevmx | أَصْحَابُ النَّارِ |
| **i“Kz- 5** |  |
| ‡n | يَا |
| BmivC‡ji eskai | بَنِيْ إِسْرَآئِيْلَ |
| ‡Zvgiv ¯§iY Ki | اذْكُرُوْا |
| ‡Zvgiv c~Y© Ki | أَوْفُوْا |
| cªwZkªywZ | عَهْد |
| Avwg c~Y© Kie | أُوْفِ |
| ‡Kej Avgv‡KB | إِيَّايَ |
| myZivs Avgv‡KB fq Ki | فَارْهَبُوْنِ (ر ه ب) |
| Avwg AeZxY© K‡iwQ | أَنْزَلْتُ |
| mZ¨Zv mg\_©bKvix, mZ¨vqbKvix | مُصَدِّقًا |
| Zvi Rb¨ hv | لِمَا |
| ‡Zvgv‡`i mv‡\_ | مَعَكُمْ |
| n‡qv bv, n‡q †hI bv | لَا تَكُوْنُوْا |
| cÖ\_g | أَوَّلَ |
| †Zvgiv µq Ki bv | لَا تَشْتَرُوْا (ش ر ي) |
| Avgvi AvqvZ (Av‡`k, evYx, wb`k©b) | اايَاتِيْ |
| g~j¨ | ثَمَنًا |
| mvgvb¨ | قَلِيْلاً |
| ‡Zvgiv wgkv‡e bv, ‡Zvgiv †X‡Kv bv | لَا تَلْبِسُوْا |
| wg\_¨v | بَاطِل |
| †Zvgiv †Mvcb K‡iv bv | (fvewe‡kl¨*.:* كَتْمٌ ) لَا تَكْتُمُوْا |
| †Zvgiv Kv‡qg Ki | أَقِيْمُوْا |
| †Zvgiv i“Kz Ki, AebZ nI | ارْكَعُوْا |
| i“KyKvix‡`i mv‡\_ | رَاكِعِيْنَ |
| wK | أَ |
| ‡Zvgiv wb‡`©k `vI | تَأْمُرُوْنَ (ا م ر) |
| Kj¨vY, fv‡jv | بِرّ |
| ‡Zvgiv fy‡j hvI | تَنْسَوْنَ (ن س ي) |
| wb‡R‡`i‡K | أَنْفُسَكُمْ (ن ف س) |
| ‡Zvgiv wZjvIqvZ Ki | تَتْلُوْنَ (ت ل و) |
| Z‡e wK (‡Zvgiv ) bv | أَفَلَا |
| ‡Zvgiv ‡evS | تَعْقِلُوْنَ (ع ق ل) |
| ‡Zvgiv mvnvh¨ PvI | اِسْتَعِيْنُوْا |
| Aek¨B eo KwVb | لَكَبِيْرَةٌ |
| hviv fq K‡i, hviv webxZ | خَاشِعِيْنَ (خ ش ع) |
| Zviv wek¦vm K‡i, Zviv g‡b iv‡L | يَظُنُّوْنَ (ظ ن ن) |
| wbðqB Zviv | أَنَّهُمْ |
| Zviv mv¶vrKvix, Zviv wgwjZ n‡e | مُلَاقُوْا |
| cÖZ¨veZ©bKvix | رَاجِعُوْنَ (ر ج ع) |
| **i“Kz- 6** |  |
| Avwg | أَنِّيْ |
| Avwg ghv©`v w`‡qwQ, Avwg ‡kªôZ¡ w`‡qwQ | فَضَّلْتُ (ف ض ل) |
| Ges †Zvgiv fq Ki, AvZ¥i¶v Ki | وَاتَّقُوْا |
| w`b | يَوْمًا |
| Kv‡R Avm‡e bv | لَاتَجْزِىْ (ج ز ي) |
| i“n, †Kvb cÖvYx | نَفْسٌ |
| Rb¨ | عَنْ |
| Keyj Kiv n‡e bv | لَا يُقْبَلُ (ق ب ل) |
| mycvwik | شَفَاعَةٌ (ش ف ع) |
| Zv‡`i mvnvh¨ Kiv n‡e | يُنْصَرُوْنَ (ن ص ر) |
| ‡bqv n‡e bv | لَا يُؤْخَذُ |
| ¶wZc~iY | عَدْلٌ |
| Avgiv †Zvgv‡`i gyw³ w`‡qwQjvg, i¶v K‡iwQjvg | نَجَّيْنَاكُمْ (ن ج و) |
| Abymvixiv, †jv‡Kiv, eskai | االَ |
| ‡divDb | فِرْعَوْنَ |
| Zviv Kó w`Z | يَسُوْمُوْنَ |
| Lvivc, K‡Vvi | سُوْءَ |
| kvw¯— | عَذَاب |
| RevB Kiv | ذَبْح |
| cyÎ mš—vbiv, †Q‡jiv | (GKePb*.:* اِبْنٌ ) أَبْنَآءَ |
| Zviv evuwP‡q ivL‡Zv | يَسْتَحْيُوْنَ |
| bvixiv | نِسَآء |
| Ges Gi g‡a¨ (wQj) | وَفِيْ ذالِكُمْ |
| cix¶v | بَلَآءٌ |
| ‡Zvgv‡`i ie | رَبُّكُمْ |
| KwVb, eo | عَظِيْمٌ |
| hLb | إِذْ |
| Avgiv wef³ K‡iwQjvg, we`xY© K‡iwQjvg | فَرَقْنَا (ف ر ق) |
| ‡Zvgv‡`i (Rb¨) | بِكُمْ |
| mgy`ª | بَحْرٌ |
| Avgiv Wywe‡q w`‡qwQjvg | أَغْرَقْنَا |
| †Zvgiv †`LwQ‡j | تَنْظُرُوْنَ (ن ظ ر) |
| Avgiv wba©vwiZ K‡iwQjvg | َواعَدْنَا |
| Pwj­k | أَرْبَعِيْنَ |
| ivZ | (eûePb*.:* لَيَالِيْ) لَيْلَة |
| Gici | ثُمَّ |
| ‡Zvgiv MÖnY K‡iwQ‡j | اِتَّخَذْ تُمْ (ا خ ذ) |
| evQyi | عِجْلٌ |
| Zvici | مِنْ بَعْدِها |
| Ab¨vqKvix | ظَالِمُوْنَ (ظ ل م) |
| Avgiv gvd K‡iwQjvg | عَفَوْنَا |
| Gi c‡iI | مِنْ بَعْدِ ذالِكَ |
| mZ¨ wg\_¨vi gvcKvwV, hvi Øviv b¨vq I Ab¨v‡qi cv\_©K¨ my¯úó nq | فُرْقَانْ |
| ‡Zvgiv cªZ¨veZ©b Ki, ZIev Ki | تُوْبُوْا |
| mªóv | بَارِئٌ |
| hZ¶Y bv | حَتّى |
| Avgiv †`wL | نَراى |
| cªKv‡k¨ | جَهْرَةً |
| eRªcvZ, MR©b, we`y¨r PgK | صَاعِقَةٌ |
| cybi“¾xweZ Kij | بَعْثٌ |
| Avgiv Qvqv w`‡qwQjvg | ظَلَّلْنَا (ظ ل ل) |
| ‡gN | غَمَامٌ |
| AbyMÖn, awbqvi g‡Zv GK cÖKvi Lv`¨ | اَلْمَنُّ |
| evbx BmivC‡ji Rb¨ Avmgvb †\_‡K bvwhj Kiv GK cªKvi cvLx | سَلْواى |
| ‡Zvgiv LvI | كُلُوْا |
| cweÎ e¯‘ | طَيِّبَاتِ (ط ي ب) |
| Zviv Ab¨vq K‡iwQj, Ryjyg K‡iwQj | ظَلَمُوْا |
| wKš‘ | لكِنْ |
| GB, Bnv | هذِهِ |
| kni, MÖvg | قَرْيَةٌ |
| ‡hLv‡b | حَيْثُ |
| ‡Zvgiv PvI | شِئْتُمْ |
| ¯^vb‡›` | رَغَدًا |
| `iRv | بَابٌ |
| wmR`vq AebZ n‡q, wmR`viZ Ae¯’vq | سُجَّدًا |
| ‡Zvgiv ej | قُوْلُوْا |
| ¶gv | حِطَّةٌ |
| Avgiv ¶gv Kie | نَغْفِرْ |
| ‡Zvgv‡`i Î“wU¸‡jv, †Zvgv‡`i mxgvj•Nb¸‡jv | خَطَايَاكُمْ |
| kxNÖB, A`~i fwel¨‡Z | سَ |
| Avgiv evwo‡q †`e | نَزِيْدُ (ز ي د) |
| hviv Bnmvb K‡i, hviv b¨vqcš’x | مُحْسِنِيْنَ |
| AZtci, Z‡e | فَ |
| cwieZ©b Kij | بَدَّلَ |
| kvw¯—, gnvgvix, †µva | رِجْزًا |
| Zviv cvc KvR K‡i, Ab¨vq K‡i, mxgvj•Nb K‡i | يَفْسُقُوْنَ (ف س ق) |
| **i“Kz- 7** |  |
| ‡m cvwb PvBj | اِسْتَسْقى |
| Zywg AvNvZ Ki, cÖnvi Ki | (fvewe‡kl¨*.:* ضَرْبٌ) اِضْرِبْ |
| jvwV | عَصَا |
| cv\_i | حَجَرْ |
| †d‡U †ei nj, cÖevwnZ nj | اِنْفَجَرَتْ (ف ج ر) |
| ev‡iv, ev‡ivwU | اِثْنَتَا عَشَرَةَ |
| SYv© | (eûePb*.:* عُيُوْنٌ) عَيْنًا |
| wbðqB | قَدْ |
| RvbZ | عَلِمَ (ع ل م) |
| mKj | كُلُّ |
| †jvK, gvbyl | أُنَاسٌ |
| cvwb cvb Kivi ¯’vb | مَشْرَبٌ |
| ‡Zvgiv LvI | كُلُوْا |
| ‡Zvgiv cvb Ki | اِشْرَبُوْا (ش ر ب) |
| ‡Zvgiv wech©q m„wó Ki bv | لَا تَعْثَوْا (ع ث و) |
| Lvevi | طَعَامٌ |
| GKB, GK | وَاحِدٌ |
| myZivs Zzwg Wv‡Kv, cÖv\_©bv Ki | فَادْعُ (د ع و) |
| Avgv‡`i Rb¨ | لَنَا |
| wZwb †ei K‡ib, Ercbœ K‡ib | يُخْرِجْ (خ ر ج) |
| Ercv`b K‡i | تُنْبِتُ (ن ب ت) |
| kvKmewR | بَقْلٌ |
| kmv | قِثَّآءٌ |
| he, Mg, imyb | فُوْمٌ |
| gïi Wvj, Wvj | عَدَسٌ |
| wcuqvR | بَصَلٌ |
| ‡Zvgiv e`j Ki‡Z PvI | تَسْتَبْدِلُوْنَ (ب د ل) |
| wbK…ó, mvgvb¨ | أَدْنى |
| kni,bMi | مِصْرٌ |
| ‡Zvgiv hv wKQy †P‡q‡Qv | سَأَلْتُمْ |
| Av‡ivwcZ nj, coj | ضُرِبَتْ (ض ر ب) |
| Acgvb, bxPZv, jvÃbv | ذِلَّةٌ |
| `vwi`ª, `vwi`ªZv | مَسْكَنَةٌ |
| Zviv cwi‡ewóZ nj, Zviv AR©b Kij | بَآءُوْا |
| Zviv nZ¨v K‡i | يَقْتُلُوْنَ (ق ت ل) |
| bexMY(ÕAvjvBwngym mvjvg) | (GKePb*.:* نَبِيٌّ) نَبِيِّيْنَ |
| Zviv Aeva¨Zv K‡iwQj | (fvewe‡kl¨*.:* عِصْيَانٌ) عَصَوْا |
| Zviv mxgvj•Nb KiZ | يَعْتَدُوْنَ (ع د و) |
| **i“Kz- 8** |  |
| Zviv Bû`x nj | هَادُوْا |
| Lªxóvb | نَصَاراى |
| mvex,ZviKvc~Rvix | صَابِئِيْنَ |
| ‡kl w`b | يَوْمُ الْااخِرَةِ |
| KvR Kij | عَمِلَ |
| mr, fvj | صَالِحًا |
| Zv‡`i cyi¯‹vi | أَجْرُهُمْ |
| i‡ei Kv‡Q, cvjbKZ©vi Kv‡Q | عِنْدَ رَبْ |
| welbœ nj | حَزِنَ |
| Avgiv MÖnY K‡iwQjvg | أَخَذْنَا |
| cÖwZk~ªwZ | مِيْثَاقٌ |
| Avgiv Dc‡i Zz‡j a‡iwQjvg | رَفَعْنَا (ر ف ع) |
| Dci | فَوْقَ |
| Zzi ce©Z, GKwU cvnv‡oi bvg | طُوْرٌ |
| ‡Zvgiv wd‡i †M‡j | تَوَلَّيْتُمْ |
| hw` | لَوْ |
| Aek¨B, wbðqB | لَقَدْ |
| Zviv mxgv Qvwo‡q ‡Mj, Zviv mxgvj•Nb Kij | اِعْتَدَوْا |
| kwbevi | اَلسَّبْتُ |
| evbi | (GKePb*.:* قِرْدٌ ) قِرَدَةٌ |
| N„wYZ, jvwÃZ | خَاسِئِيْنَ |
| wk¶Yxq welq, `„óvš—, kvw¯— | نَكَالاً |
| Zv‡`i Av‡M, m¤§yL fv‡M, mvg‡b | بَيْنَ يَدَيْ |
| wcQ‡b | خَلْف |
| Dc‡`k | مَوْعِظَةٌ (و ع ظ) |
| wZwb wb‡`©k †`b | يَأْمُرُ (ا م ر) |
| ‡hb | أَنْ |
| Mvfx | بَقَرَةٌ |
| gRv Kiv, we`ª“c Kiv, VvÆv Kiv | هُزُوًا |
| Avwg Avkªq PvB | أَعُوْذُ |
| ‡`vqv Ki, cÖv\_©bv Ki, Wv‡Kv | اُدْعُ |
| wZwb ¯úó K‡i eY©bv K‡ib, wZwb e‡j †`‡eb | يُبَيِّنْ |
| ‡mUv †Kgb (Mvfx)? | مَاهِىَ |
| wZwb e‡jb | يَقُوْلُ |
| e„× bq | لَا فَارِضٌ |
| ev”Pv bq, KzgvixI bq | بِكْرٌ لَا |
| gvSvgvwS, ga¨g eq‡mi | عَوَانٌ |
| ‡Zvgiv Ki | اِفْعَلُوْا |
| hv | مَا |
| ‡Zvgv‡`i‡K wb‡`©k †`qv nq | تُؤْمَرُوْنَ (ا م ر) |
| Zvi is | (eûePb*.:* أَلْوَان) لَوْنُهَا |
| njy` is‡qi | صَفْرَآءُ |
| Mvp is | فَاقِعٌ |
| Zv Avb›` †`q | تَسُرُّ (س ر ر) |
| `k©KgÛjx (†K) | نَاظِرِيْنَ (ن ظ ر) |
| GKB iKg g‡b nj, mskq nj | تَشَابَهَ |
| Pvb | شَآءَ |
| ‡Kvb ai‡Yi Kv‡R e¨eüZ nq, KvRKg© K‡i Ggb | ذَلُوْلٌ |
| Rwg Pvl K‡i | تُثِيْرُ الْأَرْضَ (ث و ر) |
| cvwb †`q (Rwg‡Z) | تَسْقِيْ |
| ‡¶Z-Lvgvi | حَرْثٌ |
| wbLuyZ, my¯’, wb‡`©vl | مُسَلَّمَةٌ |
| ‡Kvb `vM bvB | لَا شِيَةَ |
| GLb | أَلْئنَ |
| Zywg wb‡q G‡m‡Qv, Zywg G‡m‡Qv | جِئْتَ |
| Zviv AvMÖnx wQj bv, Zviv cÖvq KiZ bv | مَا كَادُوْا |
| **i“Kz- 9** |  |
| ‡Zvgiv nZ¨v Ki‡j | قَتَلْتُمْ (ق ت ل) |
| ‡Zvgiv G‡K A‡b¨i Dci †`vlv‡ivc Ki‡j | اِدَّارَءْتُمْ (د ر ء) |
| cÖKvkKvix | مُخْرِجٌ |
| ‡Zvgiv †Mvcb Ki | تَكْتُمُوْنَ (ك ت م) |
| Zvi wKQy Ask Øviv | بِبَعْضِهَا |
| Gfv‡e | كَذالِكَ |
| RxweZ K‡ib | يُحْيِْ |
| g„Z e¨w³ | (GKePb*.:* مَيِّتٌ) مَوْتى |
| wZwb †Zvgv‡`i ‡`Lvb | يُرِيْكُمْ (ر ء ي) |
| wb`k©bmg~n | اايَاتْ |
| ‡Zvgiv †evS, †Zvgiv eyS‡Z cvi | تَعْقِلُوْنَ |
| Gici, AZtci | ثُمَّ |
| K‡Vvi nj,KwVb n‡q †Mj | (fvewe‡kl¨*.:* قَسَاوَةٌ) قَسَتْ |
| ü`q¸‡jv | (GKePb*.:* قَلْبٌ ) قُلُوْبٌ |
| Gfv‡e | فَ |
| Zv | هِىَ(Zviv: GLv‡b me©bvg wn‡m‡e e¨eüZ n‡”Q قُلُوْبٌ,  -Gi Rb¨ fv½v eûePb wn‡m‡e) |
| gZ | كَ |
| cv\_i | (GKePb*.:* حَجَرٌ) حِجَارَةٌ |
| A\_ev | أَوْ |
| Av‡iv, †ekx | أَشَدُّ |
| K‡Vvi, KwVb | قَسْوَةٌ (ق س و) |
| KviY Aek¨B | لَمَا |
| cÖevwnZ nq, †d‡U †ei nq | يَتَفَجَّرُ |
| b`x, SY©vaviv | (GKePb*.:* نَهْرٌ) أَنْهَار |
| †d‡U hvq | يَشَّقَّقُ (ش ق ق) |
| c‡o hvq | يَهْبِطُ (ه ب ط) |
| Avj­vni f‡q | خَشْيَةُ اللَّهِ |
| Gici wK †Zvgiv PvI, Gici wK †Zvgv‡`i †Kvb Avkv Av‡Q | أَ فَتَطْمَعُوْنَ (ط م ع) |
| PvBj, Avkv Kij, AvMÖnx nj | طَمَعَ |
| ‡h | أَنْ |
| wbðqB | قَدْ |
| GK`j | فَرِيْقٌ |
| Zviv cwieZ©b K‡i, e`‡j †`q | يُحَرِّفُوْنَ |
| Zviv eySj | عَقَلُوْا |
| Zviv ‡`Lv Kij, Zviv wgwjZ nj | لَقُوْا |
| Zviv ejj | (fvewe‡kl¨*:* قَوْلٌ) قَالُوْا |
| Avgiv Cgvb G‡bwQ | اامَنَّا |
| GKv n‡j, wbR©‡b wgwjZ n‡j | (fvewe‡kl¨*.:* خَلْوَةٌ) خَلَا |
| ‡Zvgiv e‡j `vI ev e‡j w`‡e | تُحَدِّثُونَ |
| H welq hv | بِمَا |
| cÖKvk Kij | فَتَحَ |
| ‡Zvgv‡`i cÖwZ, †Zvgv‡`i Dc‡i, wbK‡U | عَلَيْكُمْ |
| Zviv SMov K‡i, ZK© K‡i | يُحَآجُّوْنَ |
| Zviv †Mvcb K‡i | (†Mvcb welq: سِرٌّ ; †Mvcb welqvw`: أَسْرَار) يُسِرُّوْنَ |
| Zviv cÖKvk K‡i | (fvewe‡kl¨*.:* اِعْلَانٌ) يُعْلِنُوْنَ |
| wbi¶i | أُمِّيُّوْنَ |
| GQvov | إِلَّا |
| AvKvs¶v, wfwËnxb Avkv | أَمَانِىُّ |
| hw`, bv | إِنْ (hw` إِنْ -Gi ci إِلَّا \_v‡K Zvn‡j إِنْ -Gi gv‡b nq ÔwKQyB bvÕ) |
| aŸsm | وَيْلٌ |
| Zviv wj‡L | يَكْتُبُوْنَ (ك ت ب) |
| Zv‡`i nvZ | (GKePb*.:* يَدٌ) أَيْدِيْهِمْ |
| g~j¨ | ثَمَنًا |
| Zviv AR©b K‡i | يَكْسِبُوْنَ (ك س ب) |
| KL‡bv bv | لَنْ |
| Avgv‡`i‡K ¯úk© Ki‡e | تَمَسَّنَا (م س س) |
| w`b¸‡jv | (GKePb*.:* يَوْمٌ) أَيَّامًا |
| GKwU wbw`©ó msL¨v, wKQy, MYbvK…Z | مَعْدُوْدَةً |
| ej | قُلْ |
| Pyw³, cªwZkÖ“wZ, A½xKvi | عَهْدٌ |
| f½ Ki‡eb, wei“×vPiY Ki‡eb bv | يُخْلِفُ |
| A\_ev | أَمْ |
| eis mZ¨ nj | بَلى |
| ‡h †KD, †h e¨w³ | مَنْ |
| ‡m AR©b Kij | كَسَبَ (ك س ب) |
| Lvivc KvR, cvc | (eûePb*.:* سَيِّئَات) سَيِّئَةٌ |
| ‡NivI K‡i wbj, cwi‡eób Kij | (fvewe‡kl¨*.:* إِحَاطَةٌ) أَحَاطَتْ |
| Aciva, cvc | (eûePb*.:* خَطِيْئَاتٌ) خَطِيْئَةٌ |
| **i“Kz- 10** |  |
| wcZv-gvZv | وَالِدَيْنِ |
| AvZ¥xq-¯^Rb | ذِىْ القُرْبى |
| BqvZxgMY | (GKePb*.:* يَتِيْمٌ) يَتَامى |
| `wi`ª, Afvex e¨w³ | مَسَاكِيْنُ |
| †Zvgiv ej | قُوْلُوْا |
| my›`i K\_v, fv‡jv K\_v, f`ª AvPiY | حُسْنًا |
| ‡Zvgiv Kv‡qg Ki, cÖwZôv Ki | أَقِيْمُوْا |
| ‡Zvgiv `vI | ااتُوْا |
| hvKvZ, m¤ú` cweÎ Kivi Rb¨ ag©xq Bev`Z ev wbqg we‡kl | زَكوة |
| ‡Zvgiv gyL wdwi‡q wb‡qwQ‡j | تَوَلَّيْتُمْ |
| mvgvb¨ wKQy | قَلِيْلًا |
| ‡Zvgv‡`i ga¨ †\_‡K | مِنْكُمْ |
| ‡Zvgiv | أَنْتُمْ |
| hviv gyL wdwi‡q †bq | مُعْرِضُوْنَ |
| Ni¸‡jv | (GKePb*.:* دَارٌ) دِيَارٌ |
| ‡Zvgiv ¯^xKvi K‡iwQ‡j | أَقْرَرْتُمْ |
| ‡Zvgiv mv¶¨ `vI | تَشْهَدُوْنَ |
| Hme (†jv‡Kiv), GB mKj ‡jv‡KivB | هَآؤُلَآءِ |
| ‡Zvgiv ci¯úi‡K mnvqZv Ki | تَظَاهَرُوْنَ (ظ ه ر) |
| cvc | إِثْمٌ |
| evovevwo Kiv, mxgvj•Nb Kiv, Ryjyg Kiv | عُدْوَانٌ |
| Zviv †Zvgv‡`i Kv‡Q Av‡m | يَاْتُوْكُمْ |
| e›`x | أُسَاراى |
| ‡Zvgiv gyw³cY wb‡q QvovI, wewbgq K‡i QvovI | تُفَادُوْ (ف د ي) |
| Z‡e wK | فَمَا |
| cÖwZ`vb, cyi¯‹vi | جَزَآءُ |
| ‡h | مَنْ |
| K‡i | يَفْعَلُ |
| Acgvb, jvÃbv | خِزْىٌ |
| Rxeb | حَيوة |
| Zv‡`i wdwi‡q †bqv n‡e, Zv‡`i wdwi‡q †`qv n‡e | يُرَدُّوْنَ |
| w`‡K | إِلى |
| K‡VviZg | أَشَدِّ |
| Ges bv | وَمَا |
| G wel‡q hv | عَمَّا |
| nvjKv Kiv n‡e, Kgv‡bv n‡e | يُخَفَّفُ |
| Zv‡`i mvnvh¨ Kiv n‡e | يُنْصَرُوْنَ |
| **i“Kz- 11** |  |
| wbtm‡›`‡n, wbðqB, Aek¨B | لَقَدْ |
| Avgiv w`‡qwQ | اا تَيْنَا |
| Avgiv ch©vqµ‡g cvwV‡qwQ | قَفَّيْنَا (ق ف ي) |
| im~jMY | (GKePb*.:* رُسُوْل ) رُسُلْ |
| gwiq‡gi cyÎ | اِبْنُ مَرْيَمْ |
| my¯úó wb`k©bmg~n | بَيِّنَاتٍ |
| Avgiv Zv‡K mvnvh¨ K‡iwQ | أَيَّدْنَا |
| cweÎ AvZœv [wReivCj (Avt)] w`‡q | رُوْحُ القُدُس |
| Zvn‡j wK | أَفَ |
| hLbB | كُلَّمَا |
| Avm‡jv, G‡m‡Q | جَآءَ |
| ‡Kvb im~j | رَسُوْل |
| Pvq bv, cQ›` K‡i bv | لَا تَهْواى |
| ‡Zvgv‡`i gb | أَنْفُسُكُمْ (ن ف س) |
| ‡Zvgiv AnsKvi K‡iQ | اِسْتَكْبَرْتُمْ |
| GK `j | فَرِيْقًا |
| ‡Zvgiv nZ¨v K‡iQ | تَقْتُلُوْنَ (ق ت ل) |
| Zviv ejj | قَالُوْا |
| ü`q¸‡jv | (GKePb*.:* قَلْبٌ) قُلُوْب |
| Av”Qvw`Z, myiw¶Z, wMjv‡d XvKv | غُلْفٌ |
| eis | بَلْ |
| Awfkvc w`j | لَعَنَ |
| Zv‡`i, Zviv (cyi“l) | هُمْ |
| hLb | لَمَّا |
| mZ¨vqbKvix | مُصَدِّقٌ |
| hv Zv‡`i mv‡\_ wQj | لِمَا مَعَهُمْ |
| Zviv weRq Pvq | يَسْتَفْتِحُوْنَ (ف ت ح) |
| hv Zviv wPbj | مَا عَرَفُوْا (ع ر ف) |
| Zv KZB wbK…ó | بِئْسَمَا |
| Zviv wewµ Kij | اِشْتَرَوْا |
| ‡h | أَنْ |
| Zviv Kzdix K‡i | يَكْفُرُوْا |
| we‡`ªvn ekZt, †R` ekZt | بَغْيًا |
| Zviv AR©b Kij, Zviv cwi‡ewóZ nj | بَآءُوْ |
| AegvbbvKi | مُهِيْنٌ |
| Qvov,e¨ZxZ, wcQ‡b | وَرَآءَ |
| ‡Kb | لِمَ |
| Avj­vni bexMY (ÕAvjvBwngym mvjvg) | (GKePb*.:* نَبِيٌّ) أَنْبِيَآءَ اللَّهِ |
| evQyi | عِجْلٌ |
| Avgiv DwV‡qwQjvg, Zz‡j a‡iwQjvg | رَفَعْنَا (ر ف ع) |
| Eci | فَوْقَ |
| GKwU cvnv‡oi bvg | طُوْر |
| †Zvgiv ai, MÖnY Ki | خُذُوْا |
| k³fv‡e, `„pZvi mv‡\_ | بِقُوَّةٍ |
| Ges ïb | وَاسْمَعُوْا (س م ع) |
| Avgiv Agvb¨ Kijvg, Aeva¨ njvg | عَصَيْنَا |
| Zv‡`i cvb Kiv‡bv n‡qwQj, wmwÂZ n‡qwQj | أُشْرِبُوْا (ش ر ب) |
| wb‡`©k †`q | يَأْمُرُ (ا م ر) |
| hw` n‡q \_v‡K | إِنْ كَانَتْ |
| AvwLiv‡Zi Ni, ciKvj | اَلدَّارُ الْااخِرَةُ |
| Avj­­vni wbKU | عِنْدَ اللَّهِ |
| GKgvÎ, we‡klfv‡e | خَالِصَةً |
| gvbeRvwZi Ab¨‡`i Rb¨ bq, Ab¨ gvby‡liv Qvov | مِنْ دُوْنِ النَّاسِ |
| AvKv•Lv Ki, Avkv Ki, Awfjvl Ki | تَمَنَّوْا |
| wPiKvj, me©`v, KL‡bv | أَبَدًا |
| Av‡M cvwV‡q‡Q | قَدَّمَتْ |
| Zv‡`i nvZMy‡jv | أَيْدِيْهِمْ |
| AeMZ, LyeB AewnZ, me©Á, whwb mewKQy Rv‡bb | عَلِيْمٌ |
| wbðqB Zywg cv‡e | لَتَجِدَنَّ |
| me©vwaK †jvfx | أَحْرَصَ |
| Avqy, Rxeb | حَيوة |
| hviv wkiK& K‡i | أَشْرَكُوْا |
| Kvgbv K‡i, Pvq | يَوَدُّ |
| Zv‡`i cª‡Z¨‡K, Zv‡`i †KD †KD, Zv‡`i A‡b‡KB | أَحَدُهُمْ |
| hw` | لَوْ |
| Avqy ‡`qv nZ, eqm †`qv nZ | يُعَمَّرُ (ع م ر) |
| GK nvRvi | أَلْفَ |
| eQi | سَنَة |
| Zv bv | مَاهُوَ |
| †h evuPv‡Z cv‡i, i¶vKvix, gyw³`vZv | مُزَحْزِحٌ |
| me©`ªóv, whwb mewKQy †`‡Lb | بَصِيْرٌ |
| **i“Kz- 12** |  |
| kÎ“ | عَدُوٌّ |
| AbygwZ | إِذْنٌ |
| mymsev` | بُشْراى |
| †d‡ikZv wReªvCj (Avt) | جِبْرِيْلَ |
| †d‡ikZv wgKvCj (Avt) | مِيْكَالَ |
| `y®K…wZKvixiv, mxgvj•NbKvixiv | (GKePb*.:* فَاسِقٌ) فَاسِقُوْنَ |
| wb‡¶c Kij | نَبَذَ (ن ب ذ) |
| ‡`qv n‡q‡Q | أُوْتُوْا |
| ‡cQ‡b, e¨ZxZ, Qvov | وَرَآءَ |
| wcV | (GKePb*.:* ظَهْرٌ) ظُهُورْ |
| Zviv †hb | كَأَنَّهُمْ |
| Rv‡b bv | لَا يَعْلَمُوْنَ |
| AbymiY Kij | اِتَّبَعُوْا (ت ب ع) |
| hv wKQy | مَا |
| Ave„wË KiZ, coZ | (fvewe‡kl¨*.:* تِلَاوَةٌ) تَتْلُوْا |
| ivRZ¡ | مُلْكٌ |
| wKš‘ | لكِنْ |
| Zviv wk¶v ‡`q | (fvewe‡kl¨*.:* تَعْلِيْمٌ) يُعَلِّمُوْنَ |
| hv`y we`¨v | سِحْرٌ |
| `yBRb †d‡ikZv | (GKePb*.:* مَلَكٌ) مَلَكَيْنِ |
| e¨vwewjqb, Biv‡Ki Aš—©MZ GKwU kn‡ii bvg | بَابِلَ |
| `yBRb †d‡ikZvi bvg, nvi“Z I gvi“Z | هَارُوْتَ وَ مَارُوتَ |
| ‡KD bv | مَا |
| KvD‡K | مِنْ أَحَدٍ |
| hZ¶Y bv | حَتّى |
| Zviv Df‡q e‡j, Zviv `yRb e‡j | (fvewe‡kl¨*.:* قَوْلٌ) يَقُوْلَا |
| cÖK„Zc‡¶, †KejgvÎ | إِنَّمَا |
| Avgiv | نَحْنُ |
| cix¶v | فِتْنَةٌ |
| Kvwdi n‡qv bv, Awek¦vm Ki bv | لَا تَكْفُرْ |
| Zviv wk¶v ‡bq | (fvewe‡kl¨*.:* تَعَلُّمٌ) يَتَعَلَّمُوْنَ |
| Zv‡`i `yR‡bi †\_‡K | مِنْهُمَا |
| Zviv we‡”Q` NUvq | (fvewe‡kl¨*.:* تَفْرِيْقٌ) يُفَرِّقُوْنَ |
| hv Øviv | بِها |
| gv‡S | بَيْنَ |
| e¨w³, cyi“l, ¯^vgx | الْمَرْءِ |
| ¯¿x (`yR‡bi GKRb) | زَوْجٌ |
| Zviv bq | مَا هُمْ |
| AwbóKvix | (GKePb*.:* ضَارٌّ) ضَارِّيْنَ |
| hv | مَا |
| ¶wZK‡i | يَضُرُّ (ض ر ر) |
| DcKvi K‡i | يَنْفَعُ (ن ف ع) |
| Zviv RvbZ | عَلِمُوْا |
| Aek¨B †h e¨w³ | لَمَنْ |
| µq Kij | اِشْتَراى |
| Zvi Rb¨ ‡bB | مَا لَه، |
| Ask | خَلَاقٌ |
| Aek¨B KZ wbK…ó, LyeB g›` | لَبِئْسَ |
| Zviv wewµ Kij | شَرَوْا |
| ‡h Zviv | أَنَّهُمْ |
| cÖwZ`vb | مَثُوْبَةٌ |
| DËg, fvj | خَيْرٌ |
| **i“Kz- 13** |  |
| Avgv‡`i K\_v ïbyb, Avgv‡`i w`‡K `„wó w`b ev j¶¨ Ki“b, Avgv‡`i Rb¨ GKUz A‡c¶v Ki“b | رَاعِنَا(رَاعِنَا ، اُنْظُرْنَا GB `ywU Aviex k‡ãi A\_© GKB| wKš‘ Bû`xiv wRf evuwK‡q ejZ رَاعِيْنَا hvi A\_© Avgv‡`i cv‡ji i¶K| ZvB gymwjg‡`i G kã e¨envi Ki‡Z wb‡la Kiv nq I Dc‡`k †`qv nq اُنْظُرْنَاej‡Z) |
| Avgv‡`i cÖwZ j¶¨ Ki“b | اُنْظُرْنَا |
| fvjev‡m bv, Pvq bv | مَا يَوَدُّ (و د د) |
| we‡klfv‡e g‡bvbxZ K‡ib | يَخْتَصُّ (خ ص ص) |
| wZwb hv‡K B”Qv K‡ib | مَنْ يَّشَآءُ |
| AbyMÖnkxj | ذُو الفَضْلِ |
| gnvb, eo | عَظِيْمٌ |
| Avgiv iwnZ Kwi, Avgiv ev` K‡i †`B, Avgiv gy‡Q †`B | نَنْسَخْ (ن س خ) |
| A\_ev | أَوْ |
| Avwb | نَأْتِ |
| wK bq,bvwK | أَلَمْ |
| Zywg Rvb | تَعْلَمْ |
| Avj­vn Qvov | دُوْنِ اللَّهِ |
| eÜz, AwffveK | (eûePb*.:* أَوْلِيَاء) وَلِيٌّ |
| mvnvh¨Kvix | ( نَصَر ، يَنْصُرُ ، نَصْرٌ) نَصِيْرٌ (ن ص ر) |
| bvwK ‡Zvgiv PvI? | أَمْ تُرِيْدُوْنَ |
| ‡Zvgiv cÖkœ Ki‡e | تَسْئَلُوْا |
| †hgb | كَمَا |
| wRÁvwmZ n‡qwQ‡jv | سُئِلَ |
| e`j K‡i | يَتَبَدَّلُ (ب د ل) |
| mij c\_ | سَوَآءَ السَّبِيْل |
| Pvq, Kvgbv K‡i | وَدَّ |
| A‡bK, A‡b‡K | كَثِيْرٌ |
| hw` | لَوْ |
| cÖKvwkZ nj, my¯úó nj | تَبَيَّنَ (ب ي ن) |
| ¶gv Kiv | عَفْوٌ (ع ف و) |
| D‡c¶v Kiv, †Q‡o †`qv, Gwo‡q Pjv | صَفْحٌ |
| ‡`b, cvVvb, wb‡q Av‡mb | يَأتِىْ |
| wb‡`©k | (eûePb*.:* أُمُوْر ؛ أَوَامِر) أَمْرٌ |
| ‡Zvgiv Av‡M cvVv‡e | تُقَدِّمُوْا |
| ‡Zvgiv cv‡e | تَجِدُوْا |
| Kv‡Q | عِنْدَ |
| GUv, IUv | تِلْكَ |
| Zv‡`i AvKv•Lv | أَمَانِيُّهُمْ |
| Avb, `vI | هَاتُوْا |
| cÖgvY, `jxj | (eûePb*.:* بَرَاهِيْن) بُرْهَانٌ |
| Z‡e n¨vu, †Kb bv, Aek¨B | بَلى |
| AbyMZ n‡q‡Q, AvZœmgc©Y K‡i‡Q | أَسْلَمَ (س ل م) |
| wb‡R‡K, Zvi mZ¡v‡K | (eûePb*.:* وُجُوْهٌ) وَجْهَهُ |
| mrKg©kxj | (eûePb*.:* مُحْسِنُوْنَ ، مُحْسِنِيْنَ) مُحْسِنٌ |
| cÖwZ`vb | أَجْرٌ |
| `ytL, `ywðš—v, welv` | حُزْنٌ |
| **i“Kz- 14** |  |
| Bû`xiv ejj | قَالَتِ الْيَهُوْدُ |
| bvB , bv | (cyswj½*.:* لَيْسَ) لَيْسَتْ |
| Gfv‡eB | كَذالِكَ |
| AwaK AZ¨vPvix, eo Ab¨vqKvix | أَظْلَمُ (ظ ل م) |
| evav w`j, gvbv Kij | مَنَعَ |
| gvmwR`¸‡jv | (GKePb*.:* مَسْجِدٌ) مَسَاجِدَ |
| ¯§iY Kiv nq, whK&i Kiv nq | يُذْكَرُ |
| ‡Póv Kij | سَعى |
| aŸsm | خَرَابْ |
| cª‡ek Kiv | دَخْلٌ |
| hviv fxZ mš¿¯— | خَآئِفِيْنَ (خ و ف) |
| jvÃbv, `yM©wZ | خِزْيٌ |
| ‡hw`‡KB, †hLv‡bB | أَيْنَمَا |
| gyL wdivI | تُوَلُّوْا |
| ‡mw`‡KB, †mLv‡bB | ثَمَّ |
| Avj­­vni gyL | وَجْهُ اللَّهِ |
| ‡Q‡j | (eûePb*.:* أَوْلَادٌ) وَلَدًا |
| wZwb cig cweÎ | سُبْحَانَهُ |
| AbyMZ | (eûePb*:* قَانِتُوْنَ ، قَانِتِيْنَ) قَانِتٌ |
| mªóv, bgybv wenxb mªóv | بَدِيْعٌ |
| hLb | إِذَا |
| B”Qv Ki‡jb, wm×vš— wb‡jb | (wePviK: قَاضِيْ) قَضى |
| Av‡`k, KvR | أَمْرً |
| n‡q hvI | كُنْ |
| n‡q hvq | يَكُوْنُ |
| ‡Kb bv, hw` | لَوْ لَا |
| m`„k, GKB iKg | تَشَابَهَتْ |
| Avgiv my¯úófv‡e eY©bv K‡iwQ | بَيَّنَّا |
| mymsev``vZv | (fvewe‡kl¨*.:* بَشَارَةٌ) بَشِيْر |
| mZK©Kvix | نَذِيْرٌ |
| Zzwg wRÁvwmZ n‡e bv | لَا تُسْئَلُ |
| Rvnvbœv‡gi Awaevmxiv | أَصْحَابُ ا لْجَحِيْمِ |
| KLbI bv | لَنْ |
| m›Zyó n‡e | (KZ©v: رَاضِي) تَرْضى |
| †Zvgvi cÖwZ | عَنْكَ |
| ‡h ch©š— bv | حَتّى |
| Zzwg AbymiY Ki | تَتَّبِعَ |
| Zv‡`i Øxb, ag©, c\_ | مِلَّةَ |
| AvKv•Lvmg~n, jvjmvmg~n | (GKePb*.:* هَواى) أَهْوَآءٌ |
| †Zvgvi Kv‡Q G‡m‡Q | جَآءَكَ |
| †Zvgvi Rb¨ bvB | مَا لَكَ |
| **i“Kz- 15** |  |
| wewbgq, cÖwZ`vb | عَدْلٌ |
| cix¶v Ki‡jb | (fvewe‡kl¨*.:* اِبْتِلَاءٌ) اِبْتَلى |
| c~Y© Kij | أَتَمَّ |
| ‡h evbvq ev ‰Zix K‡i, wb‡qvMKvix | جَاعِلٌ |
| ‡bZv | إِمَامًا |
| eskai | (eûePb*.:* ذُرِّيَّاتٌ) ذُرِّيَّةٌ |
| cv‡e bv, ‡cŠuQv‡e bv | لَا يَنَالُ (ن ي ل) |
| cÖwZkÖ“wZ, A½xKvi | عَهْدٌ |
| Avgiv evbvjvg | جَعَلْنَا |
| Ni (g°vq) | الْبَيْتَ |
| wgjb‡K›`ª | مَثَابَةً |
| wba©viY Ki, MÖnY Ki | اِتَّخِذُوْا |
| ‡h ¯’v‡b Beivnxg (Avt) `vuwo‡qwQ‡jb, gvK¡v‡g Beivnxg | مَقَامُ إِبْرَاهِيْمَ |
| mvjv‡Zi ¯’vb | مُصَلّى |
| ‡Zvgiv Df‡q cweÎ ivL | طَهِّرَا |
| ZvIqvdKvixMY | طَآئِفِيْنَ (ط و ف) |
| B‡ZKvdKvixMY | عَاكِفِيْنَ |
| i“Kz wmR`vKvixMY | الرُّكَّعِ السُّجُوْدِ |
| wbivcËv, kvwš— | اامِنَا |
| wih&K `vb Ki | اُرْزُقْ (ر ز ق) |
| Awaevmx, Iqvjv | أَهْلُ |
| RxebmvgMÖx w`e, Avwg Avb›` w`e ev Dc‡fvM Kive | أُمَتِّعُ (م ت ع) |
| eva¨ Kie | أَضْطَرُّ (ض ر ر) |
| EuPz Kij, DVvj | رَفَعَ |
| wfwËmg~n | (GKePb*.:* قَاعِدَةٌ) قَوَاعِدَ |
| Keyj Ki | تَقَبَّلْ |
| GKwU RvwZ | (eûePb*.:* أُمَمٌ) أُمَّةٌ |
| Avgv‡`i ‡`wL‡q `vI | أَرِنَا |
| Bev`v‡Zi cš’v, we‡klZt n‡¾¡i wbqg | مَنَاسِكَ |
| cªZ¨vewZ©Z nI (`qvq), Keyj Ki (Avgv‡`i ZvIev) | تُبْ |
| cvVvI | اِبْعَثْ |
| wnKgvZ | الْحِكْمَةُ |
| cwiï× K‡i | يُزَكِّيْ (ز ك ي) |
| **i“Kz- 16** |  |
| gyL wdwi‡q wbj (†Kvb wKQ~ n‡Z) | رَغِبَ عَنْ |
| gyL wdivj (†Kvb wKQ~i w`‡K) | رَغِبَ إِلى |
| wb‡e©va, †evKv, wbP | (wb‡e©v‡aiv: سُفَهَاء) سَفِهَ |
| Avgiv g‡bvbxZ K‡iwQjvg | اِصْطَفَيْنَا |
| AbyMZ nI | أَسْلِمْ (س ل م) |
| wb‡`©k w`‡qwQj, IwmqZ Kiv | وَصّى |
| mš—vb | بَنِىْ |
| ‡n Avgvi mš—v‡biv | يَا بَنِيَّ |
| hLb Dcw¯’Z n‡qwQj | إِذْ حَضَرَ |
| Dcvm¨, hvi Dcvmbv Kiv nq, gvey` | إِلهٌ |
| c~e©cyiyl, evc`v`viv | (GKePb*.:* أَبٌ) اابَآءَ |
| weMZ n‡q‡Q | خَلَتْ |
| ‡m m¤ú‡K© hv | عَمَّا |
| ‡Zvgiv n‡q hvI | كُوْنُوْا |
| †Zvgiv mwVK c\_cÖvß n‡e | تَهْتَدُوْا |
| GKwbô DcvmK | (eûePb*.:* حُنَفَاءُ) حَنِيْفًا |
| eskai | الْأَسْبَاط |
| †`qv n‡qwQj | أُوْتِىَ |
| bexMY | (GKePb*.:* نَبِيٌّ) نَبِيُّوْنَ |
| cv\_©K¨ Kij | (fvewe‡kl¨*.:* تَفْرِيْقٌ) فَرَّقَ |
| g‡a¨ | بَيْنَ |
| ‡h †Kvb GKRb | اَحَدٍ |
| Zviv gyL wdivj | تَوَلَّوْا |
| we‡iva | شِقَاقٌ |
| myZivs | فَ |
| AwP‡iB | سَ |
| h‡\_ó nq, h‡\_ó n‡eb | (fvewe‡kl¨*.:* كِفَايَةٌ) يَكْفِيْ |
| Zzwg, †Zvgvi | كَ |
| Zv‡`i wei“‡× Avj­vnB h‡\_ó n‡eb †Zvgvi Rb¨ | يَكْفِيْكَهُمُ اللَّهُ |
| is | صِبْغَةٌ |
| ‡K, Kvi | مَنْ |
| DËg | اَحْسَنَ |
| Bev`ZKvixMY | (GKePb*.:* عَابِدٌ) عَابِدُوْنَ |
| Avj­vn m¤ú‡K© | فِي اللَّه |
| GKwbôfv‡e Bev`ZKvixMY | مُخْلِصُوْنَ |
| mgwaK Ávbx | اَعْلَمُ |
| †Mvcb Kij | كَتَمَ |
| mv¶¨ | شَهَادَةٌ |
| **i“Kz- 17** |  |
| GLb, A`~i fwel¨‡Z, AwP‡iB | سَ |
| ‡Kvb wRwb‡m Zv‡`i wdwi‡q w`j, wK‡m Zv‡`i gyL wdivj | مَا وَلّهُمْ |
| †h ¯’v‡bi w`‡K gyL wdwi‡q mvjvZ Av`vq Kiv nq, wK¡ejv | قِبْلَةَ |
| Gfv‡e | كَذالِكَ |
| ga¨gš’x,b¨vqcivqY, myD”P Av`k©avix RvwZ | أُمَّةً وَّسَطًا |
| Avgiv evbvBwb, wba©viY Kwiwb | مَا جَعَلْنَا |
| Zv‡`i g‡a¨ †\_‡K †K | مِمَّنْ (mgš^q مِنْ Ges مَنْ -Gi) |
| wd‡i hvq | (fvewe‡kl¨*.:* اِنْقِلَابٌ) يَنْقَلِبُ |
| cv‡qi †Mvovjx | عَقِبٌ |
| Zvi cv‡qi `yB †Mvovjx ev Dfq †Mvovjx | عَقِبَيْهِ |
| hw`I Zv wQj | إِنْ كَانَتْ |
| wbðqB | لَ |
| eo KwVb | كَبِيْرَةٌ |
| (&Zv) bó n‡Z †`q | يُضِيْعُ (ض ي ع) |
| eoB `qvjy | رَؤُوْفٌ |
| wbðqB | قَدْ |
| Avgiv †`wL | نَراى |
| evi evi wd‡i ZvKv‡bv | تَقَلُّبَ (ق ل ب) |
| †Zvgvi gyL | وَجْهَكَ |
| AZGe Aek¨B Avgiv ‡Zvgv‡K wdwi‡q w`e | فَلَنُوَلِّيَنَّكَ |
| AZGe | فَ |
| Aek¨B | لَ |
| Avgiv ‡Zvgv‡K wdwi‡q w`e | نُوَلِّيْ (و ل ي) |
| wbðqB | أَنَّ |
| wdivI | وَلِّ |
| w`‡K | شَطْرَ |
| cweÎ gmwR` KvÕevNi,cweÎ Bev`‡Zi ¯’vb | الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ |
| ‡hLv‡bB | حَيْثُ |
| Zv‡`i‡K wKZve †`qv n‡qwQj | أُوْتُوْا الْكِتَابَ |
| bv | مـَا |
| Aek¨ hw` | لَئِنْ |
| Zzwg G‡b w`‡j | أَتَيْتَ |
| Zviv ‡P‡b | (fvewe‡kl¨*.:* مَعْرِفَةٌ) يَعْرِفُوْنَ |
| mš—vbMY | (GKePb*.:* اِبْنٌ) أَبْنَآءُ |
| ‡Mvcb Kij | كَتَمَ |
| mw›`nvb, m‡›`nKvixiv | مُمْتَرِيْنَ |
| **i“Kz- 18** |  |
| w`K, j¶¨ | وِجْهَةٌ |
| ‡h gyL wdivq | مُوَلِّيْ |
| ‡Zvgiv cÖwZ‡hvwMZv Ki, avweZ nI | اِسْتَبِقُوْا |
| mrKvR, Kj¨vYmg~n | خَيْرَاتْ |
| ‡hLv‡bB | أَيْنَمَا |
| wdivI | وَلِّ |
| hv‡Z bv K‡i | لِئَلَّا ( لِ + أَنْ + لَا ) |
| ‡Kvb cÖgvY, weZK© | حُجَّةٌ |
| Avwg (†hb) c~Y© Kwi | أُتِمُّ |
| nqZ | لَعَلَّ |
| ‡Zvgiv ‡n`vqvZ cv‡e | تَهْتَدُوْنَ |
| Avwg †cÖiY K‡iwQ (Avj­vni †¶‡Î), Ab¨‡`i †¶‡Î Avgiv †cÖiY K‡iwQ | أَرْسَلْنَا |
| ‡Zvgv‡`i g‡a¨ | فِيْكُمْ |
| wZjvIqvZ K‡i, cvV K‡i | (fvewe‡kl¨*.:* تِلَاوَةٌ) يَتْلُوْا |
| ¯§iY Kiv | ذِكْرٌ |
| K„ZÁZv, ab¨ev` ‡`qv | شُكْرٌ |
| **i“Kz- 19** |  |
| mv‡\_ | مَعَ |
| Avj­­vni c\_ | سَبِيْلِ اللَّه |
| g„Z e¨w³iv | (GKePb*.:* مَيِّتٌ) أَمْوَات |
| RxweZMY | (GKePb*.:* حَيٌّ) أَحْيَآءٌ |
| Avgiv cix¶v Kie | نَبْلُوْا |
| ¶zav | جُوْعٌ |
| ¶wZ | نَقْصٌ |
| m¤ú`mg~n | أَمْوَالٌ |
| dj dmjvw` | (GKePb*.:* ثَمَرَةٌ) ثَمَرَاتٌ |
| G‡m coj, AvNvZ Kij | أَصَابَتْ |
| wec` | مُصِيْبَةٌ |
| kvwš—, ingZ, wecyj AbyMÖn | صَلَوَاتٌ |
| g°vq KvÕevi Kv‡Q Aew¯’Z `ywU cvnv‡oi bvg | صَفَا وَ مَرْوَة |
| wb`k©bmg~n | (GKePb*.:* شِعَارٌ) شَعَآئِرْ |
| nv¾ Kij | حَجَّ |
| ÕDgiv Kij | اِعْتَمَرَ |
| ‡`vl, cvc | جُنَاحٌ |
| ‡¯^”Qvq Kij, †m”Qvq †Kvb mrKvR Kiv | تَطَوَّعَ |
| K…ZÁ, g~j¨`vbKvix | شَاكِرٌ |
| Lye AewnZ, me©Á | عَلِيْمٌ |
| mgMÖ, mKj | أَجْمَعِيْنَ |
| nvjKv Kij | خَفَّفَ |
| Zv‡`i AeKvk †`qv n‡e | يُنْظَرُوْنَ (ن ظ ر) |
| **i“Kz- 20** |  |
| m„w®U Kiv, m„wó | خَلْقٌ |
| cwieZ©b | اِخْتِلَافْ |
| ivZ | (eûePb*.:* لَيَالِيْ) لَيْلَ |
| w`b | نَهَارٌ |
| ‡bŠhvbmg~n | فُلْكٌ |
| PjvPj K‡i | تَجْرِيْ |
| mgy`ª | بَحْرٌ |
| Qwo‡q w`‡q‡Qb | بَثَّ |
| Rxe-Rš‘ | (eûePb*.:* دَوَابٌّ) دَآبَّةٌ |
| cÖevn wbqš¿Y | تَصْرِيْفٌ |
| evZvm | (GKePb*.:* رِيْحٌ) رِيَاحُ |
| ‡gNgvjv | سَحَابْ |
| AvqZ¡vaxb | مُسَخَّرْ |
| g‡a¨ | بَيْنَ |
| Avj­­vn e¨ZxZ | دُوْنِ اللَّهِ |
| mg¸Ym¤úbœ,mgZzj¨, kixK, Askx`vi | أَنْدَادًا |
| fvjevmv | حُبٌّ |
| AwaK | أَشَدُّ |
| cÖZ¨vL¨vb Kij, gy³Zv †NvlYv Kij, A¯^xKvi Kij | تَبَرَّأَ (ب ر ء) |
| hv‡`i AbymiY Kiv nj, AbymiY Kiv nZ | اتُّبِعُوْا |
| Zviv AbymiY Kij | اتَّبَعُوْا (ت ب ع) |
| wew”Qbœ n‡q ‡Mj | تَقَطَّعَ (ق ط ع) |
| mKj Dcvq DcKiY, m¤úK© | أَسْبَابْ |
| Avgv‡`i Rb¨ hw` (Ggb nZ) | لَوْ أَنَّ لَنَا |
| Av‡iKevi, wØZxqevi | كَرَّةً |
| cwiZvc, fxlY AbyZvc | حَسَرَاتْ |
| D×vicÖvß, hviv †ei n‡q Av‡m | خَارِجِيْنَ |
| Av¸b | نَار |
| **i“Kz- 21** |  |
| cweÎ | طَيِّبًا |
| c`vsKmg~n (cÖ`wk©Z c\_) | (GKePb*.:* خُطْوَةٌ) خُطُوَاتْ |
| cvc KvR | سُوْءٌ |
| Ak­xjZv | فَحْشَآءْ |
| Avgiv †c‡qwQjvg, Avgiv †c‡qwQ | أَلْفَيْنَا |
| hw`I wK | أَوَلَوْ |
| wPrKvi Kiv, WvKv | نَعْقٌ |
| WvKv, Avnevb Kiv, cÖv\_©bv Kiv, PvIqv BZ¨vw` | دُعَآءٌ |
| wPrKvi Kiv, WvKv | نِدَآءٌ |
| ïay Zuv‡KB | إِيَّاهُ |
| nvivg K‡i‡Qb, wbwl× K‡i‡Qb | حَرَّمَ |
| g„Z (Rš‘) | مَيْتَةٌ |
| i³ | دَمٌ |
| ‡MvkZ | لَحْمٌ |
| ïKi | خِنْزِيْرٌ |
| DrmM©xK…Z, bvg †bqv n‡q‡Q | أُهِلَّ |
| wbi“cvq n‡q c‡o | اُضْطُرَّ |
| we‡`ªvnx , Agvb¨Kvix | بَاغٍ |
| mxgvj•NbKvix | عَادٍ |
| cvc | (eûePb*.:* آثَام) إِثْمٌ |
| ‡cUmg~n | (GKePb*.:* بَطْنٌ) بُطُوْنٌ |
| Zvn‡j Zviv KZ `ytmvnmx? Zvn‡j Zviv KZ ‰ah©aviYKvix? | فَمَا أَصْبَرَهُمْ |
| †R`, wei“×Zv, gZ‡f` | شِقَاقٌ |
| `~i | بَعِيْدٌ |
| **i“Kz- 22** |  |
| bvB, bv | لَيْسَ |
| mrKg© | بِرٌّ |
| w`‡K | قِبَلَ |
| `vb Kij | (fvewe‡kl¨*.:* إِيْتَاءٌ) اا تى |
| AvZ¥xq-¯^Rb, wbKUvZœxq | ذَوِى الْقُرْبى |
| BqvZxg | (GKePb*.:* يَتِيْمٌ) يَتَامى |
| `wi`ª, wgmKxb | (GKePb*.:*  مِسْكِيْنٌ) مَسَاكِيْنَ |
| cw\_K | اِبْنُ السَّبِيْلِ |
| mvnvh¨cÖv\_©x, wf¶zK | سَآئِلِيْنَ |
| Nvo (µxZ`vm‡`i Nvo) | (GKePb : Nvo رَقَبَةٌ) رِقَابْ |
| c~Y©Kvix | مُوْفُوْنَ |
| wec`vc`, `ytL-Kó, A\_©m¼U | بَأْسَآءٌ |
| ‡ivM-e¨wai Kó | ضَرَّآءُ |
| hy‡×i mgq | حِيْنَ الْبَأْسِ |
| mZ¨civqY, mZ¨ ejv | صَدَقُوْا (ص د ق) |
| Avj­vnfxi“, hviv Avj­vn‡K fq K‡i | مُتَّقُوْنَ |
| wewae× Kiv n‡q‡Q, dih Kiv n‡q‡Q | كُتِبَ |
| wKmvm, mgZv I b¨vqcivqYZvi AvBb | قِصَاصٌ |
| wbnZMY | (GKePb*.:* قَتِيْلٌ) قَتْلى |
| ¯^vaxb e¨w³ | الْحُرُّ |
| µxZ`vm | عَبْدُ |
| bvix | أُنْثى |
| ¶gvcÖvß nq, ¶gv Kiv nq | عُفِىَ |
| Zvi fvB | أَخِيْهِ |
| AbymiY Kiv | اِتِّبَاعٌ |
| cÖPwjZ wbqg Abyhvqx, my›`ifv‡e | مَعْرُوْفٌ |
| cwi‡kva Kiv | أَدَآءٌ |
| `qv, fvj e¨envi | إِحْسَانٌ |
| mnRcš’v, `Û n«vm | تَخْفِيفٌ |
| evovevwo K‡i | اِعْتَداى |
| Rxeb | حَيوةٌ |
| eyw×gvbMY | (GKePb*.:* gb, eyw×gËv لُبٌّ) أُولِي الْأَلْبَابِ |
| Dcw¯’Z nq | حَضَرَ |
| †i‡L hvq | تَرَكَ (ت ر ك) |
| ab-m¤ú` | خَيْرٌ |
| IwmqZ Kiv | وَصِيَّةٌ |
| ‡m kybj | سَمِعَ (س م ع) |
| cvc | إِثْمٌ |
| Avk¼v Kij | خَافَ |
| IwmqZKvix | مُوْصٍ |
| c¶cvwZZ¡ | جَنَفًا |
| **i“Kz- 23** |  |
| ‡ivRv, wmqvg | (GKePb*.:* صَوْمٌ) صِيَام |
| ‡hgb | كَمَا |
| w`b¸‡jv | (GKePb*.:* يَوْمٌ) أَيَّامْ |
| wbw`©ó msL¨K, MYbvK…Z | مَعْدُودَةٌ |
| MYbv Kiv | عِدَّةٌ |
| †Zvgiv gnZ¡ eY©bv Ki, eoZ¡ †NvlYv Ki | تُكَبِّرُوْا |
| cÖkœ Kij, wRÁvmv Kij | (fvewe‡kl¨*.:* سُؤَالٌ) سَأَلَ |
| Avgvi m¤ú‡K© | ( عَنْ + ي ) عَنِّى |
| Avwg Reve †`B | أُجِيْبُ |
| cªv\_©bv, WvK | دَعْوَةٌ |
| cÖv\_©bvKvix | ( دَعَا ، يَدْعُوْ ، دَعْوَةٌ ) دَاعٍ |
| Avgv‡K Wv‡K, Avgvi Kv‡Q cÖv\_©bv K‡i | دَعَانِ (GUvwQj g~j kã دَعَانِيْ wKš‘ GLv‡b †k‡li ي mwi‡q w`‡q Gi †QvUi“c e¨en„Z n‡q‡Q) |
| myZivs Zviv Avgvi Wv‡K mvov w`K | فَلْيَسْتَجِيْبُوْا (ج و ب) |
| Avgvi Rb¨ | لِيْ |
| mwVK c‡\_ cwiPvwjZ , m‡Z¨i mÜvb cvIqv | رَشَدَ |
| nvjvj Kiv n‡q‡Q, AbygwZ †`qv n‡q‡Q | أُحِلَّ |
| ‡ivRvi ivZ | لَيْلَةَ الصِّيَامِ |
| `v¤úZ¨ ag© cvjb, ¯¿x wgjb | رَفَثَ |
| ‡Zvgv‡`i ¯¿xiv | نِسَآءُكُمْ |
| Zviv (gwnjv) | هُنَّ |
| ‡cvkvK | لِبَاسٌ |
| ‡Zvgiv †h | أَنَّكُمْ |
| ‡Zvgiv wek¦vmNvZKZv Ki, wLqvbZ Ki | تَخْتَانُوْنَ (خ و ن) |
| ¶gv Ki‡jb | عَفَا |
| GLb | أَلْئنَ |
| mnevm Ki, wgwjZ nI | (fvewe‡kl¨*.:* مُبَاشَرَةٌ) بَاشِرُوْا |
| AbymÜvb Ki | اِبْتَغُوْا |
| myZv, †iLv | خَيْطٌ |
| mv`v | أَبْيَضْ |
| Kv‡jv | أَسْوَدْ |
| Ec¯’vcb Ki, RvbvI, †ck Ki | تُدْلُوْا (د ل ي) |
| **i“Kz- 24** |  |
| bZyb Pvu` | أَهِلَّة |
| wPý, mgq wb‡`©kK, mgq wbY©‡qi Dcvq | (GKePb*.:* مِيْقَاتٌ) مَوَاقِيْت |
| evwo¸‡jv | (GKePb*.:* بَيْتٌ) بُيُوْتْ |
| `iRv¸‡jv | (GKePb*.:* بَابٌ) أَبْوَاب |
| hy&× Ki | قَاتِلُوْا |
| †cj | ثَقِفَ |
| ‡Zvgiv ‡c‡j, †Zvgiv cv‡e ev cvI | ثَقِفْتُمُوْا (ث ق ف) |
| weiZ nq, \_v‡g | (fvewe‡kl¨*.:* اِنْتِهَاءٌ) اِنْتَهَوْا |
| Rei`w¯—, AvµgY, kÎ“Zv | عُدْوَانٌ |
| m¤gvwbZ gvm | الشَّهْرُ الْحَرَامُ |
| m¤§vwbZ e¯‘ | حُرُمَاتْ |
| aŸsm | تَهْلُكَة |
| evavcÖvß nI | أُحْصِرْتُمْ (ح ص ر) |
| mnRcÖvc¨, hv mnR nq | اِسْتَيْسَرَ |
| Dcnvi, DrmM©, Kzievbx | الْهَدْىُ |
| Pzj Kvgv‡e bv, KvU‡e bv, gyÊb Ki‡e bv | لَا تَحْلِقُوْا (ح ل ق) |
| gv\_v | (GKePb*.:* رَأْسٌ) رُؤُوْسُ |
| ‡cŠu‡Q hvq | يَبْلُغَ (ب ل غ) |
| Gi Mš—e¨¯’‡j | مَحِلَّهُ |
| Kó, hš¿Yv, AmyL | أَذًى |
| Bev`v‡Zi KvR, Kzievbx, DrmM© | نُسُكٍ |
| ‡Zvgiv wbivcËvq \_vK | أَمِنْتُمْ |
| jvfevb nq, my‡hvM †bq (GKB mgq nv¾¡ I Igiv GK mv‡\_ `yB Bniv‡g cvjb Kiv‡K nv‡¾¡ ZvgvËz e‡j) | تَمَتَّعَ (م ت ع) |
| wZb | ثَلَاثَةَ |
| mvZ | سَبْعَةٌ |
| `k | عَشَرَةٌ |
| ‡Zvgiv cÖZ¨veZ©b Ki‡j | رَجَعْتُمْ (ر ج ع) |
| cwievi-cwiRb | أَهْلُ |
| evwm›`viv , Dcw¯’Z e¨w³MY | حَاضِرِيْ ( GUvwQj حَاضِرِيْنَ wKš‘ †h‡nZz GUv GLv‡b مَضَاف wn‡m‡e e¨eüZ n‡”Q, ZvB †kl ن ev` †`qv n‡q‡Q.) |
| K‡Vvi kvw¯—`vZv | شَدِيْدُالعِقَابْ |
| **i“Kz- 25** |  |
| gvmMy‡jv | (GKePb*.:* شَهْرٌ) أَشْهُر |
| mywew`Z, ÁvZ | مَعْلُوْمَاتْ |
| dih (eva¨Zvg~jK)K‡i | فَرَضَ |
| Ab¨vq AvPiY | (GKePb*.:* فِسْقٌ) فُسُوْقٌ |
| SMov-weev` | جِدَالٌ |
| cv‡\_q msMÖn Ki | تَزَوَّدُوْا (ز و د) |
| m‡ev©Ëg cv‡\_q | خَيْرُالزَّادِ |
| Avj­vni fq | التَّقْواى |
| wd‡i Avmv | أَفَاضَ |
| GKwU gq`v‡bi bvg (†hLv‡b Ae¯’vb Kiv‡K nv‡¾¡i g~j KvR ejv n‡q‡Q) | عَرَفَاتْ |
| gyR`vwjdv bvgK ¯’vb | الْمَشْعَرِ الْحَرَامِ |
| m¤úbœ K‡i‡Q | قَضَيْتُمْ |
| nv‡¾¡i KvR¸‡jv | (GKePb*.:* مَنْسِكٌ) مَنَاسِكْ |
| Avgv‡`i‡K `vb Ki | ااتِنَا |
| i¶v Ki, evuPvI | ( وَقى، يَقِي، وِقَايَةٌ) قِ |
| Avgv‡`i i¶v Ki, evuPvI | قِنَا |
| Ask | نَصِيْبٌ |
| `ªƒZ | سَرِيْعٌ |
| Zvovû‡ov Kij, ZvovZvwo Kij | تَعَجَّلَ |
| `yBw`b | يَوْمَيْنِ |
| ‡`ix Kij, \_vKj | تَأَخَّرَ |
| PgrK„Z Kij, gy» Kij | عَجِبَ (ع ج ب) |
| K\_v | (eûePb*.:* أَقْوَالٌ) قَوْلٌ |
| mvsNvwZK SMov‡U | أَلَدُّ الْخِصَامِ |
| cÖvavb¨ jvf K‡i, KZ…©Z¡ cvq | تَوَلّى |
| ‡P®Uv K‡i | (fvewe‡kl¨*.:* سَعْيٌ) سَعى |
| km¨‡¶Î | حَرْثٌ |
| cªvY, RxeRš‘ | النَّسْلُ |
| AnsKvi, cÖfve | عِزَّةٌ |
| h‡\_ó | حَسْبُ |
| wVKvbv, Avevm | مِهَادٌ |
| wewµ K‡i †`q | يَشْرِى |
| cÖZ¨vkv K‡i | اِبْتِغَآءَ |
| mš‘wó | مَرْضَات |
| cÖ‡ek Kij | دَخَلَ |
| Bmjvg | السِّلْمُ |
| cwic~Y© | كَآفَّةٌ |
| c`m&LwjZ nq | زَلَل |
| Qvqv, kvwgqvbv | ظُلَلٌ |
| ‡gNgvjv | غَمَامٌ |
| KvR †kl n‡q †M‡Q | قُضِيَ الْأَمْرُ |
| **i“Kz- 26** |  |
| wRÁvmv Ki | سَلْ |
| KZ | كَمْ |
| my‡kvwfZ Kiv n‡q‡Q | زُيِّنَ (ز ي ن) |
| Dcnvm K‡iwQj | سَخَرَ (س خ ر) |
| GK | وَاحِدَةٌ |
| cvVv‡jb | بَعَثَ |
| wePvi K‡i | (fvewe‡kl¨*.:* حُكْمٌ) يَحْكُمُ (ح ك م) |
| ‡Zvgiv aviYv K‡iwQ‡j | حَسِبْتُمْ (ح س ب) |
| GLbI bv | لَمَّا |
| Ae¯’v, D`vniY | مَثَلُ |
| ¯úk© K‡iwQj | مَسَّ |
| Zviv cÖKw¤úZ n‡qwQj | (fvewe‡kl¨*.:* زَلْزَلَةٌ) زُلْزِلُوْا |
| KLb | مَتى |
| Avj­­vni mvnvh¨ | نَصْرُ اللَّهِ |
| wK, wK cwigvY | مَاذَا |
| AvZœxq-¯^Rb | أَقْرَبِيْنَ |
| hy×, msMÖvg | قِتَالٌ |
| AcÖxwZKi, AcQ›`bxq | كُرْهٌ |
| nq‡Zv | عَسى |
| DËg, Kj¨vYKi | خَيْرٌ |
| AKj¨vYKi | شَرٌّ |
| **i“Kz- 27** |  |
| cÖwZ‡iva Kiv, evav †`qv | صَدٌّ |
| ¸i“Zi Aciva, A‡bK eo | أَكْبَرْ |
| Zviv \_vg‡e bv, Zviv weiZ \_vK‡ebv | لَا يَزَالُوْنَ |
| Zviv (†Zvgv‡`i) wdwi‡q †`q | يَرُدُّوْا (ر د د) |
| Zviv Ki‡Z cv‡i, m¶g nq | (fvewe‡kl¨*.:* اِسْتِطَاعَةٌ) اِسْتَطَاعُوْا |
| wd‡i hvq, gyiZv` n‡q hvq | (fvewe‡kl¨ , ag© Z¨vM K‡i, اِرْتِدَادٌ) يَرْتَدِدْ |
| e¨\_© nj, webó nj | حَبِطَ |
| wnRiZ K‡iwQj | هَاجَرُوْا (ه ج ر) |
| wRnv` K‡iwQj | جَاهَدُوْا (ج ه د) |
| cÖZ¨vkv K‡i | يَرْجُوْنَ (ر ج و) |
| g`, gv`K`ªe¨ | خَمْرٌ |
| Ryqv | مَيْسِرٌ |
| DØ„Ë, cÖ‡qvR‡bi AwZwi³ | عَفْوٌ |
| ‡Zvgiv wPš—v Ki, †Zvgiv eyS | تَتَفَكَّرُوْنَ |
| ms‡kvab, mye¨e¯’v Kiv, wnZmvab Kiv | إِصْلَاحٌ |
| DËg | خَيْرٌ |
| wgwj‡q bvI | تُخَالِطُوْا |
| AwbóKvix | مُفْسِدٌ |
| ms‡kvabKvix, wnZKvix | مُصْلِحٌ |
| wec‡` †djv, RwUjZv Av‡ivc Kiv | أَعْنَتَ |
| we‡q Ki‡e bv | لَا تَنْكِحُوْا |
| gykwiK bvix | (GKePb*.:* مُشْرِكَةٌ) مُشْرِكَاتٍ |
| `vmx | أَمَةٌ |
| gy» Kij, fv‡jv jvMj | أَعْجَبَ (ع ج ب) |
| we‡q w`I bv | لَا تُنْكِحُوْا (ن ك ح) |
| `vm | عَبْدٌ |
| Avnevb K‡i, Wv‡K | يَدْعُوْنَ |
| ¶gv | مَغْفِرَةٌ |
| Zviv Dc‡`k MÖnY K‡i | يَتَذَكَّرُوْنَ |
| **i“Kz- 28** |  |
| gvwmK, i³tmªve | مَحِيْضٌ |
| AcweÎZv | أَذًى |
| ‡Zvgiv `~‡i \_vK | فَاعْتَزِلُوْا (ع ز ل) |
| bvixMY | نِسَآءٌ |
| Zviv (gwnjv)cweÎ nq | يَطْهُرْنَ (ط ه ر) |
| ZIevKvixMY, ¶gv cÖv\_x©MY | تَوَّابِيْنَ |
| cweÎZv Aej¤^bKvix | مُتَطَهِّرِيْنَ |
| ‡¶Z | حَرْثٌ |
| hLb †Zvgiv B”Qv Ki, †hfv‡e †Zvgiv PvI | أَنّى شِئْتُمْ |
| ‡Zvgiv AvMvgx w`‡bi e¨e¯’v Ki, †Zvgiv Av‡M cvVvI | قَدِّمُوْا |
| mv¶vrKvix | مُلَاقُوْا |
| †Zvgiv e¨envi Ki bv, †Zvgiv evbv‡e bv | لَا تَجْعَلُوْا |
| cªwZeÜK, ARynvZ | عُرْضَةٌ |
| kc\_ | (GKePb*.:* يَمِيْنٌ) أَيْمَانٌ |
| ‡Zvgiv mrKvR Ki‡e | تَبَرُّوْا |
| A\_©nxb , B”Qv Qvov, Ab\_©K K\_v ev KvR | لَغْوٌ |
| eo mwnòy | حَلِيْمٌ |
| Zviv kc\_ K‡i | (fvewe‡kl¨*.:* إِيْلَاءٌ) يُؤْلُوْنَ |
| A‡c¶v Kiv | تَرَبُّصُ |
| Pvi gvm | أَرْبَعَةُ أَشْهُرٍ |
| Zviv wd‡i Av‡m | فَآءُوْ |
| Zviv B”Qv K‡i , m¼í K‡i | عَزَمُوْا (ع ز م) |
| ZvjvKcÖvßv bvixiv | مُطَلَّقَاتْ |
| wZb | ثَلَاثَةَ |
| gvwmK i³tmªv‡ei ch©vqKvj | (GKePb*.:* قُرُءٌ) قُرُوْءٌ |
| Rivqy, Mf© | (GKePb*.:* رَحِمٌ) أَرْحَامٌ |
| ¯^vgxMY | (GKePb*.:* بَعْل) بُعُوْلٌ |
| ‡ekx AwaKvix | أَحَقُّ |
| wdwi‡q †bqv | رَدَّ |
| Gi g‡a¨ | فِىذالِكَ |
| cyi“lMY | (GKePb*.:* رَجُلٌ) رِجَال |
| **i“Kz- 29** |  |
| ZvjvK †`qv, weevnwe‡”Q` NUv‡bv | طَلَاقٌ |
| `yBevi | مَرَّتَانِ |
| ZvjvK cÖZ¨vnvi Kiv, eÜ‡b ivLv | إِمْسَاكٌ |
| mr fv‡e, wVK, fvj | مَعْرُوْفٌ |
| gy³ K‡i †`qv, Aemi †`qv, we`vq †`qv | تَسْرِيْحٌ |
| m¤§v‡bi mv‡\_ | إِحْسَانٌ |
| nvjvj bq | لَا يَحِلُّ |
| bv †h | ( أَنْ + لَا ) أَلَّا |
| Zviv `yRb (¯^vgx I ¯¿x) eRvq ivL‡Z cvi‡e, Zviv `yRb Kv‡qg Ki‡Z cvi‡e | (fvewe‡kl¨*.:* إِقَامَةٌ) يُقِيْمَا |
| Avj­­vni mxgv‡iLv | حُدُوْدُ اللَّهِ |
| ¸bvn, cvc | جُنَاحٌ |
| AwZµg K‡i, j•Nb K‡i | يَتَعَدَّ |
| ‡m Qvov, Ab¨ e¨w³ | غَيْرَهُ |
| Zviv ci¯úi Avevi wgwjZ nq, Zviv ci¯ú‡ii Kv‡Q wd‡i Av‡m | يَتَرَاجَعَا |
| Zviv †cŠ‡uQ | بَلَغْنَ |
| mgq, BÏZ, †gqv` | أَجَلٌ |
| eÜ‡b ivL | أَمْسِكُوْا |
| gy³ Ki, we`vq K‡i `vI | سَرِّحُوْا |
| hš¿Yv †`qv, ¶wZ Kiv | ضِرَارٌ |
| wZwb Dc‡`k `vb K‡ib | (fvewe‡kl¨*.:* وَعْظٌ) يَعِظُ (و ع ظ) |
| **i“Kz- 30** |  |
| (we‡q‡Z) evav w`I bv | لَا تَعْضُلُوْا (ع ض ل) |
| ky×Zg cš’v | أَزْكى |
| AwaK cweÎ | أَطْهَرُ |
| gv‡qiv | وَالِدَاتِ |
| `y&a cvb Kiv‡e | يُرْضِعْنَ (ر ض ع) |
| `yB eQi | حَوْلَيْنِ |
| `yB cwic~Y© | كَامِلَيْنِ |
| `y&a cvb Kivb | الرَّضَاعَةُ |
| mš—vb, beRvZK | مَوْلُوْدٌ |
| hvi mš—vb (wcZv) | مَوْلُوْدٌ لَّه، |
| Lvevi, fiY-‡cvlY | رِزْقٌ |
| ‡cvlvK | كِسْوَةٌ |
| Kó †`qv nq bv, Kó †`qv hv‡e bv | لَا تُكَلَّفُ |
| Zvi mvg\_©¨ | وُسْعَهَا ( نَفْسٌ ev i“n Aviex‡Z ¯¿xwj½) |
| ¶wZMª¯’ Kiv hv‡e bv | لَا تُضَارُّ |
| gv | وَالِدَةٌ |
| mš—vb | وَلَدٌ |
| GUvi g‡Zv ev Abyi“c | مِثْلُ ذالِكَ |
| `ya Qvovb | فِصَالًا |
| civgk© | تَشَاوُرْ |
| Zzwg ‡Kvb gwnjv‡K (avÎx) ej (†Zvgvi mš—vb‡K) `ya LvIqv‡Z | تَسْتَرْضِعُوْا |
| Zzwg Ac©Y Ki | سَلَّمْتُمْ |
| gviv hvq | يُتَوَّفَوْنَ |
| Zviv ‡i‡L hvq, †Q‡o hvq | يَذَرُوْنَ |
| Pvi | أَرْبَعَةَ |
| `k | عَشَرًا |
| ‡Zvgiv ‡Kvb cÖ¯—ve Ki‡j (Bkviv-Bw½‡Z) | عَرَّضْتُمْ |
| ‡g‡q‡`i we‡qi cÖ¯—ve | خِطْبَةِالنِّسَآءِ |
| ‡Zvgiv ‡Mvcb ivL | أَكْنَنْتُمْ |
| ‡Mvc‡b, †Mvcb | سِرٌّ |
| msKí Kiv | عَزْمٌ |
| weevn eÜb, we‡q Kiv | عُقْدَةُ النِّكَاحِ |
| fq Kiv, mZK© \_vKv | حَذْرٌ |
| **i“Kz- 31** |  |
| ¯úk© Kiv | مَسٌّ |
| wbav©wiZ Ask, ‡`b‡gvni | فَرِيْضَةٌ |
| abx, mvg\_©¨evb | مُوْسِعٌ |
| AfveMÖ¯—, mvg\_©¨nxb | مُقْتِرٌ |
| A‡a©K | نِصْفٌ |
| AbyMÖn cÖKvk Kiv, ¶gv Kiv | عَفْوٌ |
| AwaK wbKUeZx© | أَقْرَبُ |
| Avj­vnfxi“Zv | تَقْواى |
| fy‡j ‡hI bv | لَا تَنْسَوْا (ن س ي) |
| mnvbyf~wZ, D`viZv, mü`qZv | فَضْلٌ |
| msi¶Y Ki, mZK© \_vK | حَافِظُوْا (ح ف ظ) |
| bvgvh, mvjvZ | (GKePb*.:* صَلوةٌ) صَلَوَات |
| ga¨eZx© bvgvh (ÕAvm‡ii bvgvh) | الصَّلوةُ الْوُسْطى |
| `vuovI | قُوْمُوْا |
| webq mnKv‡i, GKvš— webxZfv‡e | قَانِتِيْنَ |
| c`vwZK Ae¯’vq | رِجَالاً |
| Av‡ivnx Ae¯’vq | رُكْبَانًا |
| fiY †cvlY, RxweKv I hveZxq LiPc‡Îi e¨e¯’v | مَتَاعًا |
| eQi, GK eQi | الْحَوْلُ |
| (Ni †\_‡K) †ei bv K‡i w`‡q | غَيْرَإِخْرَاجٍ (خ ر ج) |
| **i“Kz- 32** |  |
| Zywg wK †`Lwb? | أَلَمْ تَرَ |
| nvRvi nvRvi | (GKePb*.:* أَلْفٌ) أُلُوْفٌ |
| g„Zz¨fq | حَذَرَ الْمَوْتِ |
| g‡i hvI | مُوْتُوْا (م و ت) |
| Ggb †K Av‡Q †h | مَنْ ذَا الَّذِىْ |
| FY ‡`‡e | يُقْرِضُ |
| eû¸Y | (GKePb*.:* wØ¸Y ضِعْفٌ) أَضْعَافًا |
| A‡bK | كَثِيْرَةٌ |
| msKzwPZ Kiv, Kg Kiv | قَبْضٌ |
| cÖk¯— Kiv, †ekx Kiv | بَسْطٌ |
| †bZ…¯’vbxq †jv‡Kiv | مَلَأ |
| wbav©wiZ Kiv | اِبْعَثْ |
| ivRv | مَلِكًا |
| wK? bv †Zv? | هَلْ |
| ‡Zvgv‡`i c‡¶ m¤¢e, †Zvgiv Ggb n‡e, †Zvgiv †f‡e †`‡L‡Qv ev †Zvgv‡`i Ggb m¤¢vebv Av‡Q | عَسَيْتُمْ |
| hw` | إِنْ |
| ‡h bv, ‡Kb bv | ( أَنْ + لَا ) أَلَّا |
| wbðqB | قَدْ |
| Avgiv weZvwoZ n‡qwQ | أُخْرِجْنَا |
| mš—vb mš—wZ, †Q‡j mš—vbmg~n | أَبْنَآءَ |
| Zviv wegyL nj, Zviv wcV †divj | تَوَلَّوْا |
| wbhy³ K‡i‡Qb | بَعَثَ |
| ZvjyZ (Avt), `vD` (Avt) I kvgDb (Avt)-Gi mg‡qi GK gyÕwgb †bZv, hw`I wZwb `wi`ª wQ‡jb, Zv‡K evbx BmivB‡ji ivRv wn‡m‡e wbhy³ Kiv n‡qwQj, KviY Zv‡K Avj­vn eyw×gËv, e¨w³Z¡ I hy×‡KŠk‡ji Ávb `vb K‡iwQ‡jb | طَالُوْتَ |
| ‡Kv\_vq, wKfv‡e | أَنّى |
| n‡e | يَكُوْنُ |
| Zv‡K †`qv nq | يُؤْتَ |
| cÖvPzh© | سَعَةً |
| g‡bvbxZ K‡i‡Qb | اِصْطَفى |
| ‡ekx w`‡q‡Qb | زَادَ |
| cÖvPzh©, Kivi †hvM¨Zv | بَسْطَةً |
| wm›`yK | تَابُوْتُ |
| cÖkvwš—, wek¦v‡mi kvwš—, wbf©i‡hvM¨Zvi kvwš— | سَكِيْنَةٌ |
| Aewkó | بَقِيَّةٌ |
| †Q‡o †M‡Q | تَرَكَ |
| enb Kiv | تَحْمِلُ |
| ‡d‡ikZvMY | مَلَائِكَةُ |
| **i“Kz- 33** |  |
| iIbv nj, †ei nj | فَصَلَ |
| ‰mb¨`j | جُنُوْدٌ |
| ‡Zvgv‡`i cix¶v Ki‡eb | مُبْتَلِيْكُمْ |
| cix¶K | مُبْتَلِيْ |
| b`x | (eûePb*.:* أَنْهَارٌ) نَهْرٌ |
| cvb Kij | شَرِبَ |
| bv | لَيْسَ |
| ¯^v` MÖnY Kiv, LvIqv | طَعْمٌ |
| GK ‡Kvl cvwb | غُرْفَةٌ |
| nvZ | (eûePb*.:* أَيْدِيْ) يَدٌ |
| Zviv cvb Kij | شَرِبُوْا |
| cvi nj, AwZµg Kij | جَاوَزَ |
| GK gykwiK ivRv, hv‡K `vD` (Av:) nZ¨v K‡ib | جَالُوْت |
| †h Zviv | أَنَّهُمْ |
| hviv mv¶vr Ki‡e | مُلَاقُوْا |
| KZ, Ggb eû | كَمْ |
| ¶z`ª, mvgvb¨, ‡QvU | قَلِيْلَةٌ |
| Rqx n‡qwQj | غَلَبَ |
| `j, †Mvôx | فِئَةٌ |
| Zviv kÎ“i m¤§yLxb nj, Zviv hy×‡¶‡Î G‡jv | بَرَزُوْا |
| el©Y Ki, Xv‡jv | أَفْرِغْ (ف ر غ) |
| my`„p Ki, w¯’i Ki | ثَبِّتْ (ث ب ت) |
| cv, c`‡¶c | (GKePb*.:* قَدَمٌ) أَقْدَامْ |
| mvnvh¨ Ki‡jb | نَصَرَ |
| civwRZ Kij | هَزَمَ |
| cÖwZnZ Ki‡jb | دَفَعَ |
| wech©¯— nZ, Akvwš—c~Y© nZ | فَسَدَتْ |
| c„w\_ex | أَرْضٌ |
| AbyMÖnkxj, Ki“Yvgq | ذُوْ فَضْلٍ |
| G¸‡jv (cÖK…Zc‡¶ ‡evSv‡”Q H¸‡jv) | تِلْكَ |
| wbðqB Zzwg | إِنَّكَ |
| Aek¨B Aš—M©Z | لَمِنْ |
| im~jMY | (GKePb*.:* مُرْسَل) مُرْسَلِيْنَ |
| imyjMY | رُسُلْ |
| K\_v e‡j‡Qb | كَلَّمَ |
| Avgiv Zv‡K mvnvh¨ K‡iwQ, kw³ `vb K‡iwQ | أَيَّدْنَاهُ |
| cweÎ AvZœv, wReivCj (Avt) | رُوْحُ الْقُدُسِ |
| Zviv ci¯úi hy× Kij | اِقْتَتَلَ |
| K‡ib | يَفْعَلُ |
| wZwb B”Qv K‡ib | (fvewe‡kl¨*.:* إِرَادَةٌ) يُرِيْدُ |
| **i“Kz- 34** |  |
| ‡Zvgiv e¨q Ki, LiP Ki | أَنْفِقُوْا |
| µq-weµq | بَيْعٌ |
| eÜzZ¡ | خُلَّةٌ |
| mycvwik | شَفَاعَةٌ |
| wPiÄxe | الْحَيُّ |
| wPi¯’vqx | قَيُّوْم |
| Z›`ªv | سِنَةٌ |
| wb`ªv | نَوْمٌ |
| ‡K Av‡Q? | مَنْ ذَا |
| ‡h | الَّذِيْ |
| AbygwZ | إِذْنٌ |
| g‡a¨, mvg‡b | بَيْنَ |
| Zv‡`i mvg‡b | بَيْنَ أَيْدِيْهِمْ |
| Zviv AvqZ¡ Ki‡Z cv‡i bv, †eób Ki‡Z cv‡ibv | (fvewe‡kl¨*.:* اِحَاطَةٌ) لَا يُحِيْطُوْنَ |
| Avmb | كُرْسِيٌّ |
| K¬vš— Kiv | أَوْدٌ |
| K¬vš— K‡i bv | لَا يَئُوْدُ |
| m‡Ÿv©”P | عَلِيٌّ |
| Rei`w¯— | إِكْرَاهٌ |
| ag©, Rxebhvc‡bi c\_ | الدِّيْنُ |
| ¯úó n‡q‡Q | تَبَيَّنَ |
| fyj, eµZv | غَيٌّ |
| wg\_¨v Dcvm¨, Avj­vn Qvov hviB Bev`Z Kiv nq Zv | طَاغُوْتُ |
| gReyZfv‡e aviY Kij | اِسْتَمْسَكَ |
| nvZj, i¾y | عُرْوَةٌ |
| my`„p, gReyZ, Ae¨\_© | وُثْقى |
| wQbœ nevi bq | لَا انْفِصَامَ |
| AwffveK, eÜz | (eûePb*.:* أَوْلِيَاءٌ) وَلِيٌّ |
| AÜKvi | ظُلُمَات |
| Av‡jv | نُوْرٌ |
| **i“Kz- 35** |  |
| ev`vbyev` K‡i‡Q, ZK© K‡i‡Q | حَآجَّ |
| Rxeb `vb K‡ib | يُحْيِيْ |
| g„Zz¨ `vb K‡ib | يُمِيْتُ |
| Avwg | أَنَا |
| m~h© | شَمْسٌ |
| nZf¤^ n‡q †Mj | بُهِتَ |
| A\_ev | أَوْ |
| Abiƒc | كَ |
| AwZµg K‡iwQj | (fvewe‡kl¨*.:* مُرُوْرٌ) مَرَّ |
| kni, Rbc`, emwZ | (eûePb*.:* قُراى) قَرْيَةٌ |
| Zv, †m (¯¿xwj½), wZwb | هِيَ |
| Dcyo n‡q aŸ‡m c‡owQj | خَاوِيَةٌ |
| Qv`¸‡jv | عُرُوْشٌ |
| GUv | هذِهِ |
| g„Zz¨ `vb Kiv‡jb | أَمَاتَ |
| GKk | مِائَةٌ |
| eQi | عَامٌ |
| Zzwg (Gfv‡e) Ae¯’vb K‡iQ | لَبِثْتَ |
| Lv`¨ | طَعَامٌ |
| cvbxq | شَرَابٌ |
| c‡Pwb, weK…Z nqwb | لَمْ يَتَسَنَّه |
| ‡`L | اُنْظُرْ |
| Mvav | حِمَارٌ |
| nvomg~n | عِظَامٌ |
| wKfv‡e | كَيْفَ |
| Avgiv ms‡hvwRZ Kwi | نُنْشِزُ (ن ش ز) |
| Avgiv Ave„Z Kwi | نَكْسُوْا |
| gvsm, †MvkZ | لَحْمًا |
| Avgv‡K †`LvI | أَرِنِي |
| Zywg wK Zvn‡j (wek¦vm) Kiwb? | أَوَلَمْ تُؤْمِن |
| cwiZ…ß nevi Rb¨, cÖkvwš— jvf Kivi Rb¨ | يَطْمَئِنَّ |
| Avgvi ü`q | (ü`q: قَلْبٌ) قَلْبِيْ |
| a‡i bvI | خُذْ |
| Pvi | أَرْبَعَةَ |
| cvwL | (eûePb*.:* طُيُوْرٌ) طَيْر |
| ‡cvl gvwb‡q bvI, ekxf~Z Ki | صُرْ |
| cvnvo | (eûePb*.:* جِبَالٌ) جَبَلَ |
| Ask, UzK‡iv, LÛ | جُزْءٌ |
| ‡`Šwo‡q | سَعْيًا |
| **i“Kz- 36** |  |
| km¨KYv, exR | حَبَّةٌ |
| Drcbœ nq | (fvewe‡kl¨*.:* اِنْبَاتٌ) أَنْبَتَتْ |
| mvZ | سَبْعَ |
| kxl¸‡jv | (GKePb*.:* سُنْبُلَةٌ) سَنَابِلَ |
| eû¸‡Y ew×©Z K‡ib | (fvewe‡kl¨*.:* مُضَاعَفَةٌ) يُضَاعِفْ |
| e¨q K‡i | (fvewe‡kl¨*.:* إِنْفَاقٌ) يُنْفِقُوْنَ |
| ab-m¤ú` | (GKePb*.:* مَالٌ) أَمْوَال |
| AbymiY K‡i bv, c‡i Av‡m bv | (fvewe‡kl¨*.:* اِتْبَاعٌ) لَا يُتْبِعُوْنَ |
| AbyMÖn Kivi †LvUv, AbyMÖ‡ni K\_v g‡b Kwi‡q w`‡q Kó †`qv | مَنًّا |
| Kó | أَذًى |
| fvj K\_v, `qvi K\_v | قَوْلٌ مَّعْرُوفٌ |
| ¶gv | مَغْفِرَةٌ |
| `vb | صَدَقَةٌ |
| m¤c`kvjx, Afvegy³, gyLv‡c¶xnxb | غَنِيٌّ |
| cig mwnòy | حَلِيْمٌ |
| evwZj Ki bv, bó Ki bv | لَا تُبْطِلُوْا |
| ‡mB e¨w³i gZ | كَالَّذِيْ |
| ‡jvK †`Lv‡bvi Rb¨ (†Kvb KvR Kiv) | رِئَآءٌ |
| KwVb, gm„Y cv\_i | صَفْوَانْ |
| gvwU | تُرَابٌ |
| ewl©Z nj | أَصَابَ |
| cÖej e„wó | وَابِلٌ |
| cwi®‹vi, gm„Y | صَلْدًا |
| Zviv ¶gZv iv‡L bv | لَا يَقْدِرُوْنَ |
| D‡Ï‡k¨, †P‡q | اِبْتِغَآءٌ |
| Avj­­vni mšZzwó | مَرْضَاتِ اللَّهِ |
| cÖwZôv jvf Kiv, my`„p Kiv | تَثْبِيْتًا |
| evMvb, D`¨vb | (eûePb*.:* جَنَّاتٌ) جَنَّةٌ |
| DuPz f~wg | رَبْوَةٌ |
| djg~j, Lv`¨e¯‘ | أُكُلٌ |
| wØ¸b | ضِعْفَيْنِ |
| mvgvb¨ e„wó, wkwki | طَلٌّ |
| PvIqv, cQ›` Kiv | وَدَّ |
| ‡Zvgv‡`i †KD | أَحَدُكُمْ |
| ‡LRyi | نَخِيْلٌ |
| Av½yi | (GKePb*.:* عِنَبٌ) أَعْنَابٌ |
| eva©K¨ | كِبَرٌ |
| mš—vbmš—wZ | ذُرِّيَّةٌ |
| `ye©j | (GKePb*.:* ضَعِيْفٌ) ضُعَفآءُ |
| N~wY©evqy, So | إِعْصَارٌ |
| f¯§xf~Z nj | اِحْتَرَقَتْ (ح ر ق) |
| ‡Zvgiv †hb wPš—vfvebv Ki | تَتَفَكَّرُوْنَ |
| **i“Kz- 37** |  |
| cweÎ e¯Zz | طَيِّبَةٌ |
| †Zvgiv m¼í Ki bv | لَا تَيَمَّمُوْا |
| wbK„ó e¯‘¸‡jv | خَبِيْث |
| ‡Zvgiv bI, †Zvgiv Ki‡e bv | لَسْتُمْ |
| MÖnYKvix | اا خِذِيْ |
| †Zvgiv ‡PvL eÜ K‡i bvI | تُغْمِضُوْا |
| ‡PvL eÜ Kiv | غَمْضٌ |
| cÖkswmZ | حَمِيْدٌ |
| `vwi`ª¨ | فَقْرٌ |
| Ak­­xjZv | فَحْشَآء |
| `vb K‡ib | يُوْتِيْ |
| Ávb, eyw×gËv | حِكْمَةٌ |
| Dc‡`k MÖnY K‡i | يَذَّكَّرُ |
| `vb, LiP, e¨q | نَفَقَةٌ |
| ‡Zvgiv gvbZ Ki | نَذَرْتُمْ |
| hw` | إِنْ |
| cÖKvk Ki | تُبْدُوْا (ب د و) |
| DËg | نِعِمَّا |
| `wi`ªMY | فُقَرَآء |
| `~i K‡i ‡`‡eb | يُكَفِّرْ |
| cvc¸‡jv | (GKePb*.:* سَيِّئَةٌ) سَيِّئَآت |
| bv | لَيْسَ |
| wKšZz | لكِنْ |
| Avj­­vni mšZzwó | وَجْهُ اللَّهِ |
| cy‡ivcywi cÖ`Ë n‡e, c~Y© †`qv n‡e | يُوَفَّ |
| Ave× n‡q‡Q, Aei“× i‡q‡Q | أُحْصِرُوْا (ح ص ر) |
| Pjv‡div Kiv A\_v©r RxweKv AR©‡bi Rb¨ †Kv\_vI hvZvqvZ Kiv | ضَرْبًا |
| aviYv K‡i, g‡b K‡i | يَحْسَبُ (ح س ب) |
| abx | (GKePb*.:* غَنِيٌّ) أَغْنِيَآء |
| weiZ \_vKv (PvIqv †\_‡K), f`ªZv | تَعَفُّفْ |
| ‡Zvgiv wPb‡e | تَعْرِفُ (ع ر ف) |
| j¶Y, wPý | سِيْمَا |
| KvKzwZ-wgbwZ K‡i bv‡Qvo n‡q wf¶v PvIqv | إِلْحَافًا |
| **i“Kz- 38** |  |
| ‡Mvc‡b | سِرًّا |
| cÖKv‡k¨ | عَلَانِيَةٌ |
| m~` | الرِّبوا |
| Zviv `vuov‡e bv | لَا يَقُوْمُوْنَ |
| ‡hgb | كَمَا |
| cvMj K‡i‡Q, †gvnvweó K‡i‡Q | يَتَخَبَّطُ |
| ¯úk© | مَسٌّ |
| µq-weµq, e¨emv | بَيْعٌ |
| Avm‡jv | جَآءَ |
| Dc‡`k, mZK©evYx | مَوْعِظَةٌ |
| weiZ nj | اِنْتَهَى |
| AZxZ nj | سَلَفَ |
| cybive„wË Kij | (fvewe‡kl¨*.:* عَوْدٌ) عَادَ |
| wbg©~j Kiv, wgwU‡q †`qv | مَحْقٌ |
| ewa©Z Kiv | يُرْبِيْ |
| Awek¦vmx, AK„ZÁ | (GKePb*.:* كَافِرٌ) كَفَّارٌ |
| cvcx | أَثِيْمٌ |
| ‡Zvgiv cwiZ¨vM Ki, ‡Q‡o `vI | ذَرُوْا |
| hv evKx i‡q‡Q | بَقِيَ |
| Cgvb`viMY | مُؤْمِنِيْنَ |
| Z‡e †Zvgiv ‡NvlYv ï‡b bvI, †R‡b ivL | فَأْذَنُوْا |
| hy× | حَرْبٌ |
| hw` | إِنْ |
| ‡Zvgiv ZIev Ki | تُبْتُمْ |
| g~jab | رُؤُوْسٌ |
| AwaKvix | ذُوْ |
| Afve, `vwi`ª¨ | عُسْرَةٌ |
| AeKvk †`qv, mgq †`qv | نَظِرَةٌ |
| ¯^”QjZv | مَيْسَرَةٌ |
| ‡h | أَنْ |
| †Zvgiv †m FY ¶gv K‡i `vI, `vb K‡i `vI | تَصَدَّقُوْا |
| †Zvgiv wd‡i hv‡e, †Zvgiv cÖZ¨vewZ©Z n‡e | تُرْجَعُوْنَ |
| cwic~Y© cÖ`vb Kiv n‡e | تُوَفّى |
| **i“Kz- 39** |  |
| ‡Zvgiv ci¯úi F‡Yi †jb‡`b Ki | تَدَايَنْتُمْ |
| avi, FY | دَيْنٌ |
| wbw`©ó †gqv` | أَجَلٌ مُّسَمًّى |
| Ges Zvi wj‡L ivLv DwPZ, Ges †m †hb wj‡L | وَلْيَكْتُبْ |
| ‡jLK | كَاتِبٌ |
| b¨vqbxwZ, b¨vqm½Z | عَدْلٌ |
| A¯^xKvi Kiv DwPZ bv | لَا يَأْبَ |
| ‡m †jLvq, †m †hb wj‡L, Kh© ev FY MÖnxZv †hb †jLvi e¯‘ e‡j ‡`q | لِيُمْلِلَ |
| Kg Ki‡e bv | يَبْخَسْ |
| wb‡ev©a | سَفِيْهًا |
| `ye©j | ضَعِيْفًا |
| AwffveK | وَلِيٌّ |
| ‡Zvgiv mv¶x ivL | اِسْتَشْهِدُوْا |
| `yBRb mv¶x | شَهِيْدَيْنِ |
| cyi“lMY | (GKePb*.:* رَجُلٌ) رِجَالٌ |
| `yBRb gwnjv | اِمْرَأَتَيْنِ |
| ‡Zvgiv cQ›` Ki | تَرْضَوْنَ |
| mv¶xMY | شُهَدَآء |
| fy‡j hvq | تَضِلَّ |
| Zv‡`i `yR‡bi GKRb | إِحْداهُمَا |
| wek¦vm K‡i, Av¯’v iv‡L | أَمِنَ |
| ‡diZ †`q, cwi‡kva K‡i | يُؤَدِّ |
| cvcx | ااثِمٌ |
| g‡b Kwi‡q w`‡e (AciRb‡K) | تُذَكِّرَ |
| Ab¨ GKRb, AciRb | أُخْراى |
| hLb Zv‡`i WvKv nq | إِذَا مَا دُعُوْا |
| †Zvgiv weiw³ †eva Ki‡e bv, ‰kw\_j¨ Ki‡e bv, D‡c¶v Ki‡e bv | لَا تَسْئَمُوْا |
| weiw³ †eva Kiv, D‡c¶v Kiv, ‰kw\_j¨ Kiv | سَأْمٌ |
| ‡QvU | صَغِيْرًا |
| eo | كَبِيْرًا |
| AwaKZi b¨vqm½Z, mywePvi‡K AwaK Kv‡qg iv‡L | أَقْسَطُ |
| my`„p, AwaK myôz | أَقْوَمُ |
| mv¶¨ | شَهَادَةٌ |
| AwaK wbKUeZ©x | أَدْنى |
| ‡Zvgiv (†hb) m‡›`n bv Ki | (fvewe‡kl¨*.:* رَيْبٌ) لَا تَرْتَابُوْا |
| bM`, nv‡Z nv‡Z | حَاضِرَةٌ |
| ‡Zvgiv Av`vb cÖ`vb Ki, m¤úbœ Ki | تُدِيْرُونَ (د و ر) |
| †Kvb ¶wZ n‡Z w`‡e bv | لَا يُضَارَّ (ض ر ر) |
| cvc, mxgvj•Nb | فُسُوْقٌ |
| wZwb wk¶v †`b | يُعَلِّمُ |
| eÜK ivLv | رِهَانٌ |
| AwaKvicÖvß, n¯—MZ nIqv | مَقْبُوْضَةٌ |
| **i“Kz- 40** |  |
| ‡Zvgiv cÖKvk Ki | تُبْدُوْا |
| wnmve †b‡eb | يُحَاسِبُ (ح س ب) |
| Avgiv ïbjvg | سَمِعْنَا |
| Avgiv AvbyMZ¨ Kijvg, Avgiv gvbjvg | أَطَعْنَا |
| Avgv‡`i ¶gv Ki | غُفْرَانَكَ |
| cÖZ¨veZ©b, cÖZ¨veZ©b ¯’vb | مَصِيْر |
| Kvh©fvi †`b bv | لَا يُكَلِّفُ (ك ل ف) |
| Avgiv fy‡j hvB | نَسِيْنَا |
| Avgiv fyj K‡i ewm | أَخْطَأْنَا |
| Ges ¶gv Ki | وَاعْفُ |
| Avgv‡`i i¶vKvix, Avgv‡`i cÖwZcvjK | مَوْلَانَا |

سُوْرَةُ آلِِ عِمرانَ

**m~iv Avwj Bgivb**

**Bgivb (Avt)-Gi eskai**

**m~iv 3**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| wZwb AeZxY© K‡i‡Qb, bvwhj K‡i‡Qb | نَزَّلَ |
| mZ¨vqbKvix, mZ¨Zv cÖwZcv`bKvix | مُصَدِّقًا |
| c~e©eZx©, Zvi c~‡e© | بَيْنَ يَدَيْهِ |
| cÖwZ‡kva MªnYKvix | ذُو انْتِقَامٍ |
| ‡Mvcb \_v‡K bv | لَا يَخْفى |
| AvK„wZ MVb K‡ib | يُصَوِّرُ (ص و ر) |
| gvZ„Mf©¸‡jv | أَرْحَامْ |
| ‡Kgb, †hgb | كَيْفَ |
| myy®úó, ‡gŠwjK, gReyZ | مُحْكَمَاتٌ |
| wKZv‡ei Avmj Ask, wKZv‡ei eywbqv` | أُمُّ الكِتَابِ |
| Ab¨¸‡jv | أُخَرُ |
| A¯úó, i“cK | مُتَشَابِهَاتٌ |
| KzwUjZv, eµZv | زَيْغٌ |
| AbymÜvb Kiv | اِبْتِغَآء |
| wdZbv, mskq | فِتْنَةٌ |
| e¨vL¨v | تَاوِيْلٌ |
| mycªwZwôZ, myMfxi | رَاسِخُوْنَ (ر س خ) |
| KzwUjZv, eµZv m„wó K‡i w`I bv | لَا تُزِغْ (ز ي غ) |
| `vI | هَبْ |
| ‡Zvgvi wbKU ‡\_‡K | مِنْ لَّدُنْكَ |
| gnv`vZv | وَهَّابٌ |
| mg‡eZKvix | جَامِعٌ |
| cÖwZÁv, Iqv`v | مِيْعَادٌ |
| **i“Kz- 2** |  |
| BÜb, R¡vjvbx | وَقُوْد |
| Abyiƒc, b¨vq | كَ |
| cÖK„wZ, ¯^fve | دَأْبٌ |
| cvc, ¸bvn | (GKePb*.:* ذَنْبٌ) ذُنُوْبٌ |
| eo K‡Vvi | شَدِيْدٌ |
| kvw¯—`v‡b | عِقَابٌ |
| †Zvgv‡`i civf~Z Kiv n‡e | تُغْلَبُوْنَ |
| Avevm¯’j | مِهَادٌ |
| `yB `j | (GKePb*.:* فِئَةٌ) فِئَتَيْنِ |
| Df‡q m¤§yLxb n‡qwQj | إِلْتَقَتَا (ل ق ي) |
| hy× KiwQj | تُقَاتِلُ (ق ت ل) |
| Aci, wØZxq | أُخْراى |
| Kvwdi, Awek¦vmx | كَافِرَةٌ |
| Zviv †`‡L | يَرَوْنَ |
| Zv‡`i wØ¸Y | مِثْلَيْهِمْ |
| ‡`Lv | رَأْيٌ |
| ‡PvL | عَيْنٌ |
| kw³kvjx K‡ib | يُوَيِّدُ |
| mvnvh¨ | نَصْرٌ |
| `„óvš—, wk¶v | عِبْرَةٌ |
| AwaKvix, hv‡`i Av‡Q | أُولِى |
| Aš—`„©wó | أَبْصَارٌ |
| my‡kvwfZ Kiv n‡q‡Q | زُيِّنَ |
| fvjevmv | حُبٌّ |
| Kvgbv-evmbv | (GKePb*.:* شَهْوَةٌ) شَهَوَاتٌ |
| bvixiv | نِسَآءٌ |
| mš—vb-mš—wZ | بَنِيْنَ |
| ¯Z‚c | قَنَاطِيْر |
| ivkxK…Z | مُقَنْطَرَةُ |
| ¯^Y© | ذَهَبٌ |
| ‡iŠc¨ | فِضَّةٌ |
| ‡Nvov | خَيْلٌ |
| wPwýZ | مُسَوَّمَة |
| Mevw` cï | أَنْعَامٌ |
| K…wl-Rwg | حَرْثٌ |
| DËg Avkªq¯’j | حُسْنُ الْمَااب |
| ¯¿xiv | أَزْوَاج |
| cweÎ (gjg~Î, FZzmªve BZ¨vw` AcweÎZv †\_‡K gy³) | مُطَهَّرَةٌ |
| mš‘wó | رِضْوَانٌ |
| `k©K, j¶¨Kvix | (fvewe‡kl¨*.:* بَصَارَةٌ) بَصِيْرٌ |
| ev›`v | عِبَادٌ |
| Avgv‡`i i¶v Ki | (i¶v Ki: قِ ; Avgv‡`i: نَا ) قِنَا |
| mZ¨cš’x, mZ¨ev`x | صَادِقِيْنَ |
| AbyMZ e¨w³iv | قَانِتِيْنَ |
| AbyMZ | قَانِتٌ |
| `vbkxj, LiPKvix | مُنْفِقِيْنَ |
| ¶gvcÖv\_x© | مُسْتَغْفِرِيْنَ |
| iv‡Zi †kl fv‡M | أَسْحَارٌ |
| mv¶¨ w`‡jb | شَهِدَ |
| ‡h, wZwb | أَنَّهُ |
| ÁvbxMY | أُولُو الْعِلْمِ |
| cÖwZwôZ, `Ûvqgvb | قَآئِمٌ |
| b¨vqbxwZ, mywePvi | قِسْطٌ |
| civµgkvjx | عَزِيْزٌ |
| cÖÁvgq, gnvweÁ | حَكِيْمٌ |
| `ªyZ wnmve MÖnYKvix, wnmve wb‡Z Zrci | سَرِيْعُ الْحِسَابْ |
| Avwg AvZ¥mgc©b K‡iwQ | أَسْلَمْتُ |
| Avgvi wb‡R‡K, Avgvi gyL | وَجْهِيَ |
| hviv Avgv‡K AbymiY Kij | مَنِ اتَّبَعَنِ |
| Zviv gyL Nywi‡q wbj | تَوَلَّوْا |
| cÖPvi Kiv, †cŠuwQ‡q †`qv | بَلَاغٌ |
| **i“Kz- 3** |  |
| hviv wb‡`©k †`q | يَأْمُرُوْنَ |
| webó n‡q‡Q | حَبِطَتْ (ح ب ط) |
| ‡avuKv w`‡q‡Q, cÖZvwiZ K‡i‡Q | غَرَّ |
| Zviv hv wKQy wg\_¨v D™¢veb K‡i | مَا كَانُوْا يَفْتَرُوْنَ |
| ‡Kgb | كَيْفَ |
| c~Y© †`qv n‡e | وُفِّيَتْ |
| ‡n Avj­­vn | اللّهُمَّ |
| gvwjK | مَالِكَ |
| ivR¨ | مُلْك |
| Zzwg B”Qv Ki | تَشَآءُ |
| ‡K‡o bvI | تَنْزِعُ (ن ز ع) |
| AcgvwbZ Ki, jvw ÃZ Ki | تُذِلُّ |
| nvZ | يَدٌ |
| wbðqB Zywg | إِنَّكَ |
| Zzwg cª‡ek KivI, cwiewZ©Z Ki, cwiYZ Ki | تُوْلِجُ (و ل ج) |
| ivZ | لَيْلٌ |
| w`b | نَهَارٌ |
| eÜz, AwffveKMY | أَوْلِيَآءُ |
| e¨ZxZ, Qvov | دُوْنَ |
| ‡Kvb wel‡q | فِيْ شَيْء |
| AvZ§i¶v wn‡m‡e | تُقَاةٌ |
| fq cÖ`k©b K‡ib, mveavb K‡ib | يُحَذِّرُ (ح ذ ر) |
| Zvui wb‡Ri m¤ú‡K© | نَفْسَه، |
| we`¨gvb, Dcw¯’Z | مُحْضَرًا |
| my`~i e¨eavb | أَمَدًا بَعِيْدًا |
| ‡ønkxj, `qvjy | رَؤُوْفٌ |
| **i“Kz- 4** |  |
| eskai, mš—vbmš—wZ | (eûePb*:* ذُرِّيَّاتٌ) ذُرِّيَّةٌ |
| ¯¿x | اِمْرَاءَةٌ |
| ‡cU, GLv‡b A\_© n‡e Mf© | بَطْنٌ |
| gy³, DrmM©xK…Z | مُحَرَّرًا |
| ‡m cÖme Kij | وَضَعَتْ |
| cÖme Kiv | وَضَعَ |
| cyi“l, GLv‡b A\_© n‡e †Q‡j | الذَّكَرُ |
| gwnjv, GLv‡b A\_© n‡e †g‡q | أُنْثى |
| Avwg bvg ivLjvg | سَمَّيْتُ (س م و) |
| Avwg Avkªq PvBwQ | أُعِيْذُ (ع و ذ) |
| M‡o Zzj‡jb, ewa©Z Ki‡jb | أَنْبَتَ |
| ea©b | نَبَاتًا |
| ZË¡veavqK wbhy³ Ki‡jb | كَفَّلَ |
| cÖ‡Kvô, gmwR` msjMœ cÖ‡Kvô hv Bgvg, gyqvw¾b ev Lvw`‡gi Rb¨ wbgv©Y Kiv nq | مِحْرَابٌ |
| ‡Kv\_v †\_‡K | أَنّى |
| ‡mLv‡bB | هُنَالِكَ |
| WvKj, cÖv\_©bv Kij | دَعَا |
| `vI | هَبْ |
| ‡Zvgvi wbKU †\_‡K | مِنْ لَّدُنْكَ |
| mZ¨vqbKvix | مُصَدِّقًا |
| kã, evYx, GLv‡b A\_© n‡e Avj­­vni evYx, wb‡`©k | كَلِمَةً |
| ‡bZv | سَيِّدًا |
| wb®úvc, wb®‹j¼, ¸bvn †\_‡K `~‡i \_v‡K | حَصُوْرًا |
| †Q‡j | (eûePb*.:* غِلْمَانٌ) غُلَامٌ |
| eva©K¨ | كِبَرٌ |
| eÜ¨v | عَاقِرٌ |
| GB †h bv | ( أَنْ + لَا ) أَلَّا |
| Bkviv, Bw½Z | رَمْزًا |
| cweÎZv †NvlYv Kiv ev eY©bv Kiv, Zvmexn Kiv | سَبِّحْ |
| mÜ¨v | عَشِيٌّ |
| mKvj | إِبْكَار |
| **i“Kz- 5** |  |
| Zzwg AbyMZ nI | اُقْنُتِيْ |
| Lei, msev` | (GKePb*.:* نَبَأٌ) أَنْبَآءٌ |
| Avgiv Inxi“‡c ‡cÖiY Kwi, Avwg Inx Kwi | نُوْحِيْ |
| Zzwg wQ‡j bv | مَا كُنْتَ |
| Zv‡`i Kv‡Q | لَدَيْهِمْ |
| wbK‡U, Kv‡Q | لَدَيْ |
| hLb Zviv wb‡¶c Kij | إِذْ يُلْقُوْنَ |
| Kjg¸‡jv | (GKePb*.:* قَلَمٌ) أَقْلَامْ |
| Zv‡`i g‡a¨ †K? | أَيُّهُمْ |
| ‡K? | أَيٌّ |
| Zviv SMov Kij | يَخْتَصِمُونَ |
| m¤§vwbZ | وَجِيْهًا |
| wbKUZg, mvwbœa¨cÖvßMY | مُقَرَّبِيْنَ |
| ‡`vjbv, gv‡qi †Kvj | مَهْدٌ |
| cwiYZ eqm, c~Y© eq®‹ | كَهْلاً |
| gvbyl | بَشَرٌ |
| B”Qv Ki‡jb, wm×vš— wb‡jb | قَضى |
| KvR | أَمْرًا |
| Avwg m„wó Kwi | أَخْلُقُ |
| gvwU | طِيْنٌ |
| AvK„wZi gZ | كَهَيْئَةٍ |
| cvwL | (eûePb*:* طَيُوْرٌ) طَيْرٌ |
| dzuK †`qv | نَفْخٌ |
| Avj­vni Av‡`k | إِذْنُ اللَّهِ |
| Avwg my¯ ’K‡i Zywj, wbivgq Kwi, gy³ Kwi | أُبْرِئُ |
| Rb¥vÜ | أَكْمَهٌ |
| Kzô †ivMx | أَبْرَصٌ |
| g„Z | مَوْتى |
| †Zvgiv Rgv K‡i ivL | تَدَّخِرُوْنَ |
| j¶ Kij, Ecjwä Kij | أَحَسَّ |
| mvnvh¨Kvix | أَنْصَارٌ |
| wkl¨, mvnvh¨Kvix,GLv‡b nhiZ Cmv (Avt) Gi mvnvexMY‡K eySvb n‡q‡Q | حَوَارِيُّوْنْ |
| Avgiv | نَحْنُ |
| lohš¿ | مَكْرٌ |
| **i“Kz- 6** |  |
| Avwg ‡Zvgv‡K MÖnY Kie, cÖwZMÖnY Kie | مُتَوَفِّيكَ |
| †h Zz‡j †bq, ‡h Dc‡i DwV‡q †bq | رَافِعٌ |
| cwic~Y© †`q | يُوَفِّيْ |
| cyi®‹vi, cªwZdj | أُجُوْر |
| gvwU | تُرَابُ |
| Avgiv webxZfv‡e cÖv\_©bv Kwi | نَبْتَهِلْ |
| webxZfv‡e cÖv\_©bv Kiv | اِبْتِهَالٌ (ب ه ل) |
| NUbv , e„Ëvš—¸wj | ( قَصَّ ، يَقُصُّ ، قِصَّةٌ ) قَصَصَ |
| **i“Kz- 7** |  |
| ‡Zvgiv Avm | تَعَالَوْا |
| mgvb | سَوَآءٌ |
| cÖfy, ie, Dcvm¨ | (GKePb*.:* رَبٌّ) أَرْبَابًا |
| †ZvgivB †Zv | هَا أَنْتُمْ |
| Gme †jvK, Hme †jvK (hviv) | هَاؤُلَآءِ |
| ‡Zvgiv weZK© Ki‡j, SMov Ki‡j | حَاجَجْتُمْ |
| wbKUZg, †jvK‡`i g‡a¨ (Nwbô nevi) AMÖvwaKvix | أَوْلَى النَّاسِ |
| **i“Kz- 8** |  |
| GK`j | طَآئِفَةٌ |
| c~ev©‡ý, w`‡bi cÖ\_g fv‡M | وَجْهَ النَّهَارِ |
| wZwb evQvB K‡ib | يَخْتَصُّ |
| fimv Ki, AvgvbZ ivL | تأْمَنْ |
| abivwk | قِنْطَار |
| ‡diZ w`‡e, cÖZ¨veZ©b Ki‡e | يُؤَدِّ |
| Zzwg \_vK | دُمْتَ |
| `Ûvqgvb, `vuovb | قَآئِمًا |
| c\_, `vwqZ¡ | (eûePb*.:* سُبُلٌ) سَبِيْلٌ |
| c~Y© Kij | أَوْفى |
| kc\_ | أَيْمَانْ |
| Ask | خَلَاقٌ |
| evuwK‡q †`q, KzwÂZ K‡i, D‡ë cv‡ë †`q | يَلْوُوْنَ |
| Zv‡`i wRf¸‡jv | (GKePb*.:* لِسَانٌ) أَلْسِنَتَهُمْ |
| Avj­vni wek¦¯— ev›`v, Avj­­vnIqvjv | رَبَّانِيِّيْنَ |
| ‡Zvgiv wk¶v `vI | تُعَلِّمُوْنَ |
| ‡Zvgiv co | تَدْرُسُونَ |
| **i“Kz- 9** |  |
| Avgvi ‡evSv (A½xKv‡ii), `vwqZ¡fvi | إِصْرِيْ |
| Zviv Pvq | يَبْغُوْنَ |
| ‡¯^”Qvq, wbR B”Qvq | طَوْعًا |
| Awb”Qvq | كَرْهًا |
| ‡h Pvq | يَبْتَغِ |
| G‡m‡Q | جَآءَ |
| nvjKv Kiv n‡e bv, cÖkwgZ n‡e bv | لَا يُخَفَّفُ |
| Zviv ms‡kvwaZ nq | أَصْلَحُوْا |
| Zviv cwiewa©Z Kij | اِزْدَادُوْا |
| c„w\_ex cwigvY, c„w\_ex c~Y© | مِلْءُ الْأَرْضِ |
| †mvbv | ذَهَبًا |
| gyw³cY cÖ`vb Kij, wewbgq w`j | اِفْتَداى |
| hš¿bv`vqK | أَلِيْمٌ |
| **i“Kz- 10** |  |
| KL‡bv bv | لَنْ |
| Zzwg jvf Ki‡e, cv‡e | تَنَالُوْا |
| cvIqv | نَيْلٌ |
| Kj¨vY, ZvKIqv | الْبِرَّ |
| Lv`¨ | طَعَامٌ |
| nvjvj, ˆea | حِلاًّ |
| nvivg Kij, A‰ea Kij | (fvewe‡kl¨*.:* تَحْرِيْمٌ ) حَرَّمَ |
| wg\_¨v‡ivc K‡i | اِفْتَراى |
| wg\_¨v | كَذِب |
| mZ¨ ej‡jb | صَدَقَ |
| my`„p, GKwbôfv‡e, mZ¨ a‡g©i Abymvix | حَنِيْفًا |
| ‰Zix Kiv n‡q‡Q | وُضِعَ |
| hv Aek¨B | لَلَّذِيْ |
| g°v | بَكَّة |
| gvKv‡g Beivnxg, GKwU cÖwm× ¯’vb, nhiZ Beªvnxg (Avt)-Gi `vuovevi ¯’vb | مَقَامُ إِبْرَاهِيْمَ |
| wbivc`, kvwš—cÖvß | اامِنًا |
| (Kvev) N‡ii nv¾¡ Kiv | حِجُّ الْبَيْتِ |
| mvgv\_¨© iv‡L | اِسْتَطَاعَ |
| ‡Kb | لِمَ |
| ‡Zvgiv evav `vI | (fvewe‡kl¨*.:* صَدٌّ) تَصُدُّوْنَ |
| ‡Zvgiv AbymÜvb Ki | تَبْغُوْنَ |
| KzwUjZv, eµZv | عِوَجًا |
| wdwi‡q wb‡e, cÖZ¨vewZ©Z Ki‡e | (fvewe‡kl¨*.:* رَدٌّ ) يَرُدُّوْا |
| cvV Kiv nq | تُتْلى |
| `„pfv‡e aviY K‡i | يَعْتَصِمْ |
| `„pfv‡e aviY Kiv | اِعْتِصَام |
| **i“Kz- 11** |  |
| i¾y, iwk, Zvi | حَبْلٌ |
| GK‡hv‡M, mg‡eZfv‡e | جَمِيْعًا |
| kÎ“ | أَعْدَآءٌ |
| eÜzZ¡ Kwi‡q w`‡q‡Qb, wgwj‡q w`‡q‡Qb, mshy³ K‡i‡Qb | أَلَّفَ |
| ‡Zvgiv n‡q †M‡j | أَصْبَحْتُمْ |
| fvB fvB | (GKePb*.:* أَخٌ) إِخْوَانًا |
| wKbv‡i, av‡i | شَفَا |
| MZ©, GLv‡b A\_© n‡e AwMœKyÛ | حُفْرَةٌ |
| D×vi Ki‡jb | أَنْقَذَ |
| Ges Aek¨B \_vK‡Z n‡e | وَلْتَكُنْ |
| GKwU `j | أُمَّةٌ |
| D¾j n‡e, mv`v n‡e | تَبْيَضُّ (ب ي ض) |
| gyLgÛj | (GKePb*:* وَجْهٌ) وُجُوْهٌ |
| Kv‡jv n‡e | تَسْوَدُّ |
| cÖZ¨vewZ©Z nq, †div‡bv nq | تُرْجَعُ |
| me welq | الْأُمُوْرُ |
| **i“Kz- 12** |  |
| m‡ev©Ëg D¤§Z, me©‡kªô RvwZ | خَيْرَ اُمَّةٍ |
| D™¢e NUv‡bv n‡q‡Q, m„wó Kiv n‡q‡Q | اُخْرِجَتْ |
| ‡Zvgiv evav `vI | تَنْهَوْنَ |
| Ab¨vq KvR | مُنْكَرْ |
| mvgvb¨ Kó, `y:L | أَذًى |
| wcV, wcQb | (GKePb*.:* دُبُرٌ) أَدْبَار |
| AwaKvix n‡q‡Q, Avµvš— n‡q‡Q,†Niv c‡o‡Q | بَآءَ |
| Zviv Aeva¨Zv Kij, Zviv Aeva¨ nj | عَصَوْا |
| mxgvjsNb KiZ | كَانُوا يَعْتَدُوْنَ |
| mxgvjsNb Kiv | اِعْتِدَآءٌ |
| Zviv bq | لَيْسُوْا |
| mgvb | سَوَآءٌ |
| mgq | اانَآء |
| Zviv mva¨gZ †Póv K‡i ,Zviv Zrci nq | يُسَارِعُوْنَ |
| mrKvR | خَيْرَات |
| mrKg©kxj | (GKePb*.:* صَالِحٌ) صَالِحِيْنَ |
| KLbI e¨\_© n‡e bv, KLbI A¯^xKvi Kiv n‡e bv | لَنْ يُّكْفَرُوْا |
| KLbI Kv‡R Avm‡e bv | لَنْ تُغْنِيَ |
| evZvm, nvIqv | (eûePb*.:* رِيَاحٌ ) رِيْحٌ |
| fxlY VvÛv | صِرٌّ |
| km¨‡¶Z | حَرْثٌ |
| Aš—i½ eÜz | بِطَانَةٌ |
| Zviv my‡hvM Qvo‡e bv, Î“wU Ki‡e bv | (fvewe‡kl¨*.:* أُلُوٌّ) لَا يأْلُوْنَ |
| ¶wZMÖ¯— Kiv , Awbó mvab | خَبَالاً |
| Kvgbv K‡i, fvjev‡m | وَدُّوْا |
| ‡Zvgiv wecbœ nI, Amyweavq co | عَنِتُّمْ (ع ن ت) |
| cÖKvk †c‡q‡Q | بَدَتْ |
| kÎ“Zv, wnsmv, we‡Øl | بَغْضَآءُ |
| gyL¸‡jv | (GKePb*.:* فَوْهٌ) أَفْوَاه |
| ‡ZvgivB †Zv Zviv | هَا أَنْتُمْ أُولآءِ |
| Zviv Kvgovq | عَضُّوْا |
| Kvgov‡bv | عَضٌّ |
| Av½yj¸‡jv | أَنَامِلَ |
| Av‡µvk, †µva | غَيْظٌ |
| g‡i hvI | مُوْتُوْا |
| g‡bi K\_v, g‡bi †fZ‡ii Ae¯’v | بِذَاتِ الصُّدُوْر |
| ‡Zvgv‡`i‡K ¯úk© K‡i | تَمْسَسْكُمْ (م س س) |
| Zv‡`i Lvivc jv‡M | تَسُؤْهُمْ |
| Avb›` Kiv | فَرْحٌ |
| Pµvš— | كَيْدٌ |
| **i“Kz- 13** |  |
| Avcwb mKv‡j †ei n‡jb | غَدَوْتَ (غ د و) |
| Avcwb ¯’vb wbav©iY K‡ib | تُبَوِّئُ |
| ¯’vb wbav©iY Kiv | بَوَّأَ |
| NvuwU, ¯’vb, emvi RvqMv¸wj | (GKePb*.:* مَقْعَدٌ) مَقَاعِدَ |
| hy×, jovB | قِتَالٌ |
| msKí Kij, wm×vš— wbj | هَمَّ |
| `yB `j | طَآئِفَتَانِ |
| `yB `j mvnm nvivq, fxi“Zv cÖKvk K‡i, `ye©jZv cÖKvk K‡i | تَفْشَلَا |
| mvnm nvivb, fxi“Zv cÖKvk Kiv, `ye©jZv cÖKvk Kiv | فَشْلٌ |
| e`‡ii hy× | بَدْر |
| LyeB `ye©j, bMY¨ | (GKePb*:* ذَلِيْلٌ) أَذِلَّةٌ |
| bq wK? | أَلَنْ |
| mvnvh¨ K‡i | يُمِدَّ |
| wZb nvRvi | ثَلَاثَةِ االَافٍ |
| AeZxY© | مُنْزَلِيْنَ |
| n¨vu, eis, †Kb bq? | بَلى |
| ZLbB, nVvr, Z¡wiZ MwZ‡Z | فَوْرٌ |
| cvuP | خَمْسَة |
| wPwýZ | مُسَوِّمِيْنَ |
| mymsev` | بُشْراى |
| Avk¦¯— nq | تَطْمَئِنَّ |
| KvUv, †K‡U †djj, aŸsm K‡i †`qv | قَطَعَ |
| GKwU Ask, `j we‡kl | طَرَفًا |
| jvwÃZ Kiv, jvwÃZ Kij | كَبَتَ |
| Zviv wd‡i hvq | (fvewe‡kl¨*.:* اِنْقِلَاب) يَنْقَلِبُوْا |
| e¨\_© | خَآئِبِيْنَ |
| **i“Kz- 14** |  |
| wØMyY, eû¸Y | أَضْعَافًا |
| K‡qK¸Y, Pµe„w× nv‡i | مُضَاعَفَةٌ |
| cÖ¯‘Z Kiv n‡q‡Q | أُعِدَّتْ |
| Qy‡U hvI, avweZ nI, `ª“Z Avm | سَارِعُوْا (س ر ع) |
| cÖmviZv, cÖk¯—Zv | عَرْضٌ |
| ¯^”QjZvq | سَرَّآءٌ |
| Afv‡e, `yive¯’vq | ضَرَّآءٌ |
| hviv mseiY K‡i, hviv `gb K‡i, nRg K‡i | كَاظِمِيْنَ |
| ‡µva, ivM | غَيْظٌ |
| hviv ¶gv K‡i | عَافِيْنَ |
| Ak­xj KvR | فَاحِشَةٌ |
| cvc | (GKePb*.:* ذَنْبٌ) ذُنُوْبٌ |
| bv | لَمْ |
| Zviv evovevwo K‡i | يُصِرُّوْا |
| KZB bv DËg, wK my›`i | نِعْمَ |
| Kg©xMY | عَامِلِيْنَ |
| weavbvejx, Av`k©mg~n | سُنَنْ |
| ågY Ki, wePiY Ki | سِيْرُوْا |
| †kl cwiYwZ, cwiYvg | عَاقِبَةٌ |
| eY©bv, weeiY, my¯úó evYx | بَيَانٌ |
| Dc‡`k | مَوْعِظَةٌ |
| wbivk n‡qvbv, gb fvOv n‡qvbv, `ye©j n‡qv bv, nxb ej n‡qv bv | لَا تَهِنُوْا |
| mgybœZ n‡e, Rqx n‡e | (GKePb*.:* أَعْلى) أَعْلَوْنَ |
| AvNvZ | قَرْحٌ |
| ¯úk© K‡iwQj | مَسَّ |
| w`b¸wj | أَيَّامْ |
| Avgiv AvewZ©Z Kwi, cwieZ©b Kwi | (fvewe‡kl¨*.:* دَوْلٌ) نُدَاوِلُ |
| ‡Q‡U evQvB K‡ib, wbg©j K‡ib | يُمَحِّصُ |
| ‡Q‡U evQvB Kiv, wbg©j Kiv | تَمْحِيْص |
| wbcvZ Kiv, aŸsm Kiv | مَحْقٌ |
| ‡Zvgiv Kvgbv Ki | تَمَنَّوْنَ |
| **i“Kz- 15** |  |
| wK? | أَ |
| Z‡e | فَ |
| hw` | إِنْ |
| Z‡e wK hw`? | أَفَإِنْ |
| g„Zz¨eiY Kij | مَاتَ |
| ‡Zvgiv wd‡i hv‡e | اِنْقَلَبْتُمْ |
| cv‡qi †Mvovwj (GLv‡b A\_© n‡e wcQy wd‡i hvIqv) | (GKePb*.:* عَقِبٌ) أَعْقَاب |
| wjwLZ ©wbw`ó mgq | كِتَابًامُّؤَجَّلاً |
| KZ, eû (wQj) | كَأَيِّنْ |
| Avj­­vnf³ ‡jv‡Kiv | رِبِّيُّوْنَ |
| wbivk nIqv, nxbej nIqv | وَهْنٌ |
| (Zvi) Rb¨ hv wKQy | لِمَا |
| msNwUZ n‡qwQj, AvcwZZ n‡qwQj | أَصَابَ |
| `ye©jZv | ضُعْفٌ |
| Zviv wePwjZ nqwb,Zviv `‡g hvqwb | مَااسْتَكَانُوْا |
| evovevwo Kiv, AcPq Kiv | إِسْرَافٌ |
| `„p ivL | ثَبِّتْ |
| DËg | حُسْنٌ |
| **i“Kz- 16** |  |
| Avgiv mÂvi Kie | نُلْقِيْ |
| fq | رُعْبٌ |
| cÖgvY | سُلْطَانًا |
| wbK„ó | بِئْسَ |
| Avevm¯’j | مَثْواى |
| ‡Zvgiv nZ¨v Ki‡j | (fvewe‡kl¨*.:* حَسٌّ) تَحُسُّوْنَ |
| ‡Zvgiv Kvcyi“lZv cÖ`k©b Ki‡j | فَشِلْتُمْ (ف ش ل) |
| ‡Zvgiv gZwe‡iva Ki‡j | تَنَازَعْتُمْ |
| ‡Zvgiv Aeva¨ n‡j | (fvewe‡kl¨*.:* مَعْصِيَةٌ؛ عِصْيَانٌ) عَصَيْتُمْ |
| ‡div‡jb, weiZ Ki‡jb, cðvreZx© Kiv | صَرَفَ |
| ‡Zvgiv Av‡ivnb KiwQ‡j | تُصْعِدُوْنَ (ص ع د) |
| ‡Zvgiv wd‡i ‡`LwQ‡j bv | لَا تَلْوُوْنَ |
| ‡hb bv Ki | لِكَيْلَا |
| AwZµvš— nj, nvZ n‡Z dm‡K ‡Mj, nvivj | فَاتَ |
| Z›`ªv | نُعَاسًا |
| Av”Qbœ Kiv | يَغْشى (غ ش ي) |
| Avgv‡`i (Rb¨)wK Av‡Q? A\_¨v©r Avgv‡`i wK †Kvb AwaKvi Av‡Q? | هَلْ لَّنَا |
| GLv‡b | هَاهُنَ |
| †ei n‡q Gj | بَرَزَ |
| ‡kvqvi RvqMv, GLv‡b A\_© n‡e wbnZ nevi ¯’vb | مَضَاجِعَ |
| m¤§yLxb nj | اِلْتَقى |
| `yB `j | جَمْعَانِ |
| cÖZvwiZ K‡iwQj, c`öjb NwU‡qwQj | اِسْتَزَلَّ |
| ¶gv Ki‡jb | عَفَا |
| **i“Kz- 17** |  |
| ågY Kij, Ab¨ ¯’v‡b cÖnvi Kivi A‡\_© e¨eüZ n‡q‡Q | ضَرَبُوْا |
| ‡hv×v, wRnv‡` Ask MÖnYKvix | (GKePb*.:* غَازِي) غُزًّى |
| AbyZvc | حَسْرَةٌ |
| Aek¨ | لَ |
| ‡Zvgv‡`i‡K GKwÎZ Kiv n‡e | تُحْشَرُوْنَ (ح ش ر) |
| e¯‘Zt Kvi‡Y, AZGe | فَبِمَا |
| Zzwg †KvgjwPË n‡qQ, Zzwg big n‡qQ | (لَانَ؛ يَلِيْنُ) لِنْتَ |
| iƒp, KK©kfvlx | فَظًّا |
| KwVb ü`q | غَلِيْظَ الْقَلْبِ |
| Zviv wew”Qbœ n‡q †hZ, Zviv m‡i †hZ | اِنْفَضُّوْا |
| †Zvgvi wbKU | حَوْلِكَ |
| civgk© Ki | (fvewe‡kl¨*.:* مُشَاوَرَةٌ) شَاوِرْ |
| Zzwg wm×vš— wb‡qQ, `„p msKíe× nI | عَزَمْتَ |
| wbf©ikxjMY, fimvKvixMY | مُتَوَكِّلِيْنَ |
| cwiZ¨vM Kiv | خَذَلَ |
| wLqvbZ K‡i, †Mvcb K‡i | يَغُلَّ |
| wLqvbZ Kij, †Mvcb Kij | غَلَّ |
| cwic~Y©fv‡e cÖ`vb Kiv n‡e | تُوَفّى |
| Amš‘wó, †µva | سَخَطَ |
| wVKvbv, evm¯’vb | مَأْواى |
| wbK…ó | بِئْسَ |
| Mš—e¨¯’vb, cÖZ¨veZ©b ¯’vb | مَصِيْر |
| AbyMÖn K‡i‡Qb | مَنَّ |
| cvwV‡q‡Qb | بَعَثَ |
| wK | أَ |
| Ges | وَ |
| hLb | لَمَّا |
| wØMyY | مِثْلَيْ |
| ‡Kv\_v n‡Z | أَنّى |
| Zviv gybvwdK n‡q †Mj | نَافَقُوْا |
| ‡Zvgiv Avm | تَعَالَوْا |
| ‡Zvgiv hy× Ki | قَاتِلُوْا |
| cÖwZnZ Ki, cÖwZi¶v Ki, evav `vI | اِدْفَعُوْا |
| ‡m w`b | يَوْمَئِذٍ |
| ‡ekx wbKUeZx© | أَقْرَبُ |
| Zviv e‡m \_vK‡jv | قَعَدُوْا |
| hw` | لَوْ |
| Zviv K\_v ïb‡Zv, AvbyMZ¨ KiZ | أَطَاعُوْا |
| ‡Zvgiv Zvn‡j `~‡i mivI | فَادْرَؤُوْا |
| KL‡bv aviYv Kibv, g‡b Ki bv | لَا تَحْسَبَنَّ |
| Zviv RxweKvcÖvß nq | يُرْزَقُوْنَ |
| Zviv cwiZzó, Zviv Lykx n‡q‡Q | فَرِحِيْنَ |
| Zviv mymsmev` †R‡b Avbw›`Z nq | يَسْتَبْشِرُوْنَ |
| Zviv wgwjZ nqwb | لَمْ يَلْحَقُوْا |
| **i“Kz- 18** |  |
| Zviv mvov w`j, Zviv Reve w`j | اِسْتَجَابُوْا |
| Avgv‡`i Rb¨ h‡\_ó | حَسْبُنَا |
| DËg AwffveK, PgrKvi Kvh©wbev©nK | نِعْمَ الْوَكِيْل |
| Zviv wd‡i Avmj, wd‡i ‡Mj | اِنْقَلَبُوْا |
| AbyMÖnkxj | ذُوْفَضْلٍ |
| fq cÖ`k©b K‡i | يُخَوِّفُ |
| eÜziv | أَوْلِيَآء |
| Avgv‡K fq Ki | خَافُوْنِ fq : خَافُوْا ; Avgv‡K: نِ |
| `ª“Z avweZ nq, Zrci nq | يُسَارِعُوْنَ |
| ‡Kvb Ask | حَظًّا |
| Avgiv AeKvk †`B, my‡hvM †`B | نُمْلِيْ |
| AegvbbvKi | مُهِيْنٌ |
| cwiZ¨vM K‡i | يَذَر |
| c„\_K K‡i | يَمِيْزُ |
| AcweÎ, Lvivc, wbK…ó | خَبِيْث |
| cweÎ, fvj, DrK…ó | طَيِّب |
| msev` ‡`q | يُطْلِعُ |
| g‡bvbxZ K‡ib, evQvB K‡ib | يَجْتَبِيْ |
| Zviv Kvc©Y¨ K‡i | يَبْخَلُوْنَ (ب خ ل) |
| Zv‡`i (Mjvq)‡eox civb n‡e | يُطَوَّقُوْنَ |
| **i“Kz- 19** |  |
| ïb‡jb | سَمِعَ |
| `wi`ª | فَقِيْرٌ |
| Avgiv | نَحْنُ |
| abx | (GKePb*.:* غَنِيٌّ) أَغْنِيَآء |
| ¯^v` MÖnY Ki, Av¯^v`b Ki | ذُوْقُوْا |
| R¡jš— Av¸b, `nb | حَرِيْقٌ |
| AZ¨vPvix, AwaK AZ¨vPvix | ظَلَّامٌ |
| ev›`v, `vm | (GKePb*:* عَبْدٌ) عَبِيْد |
| Kzievbx, DrmM© | قُرْبَان |
| MÖvm K‡i, †L‡q †d‡j | تَأْكُلْ |
| Z‡e †Kb | فَلِمَ |
| A¯^xK…Z n‡qwQj | كُذِّبَ |
| Av‡jvK`vbKvix, hv cÖwZdwjZ Av‡jv †`q | مُنِيْر (ن و ر) |
| ¯^v` MÖnbKvix, Av¯^v`bKvix | ذَآئِقَةٌ |
| ‡Zvgv‡`i c~Y© †`qv n‡e | تُوَفَّوْنَ |
| cÖwZ`vb, cyi®‹vi | (GKePb*.:* أَجْرٌ) أُجُوْرٌ |
| `~‡i ivLv nq | زُحْزِحَ |
| mdj nj | (fvewe‡kl¨*.:* فَوْزٌ) فَازَ |
| m¤ú`, mvgMÖx, Avivg, †fvM-wejvm | مَتَاعٌ |
| ‡avuKv, cÖZviYv | غُرُوْر |
| `„p msK‡íi welq | الْأُمُوْر عَزْمِ |
| wb‡¶c Kij | نَبَذَ |
| wcQ‡b | وَرَآء |
| wcV | (fvewe‡kl¨*.:* ظَهْرٌ) ظُهُوْر |
| Zviv K‡i‡Q, Zviv G‡m‡Q | أَتَوْا |
| Zv‡`i cªksmv Kiv †nvK, cÖksmvcÖv\_x© | (يُحْمَدُوْا (ح م د |
| wbivc` nIqv, mdj nIqv | مَفَازَةٌ |
| **i“Kz- 20** |  |
| AwaKvix, hv‡`i Av‡Q | أُولِى |
| Ávb, Aš—`©©„wó | (GKePb*:* لُبٌّ) أَلْبَاب |
| `vuwo‡q | قِيَامًا |
| e‡m, emv Ae¯’vq | قُعُوْدًا |
| cvk¦©‡`k, ï‡q | (GKePb*.:* جَنْبٌ) جُنُوْب |
| wPš—v K‡i, M‡elYv K‡i | يَتَفَكَّرُوْنَ |
| Ab\_©K, e„\_v, A\_©nxb | بَاطِلاً |
| Zywg cweÎ | سُبْحَانَكَ |
| Zywg jvwÃZ Ki‡j | أَخْزَيْتَ (خ ز ي) |
| AvnevbKvix | مُنَادِيًا |
| `~i Ki | كَفِّرْ |
| ‡`vl Î“wU | سَيِّئَات |
| Avgv‡`i g„Zz¨ `vI | تَوَفَّنَا |
| mv‡\_ | مَعَ |
| c~Y¨evb | أَبْرَارٌ |
| cyi“l | ذَكَرٌ |
| bvix | أُنْثى |
| wbhv©wZZ n‡q‡Q | أُوْذُوْا |
| (`¤¢c~Y©) Pjv‡div | تَقَلُّبْ |
| kni, †`k | (GKePb*.:* بَلَدٌ) بِلَاد |
| wVKvbv, cÖZ¨veZ©b ¯’vb | مَأْواى |
| wekªvg¯’j | مِهَادٌ |
| Af¨\_©bvi Dcnvi, ‡gngvb`vix | نُزُلاً |
| webqx, AebZ | خَاشِعِيْنَ |
| mei Ki, ˆah© ai | اِصْبِرُوْا |
| ‰a‡h© `„p \_vK | صَابِرُوْا |

سُوْرَةُ النِّسَآ ء

**m~iv wbmv**

**bvix**

**m~iv 4**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| we¯—vi K‡i‡Qb, Qwo‡q w`‡q‡Qb | بَثَّ |
| A‡bK cyi“l | (GKePb*.:* رَجُلٌ) رِجَالاً |
| ‡Zvgiv ci¯ú‡i (nK) `vex Ki, G‡K Ac‡ii wbKU wRÁvmv Ki, G‡K Ac‡ii wbKU PvI | تَسَآءَلُوْنَ |
| wbKU AvZ¥xq, AvZ¥xqZvi m¤úK© | أَرْحَام |
| ZË¡veavqbKvix, `„wóevb | رَقِيْبًا |
| BqvZxg †g‡qiv | يَتَامى |
| Aciva | حُوْبًا |
| ¸i“Zi | كَبِيْرًا |
| mywePvi, Bbmvd | قِسْطٌ |
| cQ›`gZ | طَابَ |
| `yBwU | مَثْنى |
| wZbwU | ثُلَاثَ |
| PviwU | رُبَاع |
| b¨vqwePvi | عَدْلٌ |
| gvwjK n‡q‡Q, kãwU hy×e›`x bvix Ges µxZ`vmx‡`i Rb¨ e¨envi Kiv n‡q \_v‡K | مَلَكَتْ |
| Wvb nvZmg~n | (fvewe‡kl¨*.:* يَمِيْنٌ) أَيْمَان |
| wbKUeZx© | أَدْنى |
| ‡h †Zvgiv AwePvi Ki‡e bv, c¶cvwZZ¡ Ki‡e bv | أَلَّا تَعُوْلُوْا |
| gvn&i, Bmjvgx kixqZ Abyhvqx we‡q Kivi Rb¨ ¯^vgxiv ¯¿x‡`i †h Dcnvi †`q bM` UvKvq ev Abyi“c wKQy‡Z| | (GKePb*.:* صُدَاقٌ) صَدُقَاتْ |
| Lywkg‡b, mšZzówP‡Ë | نِحْلَةٌ |
| Z„wß mnKv‡i | هَنِيْأً |
| ¯^v”Q‡›`, cwiZ…ß n‡q | مَرِيْئًا |
| (RxweKv) cÖwZôvi (Rb¨), RxebhvÎvi Aejš^b | قِيَامًا |
| †cvkvK civI | اُكْسُوْا |
| †cvkvK | كِسْوَةٌ |
| cix¶v Ki, we‡kl fv‡e bRi ivL | اِبْتَلُوْا |
| hLb †cŠu‡Q hvq | بَلَغُوْا |
| Abygvb Ki, †`L | اانَسَ |
| wePv‡ii Ávb, we‡eKeyw× | رُشْدًا |
| mgc©b Ki | اِدْفَعُوْا |
| Ace¨q | إِسْرَافًا |
| ZvovZvwo K‡i | بِدَارًا |
| weiZ \_vK‡e | لِيَسْتَعْفِفْ |
| ‡Zvgiv mgc©b Ki | دَفَعْتُمْ |
| Ask | نَصِيْبٌ |
| wcZv-gvZv | وَالِدَانِ |
| AvZ¥xq-¯^Rb | أَقْرَبُوْنَ |
| Kg | قَلَّ |
| ‡ekx | كَثُرَ |
| wbav©wiZ | مَفْرُوْضًا |
| e›Ub Kiv | قِسْمَةٌ |
| `~i m¤úK©xq AvZ¥xq-¯^Rb | أُوْلُواْ الْقُرْبَى |
| fq K‡i | لِيَخْشَ |
| mwVK, †Kvgj | سَدِيْدًا |
| AwMœ-wkLv | سَعِيْرًا |
| **i“Kz- 2** |  |
| Ask | حَظٌّ |
| `yRb bvix | اِثْنَتَيْنِ |
| `yB-Z…Zxqvsk | ثُلُثَا |
| Aav©sk | نِصْفٌ |
| lôvsk | سُدُسٌ |
| GK-Z…Zxqvsk | ثُلُثٌ |
| fvBMY | إِخْوَةٌ |
| FY | (eûePb*.:* دُيُوْنٌ) دَيْنٌ |
| ‡Zvgiv Rvb bv | لَا تَدْرُوْنَ |
| mš—vb | وَلَدٌ |
| GK-PZz\_v©sk | رُبُعٌ |
| GK-Aógvsk | ثُمُنٌ |
| wcZv-gvZv I mš—vbnxb g„Z e¨w³ | كَلَالَةٌ |
| fvB | أَخٌ |
| ‡evb | أُخْتٌ |
| cÖ‡Z¨‡K | كُلُّ وَاحِدٍ |
| Askx`viMY | شُرَكَآء |
| Kv‡iv ¶wZ bv K‡i | غَيْرَ مُضَارّ |
| Avj­vni wbav©wiZ mxgv¸‡jv | حُدُوْدُ اللهِ |
| mxgv AwZµg K‡i | يَتَعَدَّ |
| **i“Kz- 3** |  |
| ‡h bvixiv | الَّاتِيْ |
| Pvi (Rb) | أَرْبَعَةٌ |
| Ave× K‡i ivL | أَمْسِكُوْا |
| ‡h `yBRb †jvK | الَّذَانِ |
| kvw¯— cª`vb Ki | آذُوْا |
| D‡c¶v Ki, kvw¯— cÖ`v‡b weiZ nI | أَعْرِضُوْا |
| ZIev KeyjKvix, `qvjy | تَوَّابًا رَّحِيْمًا |
| AÁZv | جَهَالَةٌ |
| †Rvic~e©K | كَرْهًا |
| AvUK K‡i ivL‡e bv | لَا تَعْضُلُوْا (ع ض ل) |
| Av`vq Kivi Rb¨ | لِتَذْهَبُوْا |
| cÖKvk¨ | مُبَيِّنَةٍ |
| Rxeb hvcb Ki, Ae¯’vb Ki | عَاشِرُوْا |
| nqZ, m¤¢eZ | عَسى |
| cwieZ©b Kiv | اِسْتِبْدَالْ |
| ¯’vb | مَكَان |
| AMva m¤ú` | قِنْطَارٌ |
| mvwbœa¨ jvf K‡iQ (¯¿x wgj‡bi) | أَفْضى |
| A½xKvi | مِيْثَاقٌ |
| my`„p | غَلِيْظًا |
| weMZ n‡q‡Q | سَلَفَ |
| eoB Ai“wPKi, N„wYZ, †µv‡ai KviY | مَقْتًا |
| **i“Kz- 4** |  |
| gv‡qiv | (GKePb*.:* أُمٌّ) أُمَّهَات |
| ‡g‡qiv, Kb¨viv | (GKePb*.:* بِنْتٌ) بَنَات |
| ‡ev‡biv | (GKePb*.:* أُخْتٌ) أَخَوَات |
| dzdziv | (GKePb*.:* عَمَّةٌ) عَمَّات |
| ‡ev‡bi †g‡qiv | بَنَاتُ الْأُخْتِ |
| `ya cvb Kwi‡q‡Q | أَرْضَعْنَ |
| `ya cvb Kiv‡bv‡Z m¤úwK©Z †ev‡biv, `ya †ev‡biv | أَخَوَاتُكُمْ مِنَ الرَّضَاعَةِ |
| wb‡Ri ¯¿xi cÖ\_g ¯^vgxi †g‡qiv, Kb¨viv | رَبَآئِبْ |
| ‡Kvj, jvjb-cvjb,ZË¡veavb | حُجُوْر |
| ‡Zvgv‡`i N‡i jvwjZv-cvwjZv | فِيْ حُجُوْرِكُمْ |
| ¯¿xiv | (GKePb*.:* حَلِيْلَةٌ) حَلَآئِل |
| JimRvZ | (GKePb*.:* صُلْبٌ) أَصْلَابٌ |
| `yB‡evb | (GKePb*.:* أُخْتٌ) أُخْتَيْنِ |
| ¯^vaxb gymwjg bvixiv hviv Ab¨ Kv‡iv weevnvaxb i‡q‡Q | مُحْصَنَات |
| weevn eÜ‡b Ave× mr cyi“l | مُحْصِنِيْن |
| e¨wfPvix wn‡m‡e | مُسَافِحِيْن |
| gvni | أُجُوْر |
| mvg\_¨© \_vKv | طَوْلًا |
| ¯^vaxb gymwjg bvixiv | مُحْصَنَات |
| gvwjKvbv fy³ µxZ`vmxiv | (GKePb*.:* فَتَاةٌ) فَتَيَات |
| mZx, m”PwiÎv | مُحْصَنَات (مُحْصَنَات), حِصْنٌ ‡\_‡K D˜MZ kã, حِصْنٌ A\_© `y‡M© cÖ‡ek Kiv) |
| e¨wfPvwiYx bq | غَيْرَ مُسَافِحَات |
| ‡Mvcb m¤úK© ¯’vcb Kiv | أَخْدَان |
| weevn eÜ‡b Ave× nq | أُحْصِنَّ |
| Zviv K‡i, wjß nq | أَتَيْنَ |
| e¨wfPvi | عَنَتْ |
| **i“Kz- 5** |  |
| Av`k©mg~n, ixwZbxwZ | (GKePb*.:* سُنَّةٌ) سُنَنٌ |
| Kvgbv-evmbv, KzcÖe„wË | شَهَوَاتْ |
| wec\_Mvgx nIqv, SzKv | مَيْلٌ |
| ci®úi m¤§wZµ‡g , m‡š—v‡li wfwË‡Z | عَنْ تَرَاضٍ |
| mxgv jsNb Kiv, evovevwo ¯^i“c | عُدْوَانٌ |
| Avgiv Zv‡K wb‡¶c Kie | (fvewe‡kl¨*.:* اِصْلَاءٌ) نُصْلِيْهِ |
| cwinvi Ki, †eu‡P Pj | (fvewe‡kl¨*.:* اِجْتِنَابٌ) تَجْتَنِبُوْا |
| Kexiv ¸bvn¸‡jv, eo eo ¸bvn¸‡jv (†h¸‡jvi kvw¯— D‡j­L Kiv n‡q‡Q ev †m‡¶‡Î mZK© KiZt agK †`qv n‡q‡Q) | (GKePb*.:* كَبِيْرَةٌ) كَبَائِرَ |
| ‡Zvgv‡`i wb‡la Kiv n‡q‡Q | تُنْهَوْنَ |
| Avgiv `~i K‡i w`e, ¶gv K‡i w`e, †gvPb Kie | نُكَفِّرْ |
| cª‡ek ¯’vb, cÖ‡ek Øvi | مُدْخَلاً |
| m¤§vwbZ | كَرِيْمًا |
| AvKv•Lv Ki bv | لَا تَتَمَنَّوْا |
| DËivwaKvix | مَوَالِيَ |
| A½xKvive× n‡q‡Q | عَقَدَتْ |
| ‡Zvgv‡`i Wvb nvZ, †Zvgv‡`i Pzw³ I A½xKvi | أَيْمَانُكُمْ |
| **i“Kz- 6** |  |
| KZ…©Z¡kxj, cwiPvjK | قَوَّامُوْنَ |
| mr bvixMY | صَالِحَات |
| AbyMZ bvix, AvbyMZ¨ civqYv | قَانِتَات |
| Aeva¨Zv | نُشُوْز |
| kh¨v | مَضَاجِعَ |
| mgybœZ | عَلِيًّا |
| wePviK | حَكَمًا |
| cÖwZ‡ekx | جَارٌ |
| m¤úK©nxb cÖwZ‡ekx, `~ieZx© cÖwZ‡ekx | جَارِ الْجُنُبِ |
| cvk¦©eZx© mnPi | صَاحِبِ بِالْجَنْبِ |
| cw\_K, gymvwdi | اِبْنُ السَّبِيْل |
| `vw¤¢K | مُخْتَالًا |
| Me©Kvix | فَخُوْرًا |
| m½x, mv\_x | قَرِيْنًا |
| wK nZ | مَاذَا |
| hw` | لَوْ |
| we›`ygvÎ | مِثْقَالْ |
| hw` | إِنْ |
| nq | تَكُ |
| Zvi c¶ ‡\_‡K | مِنْ لَّدُنْهُ |
| Avbe, Dcw¯’Z Kie | جِئْنَا |
| Zviv | هؤُلَآءِ |
| mgZj nq, mgvb n‡q hvq, wgwk‡q †`qv nq | تُسَوّى |
| K\_v, welq | حَدِيْثًا |
| **i“Kz- 7** |  |
| wbKUeZx© n‡e bv, av‡i Kv‡QI hv‡e bv | لَا تَقْرَبُوْا (ق ر ب) |
| ‡bkvMÖ¯— | سُكَاراى |
| ‡Mvmj dih nIqv Ae¯’vq, AcweÎ Ae¯’vq | جُنُبًا |
| gymvwdi, AwZµgKvix | عَابِرِيْ |
| ‡Mvmj K‡i bvI | تَغْتَسِلُوْا (غ س ل) |
| Amy¯’ | (GKePb*.:* مَرِيْضٌ) مَرْضى |
| cÖmªve-cvqLvbv Kivi ¯’vb | غَائِطٌ |
| ‡Zvgiv ¯úk© K‡iQ, mnevm K‡iQ | لَامَسْتُمْ |
| Zvqv¤§yg Ki | تَيَمَّمُوْا |
| gvwU | صَعِيْدًا |
| cweÎ | طَيِّبًا |
| gvmvn Ki | اِمْسَحُوْا |
| gyLgÛj | وُجُوْهٌ |
| gvR©bvKvix | عَفُوٌّ |
| cwieZ©b K‡i, weK…Z K‡i | يُحَرِّفُوْنَ |
| ¯’vbmg~n (g~j A\_© †\_‡K) | (GKePb*.:* مَوْضِعٌ) مَوَاضِع |
| Avgiv Agvb¨ Kijvg, Avgiv Aeva¨ njvg, | عَصَيْنَا |
| ïbyb | اِسْمَعْ |
| bv †kvbvi gZ, ‡kvbv e¨ZxZ | غَيْرَمُسْمَعٍ |
| evuKv‡bv, weK…Z Kiv | لَيًّا |
| wRnŸv¸‡jv | أَلْسِنَةٌ |
| ‡`vlv‡ivc K‡i, Zvw”Qj¨ K‡i | طَعْنًا |
| mym½Z, mwVK | أَقْوَمُ |
| Avgiv gy‡Q w`e, weK…Z K‡i w`e | نَطْمِسُ (ط م س) |
| Nywi‡q w`e, Ewë‡q w`e | نَرُدَّ (ر د د) |
| c„ô‡`k | (GKePb*.:* دُبُرٌ) أَدْبَار |
| kwbev‡ii mxgvj•NbKvix e¨w³iv | أَصْحَابُ السَّبْتِ |
| Kvh©Kix | مَفْعُوْلًا |
| ‡m iPbv Kij, wbæ chv©‡qi Acev` Av‡ivc Kij | اِفْتَراى |
| myZv cwigvY | فَتِيْلَا |
| **i“Kz- 8** |  |
| cªwZgv, KvíwbK e¯Zz | جِبْتِ |
| Zz”Q e¯Zz, †LRy‡ii exwPi ga¨Lv‡b †h cvZjv m~Zv \_v‡K | نَقِيْرًا |
| R¡‡j hv‡e | نَضِجَتْ |
| Pvgov¸wj | (GKePb*.:* جِلْدٌ) جُلُوْدٌ |
| wPiKvj | أَبَدًا |
| Qvqv | ظِلاًّ |
| Nb Qvqv | ظَلِيْلاً |
| Ac©b Ki , ‡cŠu‡Q `vI | تُؤَدُّوْا |
| mr, DËg | نِعِمَّا |
| `vwqZ¡kxjiv, wb‡`©‡ki AwaKvixiv | أُولِى الْأَمْرِ |
| cwimgvwß, cwiYwZ | تَأْوِيْلاً |
| **i“Kz- 9** |  |
| aviYv K‡i, `vex K‡i | يَزْعُمُوْنَ (ز ع م) |
| Zviv wePvicÖv\_©x nq | يَتَحَاكَمُوْا |
| cvk KvUv‡bv, m‡i hvIqv | صُدُوْدًا |
| Zviv kc\_ K‡i e‡j | يَحْلِفُوْنَ |
| bv | إِنْ |
| m‡¤§jb, m¤cÖxwZ | تَوْفِيْقًا |
| D‡c¶v Ki | أَعْرِضْ |
| Dc‡`k `vI | عِظْ |
| ü`q¯úkx© K\_v | قَوْلاً بَلِيْغًا |
| AZGe bv ‡Zvgvi cvjbKZv©i kc\_ | فَلَا وَ رَبِّكَ |
| gZ‡f` K‡i | شَجَرَ |
| msKxY©Zv,KzÉv‡eva | حَرَجًا |
| Zzwg wm×vš— w`‡qQ | قَضَيْتَ |
| Zviv ‡g‡b wb‡e | يُسَلِّمُوْا |
| c~Y© AvZœmgc©Y mn | تَسْلِيْمًا |
| my`„pfv‡e, mycÖwZwôZfv‡e | تَثْبِيْتًا |
| wmÏxKMY, mZ¨cš’xMY | صِدِّيْقِيْنَ |
| mv\_x, eÜz | رَفِيْقًا |
| **i“Kz- 10** |  |
| MÖnY Ki, Aej¤^b Ki | خُذُوْا |
| AvZ¥i¶vi e¨e¯’v, wbivcËvi Rb¨ mZK©Zvg~jK e¨e¯’v | حِذْرٌ |
| ‡ei n‡q co | اِنْفِرُوْا (ن ف ر) |
| c„\_K c„\_K `‡j | ثُبَاتٌ |
| wej¤^ K‡i, cðv`c` nq | يُبَطِّئَنَّ |
| wej¤^ Kiv, cðv`c` nIqv | تَبْطِئَةٌ |
| Avgvi cÖwZ | عَلَيَّ |
| wgÎZv, ‡Kvb m¤úK©, fvjevmv | مَوَدَّةٌ |
| nvq Avd‡mvm Avgvi | يَالَيْتَنِيْ |
| mvdj¨ | فَوْزٌ |
| wewµ K‡i | يَشْرُوْنَ |
| ‡Zvgv‡`i wK nj | مَا لَكُمْ |
| `ye©j †jv‡Kiv | مُسْتَضْعَفِيْنَ |
| wkïiv | وِلْدَانٌ |
| Zvi Awaevmxiv | أَهْلُهَا |
| ‡Zvgvi c¶ ‡\_‡K | مِن لَّدُنْكَ |
| ‡KŠkj, Pµvš— | كَيْدٌ |
| **i“Kz- 11** |  |
| mshZ ivL | كُفُّوْا |
| fq | خَشْيَةٌ |
| ‡Kb bq | لَوْ لَا |
| AeKvk, wKQyKvj | أَجَلٌ |
| m~Zv cwigvY | فَتِيْلاً |
| ‡hLv‡bB | أَيْنَمَا |
| ‡c‡q hv‡e, bvMvj cv‡e | يُدْرِكْ (د ر ك) |
| `~M© | بُرُوْجٌ |
| cvKv, my`„p | مُشَيَّدَةٌ |
| AZGe wK nj | فَمَالِ |
| G‡Kev‡iB bv, wbKUeZx© nq bv | لَا يَكَادُوْنَ |
| Zviv †ev‡S | (fvewe‡kl¨*.:* فِقْةٌ) يَفْقَهُوْنَ |
| †m AvbyMZ¨ Kij | طَاعَةٌ |
| iv‡Zi †ijv civgk© Kiv, †Mvc‡b civgk© Kiv | بَيَّتَ |
| Zviv iv‡Zi †ejv civgk© K‡i | يُبَيِّتُوْنَ |
| wPš—vfvebv K‡i | يَتَدَبَّرُوْنَ |
| Zviv Aek¨B †cZ | لَوَجَدُوْا |
| Zviv iwU‡q †`q, Zviv cÖPvi K‡i | أَذَاعُوْا |
| Z\_¨ AbymÜvb K‡i †`‡L | يَسْتَنْبِطُوْنَ |
| DrmvwnZ Ki | حَرِّضْ |
| m¤¢eZt | عَسى |
| cÖwZ‡iva Ki‡eb | يَكُفَّ |
| cÖejZi | أَشَدَّ |
| hy×, msNl© | بَأْسٌ |
| kvw¯—`vb, cÖwZ‡iva | تَنْكِيْلاً |
| Ask, fvM | كِفْلٌ |
| m¤§vb, `yÕAv, mvjvg | تَحِيَّةٌ |
| **i“Kz- 12** |  |
| Nywi‡q †`qv | أَرْكَسَ |
| wgwjZ nq | يَصِلُوْنَ |
| msKzwPZ n‡q‡Q, Awb”QyK | حَصِرَتْ |
| cªej K‡i w`‡jb , kw³kvjx Ki‡jb, Pvwc‡q w`‡jb | سَلَّطَ |
| **i“Kz- 13** |  |
| gy³ Kiv | تَحْرِيْرٌ |
| Nvo, GLv‡b A\_© n‡e µxZ`vm | رَقَبَةٌ |
| i³g~j¨, hv ¶wZc~iY wn‡m‡e wbn‡Zi AvZœxq‡K w`‡Z nq | دِيَةٌ |
| mgwc©Z n‡e, cÖ`Ë , w`‡Z n‡e | مُسَلَّمَةٌ |
| `yB gvm | (GKePb*.:* شَهْرٌ) شَهْرَيْن |
| jvMvZvi , µgvMZ | مُتَتَابِعَيْن |
| B”QvK…Z, †¯^”Qvq | مُتَعَمِّدًا |
| ‡ei nI, mdi Ki | ضَرَبْتُمْ |
| wb‡¶c K‡i, mvjvg †`q | أَلْقى |
| Zzwg bI | لَسْتَ |
| m¤c` | عَرَضٌ |
| hy×jä m¤c` | مَغَانِمَ |
| mgvb bq | لَا يَسْتَوِيْ |
| A¶g e¨w³ Qvov | غَيْرُ أُولِي الضَّرَرِ |
| **i“Kz- 14** |  |
| Rvb Keh Kij, g„Zy¨ NUvj | تُوَفّى |
| wK Ae¯’vq | فِيْمَا |
| Dcvq, Aej¤^b | حِيْلَةٌ |
| ¯^”QjZv, Avkªq¯’j | مُرَاغَمًا |
| cvIqv | دَرْكٌ |
| AeavwiZ nj, cwZZ nj | وَقَعَ |
| **i“Kz- 15** |  |
| n«vm Ki‡e, Kg Ki‡e, Kmi Ki‡e | تَقْصُرُوْا (ق ص ر) |
| DZ¨³ Ki‡e, wec‡` †dj‡e | يَفْتِنَ (ف ت ن) |
| Zzwg \_vK, Zzwg nI | كُنْتَ |
| ‡hb `vuovq, `vuov‡e | تَقُمْ |
| nvwZqvi, A¯¿ | أَسْلِحَةٌ |
| ‡hb Av‡m | تَأْتِ |
| AvZ¥i¶vi e¨e¯’v, wbivcËvi Rb¨ mZK©Zvg~jK e¨e¯’v | حِذْرٌ |
| ‡Zvgv‡`i `ªe¨ m¤¢vi, mvR-miÄvg | أَمْتِعَتِكُمْ |
| AvµgY Kiv, Szu‡K cov | مَيْلَةٌ |
| AvKw¯§Kfv‡e, GK‡hv‡M, nVvr | وَاحِدَة |
| e„wó | مَطَرٌ |
| ‡i‡L `vI, cwiZ¨vM Ki | أَنْ تَضَعُوْا |
| ‡Zvgiv wec`gy³ nI | اِطْمَأْنَنْتُمْ |
| ‡Zvgiv hš¿Yv †c‡q \_v‡Kv | تَأْلَمُوْنَ (ا ل م) |
| ‡Zvgiv Avkv Ki | تَرْجُوْنَ |
| **i“Kz- 16** |  |
| ‡`wL‡q‡Qb, wkwL‡q‡Qb | أَرا |
| wLqvbZKvixiv, wek¦vmNvZ‡Kiv | خَائِنِيْنَ |
| weZK©Kvix | خَصِيْمًا |
| weZK© Ki bv | لَا تُجَادِلْ |
| wLqvbZ K‡i | يَخْتَانُوْنَ |
| wLqvbZKvix, wek¦vmNvZK | خَوَّانًا |
| cvcx, ¸bvnMvi | أَثِيْمًا |
| Zviv jyKv‡Z Pvq, AvZ¥‡Mvcb K‡i | يَسْتَخْفُوْنَ |
| Zviv iv‡Z ‡Mvcb civgk© K‡i | يُبَيِّتُوْنَ |
| Acev` †`q, †`vlv‡ivc K‡i | يَرْمِ |
| wbiciva | بَرِيْئًا |
| enb Kij | اِحْتَمَلَ |
| **i“Kz- 17** |  |
| msKí Kij | هَمَّتْ |
| wk¶v w`j | عَلَّمَ |
| ‡Mvcb civgk© | نَجْواى |
| wei“×vPviY K‡i | يُشَاقِقُ |
| Zv‡K cÖ‡ek Kive, Zv‡K wb‡¶c Kie | نُصْلِها |
| **i“Kz- 18** |  |
| G Qvov hv (Av‡Q) | مَادُوْنَ ذلِكَ |
| bvix RvZxq e¯Zz, g~wZ©mg~n, †`exiv | إِنَاثًا |
| Aeva¨, we‡`ªvnx | مَرِيْدًا |
| Zviv ‡Q` Ki‡e, †K‡U †dj‡e | يُبَتِّكُنَّ |
| Kvb¸‡jv | (GKePb*.:* أُذُنٌ) ااذَانٌ |
| Mevw` cï, †glcvj | (GKePb*.:* نَعْمٌ) أَنْعَامٌ |
| cÖZviYv, †avuKv | غُرُوْرًا |
| cvjvevi RvqMv | مَحِيْصًا |
| AwaK mZ¨ev`x | أَصْدَقُ |
| evK¨, K\_v | قِيْلاً |
| ‡LRyiKYv, wZj cwigvY | نَقِيْرًا |
| eÜz | خَلِيْلاً |
| **i“Kz- 19** |  |
| dvZ&Iqv Pv‡”Q, e¨e¯’v wRÁvmv K‡i | يَسْتَفْتُوْنَ |
| ‡Zvgiv Avkv Ki | تَرْغَبُوْنَ |
| ¯^vgx | بَعْلٌ |
| we`¨gvb | أُحْضِرَتْ |
| ‡jvf, Kvc©Y¨ | الشُّحُّ |
| ‡Zvgiv AvKv•Lv Ki | حَرَصْتُمْ |
| ‡`v`yj¨gvb, Szjš— Ae¯’vq | مُعَلَّقَةٌ |
| ‡Zvgv‡`i‡KI | إِيَّاكُمْ |
| cÖkswmZ | حَمِيْدًا |
| Avb‡eb | يَأْتِ |
| **i“Kz- 20** |  |
| wbKUZi, me‡P‡q †ekx AwaKvix, †ekx ïfvKv•Lx | أَوْلى |
| cÖe„wË, Kvgbv-evmbv | الْهَواى |
| Nywi‡q K\_v ej, gb ivLv K\_v ej | تَلْوُوْ |
| cwiewa©Z n‡q‡Q, AMÖMvgx n‡q‡Q | اِزْدَادُوْا |
| Zviv Av‡jvPbv K‡i | يَخُوْضُوْا |
| K\_v | (eûePb*.:* أَحَادِيْث) حَدِيْثٌ |
| A‡c¶v K‡i | يَتَرَبَّصُوْنَ |
| Avgiv wN‡i ivwL, Avgiv wndvRZ Kwi | نَسْتَحْوِذْ |
| Avgiv †Zvgv‡`i‡K i¶v Kwi | نَمْنَعْكُمْ (م ن ع) |
| **i“Kz- 21** |  |
| wkw\_jfv‡e, Ajmfv‡e | كُسَالى |
| ‡`v`yj¨gvb | مُذَبْذَبِيْنَ |
| cÖfyZ¡, `wjj | سُلْطَانٌ |
| my¯úó cÖgvY, my¯úó `wjj | سَلْطَانًا مُّبِيْنًا |
| ¯—i | الدَّرْكُ |
| me©wbæ | أَسْفَلُ |
| GKwbôfv‡e MÖnY K‡i | أَخْلَصُوْا |
| wK Ki‡eb? | مَا يَفْعَلُ  (UxKvt GKB wµqvi wewfbœ A\_© nq RvqMv‡f‡`, cvVK‡`i wewfbœ A‡\_©i mv‡\_ cwiwPZ Kivi Rb¨ Avgiv GB jyMv‡Z kã¸‡jvi cybive„wË NwU‡qwQ) |
| cÖKvk Kiv | جَهْرٌ |
| gnv kw³kvjx | قَدِيْرًا |
| h\_v\_© | حَقًّا |
| **i“Kz- 22** |  |
| cÖKvk¨fv‡e | جَهْرَةٌ |
| eRªcvZ | صَاعِقَةٌ |
| Avgiv ¶gv K‡iwQjvg | عَفَوْنَا |
| mxgvjsNb Ki bv | لَا تَعْدُوْا |
| ï‡j Pov‡bv | صَلْبٌ |
| weåg n‡qwQj, mskqvweó Kiv n‡qwQj | شُبِّهَ (ش ب ه) |
| cÖ`vbKvix | مُؤْتُوْنَ |
| **i“Kz- 23** |  |
| hveyi, `vD` (Avt)-Gi Dci AeZxY© wKZve | زَبُوْر |
| eY©bv K‡iwQ | قَصَصْنَا (ق ص ص) |
| K\_v ejv | تَكْلِيْمًا |
| mymsev` `vZv | مُبَشِّرِيْنَ |
| fq cÖ`k©bKvix, mZK©Kvix | مُنْذِرِيْنَ |
| hyw³,weZK©, AeKvk, ARynvZ | حُجَّةٌ |
| c\_ | طَرِيْقٌ |
| mnR | يَسِيْرًا |
| evovevwo Ki bv | لَا تَغْلُوْا |
| ûKzg, evYx, wb‡`©k | كَلِمَةٌ |
| ‡cÖiY K‡ib | أَلْقى |
| wZb | ثَلَاثَةٌ |
| ‡Zvgiv weiZ \_vK | اِنْتَهُوْا |
| **i“Kz- 24** |  |
| KLbI A¯^xKvi Ki‡e bv, KLbI j¾v‡eva Ki‡e bv, KLbI ms‡KvP Ki‡e bv | لَنْ يَسْتَنْكِفَ (ن ك ف) |
| A¯^xKvi Kiv, j¾v Kiv | اِسْتِنْكَافٌ |
| cÖgvY,`wjj | بُرْهَانٌ |
| dvZ&Iqv Rvb‡Z Pvq, mgvavb Pvq | يَسْتَفْتُوْنَ |
| `yB Z„Zxqvsk | (GKePb*.:* GK - Z„Zxqvsk ev 1/3 : ثُلُث) ثُلُثَان |

سُوْرَةُ المَائِدة ِ

**m~iv gvwq`vn**

**Lv`¨c~Y© cvÎ, Lv`¨c~Y© †Uwej**

**m~iv 5**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| (A½xKv‡ii) eÜbmg~n, Pzw³mg~n | (GKePb*.:* عَقْدٌ) عُقُوْدٌ |
| PZz®ú`x RšZz | بَهِيْمَةٌ |
| M„ncvwjZ PZz®ú`x RšZz | أَنْعَامٌ |
| ‰ea bq, nvjvj bq | غَيْرَ مُحِلِّيْ |
| wkKvi | صَيْدٌ |
| Bnivg Ae¯’vq | حُرُمٌ |
| ‡Zvgiv Aegvbbv Ki bv | لَا تُحِلُّوْا |
| wb`k©bvejx | شَعَآئِرُ |
| ‡Kvb m¤§vwbZ gvm, nvivg gvm | الشَّهْرُ الْحَرَامُ |
| Kzievbxi cky, †h¸‡jv g°vq cvVvb nZ | الْهَدْيُ |
| ‡h Kzievbxi cky¸wji Mjvq KÚveiY civb n‡q‡Q | قَلَآئِد |
| hvÎxiv, hviv †h‡Z B”QyK | اامِّيْنَ |
| m¤§vwbZ Ni, evBZzj­vn kixd (KvÕevn) | الْبَيْتُ الْحَرَامُ |
| ‡Zvgiv Bnivg gy³ n‡e | حَلَلْتُمْ |
| wkKvi | اِصْطَادُوْا |
| wkKvi Kiv | اِصْطَادٌ (ص ي د) |
| ‡Zvgv‡`i (†hb) D‡ËwRZ bv K‡i | لَا يَجْرِمَنَّكُمْ |
| kÎ“Zv, we‡Øl | شَنَاانُ |
| ‡Zvgiv mn‡hvwMZv Ki | تَعَاوَنُوْا |
| Ryjyg, evovevwo, mxgvjsNb | عُدْوَانٌ |
| g„Z (cï cvLx) | مَيْتَةٌ |
| ( cÖevwnZ) i³ | دَمٌ |
| gvsm | لَحْمٌ |
| ïKi | خِنْزِيْرٌ |
| hvi Dci Kv‡iv bvg †bqv n‡q‡Q, hv‡K Kv‡iv bv‡g hevB Kiv n‡q‡Q, hv‡K Kv‡iv bv‡g DrmM© Kiv n‡q‡Q | أُهِلَّ |
| hv‡K Mjv wU‡c ev k¦vm‡iv‡a nZ¨v Kiv n‡q‡Q | مُنْخَنِقَةٌ |
| cÖnv‡i wbnZ cï | مَوْقُوْذَةٌ |
| DuP z RvqMv †\_‡K c‡o wbnZ | مُتَرَدِّيَةٌ |
| wks‡qi AvNv‡Z wbnZ | نَطِيْحَةٌ |
| wnsmª cï | السَّبُعُ |
| ‡Zvgiv cweÎ Ki‡j (hv‡K RxweZ Ae¯’vq †c‡q Avj­vni bvg wb‡q hevB K‡i nvjvj Ki‡j) | ذَكَّيْتُمْ |
| hevBK……Z | ذُبِحَ |
| c~Rvi gÛc, †`e-‡`exi Av¯—vbv, †e`x | نُصُبٌ |
| ‡Zvgiv fvM¨wbY©q Ki | تَسْتَقْسِمُوْا |
| Ryqv A\_ev jUvixi Zxi, AvaywbK hy‡Mi jUvixI Gi Aš—©fy³ | أَزْلَامٌ |
| wbivk n‡q‡Q | يَئِسَ |
| wbi“cvq n‡q c‡o, eva¨ nq (†L‡Z) | اُضْطُرَّ |
| cÖej ¶zav | مَخْمَصَةٌ |
| hvi Avmw³ Av‡Q,‡h B”QvK…Zfv‡e Szu‡K c‡o | مُتَجَانِفٌ |
| wkKvix cï cvLx | جَوَارِح |
| cÖwk¶YcÖvß wkKvix RšZz | مُكَلِّبِيْنَ |
| Zviv a‡i Avbj | أَمْسَكْنَ |
| mr PwiÎv bvixiv | مُحْصَنَاتٍ |
| MÖnYKvix | مُتَّخِذِيْ( Avm‡j GUv wQj مُتَّخِذِيْنَ , wKš‘ †h‡nZz GUv مُضَاف , †kl ن ev` †`qv nq ) |
| **i“Kz- 2** |  |
| ‡Zvgiv `vuovI, cÖ¯‘Z nI | قُمْتُمْ |
| nvZ¸‡jv | أَيْدِيْ |
| KbyB | مَرَافِقٌ |
| gv\_v | رُءُوْسٌ |
| cv¸‡jv | (GKePb*:* رِجْلٌ) أَرْجُلٌ |
| ‡Mvovwj¸‡jv, Dfq †Mvovjx | كَعْبَيْنِ |
| exh©cvZ ev †hŠb m‡¤¢v‡Mi Kvi‡Y AcweÎ Ae¯’v, exh©cvZ ev †hŠb m‡¤¢v‡Mi Kvi‡Y hvi †Mvm‡ji cÖ‡qvRb | جُنُبًا |
| gjg~Î Z¨v‡Mi ¯’vb | غَآئِطٌ |
| ‡Zvgiv †hŠb m‡¤¢vM Ki‡j, ¯úk© Ki‡j | لَامَسْتُمْ |
| wZwb A½xKvive× n‡jb, MÖnY Ki‡jb, k³ Ki‡jb | وَاثَقَ |
| ‡`vRL, AMœx¯Zzc | جَحِيْمٌ |
| D`¨Z n‡qwQj | هَمَّ |
| cÖmvwiZ K‡i, we¯—vi K‡i | يَبْسُطُوْا |
| cÖwZnZ Ki‡jb, wdwi‡q ivL‡jb | كَفَّ |
| **i“Kz- 3** |  |
| evi (Rb) | اِثْنَيْ عَشَرَ |
| cÖwZwbwa, ch©‡e¶K | نَقِيْبًا |
| ‡Zvgiv mvnvh¨ Ki, †Zvgiv kw³ e„w× Ki | عَزَّرْتُمُوْا |
| f½ Kiv | نَقْضٌ |
| Zzwg wePz¨Z n‡e bv, me mgq, cÖwZw`b | لَا تَزَالُ |
| Zzwg AeMZ n‡Z \_vK‡e | تَطَّلِعُ |
| ¶gv Ki, D‡c¶v Ki | اِصْفَحْ |
| Avgiv mÂvwiZ K‡iwQ | أَغْرَيْنَا |
| AwP‡iB , AwZmZ¡i | سَوْفَ |
| Zviv K‡i, evbvq | يَصْنَعُوْنَ |
| c\_¸‡jv | (GKePb*.:* سَبِيْلٌ) سُبُلٌ |
| kvwš— | سَلَام |
| ‡K ¶gZv iv‡L, AvwacZ¨ iv‡L | مَنْ يَّمْلِكُ |
| aŸsm K‡i | يُهْلِكَ |
| Avgiv | نَحْنُ |
| mš—vbMY | (GKePb*.:* اِبْنٌ) أَبْنَآءُ |
| eÜz, wcÖqcvÎ | أَحِبَّآؤُ |
| Z‡e †Kb | فَلِمَ |
| gvbyl | بَشَرٌ |
| `yBRb bexi ga¨eZx© mgq | فَتْرَةٌ |
| **i“Kz- 4** |  |
| ‡`qv nqwb | لَمْ يُؤْتِ |
| cweÎ | مُقَدَّسْ |
| wd‡iv bv, n‡U ‡hI bv | لَا تَرْتَدُّوْا |
| ‡Zvgiv cÖZ¨veZ©b Ki‡e | تَنْقَلِبُوْا |
| cÖej kw³ai, civµvš— | جَبَّارِيْنَ |
| `yB e¨w³ | رَجُلَانِ |
| Øvi, `iRv | الْبَابُ |
| KLbI , me©`v | أَبَدًا |
| hZ¶Y Zviv \_vK‡e | مَا دَامُوْا |
| Zzwg hvI | اِذْهَبْ |
| ‡Zvgiv `yBR‡b hy× Ki | قَاتِلَا |
| GLv‡b | هَاهُنَا |
| Avwg ¶gZv ivwL bv | لَا أَمْلِكُ |
| Avgvi AvZ¥v, Avgvi wb‡Ri | نَفْسِيْ |
| Avgvi fvB | أَخِيْ |
| c„\_K K‡i `vI, gxgvsmv K‡i `vI | اُفْرُقْ |
| nvivg (Kivnj), nvivgK…Z, wbwl×K…Z | مُحَرَّمَةٌ |
| Pwj­­k | أَرْبَعِيْنَ |
| eQi | سَنَةٌ |
| D™£vš— n‡q Gw`K †mw`K Ny‡i †eov‡e | يَتِيْهُوْنَ |
| `ytL Kibv | لَا تَأْسَ |
| **i“Kz- 5** |  |
| Ges Zywg wZjvIqvZ Ki, c‡o ïbvI | وَاتْلُ |
| Lei, msev` | (eûePb*.:* أَنْبَاءٌ) نَبَا |
| `yB †Q‡j | (GKePb*.:* اِبْنٌ ) اِبْنَيْ |
| Zviv `yBRb ‰bKU¨ jv‡fi Rb¨ †ck Kij, wb‡e`b Kij | قَرَّبَا |
| Kzievbx | قُرْبَانًا |
| Keyj Kiv nj, M„wnZ nj | تُقُبِّلَ |
| Zzwg cÖmvwiZ Ki‡j | بَسَطْتَّ |
| Avgvi w`‡K | إِلَيَّ |
| ‡Zvgvi nvZ | يَدَكَ |
| m¤cÖmviYKvix | بَاسِطٌ |
| Zzwg AR©b Ki, Zzwg enb Ki | تَبُوْءَ |
| Zzwg n‡q hv‡e | تَكُوْنُ |
| cÖ‡ivwPZ Kij, DØy× Kij | طَوَّعَتْ |
| ‡m n‡q †Mj | أَصْبَحَ |
| cvVvj | بَعَثَ |
| KvK | غُرَابٌ |
| ‡m MZ© Lbb K‡i, †m gvwU †LvuPvq | يَبْحَثُ |
| ‡m jyKv‡e, XvK‡e | يُوَارِيْ |
| jvk, gi‡`n | سَوْأَةُ |
| nvq! Avgvi Avd‡mvm | يَاوَيْلَتى |
| Avwg wK A¶g njvg? | أَعَجَزْتُ |
| Avwg ne | أَكُوْنَ |
| Avwg †Mvcb Kwi, Avwg jyKv‡Z cvwi, XvK‡Z cvwi | أُوَارِيَ |
| AbyZvcKvixMY | (GKePb*.:* نَادِمٌ) نَادِمِيْنَ |
| G Kvi‡Y | أَجْلِ ذالِكَ |
| ‡hb | كَأَنَّمَا |
| mxgv AwZµgKvix | مُسْرِفُوْنَ |
| Zviv hy× K‡i, msMªvg K‡i | يُحَارِبُوْنَ (ح ر ب) |
| ‡Póv K‡i, m‡Pó nq | يَسْعَوْنَ |
| k~jwe× Kiv nq | يُصَلَّبُوْنَ |
| ‡K‡U †`qv nq, †K‡U †`qv n‡e | تُقَطَّعَ (ق ط ع) |
| wecixZ w`K | خِلَافَ |
| wbe©vwmZ Kiv nq | يُنْفَوْن |
| ‡Zvgiv m¶g nI | تَقْدِرُوْا |
| **i“Kz- 6** |  |
| ‰bKU¨ jv‡fi Dcvq, Dcvq, Iqvmxjv, gva¨g | وَسِيْلَةَ |
| ‡Pvi | سَارِقٌ |
| gwnjv ‡Pvi | سَارِقَةٌ |
| `„óvš—g~jK kvw¯— | نَكَالاً |
| gyLmg~n | (GKePb*.:* فَوْهٌ) أَفْوَاهٌ |
| ïb‡Z †ekx AvMÖnx, ¸ßPi e„wËi Rb¨ ï‡b, AwaK kªeYKvixMY | سَمَّاعُوْنَ |
| Ab¨vb¨ (hviv) | ااخَرِيْنَ |
| AwaK f¶YKvix | أَكَّالُوْنَ (ا ك ل) |
| nvivg e¯‘, A‰ea e¯‘ | سُحْتٌ |
| Zviv wePviK wb‡qvM Ki‡e | يُحَكِّمُوْنَ |
| **i“Kz- 7** |  |
| dKxnMY | أَحْبَارٌ |
| †PvL | عَيْنٌ |
| bvK | أَنْفٌ |
| Kvb | أُذُنٌ |
| `vuZ | سِنٌّ |
| RLg | جُرُوْحٌ |
| b¨vqm½Z cÖwZ‡kva, wKmvm, mgZvi weavb | قِصَاصٌ |
| ¸bv‡ni Kvddviv, ¶wZc~iY | كَفَّارَةٌ |
| avivevwnKfv‡e cvVvjvg, wcQ‡b cvVvjvg | قَفَّيْنَا |
| c`vsK, c`wPý | ااثَارٌ |
| msi¶K, i¶Yv‡e¶YKvix | مُهَيْمِنًا |
| Øxb, (kixq‡Zi) weavb | شِرْعَةٌ |
| Kg©cš’v | مِنْهَاجًا |
| Kj¨vYKi KvR | خَيْرَاتٌ |
| **i“Kz- 8** |  |
| eÜzZ¡ K‡i, †d‡i (eÜz‡Z¡i Rb¨) | يَتَوَلَّ |
| fv‡M¨i wech©q, NyY©b, Pµ | دَآئِرَةٌ |
| Zviv kc\_ Kij | أَقْسَمُوْا |
| my`„p,`„pfv‡e | جَهْدَ |
| Zv‡`i kc\_¸‡jv | أَيْمَانِهِمْ |
| wd‡i hv‡e | يَرْتَدَّ |
| webqx, big | أَذِلَّة |
| K‡Vvi, civµvš— | أَعِزَّة |
| wZi¯‹vi | لَوْمَةٌ |
| wZi¯‹viKvix | لَائِم |
| `j, RvgvqvZ, m¤cÖ`vq | (eûePb*.:* أَحْزَاب) حِزْبٌ |
| **i“Kz- 9** |  |
| ‡Ljv, ‡Ljvi e¯‘ | لَعِبًا |
| ‡Zvgiv Avnevb Ki, WvK | نَادَيْتُمْ |
| ‡Zvgiv Î“wU j¶¨ KiQ, cÖwZ‡kva wb”Q | تَنْقِمُوْنَ |
| Avwg wK †Zvgv‡`i msev` w`e? | هَلْ أُنَبِّئُكُمْ (ن ب ء) |
| cÖwZ`vb, mvIqve | مَثُوْبَةٌ |
| evbi | (GKePb*.:* قِرْدٌ) قِرَدَةٌ |
| ïKi | خَنَازِيْر |
| gh©v`vq wbK…ó, wbK…ó evm¯’vb | شَرٌّ مَّكَانًا |
| me©vwaK c\_åó | أَضَلُّ |
| ‡Kb bv | لَوْ لَا |
| Avj­vnIqvjv | رَبَّانِيُّوْنَ |
| Avwjg,dKxnMY | أَحْبَارُ |
| Aei“×, K…cY | مَغْلُوْلَةٌ |
| cÖK…Zc‡¶ Aei“× nj, msKxY© Kiv nj | غُلَّتْ |
| D`vi Db¥y³, cÖk¯—, cÖmvwiZ | مَبْسُوْطَتَانِ |
| Avgiv mÂvwiZ K‡iwQ, m„wó K‡iwQ | أَلْقَيْنَا |
| Zviv cÖ¾¡wjZ Kij | أَوْقَدُوْا |
| hy× | حَرْبٌ |
| wbwf‡q w`‡jb | أَطْفَأَ |
| `~i K‡i †`B, gvd K‡i †`B | كَفَّرْنَا |
| ga¨gcš’v Aej¤^x, mZ¨cš’x | مُقْتَصِدَةٌ |
| wbK„ó | سَآءَ |
| **i“Kz- 10** |  |
| i¶v Ki‡eb | (fvewe‡kl¨*.:* عِصْمَةٌ) يَعْصِمُ |
| ‡Zvgiv bI | لَسْتُمْ |
| ‡Zvgiv cÖwZwôZ Ki | تُقِيْمُوْا |
| Avd‡mvm Ki bv, welbœ n‡e bv | لَا تَأْسَ |
| Bû`x n‡q‡Q | هَادُوْا |
| b¶Î DcvmK, mvex | صَابِئُوْنَ |
| Pvq bv, Abwf‡cÖZ, cQ›` K‡i bv | لَا تَهْواى |
| Zviv aviYv Kij | حَسِبُوْا |
| AÜ n‡q \_vKj | عَمُوْا |
| ewai n‡q \_vKj | صَمُّوْا |
| wZbR‡bi g‡a¨ GKRb ev wZbR‡bi g‡a¨ Z„ZxqRb, Z…ZxqZ¡ev`, wZb gvey‡` wek¦vmx | ثَالِثُ ثَلَاثَةٍ |
| mZ¨wbôv, cweÎv | صِدِّيْقَةٌ |
| Zviv `yR‡bB Lv`¨MÖnY KiZ | كَانَا يَأْكُلَانِ |
| ‡`L, j¶¨ Ki | اُنْظُرْ |
| Zviv mZ¨ †\_‡K fyj c‡\_ cwiPvwjZ nq, Zv‡`i mZ¨ †\_‡K wdwi‡q †bqv nq | يُؤْفَكُوْنَ |
| **i“Kz- 11** |  |
| Awfm¤úvZ Kiv n‡q‡Q | لُعِنَ |
| fvlvq | عَلى لِسَانِ |
| Aeva¨vPiY K‡iwQj | عَصَوْا |
| mxgvwZµg K‡i, mxgvj•Nb K‡i | يَعْتَدُوْنَ |
| mxgvwZµg Kiv, mxgvj•Nb Kiv | اِعْتِدَآءٌ |
| Zviv ci¯úi wb‡la KiZ bv | لَا يَتَنَاهَوْنَ |
| wbðqB wbK…ó | لَبِئْسَ |
| Zzwg †`LQ | تَراى |
| Zviv eÜzZ¡ Ki‡Q, eÜzZ¡ K‡i | يَتَوَلَّوْنَ |
| Av‡M cvwV‡q‡Q | قَدَّمَتْ |
| AmšZzó n‡jb | سَخِطَ |
| Aek¨B Zzwg cv‡e | لَتَجِدَنَّ |
| eÜzZ¡ | مَوَدَّةٌ |
| wkw¶Z, weØvb, Bev`ZKvix Avwjg, Lªxóxq cv`ªx ev ag©¸i“ | قِسِّيْسِيْنَ |
| `ywbqv Z¨vMx mvay | رُهْبَانًا |
| ïbj | سَمِعُوْا |
| Zv‡`i ‡PvL | أَعْيُنُهُمْ |
| cÖevwnZ nq | تَفِيْضُ (ف ي ض) |
| AkÖ“ | دَمْعٌ |
| mvIqve `vb Ki‡jb, cÖwZ`vb w`‡jb | أَثَابَ |
| **i“Kz- 12** |  |
| nvivg g‡b Ki‡e bv, nvivg e‡j †NvlYv Ki‡e bv | لَا تُحَرِّمُوْا |
| cweÎ wRwbm | طَيِّبَاتٌ |
| Ab\_©K, AmZ¨ | لَغْوٌ |
| Kmg, kc\_ | أَيْمَانٌ |
| ‡Zvgiv `„pfv‡e Ki‡j | عَقَّدْتُّمْ |
| Lvevi LvIqvb | إِطْعَامُ |
| ga¨g | أَوْسَط |
| ‡Zvgiv Kmg ‡L‡j | حَلَفْتُمْ |
| g~wZ©, c~Rvi †e`x | أَنْصَابٌ |
| AcweÎZv | رِجْسٌ |
| mÂvwiZ Ki‡e, NUv‡e, msNwUZ Ki‡e | يُوْقِعُ |
| wK? | هَلْ |
| hviv weiZ \_v‡K, hviv wbe„Ë nq | مُنْتَهُوْنَ |
| ‡Zvgiv wegyL n‡j | تَوَلَّيْتُمْ |
| **i“Kz- 13** |  |
| wkKvi | صَيْدٌ |
| †cŠuQv‡bv, †bqv, aiv | تَنَالُ |
| ekv© | رِمَاحٌ |
| M„ncvwjZ cï, PZz®ú`x RšZz | نَعَمْ |
| `yBRb b¨vqcivqY e¨w³ | ذَوَاعَدْلٍ |
| Kvevq †cŠuQv‡Z n‡e | بَالِغَ الْكَعْبَةِ |
| Aïf cwiYvg †fvM Kiv | وَبَالَ |
| cybive„wË Kij, wd‡i Avmj | عَادَ |
| gymvwdi, Kv‡djv | سَيَّارَةٌ |
| ¯’jfv‡Mi wkKvi | صَيْدُ الْبَرِّ |
| cweÎ M„n, m¤§vwbZ Ni, Kvev kixd | الْبَيْتُ الْحَرَامُ |
| **i“Kz- 14** |  |
| H DUbx hv‡K 5wU kveK ( Ges †klev‡i cyi“l kveK) cÖme Kivi Kvi‡Y Kvb wP‡i †`e-‡`exi m¤§v‡b †Q‡o †`qv nq | بَحِيْرَةٌ |
| H DUbx hv‡K 10 wU gv`x kveK cÖme Kivi Kvi‡Y †`e-‡`exi m¤§v‡b †Q‡o †`qv nq | سَآئِبَةٌ |
| H DUbx hv‡K cÖ\_g eq‡m ci ci 2wU ev”Pv cÖme Kivi Kvi‡Y †`e-‡`exi m¤§v‡b †Q‡o †`qv nq | وَصِيْلَةٌ |
| H DU hvi Ji‡m 10 wU ev”Pv Rb¥v‡bvi Kvi‡Y †`e-‡`exi m¤§v‡b †Q‡o †`qv nq | حَامٌ |
| Avgv‡`i Rb¨ h‡\_ó | حَسْبُنَا |
| Avgiv †c‡qwQ | وَجَدْنَا |
| `yBRb | اِثْنَانِ |
| ‡Zvgiv Aei“× Ki‡e, A‡c¶gvb ivL‡e | تَحْبِسُوْنَ |
| ‡Zvgiv m‡›`n Ki‡j | اِرْتَبْتُمْ |
| ¸bvnMvi e¨w³eM©, cvcx | ااثِمِيْنَ |
| cÖKvk cvq | عُثِرَ |
| Zviv `yBRb AwaKvix nj, Acivax nj | اِسْتَحَقَّا |
| wbKUeZx© `yBRb | أَوْلَيَانِ |
| wbKUZi | أَدْنى |
| cÖZ¨vLvb Kiv n‡e, wdwi‡q †`qv n‡e | تُرَدُّ |
| **i“Kz- 15** |  |
| wK? | مَاذَا |
| ‡Zvgv‡`i DËi ‡`qv n‡qwQj | أُجِبْتُمْ |
| ‡`vjbv, ‰kkeKvj, †Kvj | مَهْدٌ |
| cwiYZ eqm | كَهْلاً |
| gvwU | طِيْنٌ |
| AvK…wZ m`„k | كَهَيْئَةِ |
| Zzwg dyK w`‡Z | تَنْفُخُ |
| Zzwg wbivgq Ki‡Z | تُبْرِئُ |
| Rb¥vÜ | أَكْمَهَ |
| Kzô‡ivMx | أَبْرَصَ |
| Avwg wbe„Ë Kijvg | كَفَفْتُ |
| Lv`¨c~Y© cvÎ, Lv`¨c~Y© †Uwej | مَآئِدةٌ |
| **i“Kz- 16** |  |
| Avwg ewjwb | مَاقُلْتُ |
| hZ¶Y Avwg wQjvg | مَادُمْتُ |
| i¶K, ZË¡veavqK | رَقِيْبٌ |
| mvdj¨ | فَوْزٌ |

سُوْرَةُ الْأَنْعَام

**m~iv Avb'Avg**

**Mevw` cï**

**m~iv 6**

|  |  |
| --- | --- |
| **Kz-1 i“Kz- 1** |  |
| m`„k w¯’i K‡i, mgK¶ `vuo Kivq (Ab¨vb¨‡`i) | يَعْدِلُوْنَ |
| wbw`©ó mgq, wbav©wiZ †gqv` | أَجَلٌ مُّسَمًّى |
| ‡Zvgiv m‡›`n KiQ | تَمْتَرُوْنَ |
| hviv gyL wdwi‡q ‡bq, hviv wegyL n‡q \_v‡K | مُعْرِضِيْنَ |
| AwP‡iB, kxNªB | سَوْفَ |
| msev`mg~n | أَنْبَآءُ |
| gvbe‡Mvôx, hyM, GKB hy‡Mi †jvK, 30 A\_ev 80 eQ‡ii mgq | قَرْن |
| Avgiv cÖwZwôZ K‡iwQjvg, Avgiv kw³ w`‡qwQjvg | مَكَّنَّا |
| wZwb cÖwZwôZ K‡i‡Qb, kw³ w`‡q‡Qb, ¯’vb w`‡q‡Qb, Avkªq w`‡q‡Qb | مَكَّنَ |
| gyljav‡i e„wó, cÖeje„wó el©YKvix †gNcyÄ | مِدْرَارًا |
| b`x I SYv©mg~n | أَنْهَارٌ |
| cvcivwk | ذُنُوْبٌ |
| Avgiv m„wó K‡iwQ, DwV‡qwQ | أَنْشَأْنَا |
| KvMR | قِرْطَاسٌ |
| ¯úk© Kiv, †m ¯úk© Kij | لَمَسَ |
| ‡d‡ikZv | (eûePb*.:* مَلآئِكَةٌ) مَلَكٌ |
| Avgiv mskqv”Qbœ Kijvg, Avgiv weåvš— Kijvg | لَبَسْنَا |
| Zviv weåvš— K‡i (wb‡R‡`i) | يَلْبِسُوْنَ |
| cwi‡eób Kij | حَاقَ |
| nvwm-Zvgvkv Kij, VvÆv Kij, we`ª“c Kij | سَخِرُوْا |
| **i“Kz- 2** |  |
| ågY Ki | سِيْرُوْا |
| cwiYvg, ‡kl cwiYvg | عَاقِبَةٌ |
| mZ¨ Agvb¨Kvixiv, wg\_¨vev`xiv | مُكَذِّبِيْنَ |
| Kvi Rb¨?, Kvi (gvwjKvbvq)? | لِمَنْ |
| w¯’wZ jvf K‡i, evm K‡i, Ae¯’vb K‡i | سَكَنَ |
| mªóv | فَاطِرٌ |
| wZwb LvIqvb | يُطْعِمُ |
| Zvu‡K LvIqvb nq bv | لَا يُطْعَمُ |
| Avwg Avw`ó n‡qwQ | أُمِرْتُ |
| ‡invB †cj | يُصْرَفُ |
| ‡m w`b | يَوْمَئِذٍ |
| AcmiYKvix | كَاشِفٌ |
| weRqx, civµgkvjx | قَاهِرٌ |
| Dc‡i | فَوْقَ |
| ‡Kvb, wK wRwbm | أَيٌّ |
| **i“Kz- 3** |  |
| iPbv Kij, evbvj, Acev` w`j, AmZ¨v‡ivc Kij | اِفْتَراى |
| ‡Kv\_vq? | أَيْنَ |
| ‡Zvgiv aviYv Ki‡Z, `vexKi‡Z | تَزْعُمُوْنَ |
| \_vK‡e bv | لَمْ تَكُنْ |
| Zv‡`i wdZbv | فِتْنَتُهُمْ |
| Avj­vni kc\_ | وَاللهِ |
| Avgiv wQjvg bv | مَاكُنَّا |
| Kvb †c‡Z iv‡L , †m Kvb †c‡Z †kv‡b | يَسْتَمِعُ |
| c`v© | أَكِنَّةٌ |
| Abyaveb Kiv, ‡evSv | فِقْهٌ |
| IRb, ewaiZv | وَقْرًا |
| Zviv weZK© K‡i | يُجَادِلُوْنَ |
| Kvwnbx, DcK\_vmg~n | أَسَاطِيْر |
| c~e©Kvjxb, c~e©eZx©MY | أَوَّلِيْنَ |
| Zviv wb‡la K‡i | يَنْهَوْنَ |
| Zviv weiZ \_v‡K, `~‡i \_v‡K | يَنْئَوْنَ |
| Zv‡`i `vuo Kivb n‡e | وُقِفُوْا |
| nvq Avgv‡`i Avd‡mvm | يَالَيْتَنَا |
| hw` Avgv‡`i Avevi †diZ cvVv‡bv nZ | نُرَدُّ |
| Avgiv nZvg | نَكُوْنَ |
| cÖKvwkZ nj | (eZ©gvb Kvj*:* يَبْدُوْ) بَدَا |
| Aek¨B cybive„wË Ki‡e | لَعَادُوْا |
| hviv cybi“wÌZ n‡e | مَبْعُوْثِيْنَ |
| bq wK? | أَلَيْسَ |
| **i“Kz- 4** |  |
| wKqvgvZ, Nwo, N›Uv, gyûZ© | سَاعَةٌ |
| AK¯§vr, nVvr | بَغْتَةٌ |
| nvq Avd‡mvm Avgv‡`i Rb¨ | يَاحَسْرَتَنَا |
| Avgiv fyj K‡iwQ | فَرَّطْنَا |
| enb Ki‡e | يَحْمِلُوْنَ |
| ‡evSvmg~n, ¸bvnmg~n | (GKePb*.:* وِزْرٌ) أَوْزَارٌ |
| wcV¸‡jv | ظُهُوْرٌ |
| hv Zviv enb Ki‡e | مَايَزِرُوْنَ |
| ‡KŠZzK, Zvgvkv | لَهْوٌ |
| gvb‡Z A¯^xKvi Ki‡Q | يَجْحَدُوْنَ |
| fvix, KóKi, eo | كَبُرَ |
| Zzwg mg\_© nI, m¶g nI | اِسْتَطَعْتَ |
| Zzwg AbymÜvb Ki | تَبْتَغِىْ |
| ‡Kvb myo½ | نَفَقًا |
| wmuwo | سُلَّمًا |
| wePiYkxj Rš‘ | دَآبَّةٌ |
| cvLx | طَآئِرٌ |
| D‡o | يَطِيْرُ |
| Zvi `yB Wvbv | جَنَاحَيْهِ |
| `j, D¤§Z, RvwZ cÖRvwZ | (GKePb*.:* أُمَّةٌ) أُمَمٌ |
| Avj­vn hv‡K Pvb ev hv‡K B”Qv K‡ib | مَنْ يَشَإِاللهُ |
| Zv‡KB ïay | إِيَّاهُ |
| wZwb `~i K‡ib | يَكْشِفُ |
| **i“Kz- 5** |  |
| bgªZv cÖKvk K‡i,web‡qi mv‡\_ cÖv\_©bv K‡i | يَتَضَرَّعُوْنَ |
| ‡Kb bv | لَوْ لَا |
| Avgv‡`i kvw¯— | بَأْسُنَا |
| my‡kvwfZ K‡iwQj, my‡kvwfZ Kiv n‡q‡Q | زُيِّنَ |
| Zviv fy‡j †Mj | نَسُوْا |
| Zv‡`i ‡h Dc‡`k †`qv n‡qwQj | مَا ذُكِّرُوْا |
| Zviv Dj­wmZ nj, AnwgKvq †g‡Z DVj | فَرِحُوْا |
| wbivk n‡q †Mj | مُبْلِسُوْنَ |
| ‡K‡U †`qv nj | قُطِعَ |
| g~j, wkKo | دَابِرٌ |
| m‡i hvq, wegyL nq | يَصْدِفُوْنَ |
| Avj­­vni abfvÛvimg~n | خَزَآئِنُ اللهِ |
| Avwg Rvwb bv | لَا أَعْلَمُ |
| ‡Mvcb wRwbm, A`„k¨ | غَيْبَ |
| Avwg ewj bv | لَا أَقُوْلُ |
| mgvb n‡”Q wK? | هَلْ يَسْتَوِيْ |
| AÜ | أَعْمى |
| P¶zgvb, `k©K | بَصِيْرٌ |
| **i“Kz- 6** |  |
| Zzwg mZK© Ki | أَنْذِرْ |
| `~‡i mwi‡q w`I bv | لَا تَطْرُدْ |
| mKvj | غَداوةٌ |
| mÜ¨v | عَشِيٌّ |
| Zvui mšZzwó | وَجْهَهُ |
| ‡Zvgvi Dci bq | مَاعَلَيْكَ |
| Avgiv cix¶v K‡iwQ | فَتَنَّا |
| my¯úófv‡e cÖKvwkZ nq | تَسْتَبِيْنَ |
| **i“Kz- 7** |  |
| Avgv‡K wb‡la Kiv n‡q‡Q | نُهِيْتُ |
| ‡Zvgiv ZvovZvwo PvBQ ev KiQ | تَسْتَعْجِلُوْنَ |
| dqmvjvi ¶gZv ‡bB, ûKzg bvB, mywePvi bvB | إِنِ ا لْحُكْمُ |
| DËg dqmvjvKvix, DËg gxgvsmvKvix | خَيْرُ الْفَاصِلِيْنَ |
| Pvwe | مِفْتَاحٌ |
| Pvwe¸‡jv | مَفَاتِحٌ |
| c‡o bv | مَا تَسْقُطُ |
| cvZv | وَرَقَهٌ |
| ZvRv, Av`ª© | رَطْبٌ |
| ï®‹ | يَابِسٌ |
| ‡Zvgiv AR©b Ki | جَرَحْتُمْ |
| **i“Kz- 8** |  |
| wndvhZKvix, ZË¡veavqK | حَفَظَهٌ |
| Î“wU K‡i bv, evovevwo K‡i bv | لَا يُفَرِّطُوْنَ |
| AwZmZ¡i, `ª“ZZi | أَسْرَعُ |
| KvZifv‡e | تَضَرُّعًا |
| †Mvc‡b | خُفْيَةً |
| `ytL, wec` | كَرْبٌ |
| msNl© evuwa‡q ‡`b, wef³ Ki‡Z cv‡ib | يَلْبِسُ |
| wewfbœ `j, Dc`j | شِيَعًا |
| Av¯^v`b Kiv‡Z cv‡ib | يُذِيْقُ |
| Avwg bB | لَسْتُ |
| weZK© Ki‡Q (Dcnvmg~jK) | يَخُوْضُوْنَ |
| hw`, hLbB, A\_ev | إِمَّا |
| ‡Zvgv‡K fywj‡q †`q | يُنْسِيَنَّكَ |
| Zzwg em‡e bv | لَا تَقْعُدْ |
| g‡b covi ci | بَعْدَ الذِّكْراى |
| cwiZ¨vM Ki , †Q‡o `vI | ذَرْ |
| cÖZvwiZ Kij, †avuKv w`j | غَرَّتْ |
| ‡hb aŸs‡m wbw¶ß (bv) nq | أَنْ تُبْسَلَ |
| mycvwikKvix, kvdvqvZKvix | شَفِيْعٌ |
| wewbgq cÖ`vb K‡i | تَعْدِلْ |
| mg¯— wewbgq | كُلَّ عَدْلٍ |
| aŸs‡m wb‡¶c Kiv n‡e | أُبْسِلُوْا |
| cvbxq | شَرَابٌ |
| dzUš— cvwb | حَمِيْمٌ |
| hš¿YvcÖ`, AwZ Kó`vqK | أَلِيْمٌ |
| **i“Kz- 9** |  |
| Avgiv wK WvKe | أَنَدْعُوْا |
| Avgiv wd‡i hve | نُرَدُّ |
| ‡Mvovjxmg~n | أَعْقَابْ |
| Zv‡K weåvš— K‡i‡Q | اِسْتَهْوَتْهُ |
| nqivb, nZeyw×, w`‡knviv | حَيْرَان |
| m½x, mnPi | أَصْحَاب |
| Avgv‡`i Kv‡Q Avm | اِئْتِنَا |
| n‡q hvI | كُنْ |
| ZLbB n‡q hv‡e, ZLbB n‡q hvq | فَيَكُوْنَ |
| dzuK ‡`qv n‡e | يُنْفَخُ |
| wk½v | صُوْرٌ |
| Avhvi,nhiZ Beivnxg (Avt)-Gi evevi bvg | اازَرَ |
| g~wZ©¸‡jv | أَصْنَامًا |
| Avcbv‡K †`LwQ | أَرَاكَ |
| Avgiv †`LvB | نُرِيْ |
| mvgªvR¨ | مَلَكُوْتَ |
| mgv”Qbœ nj | جَنَّ |
| ‡`Lj | رَاا |
| GKwU Zviv (D¾¡j) | كَوْكَبًا |
| A¯—wgZ nj | أَفَلَ |
| A¯—MvgxMY | اافِلِيْنَ |
| Pvu` | قَمَرٌ |
| D`xqgvb (D¾¡j) | بَازِغًا |
| m~h© | شَمْسٌ |
| Avwg gyL wdivjvg | وَجَّهْتُ |
| GKwbôfv‡e, my`„pfv‡e, GKvMÖwP‡Ë | حَنِيْفًا |
| `yB `j | فَرِيْقَيْنِ |
| AwaK †hvM¨, AwaK `vex`vi | أَحَقُّ |
| wbivcËv, kvwš— | أَمْنٌ |
| wgwkªZ K‡i bv | لَمْ يَلْبِسُوْا |
| **i“Kz- 10** |  |
| Zviv wkiK Kij, Askx`vi mve¨¯— Kij | أَشْرَكُوْا |
| Avgiv `vwqZ¡ Ac©Y Kijvg,wbw`©ó Kijvg | وَكَّلْنَا |
| AbymiY Ki, BKwZ`v Ki | اِقْتَدِهْ |
| **i“Kz- 11** |  |
| Zviv h\_v\_© gh©v`v w`j bv, Zviv m¤§vb Kij bv | مَاقَدَرُوْا |
| KvMRmg~n | قَرَاطِيْس |
| A\_©nxb Av‡jvPbv, weZK© | خَوْضٌ |
| mZ¨Zv cÖgvYKvix | مُصَدِّقٌ |
| c~e©eZx©, Zvi c~‡e© wQj | بَيْنَ يَدَيْ |
| Zzwg mZK© Ki | تُنْذِرْ |
| Rbc`mg~‡ni †K›`ª, g°vevmx | أُمُّ الْقُراى |
| Av‡k-cv‡k | حَوْلَ |
| hš¿Yv, K‡VviZv | غَمَرَاتْ |
| cÖmvwiZ K‡i | بَاسِطُوْا |
| AegvbbvKi | هُوْنٌ |
| Avgv‡`i Kv‡Q ‡ZvgivG‡mQ, ‡Zvgiv Avgv‡`i Kv‡Q G‡mQ | جِئْتُمُوْنَا |
| wbtm½, GKvKx | فُرَاداى |
| cÖ\_g evi | أَوَّلَ مَرَّةٍ |
| Avgiv w`‡qwQ | خَوَّلْنَا |
| ‡Zvgiv aviYv Ki‡Z | زَعَمْتُمْ (ز ع م) |
| **i“Kz- 12** |  |
| (wZwbB) we`xY©Kvix | فَالِقٌ |
| exR, AvuwU | النَّواى |
| ‡fv‡ii Av‡jv, cÖfvZ | إِصْبَاحٌ |
| kvwš— , Avivg | سَكَنًا |
| wnmve wb‡`©kK | حُسْبَانًا |
| wba©vwiZ cwigvY | تَقْدِيْر |
| b¶ÎivwR | (GKePb*.:* نَجْمٌ) نُجُوْمٌ |
| m„wó Ki‡jb | أَنْشَأَ |
| Avevm¯’j | مُسْتَقَرٌّ |
| msi¶YvMvi | مُسْتَوْدَعٌ |
| Dw™¢` | نَبَاتٌ |
| meyR (†¶Z I e„¶) | خَضِرًا |
| km¨`vbv, exR | (eûePb*.:* حُبُوْبٌ) حَبًّا |
| Nbmwbœweó | مُتَرَاكِبًا |
| ‡LRyi | نَخْلٌ |
| ‡LRyi Mv‡Qi ‡gvPv | طَلْعٌ |
| d‡ji ¸”Q,†LRyi †\_vKv | قِنْوَانٌ |
| by‡q \_v‡K, wbKUeZx© | دَانِيَةٌ |
| Av½yi | أَعْنَابٌ |
| hvBZzb dj | (GKePb:زَيْتُوْنَة) زَيتُوْنٌ |
| Avbvi, Wvwjg, †e`vbv | رُمَّانٌ |
| m`„k | مُشْتَبِهًا |
| dj | ثَمَرٌ |
| djeZx nj, dj R‡b¥ | أَثْمَرَ |
| Zv cv‡K | يَنْعِها |
| cvKv | يَنْعٌ |
| Zviv mve¨¯— Kij, Zviv iPbv Kij | خَرَقُوْا |
| ‡Q‡j | بَنِيْنَ |
| ‡g‡q | بَنَاتٌ |
| mgybœZ, D”P | تَعَالى |
| (Zv) n‡Z hv | عَمَّا |
| Zviv eY©bv K‡i, Zviv iPbv K‡i | يَصِفُوْنَ (و ص ف) |
| **i“Kz- 13** |  |
| Avwe®‹viK, mªóv | بَدِيْعٌ |
| wKfv‡e | أَنّى |
| bvB | لَمْ تَكُنْ |
| mw½bx, ¯¿x | صَاحِبَةٌ |
| GB (n‡”Qb) | ذالِكُمْ |
| m¤úv`vbKvix, Kvh©wbev©nK, ZË¡veavqK | وَكِيْلٌ |
| Zv‡K †c‡Z cv‡i bv | لَا تُدْرِكُ |
| cvIqv | اِدْرَاك |
| †PvL | أَبْصَارٌ |
| my¶è`kx© | لَطِيْفٌ |
| Zzwg co‡j, cov wkL‡j | دَرَسْتَ |
| wegyL nI, D‡c¶v Ki | أَعْرِضْ |
| `yev©K¨ ej bv, Mvj-g›` Ki bv | لَا تَسُبُّوْا |
| wK ‡Zvgv‡`i †evaMg¨ Kiv‡e? | مَا يُشْعِرُكُمْ |
| cvwë‡q w`‡e, cwieZ©b K‡i †`‡e, wdwi‡q †`‡e | نُقَلِّبُ |
| Aš—i¸‡jv | أَفْئِدَةٌ |
| cÖ\_g evi | أَوَّلَ مَرَّةٍ |
| we‡`ªvwnZv, Aeva¨Zv | طُغْيَانٌ |
| Zviv D™£vš— n‡q wdi‡e | يَعْمَهُوْنَ |
| **i“Kz- 14** |  |
| mvgbvmvgwb | قُبُلاً |
| gyL©Zv ‡`Lvq | يَجْهَلُوْنَ |
| kÎ“ | (eûePb*.:*  أَعْدَاءٌ) عَدُوًّا |
| ¯^Y©, ‡jvfbxq, PvKwPK¨gq | زُخْرُفٌ |
| ‡avKv, cÖZviYv | غُرُوْرًا |
| ‡Q‡o `vI | ذَرْ |
| Abyi³ nq, AvK…ó nq | تَصْغى |
| Zviv AcKg© DcvR©b K‡i | يَقْتَرِفُوْا |
| `y®K…wZKvix, AcKg© DcvR©bKvix | مُقْتَرِفُوْنَ |
| Avwg AbymÜvb Kie | أَبْتَغِىْ |
| Av‡`k`vZv, wePviK | حَكَمًا |
| my®có, we¯—vwiZ | مُفَصَّلاً |
| cwic~Y© n‡q‡Q | تَمَّتْ |
| K\_v¸‡jv | كَلِمَةٌ |
| mZ¨ | صِدْقًا |
| mywePvi,b¨vqcivqbZv | عَدْلاً |
| cwieZ©bKvix | مُبَدِّلَ |
| Abygvb Ki‡Q | يَخْرُصُوْنَ |
| ¯§iY Kiv nj, bvg †bqv nj | ذُكِرَ |
| wek`iƒ‡c eY©bv K‡i‡Qb | فَصَّلَ |
| cÖ‡ivPbv ‡`q | يُوْحُوْنَ |
| **i“Kz- 15** |  |
| ‡m P‡j | يَمْشِىْ |
| eo, cÖavbMY | أَكَابِرَ |
| AcivaxMY | مُجْرِمِيْهَا |
| Avgv‡`i‡K †`qv n‡e | نُوْتى |
| AwaK ÁvZ, Lye Rv‡bb | أَعْلَمُ |
| Acgvb, AatcZb, jvÃbv | صَغَارٌ |
| Ly‡j †`b, cÖmvwiZ K‡i †`b | يَشْرَحْ |
| ü`q, e¶ | صَدْرٌ |
| msKxY© | ضَيِّقًا |
| msKxY©, Kó, i“× | حَرَجً |
| ‡hb | كَأَنَّمَا |
| ‡m Av‡ivnb Ki‡Q | يَصَّعَّدُ |
| AcweÎZv | رِجْسٌ |
| kvwš—i Ni | دَارُ السَّلَامِ |
| ‡n `j, m¤cÖ`vq, mgvR | يَامَعْشَرَ |
| Av¯^v`b Kij | اِسْتَمْتَعَ |
| Avgiv †cŠu‡QwQ | بَلَغْنَا |
| Zzwg wbav©wiZ K‡iwQ‡j | أَجَّلْتَ |
| wVKvbv, evm¯’vb | مَثْواى |
| **i“Kz- 16** |  |
| ‡Zvgv‡`i Kv‡Q Avm‡e | يَأْتِكُمْ |
| eY©bv KiZ | يَقُصُّوْنَ |
| Avgiv mv¶¨ w`w”Q | شَهِدْنَا |
| aŸsmKvix | مُهْلِكَ |
| Ki“Yvgq | ذُوْ الرَّحْمَةِ |
| ¯’jvwfwl³ Ki‡Z cv‡ib, cÖwZwbwa Ki‡eb | يَسْتَخْلِفْ |
| wbðqB AvMgbKvix, Aek¨B Avm‡e | لَااتٍ |
| ‡cŠu‡Q | يَصِلُ |
| Zviv aŸsm K‡i | يُرْدُوْ |
| `y‡e©va¨ K‡i w`‡”Q, †fRvj Ki‡Q, wgjv‡”Q | يَلْبِسُوْا |
| wbwl×, myiw¶Z | حِجْرٌ |
| Zviv wg\_¨v iPbv K‡i | اِفْتِرَآءٌ |
| cyi“lMY | GKePb*.:* ذَكَرٌ) ذُكُوْرٌ |
| eY©bv Kiv, we‡k­lY, ¸Y, we‡klY | وَصْفٌ |
| wbe©yw×Zv, †evKvgx | سَفَهًا |
| **i“Kz- 17** |  |
| gvPvi Dci DVvb jZv ev ¸j¥ | مَعْرُوْشَاتٍ |
| dmj KvUv, dmj msMÖn Kiv | حَصَادٍ |
| fvievnx Rš—y | حَمُوْلَةً |
| †QvU Rv‡Zi Rš—y | فَرْشًا |
| AvU | ثَمَانِيَةٌ |
| ‡Rvov, `¤úwZ, cÖKvi | أَزْوَاجٌ |
| ‡fov, †gl (†kªYxi) | ضَأْنٌ |
| QvMj (†kªYxi) | مَعْزٌ |
| `ywU cyi“l cï | ذَكَرَيْنِ |
| `ywU gv`x cï | اُنْثَيَيْنِ |
| enb K‡i Av‡Q, aviY K‡i‡Q | اِشْتَمَلَتْ |
| wgwjZ nj |  |
| Mf©mg~n (A\_©vr ev”Pv) | أَرْحَام |
| DU (†kªYxi) | إِبِلٌ |
| **i“Kz- 18** |  |
| Avwg cvBwb | لَا أَجِدُ |
| hv nvivg Kiv n‡q‡Q, wbwl×, nvivgK„Z, wbwl×K…Z | مُحَرَّمًا |
| Lv`¨ MÖnYKvixi Dci | عَلى طَاعِمٍ |
| i³ | دَمًا |
| cÖevwnZ | مَسْفُوْحًا |
| Awef³ Lyiwewkó cï, bLiwewkó cï | ذِىْ ظُفُرٍ |
| QvMj | غَنَمٌ |
| Pwe© | شُحُوْمٌ |
| Aš¿, bvox-fyuwo | حَوَايَا |
| mshy³ nq, wgwjZ n‡q \_v‡K | اِخْتَلَطَ |
| nv&o | عَظْمٌ |
| mycÖk¯— I e¨vcK | وَاسِعَةٌ |
| ‡Zvgiv wg\_¨v iPbv Ki, Kíbv Ki | تَخْرُصُوْنَ |
| cwic~Y© I P~ovš— hyw³cÖgvY | الْحُجَّةُ البَالِغَةُ |
| Dcw¯’Z Ki, Avb, wb‡q Avm | هَلُمَّ |
| **i“Kz- 19** |  |
| `vwi`ªwbgw¾Z nevi fq, `vwi`ª¨ | إِمْلَاق |
| Zv‡`i‡KI | إِيَّاهُمْ |
| hv cªKvk¨ | مَاظَهَرَ |
| hv AcªKvk¨, †Mvcb | مَابَطَنَ |
| eqtcÖvß nIqv, c~Y© kw³ I mvg‡\_¨©i eqm | أَشُدَّ |
| c~Y© `vI | أَوْفُوْا |
| cwigvc, cv‡Îi gvc we‡kl | كَيْلٌ |
| IRb, cvj­­v | مِيْزَانٌ |
| b¨vqcivqYZv | قِسْطٌ |
| **i“Kz- 20** |  |
| ‡Zvgiv †hb bv ej | أَنْ تَقُوْلُوْا |
| Aa¨qb,cVb I cvVb | دِرَاسَةٌ |
| AwaK wn`vqvZ cÖvß | أَهْداى |
| AwaKZi hvwjg | أَظْلَمُ |
| `~‡i m‡i †Mj, Agvb¨ Kij, wegyL nj | صَدَفَ |
| Zviv cvk †K‡U hvq, Zviv gyL ‡divq | يَصْدِفُوْنَ |
| Zzwg bI | لَسْتَ |
| mr Kg©, fvj KvR, †bKx | حَسَنَةٌ |
| `k ¸Y (mvIqve) | عَشْرُ أَمْثَال |
| mycÖwZwôZ Øxb | دِيْنًا قِيَمًا |
| Kzievbx, Bev`‡Zi c×wZ, AvZœZ¨vM | نُسُكٌ |
| Avgvi Rxeb | مَحْيَايَ |
| Avgvi giY | مَمَاتِيْ |
| ‡evSv enb Ki‡e bv | لَا تَذِرُ |
| ‡evSv enbKvix | وَازِرَةٌ |
| ‡evSv | وِزْرٌ |
| cÖZ¨veZ©b | مَرْجِعٌ |
| cÖwZwbwa, Lwjdv | خَلَآئِفَ |
| mZ¡i kvw¯— cÖ`vbKvix, kvw¯—`v‡b Zrci | سَرِيْعُ الْعِقَابِ |

سُوْرَةُ الْأَعْرَافِ

**m~iv AvÕivd**

**DuPy ¯’vb**

**m~iv 7**

سُوْرَةُ الْأَعْرَافِ

**m~iv AvÕivd**

**DuPy ¯’vb**

**m~iv 7**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| (†hb) bv nq, bv \_v‡K | لَا يَكُنْ |
| †Kvb msKxY©Zv, Kó, ms‡KvP, Amyweav | حَرَجٌ |
| Avgv‡`i kvw¯— | بَأْسُنَا |
| iv‡Zi †ejvq | بَيَاتًا |
| `ycy‡i wekªvg MÖnYKvix, w`ev wb`ªvq we‡fvi | قَائِلُوْنَ |
| ‡m w`b | يَوْمَئِذٍ |
| fvix nj | ثَقُلَتْ |
| (†bKxi) cvj­v | مَوَازِيْنُ |
| nvjKv nj | خَفَّتْ |
| RxweKv wbe©v‡ni Dcvq¸‡jv | مَعَايِشَ |
| **i“Kz- 2** |  |
| Aag, AcgvwbZ, wbP | صَاغِرِيْنَ |
| AeKvk w`b | أَنْظِرْ |
| Zv‡`i‡K cybi“wÌZ Kiv n‡e, DVv‡bv n‡e | يُبْعَثُوْنَ |
| hviv AeKvkcÖvß | مُنْظَرِيْنَ |
| c\_åó K‡i‡Qb | أَغْوَيْتَ |
| Avwg Aek¨B Ir †c‡Z e‡m \_vKe | أَقْعُدَنَّ |
| Wvb w`K | أَيْمَانٌ |
| evgw`K | شَمَآئِل |
| Avcwb cv‡eb bv | لَا تَجِدُ |
| jvwÃZ, waK…Z | مَذْءُوْمًا |
| weZvwoZ | مَدْحُوْرًا |
| Avwg c~Y© Kie | أَمْلَئَنَّ |
| †Mvcbxq Kiv n‡qwQj, Ave„Z wQj | وُوْرِىَ |
| j¾v¯’vb, †`‡ni †h Ask¸‡jv Ave„Z \_vKv DwPZ | سَوْااتُ |
| kc\_ Kij | قَاسَمَ |
| AatcZb NUvj, cÖZvwiZ Kij | دَلّى |
| cÖKvk ‡cj | بَدَتْ |
| Zviv Ave„Z K‡i, †Rvov ‡`q | يَخْصِفَانِ |
| cvZv | وَرَقٌ |
| **i“Kz- 3** |  |
| ‡kvfv ea©b i“‡c | رِيْشًا |
| Avj­vnfxi“Zvi †cvkvK, ZvKIqvi †cvkvK | لِبَاسُ التَّقْواى |
| ‡m (kqZvb) †hb ‡Zvgv‡`i cÖZvwiZ Ki‡Z bv cv‡i, ‡m (kqZvb) †hb ‡Zvgv‡`i wdZbvq †dj‡Z bv cv‡i | لَا يَفْتِنَنَّكُمْ |
| Ly‡j †d‡j | يَنْزِعُ |
| Zvi `jej, Zvi esk | قَبِيْلُه، |
| w¯’i ivL, cÖwZwôZ Ki | أَقِيْمُوْا |
| cÖ‡Z¨K gmwR` | كُلِّ مَسْجِدٍ |
| †Zvgiv (†Zgwb) Avevi wd‡i Avm‡e | تَعُوْدُوْنَ |
| **i“Kz- 4** |  |
| Zviv wejw¤^Z Ki‡Z cvi‡e bv | لَا يَسْتَأْخِرُوْنَ |
| Zviv Z¡ivwš^Z Ki‡Z cvi‡e bv | لَا يَسْتَقْدِمُوْنَ |
| Zviv cvwj‡q †M‡Q, Zviv jywK‡q †M‡Q | ضَلُّوْا |
| Zvi mg (`j),Zvi ¯^RvwZ | أُخْتَهَا |
| Zviv mw¤§wjZ nj, Zviv ci¯úi‡K AbymiY Kij | اِدَّارَكُوْا |
| **i“Kz- 5** |  |
| ‡Lvjv n‡e bv | لَا تُفَتَّحُ |
| cÖ‡ek K‡i | يَلِجَ |
| DU | جَمَلٌ |
| m~u‡Pi wQ`ª | سَمِّ الْخِيَاطِ |
| c`©v, Pv`i, Av”Qv`bmg~n | غَوَاشٌ |
| Avgiv `~i K‡i w`jvg | نَزَعْنَا |
| we‡Øl, Cl©v | غِلٌّ |
| Zv‡`i WvKv n‡e, Zv‡`i †W‡K ejv n‡e | نُوْدُوْا |
| WvKj, †W‡K ejj | نَادَىا |
| n¨uv | نَعَمْ |
| ‡NvlYv Ki‡e | أَذَّنَ |
| GK ‡NvlK | مُؤَذِّنٌ |
| eµZv | عِوَجًا |
| c`©v | حِجَابٌ |
| DuPy ¯’vb, RvbœvZ I Rvnvbœvg c„\_KKvix DuPy ¯’vb¸wj| hv‡`i fvj KvR I Lvivc KvR mgvb n‡e Zviv H ¯’vb¸wj‡Z GK wbw`©ó mg‡qi Rb¨ Ae¯’vb Ki‡e| | أَعْرَافٌ |
| wPý | سِيْمَا |
| Zviv AvKv•Lv K‡i ev Ki‡e | يَطْمَعُوْنَ |
| wdivb nq | صُرِفَتْ |
| w`‡K | تِلْقَآءَ |
| **i“Kz- 6** |  |
| Kv‡R Avmj bv | مَا أَغْنَىا |
| ‡cŠuQv‡e bv | لَا يَنَالُ |
| †Zvgiv †X‡j `vI | أَفِيْضُوْا |
| Avgiv fy‡j hve, D‡c¶v Kie | نَنْسى |
| Avgv‡`i Rb¨ wK †KD Av‡Q? | هَلْ لَنَا |
| Avgv‡`i Avevi wdwi‡q cvVvb nq, cyb:†cÖwiZ nB | نُرَدُّ |
| **i“Kz- 7** |  |
| Qq w`b/ mg‡qi wbw`©ó wefvM/ Kv‡ji GKwU Aa¨vq | سِتَّةَ أَيَّامٍ |
| wZwb Av”Qvw`Z K‡ib | يُغْشِيْ |
| ‡m AbymiY K‡i,†m †Lvu‡R | يَطْلُبُ |
| `ªyZMwZ‡Z, ZvovZvwo | حَثِيْثًا |
| Aaxb¯’ K‡i‡Qb | مُسَخَّرَاتٍ |
| Acwimxg eiKZgq | تَبَارَكَ |
| webxZfv‡e, web‡qi mv‡\_ | تَضَرُّعًا |
| ‡Mvc‡b | خُفْيَةً |
| Avkvi (mv‡\_) | طَمَعًا |
| evqyivwk | رِيَاحَ |
| mymsev` ¯^iƒc | بُشْرًا |
| enb Kij | أَقَلَّتْ |
| ‡gNgvjv | سَحَابًا |
| fvix | ثِقَالاً |
| Avgiv Zv‡K cwiPvwjZ Kwi | سُقْنَاهُ |
| wbR©xe f~LÛ, g„Z Abye©i f~wg, bMix | بَلَدٍ مَّيِّتٍ |
| DrK…ó f~LÛ, weï× De©i fywg, bMix | الْبَلَدُ الطَّيِّبُ |
| dmj, jZv-¸j¥, kvK-meRx | نَبَاتٌ |
| wbK„ó, Acwic~Y© | نَكِدًا |
| **i“Kz- 8** |  |
| msev`, evYx, cqMvg | (GKePb*.:* رِسَالَةٌ) رِسَالَاتٍ |
| Avwg †Zvgv‡`i m`yc‡`k †`B | (fvewe‡kl¨*.:*  نَصِيْحَةٌ) أَنْصَحُ |
| ‡Zvgiv Avðh© n‡j | عَجِبْتُمْ |
| AÜ Rb‡Mvôx | قَوْمًا عَمِيْن |
| **i“Kz- 9** |  |
| ÔAv` RvwZ | عَادٌ |
| (†mB RvwZi) cÖavb e¨w³iv | مَلَأُ |
| wbey©w×Zv, †evKvgx | سَفَاهَةٌ |
| Avgiv aviYv Kwi | نَظُنُّ |
| Dc‡`k cÖ`vbKvix, wnZvKv•Lx | نَاصِحٌ |
| msewa©Z Kij, evovj | زَادَ |
| cÖvPzh©Zv (kw³i), we¯Z…wZ , cÖmvi | بَصْطَةً |
| AbyMÖn¸‡jv, Bnmvb, wbqvgZ, m¤ú` | االَآء |
| DcbxZ n‡q‡Q, c‡o‡Q | وَقَعَ |
| kvw¯—, AcweÎ | رِجْسٌ |
| bvg¸wj | (GKePb*.:* اِسْمٌ) أَسْمَاءٌ |
| ‡Zvgiv bvgKiY Ki‡j | (fvewe‡kl¨*:*  تَسْمِيَةٌ) سَمَّيْتُمُوْا |
| g~j, wkKo | دَابِرٌ |
| **i“Kz- 10** |  |
| mvg~` RvwZ, mv‡jn (Avt) Gi RvwZ | ثَمُوْد |
| Dóªx | نَاقَةٌ |
| ‡m Lvq | تَأْكُلُ |
| cÖwZwôZ Kij, RvqMv w`j | بَوَّأَ |
| big Rwg, mgZj f~wg | سُهُوْلٌ |
| cÖvmv`¸wj | (GKePb*.:* قَصْرٌ) قُصُوْرٌ |
| ‡Zvgiv †Lv`vB K‡i ˆZix Ki | تَنْحِتُوْنَ |
| cvnvo¸wj | (GKePb*.:* جَبَلٌ) جِبَالُ |
| Ni¸wj | (GKePb*.:* بَيْتٌ) بُيُوْتٌ |
| AbvPvi m„wó Kibv | لَا تَعْثَوْا |
| `ye©j K‡i ivLv n‡qwQj | اُسْتُضْعِفُوْا |
| ‡cÖwiZ ivm~j | مُرْسَلٌ |
| Zviv‡K‡U w`j, nZ¨v Kij | عَقَرُوْا |
| Zviv mxgvjsNb Kij | عَتَوْا |
| Avgv‡`i Kv‡Q wb‡q Avm | اِئْتِنَا (ب) |
| Zywg Iqv`v KiQ | تَعِدُ |
| ‡cÖwiZ ivm~jMY | مُرْسَلِيْنَ |
| fywgK¤ú | رَجْفَةٌ |
| Dwë‡q c‡o \_vKj, Dcyo n‡q ev A‡avgyLx n‡q c‡o \_vKj | جَاثِمَيْنَ |
| ‡m gyL wdwi‡q wbj | تَوَلّى |
| ‡Zvgiv Ki | تَأْتُوْنَ |
| c~‡e© K‡iwb | مَا سَبَقَ |
| ‡KD | مِنْ أَحَدٍ |
| ‡jvK | أُنَاسٌ |
| hviv AwZ cweÎ \_vK‡Z Pvq | يَتَطَهَّرُوْنَ |
| cðv`eZx©MY, wcQ‡b Ae¯’vbKvixMY | غَابِرِيْنَ |
| Avgiv e„wó el©Y K‡iwQjvg | أَمْطَرْنَا |
| (cv\_i)e„wó | مَطَرٌ |
| **i“Kz- 11** |  |
| gv`&Bqvb, GKwU RvqMvi bvg †hLv‡b ïqvBe (Avt)-‡K cvVv‡bv n‡qwQj | مَدْيَنَ |
| Kg w`I bv, VwKI bv | لَا تَبْخَسُوْا |
| (cÖvc¨) `ªe¨ | أَشْيَاءَ |
| †Zvgiv IZ †c‡Z e‡m \_vK‡e bv, †Zvgiv em‡e bv | لَا تَقْعُدُوْا |
| ‡Zvgiv fq †`LvI, Iqv`v Ki | تُوْعِدُوْنَ |
| ‡Zvgiv evav `vI | تَصُدُّوْنَ |
| cwiewa©Z K‡i‡Qb, AvwaK¨ w`‡q‡Qb | كَثَّرَ |
| ‡Zvgiv Aek¨B wd‡i Avm‡e | لَتَعُوْدُنَّ |
| N„YvKvix, AcQ›`Kvix | كَارِهَيْنَ |
| Avgiv wg\_¨v Acev` w`jvg | اِفْتَرَيْنَا |
| Avgiv wd‡i Avmjvg | عُدْنَا |
| Zviv KLbI emevm K‡i bvB | لَمْ يَغْنَوْا |
| Avd‡mvm Kie, `ytL Kie, Av‡¶c Kie | ااسى |
| **i“Kz- 12** |  |
| Zviv cwiewa©Z nj, Zviv cÖvPzh© jvf Kij | عَفَوْا |
| wbtkÎ“ nj, wbf©q nj, wbivc` nj | أَمِنَ |
| wbw`ªZ, Nygš— | نَائِمُوْنَ |
| w`‡bi cÖ\_g cÖni | ضُحًى |
| ‡KŠkj | مَكْرٌ |
| **i“Kz- 13** |  |
| hvi Rb¨ GUv (ejv) mwVK, ev¯—e | حَقِيْقٌ |
| wb‡¶c Kij | أَلْقى |
| ARMi | ثُعْبَانٌ |
| ‡U‡b ‡ei Kij | نَزَعَ |
| ï‡åv¾j | بَيْضَاءُ |
| **i“Kz- 14** |  |
| wK? | مَاذَا |
| Zv‡K AeKvk `vI | أَرْجِهْ |
| kni¸‡jv | مَدَائِن |
| msMÖnKvixMY, ‡NvlKMY, mg‡eZKvixMY | حَاشِرِيْنَ (ح ش ر) |
| hv`yKi | سَاحِرٌ |
| my`¶, AwfÁ | عَلِيْمٌ |
| hv`yKiiv | سَحَرَةٌ |
| wKsev, A\_ev | إِمَّا |
| ‡h | أَنْ |
| Zzwg wb‡¶c Ki | تُلْقِىَ |
| wb‡¶cKvix | مُلْقِيْنَ |
| ‡Zvgiv wb‡¶c Ki | أَلْقُوْا |
| hv`y Kij, m‡¤§vwnZ Kij | سَحَرُوْا |
| ‡PvLmg~n | أَعْيُنْ |
| AvZswKZ Kij | اِسْتَرْهَبُوْا |
| Dcw¯’Z Kij, wb‡q Avmj | جَاءُوْا |
| wb‡¶c Ki | أَلْقِ |
| wM‡j †d‡j | تَلْقَفُ |
| Zviv K…wÎg m„wó Kij, Zviv AjxKZv m„wó Kij | يَأْفِكُوْنَ |
| e¨\_©, wg\_¨v cÖgvwYZ nj | بَطَلَ |
| Zviv civwRZ nj | غُلِبُوْا |
| ‡mLv‡b | هُنَالِكَ |
| wbcwZZ nj, byB‡q w`j | أُلْقِىَ |
| Avwg AbygwZ †`B | ااذَنُ |
| KvUe | أُقَطِّعَنَّ |
| Avwg k~jwe× Kie | أُصَلِّبَنَّ |
| cÖZ¨veZ©bKvix | مُنْقَلِبُوْنَ |
| Zzwg cÖwZ‡kva MÖnY Ki, wnsmv †cvlY Ki | تَنْقِمُ (ن ق م) |
| el©b Ki, †X‡j `vI | أَفْرِغْ |
| **i“Kz- 15** |  |
| Zzwg †Q‡o w`‡e | تَذَرُ |
| Avgiv nZ¨v Kie | نُقَتِّلُ |
| Avgiv RxweZ ivLe | نَسْتَحْيِى |
| civµgkvjx, K‡Vvi kvw¯—`vZv | قَاهِرُوْنَ |
| Avgiv wbh©vwZZ n‡qwQ | أُوْذِيْنَا |
| **i“Kz- 16** |  |
| `ywf©¶ | سِنِيْنَ |
| ¶wZ | نَقْصٍ |
| GUv Avgv‡`i Rb¨ | لَنَا هذِهِ |
| Zviv g›`fv‡M¨i †`vl Pvcvq | يَطَّيَّرُوْا |
| g›`fvM¨ | طَائِرٌ |
| ‡h †Kvb iKg, hv wKQyB | مَهْمَا |
| c½cvj | جَرَادٌ |
| DKzb | قُمَّلَ |
| e¨vO | ضَفَادِعَ |
| kvw¯— | رِجْزٌ |
| Ly‡j †`qv, mwi‡q †`qv | كَشَفَ |
| ‡cŠQuv‡bv wba©vwiZ wQj, Avmbœ | بَالِغُوْا |
| cÖwZÁv f½ K‡i | يَنْكُثُوْنَ |
| mgy`ª, b`x | يَمٌّ |
| c~e© w`K¸‡jv‡Z | مَشَارِق |
| cwðg w`K¸‡jv‡Z | مَغَارِب |
| Avgiv aŸsm Kijvg | دَمَّرْنَا |
| Zviv M„n wbgv©Y K‡i, Zviv DPzu K‡i (cÖvmv`) | يَعْرِشُوْنَ |
| Avgiv cvi Kwi‡q w`jvg | جَاوَزْنَا |
| Zviv Bev`‡Z †j‡M \_v‡K | يَعْكُفُوْنَ |
| †h aŸsmcªvß n‡Z hv‡”Q | مُتَبَّرٌ |
| **i“Kz- 17** |  |
| wÎk | ثَلَاثِيْنَ |
| wbw`©ó mgq | مِيْقَات |
| Pwj­k | أَرْبَعِيْنَ |
| Avgvi cÖwZwbwaZ¡ Ki | اُخْلُفْنِيْ |
| ms‡kvab Ki | أَصْلِحْ |
| Avgv‡K †`LvI | أَرِنِي |
| Zywg KLbI Avgv‡K †`L‡Z cvi‡e bv | لَنْ تَرَانِي |
| ‡R¨vwZ cÖKvk Ki‡jb | تَجَلّى |
| P~Y© weP~Y© | دَكَّا |
| c‡o †Mj | خَرَّ |
| AÁvb | صَعِقًا |
| Ávb wd‡i Avmj | أَفَاقَ |
| djK¸‡jv | (GKePb*.:* لَوْحٌ) أَلْوَاحٌ |
| ‡`Lv‡e | أُوْرِيْ |
| `~‡i wb‡¶c Ki‡e, Nywi‡q w`‡e, wdwi‡q †`‡e | أَصْرِفُ |
| myc\_, mwVK | رُشْدٌ |
| åvš— c\_, fyj | غَيٌّ |
| **i“Kz- 18** |  |
| AjsKvi¸‡jv | حُلِيٌّ |
| Aeqe (m¤úbœ) | جَسَدًا |
| Mi“i gZ AvIqvR, nv¤^v aŸwb | خُوَارٌ |
| fv½j, c‡o †Mj | سُقِطَ |
| ivMvwš^Z, µz× | غَضْبَانٌ |
| AbyZß, `ytwLZ | أَسِفًا |
| AvKl©Y Kij, Uvbj | يَجُرُّ |
| gv‡qi †Q‡j, fvB, m‡nv`i | اِبْنَ أُمَّ |
| mšZzó Ki bv, nvm‡Z w`I bv | لَا تُشْمِتْ |
| **i“Kz- 19** |  |
| VvÛv nj, Acm„Z nj, cÖkwgZ nj | سَكَتَ |
| cy¯—K, wjwLZ e¯Zz, wjwc | نُسْخَةٌ |
| fq K‡i | يَرْهَبُوْنَ |
| g‡bvbxZ Kij, †e‡Q wbj | (fvewe‡kl¨*.:* اِخْتِيَارٌ ) اِخْتَارَ |
| mËyi | سَبْعِيْنَ |
| Avgv‡KI | إِيَّايَ |
| Avcbvi cix¶v gvÎ | فِتْنَتُكَ |
| ‡kªô gvR©bvKvix, ¶gvKvix‡`i †kªô | خِيْرُ الْغَافِرِيْنَ |
| Avgiv cÖZ¨veZ©b Kijvg | هُدْنَا |
| Avwg †fvMvB, Avwg cÖ`vb Kwi | أُصِيْبُ |
| Avwg PvB | أَشَاءُ |
| wbi¶i | أُمِّىٌّ |
| wjwLZ | مَكْتُوْبًا |
| bvwg‡q †`q | يَضَعُ (عَنْ) |
| ‡evSv, fvi | إِصْرٌ |
| k„sLj¸‡jv | أَغْلَال |
| kw³ †hvMvq, mn‡hvwMZv K‡i | عَزَّرَ |
| **i“Kz- 20** |  |
| evi | اِثْنَتَا عَشَرَ |
| m¤cÖ`vq, †MvÎ | أَسْبَاطًا |
| DrmvwiZ nj | اِنْبَجَسَتْ |
| cvwbi SY©v, cÖmªeb, K~c | عَيْنًا |
| **i“Kz- 21** |  |
| gvQ¸‡jv | (GKePb*.:* حُوْتٌ) حِيْتَانٌ |
| cÖKv‡k¨ cvwbi Dcwifv‡M fvmgvb Ae¯’vq | شُرَّعًا |
| bmxnZ Ki, Dc‡`k `vb Ki | تَعِظُوْنَ |
| Awf‡hvM †ck Kiv, `vwqZ¡ gy³ nIqv | مَعْذِرَةً |
| wbK…óZg, fqvbK | بَئِيْسٍ |
| we‡`ªvn Kij, J×Z¨ cÖ`k©b Kij | عَتَوْا |
| Zv‡`i wb‡la Kiv n‡qwQj | نُهُوْا |
| Avgiv cix¶v K‡iwQ | بَلَوْنَا |
| ¯’jvwfwl³ nj | خَلَفَ |
| cÖwZwbwa | خَلْفٌ |
| Zviv DËivwaKvix nj | وَرِثُوْا |
| Zviv MÖnY K‡i | يَأْخُذُوْنَ |
| m¤ú`, A\_©, Rxeb mvgMÖx | عَرَضٌ |
| Zviv coj | دَرَسُوْا |
| Zviv `„pfv‡e aviY K‡i \_v‡K | يُمَسِّكُوْنَ |
| Avgiv Dc‡i Zz‡j aijvg | نَتَقْنَا |
| Qvqv | ظُلَّةٌ |
| Dci co‡e, wbcwZZ n‡e | وَاقِعٌ |
| **i“Kz- 22** |  |
| Avwg wK bB? | أَلَسْتُ |
| ‡m wkiK Kij, †m Askx`vi mve¨¯— Kij | أَشْرَكَ |
| wg\_¨vev`xMY | مُبْطِلُوْنَ |
| Gwo‡q †Mj | اِنْسَلَخَ |
| AbymiY K‡i, wcQ‡b jv‡M | اتْبَعَ |
| wec\_Mvgx | غَاوِيْنَ |
| AebwgZ nj, AvuKwo‡q a‡i e‡m coj | أَخْلَدَ |
| KzKzi | كَلْبٌ |
| Zzwg ‡evSv PvcvI | تَحْمِلُ |
| wRnev †ei K‡i nvucv‡Z \_v‡K | يَلْهَثْ |
| myc\_Mvgx , ‡n`vqvZcÖvß | مُهْتَدِىْ |
| Avgiv m„wó K‡iwQ | ذَرَأْنَا |
| AwaK weåvš— | أَضَلُّ |
| my›`i | حُسْنى |
| **i“Kz- 23** |  |
| µgvš^‡q (aŸs‡mi w`‡K)wb‡q hve, Av‡¯— Av‡¯— †U‡b wbe | نَسْتَدْرِجُ |
| AeKvk †`B | أُمْلِيْ |
| wbqš¿Y, †KŠkj | كَيْدٌ |
| gReyZ , my`„p | مَتِيْنٌ |
| Db¥v` | جِنَّةٌ |
| wbK‡U G‡m †M‡Q | اِقْتَرَبَ |
| ‡Kvb K\_v | أَىِّ حَدِيْثٍ |
| c\_cÖ`k©K | هَادِىْ |
| KLb, K‡e | أَيَّانَ |
| Rvnv‡Ri †bv½i Kiv, msNwUZ nIqv | مُرْسَاهَا |
| wZwb cÖKvk K‡ib bv | لَا يُجَلَّيْ |
| fvix n‡e | ثَقُلَتْ |
| AKm¥vr, nVvr | بَغْتَةً |
| Zzwg ‡hb | كَأَنَّكَ |
| cwiÁvZ, A‡š^lYKvix | حَفِيٌّ |
| Avwg AwaKvix bB, Avwg ¶gZv ivwLbv | لَا أَمْلِكُ |
| Avgvi wb‡Ri Rb¨ | لِنَفْسِيْ |
| hw` Avwg nZvg | لَوْكُنْتُ |
| A`„k¨ welq cwiÁvZ | أَعْلَمُ الْغَيْبَ |
| Avwg AwaK mÂq K‡i wbZvg | اسْتَكْثَرْتُ |
| **i“Kz- 24** |  |
| †m cÖkvwš— MÖnY K‡i, wekªvg †bq | يَسْكُنَ |
| Ave„Z K‡i, Av”Qvw`Z K‡i | تَغَشّى |
| Mf©eZx nj | حَمَلَتْ |
| ‡evSv, Mf© | حَمْلٌ |
| nvjKv | خَفِيْفًا |
| †m PjvPj K‡i | مَرَّتْ |
| fvix nq | أَثْقَلَتْ |
| `yRbB cÖv\_©bv K‡i | دَعَوَا |
| mymš—vb, my¯’, c~Y©vsM | صَالِحًا |
| wbðqB Avgiv ne | لَنَكُوْنَنَّ |
| Zviv mvg\_©¨ iv‡L bv | لَا يَسْتَطِيْعُوْنَ |
| bxieZv Aej¤^bKvix nI | صَامِتُوْنَ |
| Zviv P‡j | يَمْشُوْنَ |
| Zviv ai‡Z cv‡i, Zviv ai‡Q ev ai‡e | يَبْطِشُوْنَ (ب ط ش) |
| Avgvi wei“‡× †KŠkj Ki | كِيْدُوْنِ |
| AwffveKZ¡ K‡ib, eÜzZ¡ iv‡Lb, mvnvh¨ K‡ib | يَتَوَلّى |
| Kj¨vY, fvj KvR | عُرْف |
| cÖ‡ivPbv, Kzgš¿Yv, IqvmIqvmv | نَزْغٌ |
| Avkªq cÖv\_©bv Kiv | اِسْتَعِذْ |
| KzwPš—v | طَائِفٌ |
| AvKl©Y K‡i, †U‡b †bq | يَمُدُّوْنَ |
| Zviv weiZ nq bv, Î“wU K‡i bv | لَا يُقْصِرُوْنَ |
| Zzwg msNUb Ki‡j, Zywg †e‡Q wb‡j | اِجْتَبَيْتَ |
| cvV Kiv nq | قُرِئَ |
| †Zvgiv g‡bv‡hvM mnKv‡i ïb | اِسْتَمِعُوْا |
| ‡Zvgiv bxie \_vK | أَنْصِتُوْا |
| D”P¯^i e¨ZxZ, AwZ D”P i‡e bq | دُوْنَ الْجَهْرِ |
| mKvj | غُدُوٌّ |
| mÜ¨v | ااصَال |

سُوْرَةُ الْأَنْفَالِ

**m~iv Avbdvj**

**hy×jä abm¤ú`**

**m~iv 8**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| hy×jä abm¤ú`, Bmjvgx hy‡× kÎ“ c‡¶i abm¤ú` hv gymwjg‡`i n¯—MZ nq | أَنْفَالٌ |
| ‡Zvgv‡`i ga¨Kvi Ae¯’v | ذَاتَ بَيْنِكُمْ |
| ‡Ku‡c I‡V | وَجِلَتْ |
| ‡hgb, wKiƒc | كَمَا |
| Zviv weZK© K‡i | يُجَادِلُوْنَ |
| my¯úó nj | تَبَيَّنَ |
| ‡hb | كَأَنَّمَا |
| Zviv PvwjZ n‡”Q, Zv‡`i‡K wcQb w`K n‡Z nvuwK‡q wb‡q hvIqv n‡e | يُسَاقُوْنَ |
| ‡Kvb GKwU | إِحْداى |
| ‡h Zv (AvIZvaxb n‡e)†Zvgv‡`i Rb¨ | أَنَّهَا لَكُمْ |
| ‡Zvgiv ‡P‡qwQ‡j | تَوَدُّوْنَ |
| e¨ZxZ, bq | غَيْرَ |
| kw³gvb, A¯¿avix (`jwU) | ذَاتِ الشَّوْكَةِ |
| m‡Z¨ cwiYZ Ki‡Z | يُحِقُّ |
| evwZ‡j cwiYZ K‡ib, wg\_¨vq cwiYZ K‡ib, wgwU‡q †`b | يُبْطِل |
| †Zvgiv mvnvh¨ †P‡qwQ‡j | تَسْتَغِيْثُوْنَ |
| mvnvh¨Kvix | مُمِدُّ |
| G‡Ki ci GK AvMZ | مُرْدِفِيْنَ |
| **i“Kz- 2** |  |
| Z›`ªv, Ny‡gi †Nv‡i Xyj‡Z \_vKv | نُعَاسٌ |
| my`„p K‡i | يَرْبِطَ |
| Nvo¸‡jv | (GKePb*.:* عُنُقٍ ) أَعْنَاقٌ |
| cÖ‡Z¨K Av½y‡ji AMÖfvM | كُلَّ بَنَانٍ |
| Zviv we‡ivwaZv K‡iwQj | شَاقُّوْا |
| hy×‡¶‡Î, †mbvevwnbx wn‡m‡e, m¤§yL hy×iZ †mbvevwnbx wn‡m‡e | زَحْفًا |
| iY‡KŠkj | مُتَحَرِّفًا |
| wgwjZ nevi Rb¨(gymwjg c‡¶i Ab¨ †Kvb `‡ji mv‡\_) | مُتَحَيِّزًا |
| Zzwg wb‡¶c K‡iwQ‡j | رَمَيْتَ |
| wZwb (Avj­vn) wb‡¶c K‡iwQ‡jb | رَمى |
| wZwb (Avj­vn) cix¶v K‡ib | يُبْلِيَ |
| cix¶v | بَلَآءً |
| e¨\_©Kvix, whwb Ab¨‡`i `ye©j K‡i †`b | مُوْهِنُ |
| ‡Zvgiv cybive„wË Ki | تَعُوْدُوْا |
| Avgiv cybive„wË Kie | نَعُدْ |
| **i“Kz- 3** |  |
| †Zvgiv gyL wdwiI bv | لَا تَوَلَّوْا |
| wbK…óZg Rš‘ | شَرَّ الدَّوَابّ |
| ‡Zvgiv Wv‡K mvov `vI | اِسْتَجِيْبُوْا |
| Aš—ivq n‡q \_v‡Kb | يَحُوْلُ |
| we‡klfv‡e, †KejgvÎ | خَآصَّة |
| wbwðý K‡i †d‡j, wQwb‡q †bq, ejc~e©K wb‡q hvq | يَتَخَطَّفُ |
| Avkªq `vb Ki‡jb | ااواى |
| ‡Zvgiv wLqvbZ K‡ivbv, †Zvgiv wek¦vm f½ K‡ivbv | لَا تَخُوْنُوْا |
| **i“Kz- 4** |  |
| Zviv e›`x K‡i | يُثْبِتُوْا (ث ب ت) |
| el©Y Ki | أَمْطِرْ |
| ZË¡veavqKMY | (GKePb*.:* وَلِيٌّ) أَوْلِيَآء |
| wkm †`q | مُكَاءً |
| KiZvwj evRvq | تَصْدِيَة |
| c„\_K K‡ib | يَمِيْزَ |
| wZwb GKwÎZ Ki‡eb | يَرْكُمَ |
| **i“Kz- 5** |  |
| hw` Zviv weiZ nq | إِنْ يَّنْتَهُوْا |
| AZxZ n‡q‡Q | سَلَفَ |
| Zviv cybive„wË K‡i | يَعُوْدُوْا |
| weMZ n‡q‡Q | مَضَتْ |
| AwffveK, c„ô‡cvlK | مَوْلى |
| †R‡b ivL | إِعْلَمُوْا |
| ‡Zvgiv hy×jä abm¤ú` †c‡qQ | غَنِمْتُمْ |
| GK-cÂgvsk | خُمُسٌ |
| wbKUeZx© DcZ¨Kvi cÖv‡š— | عُدْوَةُ الدُّنْيَا |
| `~ieZx© DcZ¨Kvi cÖv‡š— | عُدْوَةُ الْقُصْواى |
| hvÎx`j, Dóª‡ivnx `j, Kv‡djv | الرَّكْبُ |
| wb‡P, wbæf~wg‡Z | أَسْفَلَ |
| ‡Zvgiv ci¯úi (hy×) wba©viY Ki‡Z, cÖwZÁve× n‡Z | تَوَاعَدْتُّمْ |
| ‡Zvgvi ¯^cœ | مَنَامِكَ |
| ‡Zvgiv Kvcyi“lZv †`Lv‡Z, †Zvgiv mvnm nviv‡Z | فَشِلْتُمْ (ف ش ل) |
| i¶v K‡iwQ‡jb | سَلَّمَ |
| Kg K‡i †`Lv‡jb | (قَلِيْلٌ n‡Z) يُقَلِّلُ |
| **i“Kz- 6** |  |
| wejyß n‡e, P‡j hv‡e | تَذْهَبَ |
| ‡Zvgv‡`i kw³, ‡Zvgv‡`i cÖfve | رِيْحُكُمْ |
| ¯^`‡c©, `¤¢f‡i | (fvewe‡kl¨*.:*  بَطْرٌ) بَطَرًا |
| cÖwZ‡ekx, c„ô‡cvlK | جَارٌ |
| ‡m m‡i coj | نَكَصَ |
| **i“Kz- 7** |  |
| cÖ¾¡wjZ AwMœ, `nb | حَرِيْقٌ |
| AZ¨vPvix, RyjygKvix | ظَلَّامٌ |
| AvPiY, wbqg | دَأْبٌ |
| wQ‡jb bv | لَمْ يَكُ |
| cwieZ©bKvix | مُغَيِّرًا |
| cÖ‡Z¨Kevi | كُلُّ مَرَّةٍ |
| ‡Zvgiv Avq‡Ë cvI | تَثْقَفَنَّ |
| hy× | حَرْبٌ |
| weaŸ¯— Ki, Zvwo‡q `vI, fq RvMvI | شَرِّدْ |
| fq Ki, AvksKv Ki | تَخَافَنَّ |
| wb‡¶c Ki | انْبِذْ |
| **i“Kz- 8** |  |
| †Nvovi (hy‡×i) mvR-miÄvg, evuav †Nvov | رِبَاطُ الْخَيْلِ |
| fq cÖ`k©b Ki, mš¿¯— Ki | تُرْهِبُوْنَ |
| Szu‡K c‡o, AvK…ó nq | جَنَحُوْا (ج ن ح) |
| fvjevmv ¯’vcb K‡i‡Qb | أَلَّفَ |
| **i“Kz- 9** |  |
| DÏxwcZ Ki, DØy× Ki | حَرِّضْ |
| wekRb | عِشْرُوْنَ |
| Zviv weRqx n‡e | يَغْلِبُوْا |
| `yBk (R‡bi Dci) | مِائَتَيْنِ |
| GKkRb | مِائَة |
| GK nvRvi (R‡bi Dci) | أَلْفًا |
| GLb | أَلْاانَ |
| nvjKv K‡i w`‡q‡Qb | خَفَّفَ |
| `ye©jZv | ضَعْفًا |
| `yB nvRvi(R‡bi Dci) | أَلْفَيْنِ |
| hy×e›`xiv | (GKePb*.:* أَسِيْرٌ) أَسْراى |
| kÎ“evwnbxi cÖPzi i³ cÖevwnZ K‡i, kÎ“evwnbxi cÖPzi  cÖvYnvwb NUvq | يُثْخِنَ |
| hw` bv nZ | لَوْ لَا |
| Av‡M †\_‡KB | سَبَقَ |
| **i“Kz- 10** |  |
| kw³kvjx K‡i w`‡q‡Qb, Avq‡Ë G‡b w`‡q‡Qb | أَمْكَنَ |
| Avkªq `vb K‡i‡Q | ااوَوْا |
| AwffweK‡Z¡i `vq-`vwqZ¡, m¤cK© | وَلَايَةٌ |
| Zviv mvnvh¨ Pvq | اِسْتَنْصَرُوْا |
| AvZ¥xq-¯^Rb | أُوْلُوْا الْأَرْحَامِ |
| ‡ekx AwaKvi cvevi †hvM¨, AwaK nK`vi | أَوْلى |

سُوْرَةُ التَّوْبَة

**m~iv ZvIevn**

**ZIev**

**m~iv 9**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| m¤úK© wQbœ Kivi †Nvlbv, gy³Zv †NvlYv Kiv | بَرَاءَةٌ |
| wePiY Ki , Pjv‡div Ki | (fvewe‡kl¨*.:* سِيَاحَةٌ) سِيْحُوْا |
| Pvi gvm | أَرْبَعَةَ أَشْهُرٍ |
| A¶g Ki‡Z cvi‡e bv, civf~Z Ki‡Z cvi‡e bv | غَيْرُ مُعْجِزِيْ |
| AegvbbvKvix | مُخْزِيْ |
| mvaviY ‡Nvlbv | أَذَانٌ |
| Î“wU K‡iwb (Pzw³ i¶vq) | لَمْ يَنْقُصُوْا (ن ق ص) |
| weMZ nq, AwZevwnZ nq | اِنْسَلَخَ |
| wbwl× gvm, cweÎ gvm¸‡jv, m¤§vwbZ gvm¸‡jv | الْاَشْهُرُ الْحُرُمٌ |
| Ae‡iva Ki, †NivI Ki | اُحْصُرُوْا |
| ‡Zvgiv em | اُقْعُدُوْا |
| NvuwU ¯’j | مَرْصَدْ |
| gy³ K‡i `vI, †Q‡o `vI | خَلُّوْا |
| ‡KE | أَحَدٌ |
| ‡Zvgvi Kv‡Q Avkªq cÖv\_©bv K‡i | اِسْتَجَارَكَ |
| Avkªq `vI | أَجِرْ |
| wbivc` ¯’vb | مَأْمَنَ |
| **i“Kz- 2** |  |
| civµvš— nq, weRqx nq | يَظْهَرُوْا |
| Zviv i¶v K‡i bv, Zviv m¤§vb K‡i bv | لَا يَرْقُبُوْا (ر ق ب) |
| AvZœxqZv | إِلاًّ |
| cÖwZkÖ“wZi `vwqZ¡ | ذِمَّةً |
| A¯^xKvi K‡i | تَأْبى |
| f½ K‡i | نَكَثُوْا (ن ك ث) |
| ‡bZ…e„‡›`i (wei“‡×) | (GKePb*.:* إِمَامٌ) أَئِمَّةً |
| msKí K‡iwQj | هَمُّوْا |
| AwaKZi †hvM¨ | أَحَقَّ |
| Av‡ivM¨ Ki‡eb,kvš — Ki‡eb | يّشْفِ |
| ‡¶vf, †µva | غَيْظٌ |
| ‡Zvgv‡`i †Q‡o †`qv n‡e | تُتْرَكُوْا |
| Aš—i½, eÜz wn‡m‡e | وَلِيْجَةٌ |
| **i“Kz- 3** |  |
| ‡hvM¨ bq, (Ggb n‡Z cv‡i bv) | مَا كَانَ |
| Zviv i¶Yv‡e¶Y K‡i | يَعْمُرُوْا (ع م ر) |
| nvR¡x‡`i cvwb mieivn Kiv | سِقَايَةَ الْحَاجِّ |
| i¶Yv‡e¶Y Kiv | عِمَارَةً |
| Zviv mgvb bq | لَا يَسْتَوُوْنَ |
| gnvb, A‡bK eo | أَعْظَمُ |
| mdjKvg | فَائِزُوْن |
| kvwš—, wbqvgZ | نَعِيْمٌ |
| ¯’vqx | مُّقِيْمٌ |
| Zviv †ekx fvjev‡m | اسْتَحَبُّوْا |
| ¯^Rb, †MvÎ | عَشِيْرَةٌ |
| ‡Zvgiv DcvR©b K‡iQ | اِقْتَرَفَ |
| evRvi g›`v nIqv, bó nIqv | كَسَادَ |
| evmM„n | (GKePb*.:* مَسْكَنٌ) مَسَاكِنَ |
| AwaK wcÖq, †ekx fvjevmvi nq | أَحَبَّ |
| A‡c¶v Ki | تَرَبَّصُوْا |
| **i“Kz- 4** |  |
| ¯’j, †¶‡Î, RvqMvq | مَوَاطِنَ |
| ûbvBb , ûbvBb hy× | حُنَيْن |
| msKxY© n‡qwQj | ضَاقَتْ |
| cÖk¯— wQj | رَحُبَتْ |
| c„ô cÖ`k©bKvix, cðv`Mvgx | مُدْبِرِيْنَ |
| cÖkvwš— | سَكِيْنَةٌ |
| ‡mbvevwnbx | جُنُوْدًا |
| AcweÎ, bvcvK | نَجَسٌ |
| eQi | عَامٌ |
| `vwi`ª¨ | عَيْلَةٌ |
| GK cÖKvi Ki | جِزْيَةٌ |
| ¯^n‡¯— | عَنْ يَدٍ |
| AaxbZv ¯^xKviKvix, †QvU (n‡q \_v‡K) | صَاغِرُوْنَ |
| **i“Kz- 5** |  |
| mvgvÄm¨ K‡i, Zviv †`Lv‡`wL e‡j | يُضَاهِئُوْنَ |
| cwÛZ, Avwjg | أَحْبَار |
| msmviZ¨vMx, ‰eivMx, ag©hvRK | رُهْبَان |
| wbwf‡q w`‡Z , Zviv wbwf‡q w`‡e | (fvewe‡kl¨*.:* اِطْفَاءٌ) يُطْفِئُوْا |
| cÖZ¨vL¨vb K‡ib | يَأْبى |
| weRqx Ki‡Z | يُظْهِرُ |
| Rgv K‡i iv‡L | يَكْنِزُوْنَ (ك ن ز) |
| ‡mvbv | ذَهَبٌ |
| i“cv | فِضَّةٌ |
| DËß Kiv n‡e | يُحْمى |
| `vM †`qv n‡e, `» Kiv n‡e | تُكْواى |
| Kcvj¸‡jv | (GKePb*.:* جَبْهَةٌ) جِبَاهُ |
| cvk¸‡jv | (GKePb*.:*جَنْبٌ ) جُنُوْبٌ |
| mÂq Kiv, Rgv Kiv | كَنْزٌ |
| msL¨v | عِدَّةٌ |
| Pvi (gvm ) | أَرْبَعَةٌ |
| nvivg,cweÎ (wRjK¡`&, wRjnv¾¡&, gynvi&ig I iRe nvivg gvm, nv‡¾¡i cÖwZ m¤§vb cÖ`k©‡bi Rb¨ G gvm¸‡jv‡Z hy× wbwl×) | حُرُمٌ |
| mg‡eZfv‡e | كَافَّةٌ |
| nvivg gv‡mi cwieZ©b, ‡Kvb gvm‡K h\_v ¯’vb n‡Z wcwQ‡q †`Iqv | النَّسِئُ |
| c~Y© Kivi Rb¨ | يُوَاطِئُوْا |
| **i“Kz- 6** |  |
| ‡ei nI | اِنْفِرُوْا |
| ‡Zvgiv ‡evSvq by‡q coQ, wejywÚZ n‡Z \_vK | اِثَّاقَلْتُمْ (ث ق ل) |
| (†m wQj) `yR‡bi wØZxq | ثَانِيَ اثْنَيْنِ |
| wbPz | سُفْلى |
| mgybœZ | عُلْيَا |
| nvjKv Ae¯’vq \_vK, ¯^í miÄv‡gi mv‡\_ \_vK | خِفَافًا |
| fvix Ae¯’vq \_vK, cÖPzi miÄv‡gi mv‡\_ \_vK | ثِقَالاً |
| jvf, m¤úwË, Awfhvb | عَرَضَ |
| myMg, ga¨g, mnR | قَاصِدًا |
| `xN©Zi Abyf~Z nj | بَعُدَتْ |
| KóKi hvÎvc\_, `~i `~ivš— mdi | شُقَّةٌ |
| **i“Kz- 7** |  |
| AbygwZ w`j, Ae¨vnwZ w`j | أَذِنْتَ |
| AbygwZ Pvq, Ae¨vnwZ Pvq | يَسْتَأْذِنُ |
| m‡›`nMÖ¯— n‡q c‡o‡Q | اِرْتَابَتْ |
| Zviv wØavMÖ¯— n‡”Q, ‡`v`yj¨gvb i‡q‡Q | يَتَرَدَّدُوْنَ |
| †ei nq | خُرُوْجٌ |
| cÖ¯—ywZ wbZ, miÄvg cÖ¯ZzZ KiZ | أَعَدُّوْا |
| cÖ¯—ywZ | عُدَّةً |
| ewnM©gb, AwfhvÎv | اِنْبِعَاثٌ |
| Awbó, wek„sLjv, weåvwš— | خَبَالاً |
| Zviv †Nvov †`ŠovZ, Gw`K Iw`K †QvUvQywU KiZ | لَأَوْضَعُوْا |
| ‡Zvgv‡`i g‡a¨ | خِلَالَكُمْ |
| KY©cvZKvix, ¸ßPi | سَمَّاعُوْنَ |
| D‡ëvcvëv K‡i‡Q | قَلَّبُوْا |
| Ae¨nwZ `vI | اِئْذَنْ |
| Zviv c‡o‡Q | سَقَطُوْا |
| Lvivc jv‡M, AmšZzó nq | تَسُؤْ |
| Lykx nq | فَرِحَ |
| GKwU, †Kvb GKwU | إِحْداى |
| `ywU Kj¨vY (kvnv`vZ ev weRq) | حُسْنَيَيْنِ |
| B”Qvq, mšyw—ó‡Z, †¯^”Qvq | طَوْعًا |
| Awb”Qvq, Amšyw—ó | كَرْهًا |
| e¨q, LiP, A\_© mvnvh¨ | نَفَقَات |
| AjmZv | كُسَالى |
| wb®Œvš — nq, †kl n‡q hvq | تَزْهَقَ |
| fq K‡i | يَفْرَقُوْنَ |
| Avkªq ¯’j | مَلْجَأً |
| ¸nv | مَغَارَاتٍ |
| Xy‡K emvi RvqMv | مُدَّخَلاً |
| jvMvg †Qov mš¿¯— ‡Nvovi gZ †`Šwo‡q hvq | يَجْمَحُوْنَ |
| ‡`vlv‡ivc K‡i | يَلْمِزُ |
| cÖ`vb Kiv nq | أُعْطُوْا |
| Amš‘ó n‡q hvq,we¶z× nq | يَسْخَطُوْنَ |
| Avgv‡`i Rb¨ h‡\_ó n‡e | حَسْبُنَا |
| AvK…ó, Avkvwš^Z, `„wó wbe× KiwQ | رَاغِبُوْنَ |
| **i“Kz- 8** |  |
| hvKvZ Av`vqKvix Kg©PvixMY | عَامِلِيْنَ |
| AvK…ó Ki‡Z (Øx‡bi cÖwZ) | مُؤَلَّفَة |
| `vm-gyw³ | رِقَاب |
| FYMÖ¯’MY | غَارِمِيْنَ |
| cw\_K (c‡\_ wec`MÖ¯’ n‡j) | اِبْنُ السَّبِيْلِ |
| Kó †`q | يُؤْذُوْنَ |
| Kvb (K\_v ï‡b), KY©cvZKvix | أُذُنٌ |
| we‡ivwaZv K‡i, †gvKv‡ejv K‡i | يُحَادِدْ |
| weZK© KiwQjvg | خَوْضٌ |
| µxov-‡KŠZzK | لَعِبٌ |
| ‡Zvgiv ARynvZ †`wLI bv | لَا تَعْتَذِرُوْا |
| **i“Kz- 9** |  |
| fvM, Ask | خَلَاقٌ |
| ‡Zvgiv weZK© K‡iQ | خُضْتُمْ |
| Dwë‡q †`qv Rbc`mg~n | مُؤْتَفِكَات |
| G‡mwQj | أَتَتْ |
| wPi¯’vqx †e‡nkZ | جَنَّاتِ عَدْنٍ |
| **i“Kz- 10** |  |
| K‡Vvi nI | اُغْلُظْ |
| Î“wU j¶¨ Kij, wei“×PviY Kij I weiƒc mgv‡jvPbv Kij, Zviv e`jv wbj | نَقَمَ |
| n‡e | يَكُ |
| wZwb kvw¯— w`‡jb | أَعْقَبَ |
| jsNb Kij, f½ Kij | أَخْلَفُوْا |
| AZ¨vbyivMxMY, hviv ¯^Ztù~Z©fv‡e `vb K‡i | مُطَّوِّعِيْنَ |
| cwikªg, cÖ‡Póv | جُهْدٌ |
| mËi | سَبْعِيْنَ |
| **i“Kz- 11** |  |
| wcQ‡b ‡\_‡K hvIqv †jv‡Kiv | مُخَلَّفُوْنَ |
| wei“×vPiY Kiv, wcQ‡b | خِلَافَ |
| emvi RvqMv, e‡m \_vKv | مَقْعَدْ |
| Mig, DËvc | حَرٌّ |
| Zviv nvmyK, Zv‡`i nvmv DwPZ | لِيَضْحَكُوْا |
| Zv‡`i Kvu`v DwPZ | لِيَبْكُوْا |
| wc‡Qb c‡o \_vKv †jv‡Kiv | خَالِفِيْنَ |
| kw³-mvg\_©evb †jv‡Kiv | أُولُو الطَّوْلِ |
| hviv (bvixiv)wcQ‡b c‡o \_v‡K hLb Zv‡`i ¯^vgxiv P‡j hvq (hy‡×) | خَوَالِف |
| **i“Kz- 12** |  |
| ARynvZ †ckKvixiv, QjbvKvixiv | مُعَذِّرُوْنَ |
| †e`yCb †jv‡Kiv | أَعْرَاب |
| Avš—wiKZv †cvlb K‡i,Zviv Kj¨vY Kvgbv K‡i | نَصَحُوْا |
| Avwg Av‡ivnb KivB | أَحْمِلُ |
| AkÖ“ | دَمْعٌ |
| c\_ | سَبِيْلٌ |
| m¤ú`kvjxiv | أَغْنِيَاء |
| ARynvZ †ck Ki‡Z \_vK‡e | يَعْتَذِرُوْنَ |
| IRi AvcwË †ck Kiv | اِعْتِذَار |
| Leimg~n, msev`mg~n | أَخْبَار |
| AwaK †hvM¨ | أَجْدَرُ |
| Rwigvbv ¯^i“c | مَغْرَمًا |
| Kv‡ji AveZ©b (A\_v©r Ag½j) | دَوَائِرُ |
| `yw`©b, Kv‡ji AveZ©b (A\_v©r Ag½j) | دَائِرَةٌ |
| ‰bK‡U¨i gva¨g ¯^i“c | قُرُبَات |
| ‡`vqvi (gva¨g wn‡m‡e) | صَلَوَات |
| ‰bK‡U¨i gva¨g | قُرْبَةٌ |
| **i“Kz- 13** |  |
| AMÖMvgxMY, c~e©eZx©MY | سَابِقُوْنَ |
| ‡Zvgv‡`i Pvicv‡k | حَوْلَكُمْ |
| mxgv AwZµg Kij, K‡VviZv Aej¤^b Kij | مَرَدُوْا |
| Zviv ¯^xKvi K‡i‡Q | اِعْتَرَفُوْا |
| Zviv mswgwkªZ K‡i‡Q | خَلَطُوْا |
| ‡`vqv Ki | صَلِّ |
| cÖkvwš— | سَكَنٌ |
| AeKvk cÖ`Ë ‡jv‡Kiv, ¯’wMZ (hv‡`i e¨vcvi) | مُرْجَوْنَ |
| AeKvk cÖ`vb Kiv (wKQy¶‡Yi Rb¨) | إِرْجَاءٌ |
| NuvwU wn‡m‡e | إِرْصَادٌ |
| hy× Kij | حَارَبَ |
| `vuov‡e bv, A\_©vr mjvZ Av`vq Ki‡e bv | لَا تَقُمْ |
| wfwË ivLj | أَسَّسَ |
| BgviZ, M„n | بُنْيَانٌ |
| Zxi, wKbviv | شَفَا |
| ¸nv, Mnei, Aš—tmvik~b¨ Zxi | جُرُفٍ |
| aŸs‡mvb¥yL | هَارٍ |
| Zv‡K mn wb‡q coj | اِنْهَارَ بِها |
| we`~wiZ n‡e bv, wPi¯’vqx n‡q \_vK‡e | لَا يَزَالُ |
| wbgv©Y K‡i‡Q | بَنَوْا |
| m‡›`n | رِيْبَةٌ |
| **i“Kz- 14** |  |
| (Avj­vni) cÖksmvKvix | حَامِدُوْنَ |
| (Avj­vni iv¯—vq) cwiågYKvix | سَائِحُوْنَ |
| wb‡laKvix | نَاهُوْنَ |
| ‡Kvgj ü`q | أَوَّاهٌ |
| mnbkxj | حَلِيْمٌ |
| msKUKvj, KwVb gyn~Z© | سَاعَةِ الْعُسْرَةِ |
| wZb | ثَلَاثَة |
| wcQ‡b †\_‡K wM‡qwQj | خُلِّفُوْا |
| msKzwPZ n‡q †Mj | ضَاقَتْ |
| we¯Z„Z n‡q †Mj | رَحُبَتْ |
| **i“Kz- 15** |  |
| Z…òv | ظَمَأٌ |
| K¬vwš— | نَصَبٌ |
| ¶zav | مَخْمَصَةٌ |
| c`‡¶c †bq | يَطَئُوْنَ |
| c`‡¶c | مَوْطِئًا |
| ‡gvKv‡ejv | نَيْلاً |
| cÖvš—i, DcZ¨Kv | وَادِيًا |
| **i“Kz- 16** |  |
| ‡Zvgv‡`i wbK‡U Av‡Q | يَلُوْنَكُمْ |
| K‡VviZv | غِلْظَةٌ |
| wech©¯— nq, cix¶vq wbw¶ß nq | يُفْتَنُوْن |
| cÖwZ eQi | كُلَّ عَامٍ |
| wdwi‡q w`‡q‡Qb | صَرَفَ |
| Kó`vqK, `ytmn | عَزِيْزٌ |
| ‡Zvgiv wec`vcbœ nI | عَنِتُّمْ |
| ‡ønkxj, mnvbyf~wZkxj | رَءُوْفٌ |
| Avgvi Rb¨ h‡\_ó | حَسْبِيْ |
| gnvb Avik | الْعَرْشِ الْعَظِيْم |

سُوْرَةُ يُوْنُس

**m~iv BDb~m**

**BDb~m (Avt)**

**m~iv 10**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| mZ¨ Ges mwVK c`‡¶c, mwZ¨Kvi c` (gh©v`v) | قَدَمَ صِدْقٍ |
| cÖ\_gevi m„wó K‡ib, cÖ\_g Aw¯—‡Z¡ Av‡bb, m~PbvKvix | يَبْدَؤُ |
| m„óRxe,m„wó | خَلْقٌ |
| wØZxqevi m„wó K‡ib ev Ki‡eb | يُعِيْدُ |
| Av‡jvKwewkó, D¾¡j | ضِيَاءً |
| wbw`©ó K‡i w`‡q‡Qb, w¯’i K‡i‡Qb | قَدَّرَ |
| Ae¯’vb¸‡jv, gwÄj¸‡jv | (GKePb*.:* مَنْزِلٌ) مَنَازِل |
| MYbv , msL¨v | عَدَدٌ |
| eQi¸‡jv | (GKePb*.:* سَنَةٌ) سِنِيْنَ |
| Avkv iv‡L bv | لَا يَرْجُوْنَ |
| ‡`vqv, cÖv\_©bv, aŸwb | دَعْواى |
| Awfev`b, mvjvg | تَحِيَّةٌ |
| **i“Kz- 2** |  |
| ZvovZvwo Ki‡Zb, Z¡wiZ Ki‡Zb | يُعَجِّلُ |
| kxNª Kvgbv Kiv, Z¡wiZ Pvq | اِسْتِعْجَال |
| Zvi cvk¦© | جَنْبِهِ |
| mxgvjsNbKvixiv | مُسْرِفِيْنَ |
| wb‡q Avm | اِئْتِ |
| GUv Qvov (Ab¨wKQ~) | غَيْرِ هَذَا |
| cwieZ©b Ki | بَدِّل |
| wZwb †Zvgv‡`i AewnZ Ki‡Zb | أَدْراكُمْ |
| Avwg wQjvg, AwZevwnZ K‡iwQ | لَبِثْتُ |
| eq‡mi GK Ask, `xN© mgq | عُمُرًا |
| **i“Kz- 3** |  |
| ‡m¸‡jv P‡j | جَرَيْنَ |
| S‡ov evZvm | عَاصِفٌ |
| wei“×vPiY K‡i | يَبْغُوْنَ |
| Dw™¢`, D`MZ nIqv | نَبَاتٌ |
| myeY©iƒc, f~lY, PvK-wPK¨ | زُخْرُف |
| KwZ©Z dmj, dmj KvUvi ci †¶‡Zi iƒc | حَصِيْدًا |
| Av”Qbœ Ki‡e bv | لَا يَرْهَقُ (ر ه ق) |
| Av”Qbœ nIqv ev Kiv | رَهَقَ |
| Kvwjgv, gwjbZv | قَتَرٌ |
| i¶vKvix | عَاصِمٌ |
| ‡X‡K †`qv n‡q‡Q, Ave„Z Kiv n‡q‡Q | أُغْشِيَتْ |
| UzKiv, Ask | (GKePb*.:* قِطْعَةٌ) قِطَعًا |
| AÜKvi | مُظْلِمًا |
| ‡Zvgv‡`i RvqMvq Ae¯’vb Ki | مَكَانَكُمْ |
| wew”Qbœ Kij, mwi‡q w`j | زََّيلَ |
| Avgv‡`i‡K | إِيَّانَا |
| ‡mLv‡b | هُنَالِكَ |
| hvPvB K‡i wb‡Z cvi‡e | تَبْلُوْا |
| AZx‡Z K‡i‡Q | أَسْلَفَتْ |
| **i“Kz- 4** |  |
| A\_ev ‡K? | أَمَّنْ |
| mZ¨ cÖgvwbZ n‡q‡Q , mZ¨vwqZ n‡q‡Q | حَقَّتْ |
| mwVK c\_ cÖvß nq bv | لَا يَهِدِّيْ |
| **i“Kz- 5** |  |
| Zviv Ae¯’vb K‡iwb | لَمْ يَلْبَثُوْا |
| w`‡bi GK g~ûZ©, w`‡bi GK `Û (gvÎ) | سَاعَةً مِّنَ النَّهَارِ |
| Zviv ci¯úi wPb‡Z cvi‡e | يَتَعَارَفُوْنَ |
| KLb(ev¯—evwqZ n‡e) | مَتى |
| ivZvivwZ, iv‡Z | بَيَاتًا |
| wK (KviY Av‡Q), ‡KvbwU | مَاذَا |
| Zviv Rvb‡Z Pvq, Zviv msev` wRÁvmv K‡i | يَسْتَنْبِئُوْنَ |
| nu¨v | إِي |
| Avgvi i‡ei kc\_ | وَرَبِّي |
| **i“Kz- 6** |  |
| AbyZvc | نَدَامَةٌ |
| mZK© nI, mveavb (ï‡b ivL) | أَلَا |
| Avj­vn AbygwZ w`‡q‡Qb wK? | االلهُ أَذِنَ |
| **i“Kz- 7** |  |
| Zzwg †hfv‡e \_vK | مَاتَكُوْنُ |
| (†h †Kvb) Ae¯’v | شَأْن |
| ‡Zvgiv AvZ¥wb‡qvM Ki | تُفِيْضُوْنَ |
| ‡Mvcb \_v‡K bv | مَايَعْزُبُ |
| ‡QvU, ¶z`ªZi | أَصْغَرَ |
| wg\_¨v Abygvb K‡i | يَخْرُصُوْن |
| **i“Kz- 8** |  |
| Avgvi Ae¯’vb | مَقَامِي |
| Avgvi Dc‡`k `vb | تَذْكِيْرٌ |
| `ytL-Kó, m‡›`n-mskqc~Y© | غُمَّةٌ |
| hviv mZK© K‡i | مُنْذِرِيْنَ |
| hv‡`i mZK© Kiv nq | مُنْذَرِيْنَ |
| wePz¨Z Kiv | تَلْفِتَ (ل ف ت) |
| cÖvavb¨ I KZ…©Z¡ | كِبْرِيَآءُ |
| **i“Kz- 9** |  |
| †¯^”QvPvix, AwZ D×Z | عَالٍ |
| ‡Zvgiv `yRb wbav©iY Ki, ‡Zvgiv `yRb ¯’vcb Ki | تَبَوَّاا |
| wejxb Ki | اِطْمِسْ (ط م س) |
| KwVb Ki, K‡Vvi Ki, †gvni K‡i `vI | اُشْدُدْ |
| M„nxZ nj | أُجِيْبَتْ |
| KLbI AbymiY Ki bv | لَا تَتَّبِعَآنِّ |
| ‡c‡q †Mj, Dcµg nj | أَدْرَكَ |
| kixi, †`n (jvk) | بَدَن |
| **i“Kz- 10** |  |
| evm¯’vb, Avevmf~wg | مُبَوَّأَ |
| Zviv cvV K‡i | يَقْرَءُوْنَ |
| DcKv‡i Av‡mwb | مَاتُغْنِي |
| mZK©xKiY, fxwZ cÖ`k©b | (GKePb*.:* نَذِيْرٌ) نُذُرْ |
| **i“Kz- 11** |  |
| cÖwZ‡ivaKvix, iwnZKvix | رَآدَّ |

سُوْرَةُ هُوْد

**m~iv** **û`**

**û` (Avt)**

**m~iv 11**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| my`„p I mycÖwZwôZ Kiv n‡q‡Q | أُحْكِمَتْ |
| we¯—vwiZfv‡e ewY©Z n‡q‡Q | فُصِّلَتْ |
| c¶ n‡Z | مِنْ لَّدُنْ |
| `vb Ki‡eb | يُؤْتِ |
| `yB fvuR K‡i, msKzwPZ K‡i, Nywi‡q †`q | يَثْنُوْنَ |
| Zviv Ave„Z K‡i (wb‡R‡`i‡K) | يَسْتَغْشُوْنَ |
| Kvco | (GKePb*.:* ثَوْبٌ) ثِيَاب |
| Avwg wejw¤^Z Kwi | أَخَّرْنَا |
| GKwU wbw`©ó mgq | أُمَّةٍ مَّعْدُوْدَةٍ |
| wK‡m AvU‡K †i‡L‡Q | مَايَحْبِسُ |
| (Zv‡`i n‡Z)†div‡bv hv‡e bv | لَيْسَ مَصْرُوْفًا |
| **i“Kz- 2** |  |
| wbivk | يَئُوْسٌ |
| AK…ZÁ | كَفُوْرٌ |
| AbyMÖn¸‡jv, m¤ú`, Avivg, wbqvgZ | نَعْمَاءَ |
| Drdzj­ | فَرِحٌ |
| AnsKvix | فَخُوْرٌ |
| cwiZ¨vMKvix | تَارِكٌ |
| msKzwPZ Kvix | ضَائِقٌ |
| ¯^iwPZ, gb Mov | مُفْتَرَيَاتٍ |
| Avgiv c~Y© dj cÖ`vb Kie | نُوَفِّ |
| Kg †`qv n‡e bv | لَا يُبْخَسُوْنَ (ب خ س) |
| Zviv msMwVZ K‡i‡Q, Zviv evwb‡q‡Q | صَنَعُوْا (ص ن ع) |
| `j, RvgvqvZ | (GKePb*.:* حِزْبٌ) أَحْزَابْ |
| Zzwg n‡qv bv | لَا تَكُ |
| m‡›`n | مِرْيَة |
| nvwRi Kiv n‡e, m¤§yLxb Kiv n‡e | يُعْرَضُوْنَ (ع رض) |
| mv¶xiv | (GKePb*.:* شَهِيْدٌ) أَشْهَاد |
| ‡Kvb m‡›`n †bB | لَا جَرَمَ |
| me©vwaK ¶wZMÖ¯’ | الْأَخْسَرُوْنَ |
| Zviv webqx n‡q‡Q | أَخْبَتُوْا |
| mgvb nq, Df‡q mgvb | يَسْتَوِيَانِ |
| **i“Kz- 3** |  |
| nxb, bxP (†jvK) | أَرَاذِلُ |
| g‡Zi Acwic°, Acwic° gZ †cvlYKvix | بَادِيَ الرَّأْيِ |
| AcÖKvwkZ ivLv nj, AÜZ¡ †Q‡q †Mj, AÜ Kiv nj | عُمِّيَتْ |
| eva¨ Ki‡Z cvwi | نُلْزِمُ |
| weZvobKvix | طَارِدٌ |
| weZvwoZ Kiv, Zvwo‡q †`qv | طَرْدٌ |
| bxPz g‡b K‡i | تَزْدَرِيْ |
| Aciva | إِجْرَام |
| Avgvi Aciva | إِجْرَامِي |
| **i“Kz- 4** |  |
| Zzwg wegl© n‡qv bv | لَا تَبْتَئِسْ |
| wbg©vY Ki | (wbg©vY Kiv: صَنْعَةٌ) اِصْنَعْ |
| Avgv‡`i ch©‡e¶‡Y | أَعْيُنِنَا |
| wKQy ej bv | لَا تُخَاطِبْ |
| AvcwZZ n‡e | يَحِلُّ |
| D”QwmZ n‡q DVj, D\_wj‡q DVj | فَارَ |
| Pzjv, f~wgi Dcwi fvM | تَنُّوْر |
| Av‡ivnY Ki | اِرْكَبُوْا **(ر ك ب)** |
| Gi Pjv, Gi MwZ | مَجْراهَا |
| Gi w¯’wZ | مُرْسَاهَا |
| `~ieZ©x ¯’vb | مَعْزِلٍ |
| Avkªq wbe | ااوِيْ |
| Aš—ivq nj, Avovj Kij | حَالَ |
| wM‡j †dj | اِبْلَعِيْ |
| ¶vš— nI | أَقْلِعِيْ |
| ï‡l †bqv nj, ïwK‡q †Mj | غِيْضَ |
| w¯’i nj, G‡m wfoj (†bŠhvb) | اِسْتَوَتْ |
| ÔRy`xÕ GKwU cvnv‡oi bvg | جُوْدِيِّ |
| aŸsm †nvK, wbcvZ hvK, `~i †nvK | بُعْدًا |
| Dc‡`k w`w”Q | أَعِظُ (و ع ظ) |
| AeZiY Ki | اِهْبِطْ |
| **i“Kz- 5** |  |
| ÔAv`Õ RvwZ, û` (Avt) Gi RvwZ | عَاد |
| cwiZ¨vMKvix | تَارِكِيْ |
| Avweó K‡i‡Q, AvNvZ K‡i‡Q | اِعْتَرَا |
| Kcvj, mvg‡bi Pz‡ji †MvQv | نَاصِيَةٌ |
| A¯^xKvi Kij | جَحَدَ |
| ‰¯^ivPvix | عَنِيْد |
| Zviv AbymiY K‡iwQj | اُتْبِعُوْا |
| **i“Kz- 6** |  |
| emevm Kwi‡q‡Qb | اِسْتَعْمَرَ |
| whwb cÖv\_©bvi Reve †`b, ‡`vqv KeyjKvix | مُجِيْبٌ |
| Avkv¯’j | مَرْجُوًّا |
| AwaK ¶wZ, Awbó | تَخْسِيْر |
| Zvi cv †K‡U w`j, nZ¨v Kij | عَقَرُوْا |
| wg\_¨v nevi bq | غَيْرُ مَكْذُوْبٍ |
| cÖPÛ kã, fqsKi MR©b | صَيْحَةٌ |
| Dcyo n‡q cov, A‡avgy‡L wbcwZZ, (wb¯ú›`, wbR©xe) | جَاثِمِيْنَ |
| emevm K‡iwb, KL‡bv wQj bv | لَمْ يَغْنَوْا |
| **i“Kz- 7** |  |
| AbwZwej‡¤^, Aí¶‡Yi g‡a¨, †`wi nj bv | مَا لَبِثَ |
| ‡Z‡j fvRv, Klv‡bv | حَنِيْذٍ |
| mshy³ n‡”Q bv, cÖmvwiZ n‡”Q bv, †cŠu‡Q bv | لَا تَصِلُ |
| AcwiwPZ g‡b Kij, mwÜ» nj | نَكِرَ |
| g‡b g‡b, g‡b mÂvi nj | أَوْجَسَ |
| fq | خِيْفَةٌ |
| ‡m nvmj | ضَحِكَتْ |
| c‡i | وَرَآءَ |
| nvq Avd‡mvm | يَاوَيْلَتى |
| Avwg wK mš—vb cÖme Kie? | ءَ أَلِدُ |
| e„×v | عَجُوْزُ |
| Avgvi ¯^vgx | بَعْلِي |
| e„× | شَيْخًا |
| (†n Beivnx‡gi) cwievi, M„nevmx | أَهْلَ الْبَيْتِ |
| ‡Mj, `~i nj | ذَهَبَ |
| AvZsK, fq | الرَّوْعُ |
| (Avj­vn ) AwfgyLx, cÖZ¨veZ©bKvix | مُنِيْبٌ |
| Awbevh©, cÖwZnZ nevi bq | غَيْرُ مَرْدُوْدٍ |
| ‡m `ywðš—vMÖ¯’ nj, `ytwLZ nj | سِيْئَ |
| msKzwPZ nj | ضَاقَ |
| Aš—i, evû | ذَرْعًا |
| KwVb, fqvbK | عَصِيْبٌ |
| `ª“Z ‡`Šwo‡q Avmj | يُهْرَعُوْنَ |
| Avgvi †gngvb | ضَيْفِي |
| mwVK (wPš—v avivi) †Kvb gvbyl, mf¨ †jvK | رَجُلٌ رَّشِيْدٌ |
| Avgiv PvB | نُرِيْدُ |
| my`„p, ¯—¤¢,†Kvb kw³kvjx Avkªq, my`„p Avkªq | رُكْنٍ شَدِيْدٍ |
| KLbI †cŠuQ‡Z cvi‡e bv | لَنْ يَّصِلُوْا |
| iv‡Zi GK Ask | قِطْعٍ مِّنَ الَّيْلِ |
| wcQ‡b ZvKv‡e bv , wd‡i ZvKv‡e bv | لَا يَلْتَفِتْ |
| Zvi D×v©sk | عَالِيَهَا |
| Zvi wbævsk | سَافِلَهَا |
| KsKi | سِجِّيْلٍ |
| ¯—‡i ¯—‡i, µgvMZ | مَنْضُوْد |
| (cÖ‡Z¨‡Ki Rb¨) wPwýZ | مُسَوَّمَةٌ |
| eû`~‡i | بَعِيْد |
| **i“Kz- 8** |  |
| whwb Lye fvjev‡mb, ‡cÖggq | (fvewe‡kl¨*.:*  وَدٌّ) وَدُوْدٌ |
| Avgiv eywS bv | مَانَفْقَهُ |
| ‡Zvgiv ¯^RbeM©, †Zvgvi `j | رَهْطُكَ |
| cÖ¯—ivNv‡Z nZ¨v KiZvg | رَجَمْنَا |
| ¯^RbeM©, `j, RvgvZ | رَهْطٌ |
| AwaK cÖfvekvjx | أَعَزُّ |
| Zvw”Qj­¨ K‡i | ظِهْرِيًّا |
| cÖZx¶v Ki | اِرْتَقِبُوْا |
| cÖZx¶vKvix | رَقِيْبٌ |
| **i“Kz- 9** |  |
| ‡cŠuwQ‡q w`‡e, Dcw¯’Z Ki‡e | أَوْرَدَ |
| Dcw¯’Z ¯’vb | وِرْدٌ |
| †hLv‡b Zviv Dcw¯’Z n‡e | مَوْرُوْدٌ |
| cyi®‹vi, `vb, eLwkk | رِفْدٌ |
| (hv Zv‡`i) cyi®‹vi †`qv n‡e | مَرْفُوْدٌ |
| wkKo †K‡U †`qv n‡q‡Q | حَصِيْدٌ |
| aŸsm, wech©q | تَتْبِيْبٌ |
| nvwR‡ii w`b | يَوْمٌ مَشْهُوْدٌ |
| nZfvM¨ | (eûePb*.:* أَشْقِيَآء) شَقِيٌّ |
| ‡mŠfvM¨evb | (eûePb*.:* سُعَدَآء) سَعِيْدٌ |
| AvZ©bv` | زَفِيْرٌ |
| wPrKvi | شَهِيْقٌ |
| hZ¶Y we`¨gvb \_vK‡e, hZ w`b \_v‡K | مَا دَامَتْ |
| Lye m¤úv`bKvix, Ki‡Z cv‡ib | فَعَّالٌ |
| cyi®‹vi, `vb, eLwkk | عَطَاءً |
| AevwiZ, wbiwew”Qbœ | غَيْرَ مَجْذُوْذٍ |
| Zzwg n‡qv bv | لَا تَكُ |
| m‡›`n | مِرْيَةٍ |
| Kg n‡e bv, Kg Kiv e¨ZxZ | غَيْرَ مَنْقُوْصٍ |
| **i“Kz- 10** |  |
| ‡Zvgiv mxgvjsNb Ki bv | لَا تَطْغَوْا |
| †Zvgiv SzuK‡e bv, Abyi³ n‡e bv | لَا تَرْكَنُوْا |
| `yB cÖvš— | طَرَفَيْ |
| iv‡Zi cÖvš—fvM, iv‡Zi (wbKU) Ask | زُلَفًا مِّنَ اللَّيْلِ |
| mrKvR | حَسَنَات |
| g›`KvR | سَيِّئَات |
| mrKg©kxj e¨w³iv, Ávbevb †jv‡Kiv | أُولُوْا بَقِيَّةٍ |
| m¤ú` cÖ`Ë n‡qwQj, mv”Q›`¨ †`qv n‡qwQj | أُتْرِفُوْا |
| Avgiv my`„p KiwQ | نُثَبِّتُ |
| ‡Zvgvi Aš—i | فُؤَادَكَ |

سُوْرَةُ يُوْسُف

**m~iv BEmyd**

**BEmyd (Avt)**

**m~iv 12**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| GMv‡ivwU | أَحَدَ عَشَرَ |
| ¯^cœ | رُءْ يَا |
| evYxmg~‡ni ¸p ZË¡, K\_v I e„Ëv‡š—i ZË¡ I e¨vL¨v, me e¨vcvi Abyaveb Kivi wk¶v, ¯^‡cœi e¨vL¨vi Ávb | تَأْوِيْلِ الْأَحَادِيْثِ |
| **i“Kz- 2** |  |
| GK gReyZ `j, GK`j fy³, GKwU cy‡iv `j | عُصْبَةٌ |
| ‡d‡j Avm | اِطْرَحُوْ |
| wbweó n‡e, cÖhy³ n‡e | يَخْلُ |
| (AÜKvi) Zj‡`‡k, Mfxi | غَيَابَتِ |
| K~c | جُبّ |
| Zz‡j †b‡e | يَلْتَقِطْ |
| †Kvb Kv‡djv, ‡Kvb cw\_K | بَعْضُ السَّيَّارةِ |
| AvMvgx Kvj | غَدًا |
| Z„wßmn Lv‡e, †m dj Lv‡e | يَرْتَعْ |
| ‡bK‡o evN | ذِئْبٌ |
| mÜ¨vKv‡j, iv‡Zi †ejv | عِشَاءً |
| Kvu`‡Z Kvu`‡Z | يَبْكُوْنَ |
| ‡`Šo cÖwZ‡hvwMZv KiwQjvg | نَسْتَبِقُ |
| mvwR‡q w`‡q‡Q, K\_v evwb‡q‡Q | سَوَّلَتْ |
| DËg | جَمِيْلٌ |
| mvnvh¨Kvix, hvi Kv‡Q mvnvh¨ Kvgbv Kiv nq | مُسْتَعَانٌ |
| ‡Zvgiv eY©bv KiQ | تَصِفُوْنَ |
| cvwb msMÖnKvix, AMªMvgx `j | وَارِدَ |
| ‡djj, Szjvj, wb‡¶c Kij | أَدْلى |
| evjwZ | دَلْوٌ |
| evt, wK Avb›`!, wK Lykxi e¨vcvi | يَابُشْراى |
| ‡Q‡j, wK‡kvi | (‡Q‡jiv : غِلْمَانٌ) غُلَامٌ |
| cY¨`ªe¨ wn‡m‡e, g~jab | بِضَاعَةٌ |
| mvgvb¨, wbK„ó g~j¨, Kg g~‡j¨ | بَخْسٍ |
| w`invg | دَرَاهِم |
| wbivm³MY | زَاهِدِيْنَ |
| **i“Kz- 3** |  |
| m¤§vbRbK e¨e¯’v Ki, mm¤§v‡b ivL | أَكْرِمِيْ |
| AvK…ó Ki‡Z †Póv Kij, dzmjv‡Z jvMj | رَاوَدَتْ |
| eÜ K‡i w`j | غَلَّقَتْ |
| `iRv¸‡jv | أَبْوَاب |
| P‡j Avm (Avwg)†Zvgvi Rb¨, ‡Zvgv‡K ejwQ | هَيْتَ لَكَ |
| Avj­vni Avkªq PvB, Avj­vn i¶v Ki“b | مَعَاذَاللهِ |
| (†U‡b)wQu‡o †djj | قَدَّتْ |
| Zvi Rvgv | قَمِيْصَه، |
| Dfq †cj | أَلْفَيَا |
| H gwnjvi ¯^vgx‡K | سَيِّدَهَا |
| Kv‡Q | لَدَا |
| wK kvw¯— (n‡Z cv‡i) | مَاجَزَاءُ |
| e›`x Kiv n‡e, KvivMv‡i cvVvb n‡e | يُسْجَنَ (س ج ن) |
| †Qov n‡q‡Q | قُدَّ |
| mvg‡bi w`K | قُبُل |
| wcQ‡bi w`K | دُبُر |
| **i“Kz- 4** |  |
| bvixMY | نِسْوَةٌ |
| dzmjv‡Z †P‡qwQj, AvK…ó Ki‡Z †Póv K‡iwQj | تُرَاوِدُ |
| hyeK (µxZ`vm) | فَتى |
| Db¥v` K‡i w`‡q‡Q, Db¥Ë n‡q‡Q | شَغَفَ |
| (†njvb w`‡q)emvi Avmb,‡h gvnwd‡j evwjk †`qv \_v‡K, †njvb †`qvi e¯‘, †mvdv | مُتَّكَأً |
| GKwU K‡i Qywi (dj †K‡U †L‡Z) | سِكِّيْنًا |
| Awff~Z nj, g‡b Kij | أَكْبَرْنَ |
| Avj­vni wK gnË¡, myenvbvj­­vn | حَاشَ ِ للهِ |
| ‡Zvgiv Avgv‡K wZi¯‹vi K‡iQ | لُمْتُنَّنِيْ |
| wb‡R‡K mshZ ‡i‡L‡Q, wb‡R‡K wb®úvc ‡i‡L‡Q | اِسْتَعْصَمَ (ع ص م) |
| **i“Kz- 5** |  |
| KvivMvi | سِجْنٌ |
| `yRb hyeK | فَتَيَانِ |
| Avwg wbs‡o †ei KiwQ | أَعْصِرُ (ع ص ر) |
| i“wU | خُبْزًا |
| wewfbœ, c„\_K c„\_K (ie) | مُتَفَرِّقُوْنَ |
| k~wjwe× n‡e | (k~j: صَلِيْبٌ) يُصْلَبُ |
| gyw³ cv‡e, Qvov cv‡e | نَاجٍ |
| K‡qK eQi (ch©š—) | بِضْعَ سِنِيْنَ |
| **i“Kz- 6** |  |
| Mvfx mg~n | (GKePb*.:*  بَقَرَةٌ) بَقَرَاتٍ |
| ‡gvUv ZvRv | (GKePb*:* سَمِيْنٌ)سِمَانْ |
| mvZwU | سَبْعَ |
| RxY©-kxY©, K…kKvq | عِجَافٍ |
| ï®‹ | يَابِسَات |
| ‡Zvgiv e¨vL¨v Ki‡Z cvi, eY©bv Ki‡Z m¶g nI | تَعْبُرُوْنَ |
| A\_©nxb ¯^cœ, Kíbv cªm~Z ¯^cœ | أَضْغَاثُ أَحْلَامٍ |
| ¯§iY Kij (BDmy‡di K\_v) | اِدَّكَرَ |
| `xN©Kvj ci | بَعْدَ أُمَّةٍ |
| ‡Zvgiv Pvlvev` Ki‡e | تَزْرَعُوْنَ |
| µgvMZfv‡e, GKvav‡i | دَأَبًا |
| AZtci †Zvgiv †h dmj KvU‡e | فَمَا حَصَدتُّم |
| ‡Zvgiv msi¶Y Ki‡e, mÂq K‡i ivL‡e | تُحْصِنُوْنَ |
| e„wócvZ n‡e | يُغَاثُ |
| Zviv d‡ji im wbsov‡e | يَعْصِرُوْنَ |
| **i“Kz- 7** |  |
| wK e¨vcvi wQj?, wK Ae¯’v? | مَا بَالُ |
| cÖKvk †c‡q‡Q | حَصْحَصَ |
| Avwg wek¦vmNvZKZv Kwiwb, Avwg wLqvbZ Kwiwb | لَمْ أَخُنْ |
| Avwg wb‡R‡K wb‡`v©l g‡b Kwi bv | مَا أُبَرِّئُ |
| Av‡`kKvix, wb‡`©k †`q | أَمَّارَةٌ (ا م ر) |
| Avwg we‡klfv‡e MªnYKie, g‡bvbxZ Kie | أَسْتَخْلِصُ |
| m¤§vwbZ, gh©v`vm¤úbœ | مَكِيْنٌ |
| wek¦¯— | أَمِيْنٌ |
| ‡`‡ki abfvÛvi, ivRfvÛvi | خَزَائِنُ الْأَرْض |
| **i“Kz- 8** |  |
| `ªe¨ m¤¢vi cÖ¯ZzZ K‡i w`j | جَهَّزَ |
| Lv`¨mvgMÖx | جَهَاز |
| †gngvb mgv`iKvix, AwZw\_civqY | مُنْزِلِيْنَ |
| f„Z¨MY, wmcvnxMY | فِتْيَان |
| Zv‡`i cY¨g~j¨ | بِضَاعَتَهُمْ |
| im`-cÎ, D‡Ui wc‡V gvjvgvj en‡bi \_‡j ev fvÛ, GLv‡b A\_© n‡e gvjvgvj | رِحَال |
| Avgiv IRb K‡i Avb‡Z cvwi , c~Y© eivÏ cvB | نَكْتَلْ |
| Avgiv Avi wK PvB? | مَانَبْغِيْ |
| Avgiv Lv`¨-km¨ Avbe | نَمِيْرٌ |
| GK D‡Ui enb cwigvY Lv`¨-km¨ | كَيْلَ بَعِيْرٍ |
| cÖwZkÖ“wZ, A½xKvi | مَوْثِقًا |
| Avwg †Zvgv‡`i Rb¨ †Kvb Kv‡R Avme bv | مَا أُغْنِيْ عَنْ |
| B”Qv, evmbv, LUKv | حَاجَةً |
| **i“Kz- 9** |  |
| ‡m ¯’vb w`j, Avkªq w`j | ااواى |
| (wb‡Ri) cvb cvÎ | سِقَايَةً |
| D‡Ui wc‡V gvjvgvj enb Kivi cvÎ | رَحْلٌ |
| †n Kv‡djvi †jv‡Kiv, ‡n hvÎx `j | أَيَّتُهَاالْعِيْرُ |
| ‡Pvi | سَارِقُوْنَ (س ر ق) |
| GwM‡q Gj, AwfgyLx nj | أَقْبَلُوْا |
| wK | مَاذَا |
| ‡Zvgiv nvwi‡qQ | تَفْقِدُوْنَ |
| Avgiv nvwi‡qwQ | نَفْقِدُ |
| M­­vm, cvwb cvb Kivi cvÎ | صُوَاعَ |
| GK D‡Ui †evSv cwigvY Lv`¨ km¨ | حِمْلُ بَعِيْرٍ |
| Rvwgb, `vwqZ¡kxj | زَعِيْمٌ |
| Avi¤¢ Kij (Zj­vkx) | بَدَأَ |
| \_‡j, gvjcÎ | (GKePb*.:*  وِعَاءٌ) أَوْعِيَة |
| Avgiv ‡KŠkj wk¶v †`B | كِدْنَا |
| ev`kvni AvBb, ivR-weavb | دِيْنِ الْمَلِكِ |
| **i“Kz- 10** |  |
| wbR©‡b emj, GKv‡š— emj | خَلَصُوْا |
| civgk© | نَجِيًّا |
| Avwg KL‡bv Z¨vM Kie bv (G †`k) | لَنْ أَبْرَح |
| †Zvgiv Ab¨vq K‡iQ | فَرَّطْتُّمْ |
| Kv‡djv | عِيْر |
| mvwR‡q w`‡q‡Q, K\_v evwb‡q‡Q | سَوَّلَتْ |
| gyL wdwi‡q wbj (Zv‡`i †\_‡K) | تَوَلّى عَنْ |
| nvq Avd‡mvm!, nvq Avgvi `ytL! | يَا أَسَفى |
| mv`v n‡q †Mj | اِبْيَضَّتْ |
| Avcwb ¯§iY ‡\_‡K ¶vš— n‡eb bv, Avcwb ¯§iY Z¨vM Ki‡eb bv | تَفْتَأُ تَذْكُرُ |
| giYvcbœ nIqv, gyg~l© | حَرَضًا |
| Avwg Awf‡hvM KiwQ, Avwg wb‡e`b KiwQ | أَشْكُوْا |
| Avgvi `ytL | بَثِّيْ |
| ‡Zvgiv AbymÜvb Ki | تَحَسَّسُوْا |
| Avj­­vni ingZ | رَوْحِ اللهِ |
| mvgvb¨ cwigvY | مُزْجَاة |
| `vb Kiyb | تَصَدَّقْ |
| ‡Zvgv‡K cÖvavb¨ w`‡q‡Qb | اا ثَرَكَ |
| ‡Kvb Awf‡hvM †bB | لَا تَثْرِيْبَ |
| **i“Kz- 11** |  |
| ‡Zvgiv Avgv‡K weåvš— g‡b Ki, AcÖK…wZ¯’ g‡b Ki | تُفَنِّدُوْنِ |
| wmsnvmb | عَرْش |
| gi“f~wg, cj­x-cÖvš—i | بَدْوِ |
| mw¤§wjZ Ki | أَلْحِقْ |
| Zv‡`i mv‡\_ | لَدَيْهِمْ |
| Zzwg AvKv•Lv Ki | حَرَصْتَ |
| **i“Kz- 12** |  |
| Av”QbœKvix, cwi‡eóbKvix | غَاشِيَة |
| cyi“l, GLv‡b A\_© n‡e gvbyl | رِجَالاً |

سُوْرَةُ الرَّعْد

**m~iv Avi -i`**

**‡g‡Ni MR©b, eRªaŸwb**

**m~iv 13**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| ¯—¤¢,wbf©i | (GKePb*.:* عِمَاد) عَمَدٍ |
| we¯„—Z K‡i‡Qb, m¤cÖmvwiZ K‡i‡Qb | مَدَّ |
| f~-LÛ, A\_©vr Rwg‡bi wewfbœ Ask | قِطَعٌ |
| cvkcvwk, ci¯úi msjMœ | مُتَجَاوِرَات |
| kvLv-cÖkvLvhy³, GK wkKo n‡Z Rb¥v‡bv A‡bK¸‡jv †LRyi MvQ | صِنْوَانٌ |
| kvLv-cÖkvLv wenxb , wbR wbR wkKo n‡Z Rb¥v‡bv †LRyi MvQ | غَيْرُصِنْوَان |
| ‡jŠn k„sLj, wRwÄi | أَغْلَال |
| Mj‡`k | أَعْنَاق |
| `„óvš—g~jK kvw¯—, wk¶vg~jK `„óvš—mg~n | مَثُلَات |
| **i“Kz- 2** |  |
| n«vm K‡i | تَغِيْضُ |
| m‡e©v”P (gh©v`vevb), mgybœZ | مُتَعَال |
| AvZ¥‡MvcbKvix, jy°vwqZ | مُسْتَخْفٍ |
| wePiYKvix | سَارِبٌ (س ر ب) |
| cÖnixiv, AbymiYKvix | مُعَقِّبَات |
| mvnvh¨Kvix, AwffveK | وَال |
| DwÌZ K‡ib, Drcv`b K‡ib | يُنْشِئُ |
| ‡gN | سَحَاب |
| Nb, fvix (cvwbfiv) | ثِقَال |
| †g‡Ni MR©b, eRªaŸwb | الرَّعْدُ |
| cÖej kw³kvjx | شَدِيْدُ الْمِحَالِ |
| cÖmviYKvix, cÖk¯—Kvix | بَاسِطٌ (ب س ط) |
| Zvi `yB nvZ | كَفَّيْهِ |
| gyL | فَا ، فُو ، فِي |
| Qvqv | ظِلَال |
| cÖevwnZ nq, c­vweZ nq | سَالَتْ |
| DcZ¨Kvmg~n, b`x-bvjv | أَوْدِيَةٌ |
| enb K‡i, Dc‡i Av‡b | اِحْتَمَلَ |
| c­veb, ‡mªvZaviv | سَيْلٌ |
| ‡dbvivwk | زَبَدًا |
| Dcwifv‡M | رَابِيًا |
| Zviv cÖ¾¡wjZ K‡i, DËß K‡i | يُوْقِدُوْنَ |
| AjsKvi | حِلْيَةٌ |
| A‡K‡Rv n‡q, e¨\_©, webó | جُفَاءً |
| w¯’wZ cvq, Aewkó \_v‡K, †\_‡g hvq | يَمْكُثُ |
| **i“Kz- 3** |  |
| Zviv mw¤§wjZ iv‡L, A¶zbœ iv‡L | يَصِلُوْنَ |
| Zviv cÖwZ‡iva K‡i, `~ixf~Z K‡i | (fvewe‡kl¨*.:* دَرَاء) يَدْرَءُ وْنَ |
| ciKv‡ji Ni, ciKvj | **عُقْبَى الدَّارِ** |
| DËg, PgrKvi | نِعْمَ |
| f½ K‡i | يَنْقُضُوْنَ |
| **i“Kz- 4** |  |
| kvwš— jvf K‡i, cwiZ„ß nq | تَطْمَئِنَّ |
| Kj¨vYmg~n, Avb›` | طُوْبى |
| MwZkxj Kiv †hZ | سُيِّرَتْ |
| LwÛZ Kiv †hZ | قُطِّعَتْ |
| K\_v ejvb †hZ | كُلِّمَ |
| ‡b‡g Avm‡e, Aew¯’Z n‡e | تَحُلُّ |
| KwVb wec` | قَارِعَةٌ |
| **i“Kz- 5** |  |
| AeKvk w`‡qwQ | أَمْلَيْتُ |
| bvg ej | سَمُّوْا |
| K‡VviZi | أَشَقُّ |
| i¶vKvix | وَاقٍ |
| djmg~n | أُكُلُ |
| wPi¯’vqx | دَائِمٌ |
| cwiYvg | عُقْبى |
| Avbw›`Z n‡”Q | يَفْرَحُوْنَ |
| **i“Kz- 6** |  |
| wbwðý K‡ib, wejyß K‡ib | يَمْحُوْا |
| g~j wKZve, g~j MÖš’ | أُمُّ الْكِتَاب |
| msKzwPZ KiwQ | نَقْصٌ |
| cÖvš—mg~n, cvk¦©mg~n | أَطْرَاف |
| ‡Kvb cÖwZ‡ivaKvix bvB, †Kvb i`Kvix bvB | لَا مُعَقِّبَ |

سُوْرَةُ إِبْرَاهِيم

**m~iv Beivnxg**

**Beivnxg (Avt)**

**m~iv 14**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| Av­j­vni w`bmg~n | أَيَّامِ اللهِ |
| **i“Kz- 2** |  |
| Avgv‡`i c\_mg~n | (GKePb*.:* سَبِيْلٌ) سُبُلَنَا |
| ‡Zvgiv Avgv‡`i Kó I cxob w`”Q | ااذَيْتُمُوْنَا |
| **i“Kz- 3** |  |
| e¨\_© nj | خَابَ |
| ‰¯^ivPvix, nUKvix, m‡Z¨i kÎ“ | عَنِيْد |
| cvb Kivb n‡e | يُسْقى |
| MwjZ c~uR | صَدِيْد |
| ‡XvK wM‡j cvb Ki‡e | (fvewe‡kl¨*.:* جُرْعَةٌ) يَتَجَرَّعُ |
| mg\_© n‡e bv | لَا يَكَادُ |
| MjatKiY Kiv, wM‡j †djv | يُسِيْغُ |
| QvB, f¯§ | رَمَاد |
| KwVb nj, cÖPÛ P‡j | اِشْتَدَّتْ |
| SwUKvc~Y© w`b, Sb&Svc~Y© w`b | يَوْمٍ عَاصِفٍ |
| Dcw¯’Z n‡e, D‡b¥vwPZ n‡e, m¤§yLxb n‡e | بَرَزُوْا |
| Aaxb, Abymvix | تَبَعًا |
| i¶vKvix, DcKvix n‡e | مُغْنُوْنَ |
| Avgiv ‰ah©Pz¨Z nB, AvnvRvix Kwi | جَزِعْنَا |
| cvjv‡bvi RvqMv,‡invB, gyw³ | مَحِيْص |
| **i“Kz- 4** |  |
| dwiqv‡` mvov`vbKvix, wec‡` D×viKvix | مُصْرِخٌ |
| wkKo | أَصْلٌ |
| mycªwZwôZ, my`„p | ثَابِتٌ |
| kvLv | فَرْعٌ |
| Dc‡o ‡bqv n‡q‡Q | اِجْتُثَّتْ |
| **i“Kz- 5** |  |
| wb‡¶c K‡i‡Q, bvwg‡q G‡b‡Q, wbcwZZ K‡i‡Q | أَحَلُّوْا |
| aŸs‡mi N‡i A\_v©r Rvnvbœv‡g | دَارَالْبَوَارِ |
| eÜzZ¡ | خِلَال |
| m`v-ågYkxj, Aweivg Pjgvb | دَائِبَيْنِ |
| ¸‡Y †kl Ki‡Z cvi‡e bv, msL¨v wbY©q Ki‡Z cvi‡e bv | لَا تُحْصُوْا |
| **i“Kz- 6** |  |
| Avgv‡K `~‡i ivL | اُجْنُبْنِيْ |
| emevm Kwi‡qwQ, Avev` K‡i‡Q | أَسْكَنْتُ |
| cÖvš—i, DcZ¨Kv | وَادٍ |
| Pvlvev‡`i †hvM¨ bq, km¨-dmjwenxb, Abye©i | غَيْرِ ذِيْ زَرْعٍ |
| cweÎ, gnvm¤§vwbZ | مُحَرَّمٌ |
| AvK„ó nq, Abyi³ nq | تَهْوِيْ |
| eva©K¨ | كِبَرٌ |
| **i“Kz- 7** |  |
| we‡õvwiZ n‡e, w¯’i n‡e | تَشْخَصُ |
| ‡`Šov‡Z \_vK‡e | مُهْطِعِيْنَ |
| DuPz K‡i, D×©k¦v‡m, D‡ËvjbKvix n‡q | مُقْنِعِيْ |
| `„wó, cjK | طَرْف |
| Aš—i¸‡jv | (GKePb*.:* فُؤَاد ) أَفْئِدَة |
| D`vm, Doš—, (Avkv) k~Y¨ | هَوَاءٌ |
| cwiwZ©Z Kiv n‡e, e`‡j hv‡e | تُبَدَّلُ |
| Rov‡bv, GK mv‡\_ Ave× | مُقَرَّنِيْنَ |
| k„sLj¸‡jv | أَصْفَاد |
| ‡cvkvK¸‡jv | سَرَابِيْلُ |
| AvjKvZiv, MÜK | قَطِرَانٍ |

سُوْرَةُ الْحِجْر

**m~iv wnRi**

**cÖ¯—igq c\_**

**m~iv 15**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| evi evi, cÖvqB, (hLb) mgq Avm‡e | رُبَمَا |
| †gvnv”Qbœ iv‡L | (fvewe‡kl¨*.:* إِلْهَاءٌ) يُلْهِ |
| ‡Kb bv? | لَوْمَا |
| m¤úª`vqmg~n, RvwZ¸‡jv | شِيَعٌ |
| mÂvwiZ Kwi, cÖweó Kwi | نَسْلُكُ (س ل ك) |
| n‡q hvq, Zviv \_vKZ | ظَلُّوْا |
| Av‡ivnY K‡i | يَعْرُجُوْنَ |
| m‡¤§vwnZ Kiv n‡q‡Q, `„wó weåvU NUvb n‡q‡Q | سُكِّرَتْ |
| hv`yMÖ¯’ | مَسْحُوْرُوْنَ |
| **i“Kz- 2** |  |
| my`„p `yM©¸‡jv, wekvj ZviKvivwR | بُرُوْجًا |
| ms‡Mvc‡b, Pzwi K‡i , jywK‡q | اِسْتَرَقَ (س ر ق) |
| mgy¾¡j AwMœwkLv | شِهَابٌ |
| Avgiv we¯Z…Z K‡iwQ, m¤cÖmvwiZ K‡iwQ | مَدَدْنَا |
| ce©Zgvjv | رَوَاسِيَ |
| mycwiwgZfv‡e | مَوْزُوْن |
| c~Y©dj`vqK, e„wó | لَوَاقِحَ |
| **i“Kz- 3** |  |
| ï®‹ VbV‡b gvwU | صَلْصَال |
| cPv Kv`vgvwU | حَمَإٍ مَّسْنُوْن |
| DËß evqy, jy-nvIqv | سَمُوْم |
| Ask, `j | (eûePb*.:*  أَجْزَاء ) جُزْءٌ |
| **i“Kz- 4** |  |
| wbivc‡` | آمِنِيْن |
| Clv©, ‡µva, welbœZv | غِلٌّ |
| Avmb¸‡jv | (GKePb*.:* سَرِيْرٌ) سُرُرٌ |
| ci¯úi gy‡LvgywLfv‡e, mvgbv-mvgwb | مُتَقَابِلِيْنَ |
| Kv¬wš—, Aemv` | نَصَبٌ |
| Rvwb‡q `vI | نَبِّئْ |
| fxZ | وَجِلُوْنَ |
| fq cvIqv, Nvewo‡q hvIqv | وَجَلٌ |
| Z‡e wK‡mi? AZGe wK ai‡Yi? | فَبِمَ |
| wbivk, AvkvnZ, nZvk | قَانِطِيْنَ |
| ‰bivk¨, nZvkv | قَنَطَ |
| D‡Ïk¨ wK? | مَاخَطْبُ |
| wc‡Q †\_‡K hvIqv †jv‡Kiv, cðv`eZx©MY | غَابِرِيْنَ |
| **i“Kz- 5** |  |
| AcwiwPZ ‡jvK | قَوْمٌ مُنْكَرُوْنَ |
| Zviv m‡›`n KiZ | يَمْتَرُوْن |
| P‡j hvI, wb‡q hvq | أَسْرِ |
| ‡Zvgiv P‡j hvI | اُمْضُوْا |
| mg~‡j webvk K‡i ‡`qv n‡e | مَقْطُوْعٌ |
| Avgv‡K jw¾Z I jvwÃZ Ki bv | لَا تَفْضَحُوْن |
| ‡Zvgvi Rxe‡bi kc\_ | لَعَمْرُكَ |
| m~‡h©v`‡qi mgq | مُشْرِقِيْنَ |
| wPš—vkxjMY, Aš—`©„wó-m¤úbœMY | مُتَوَسِّمِيْنَ |
| mvaviY PjvP‡ji c\_¸‡jv, we`¨gvb c\_¸‡jv | سَبِيْلٌ مُّقِيْمٌ |
| AvBKv AwaevmxMY, e‡bi AwaevmxMY | أَصْحَابُ الْأَيْكَةِ |
| cÖKvk¨ ¯’vb, cÖKvk¨ c\_ | إِمَامٍ مُّبِيْنٍ |
| **i“Kz- 6** |  |
| ‡Lv`vB KiZ, cv\_i †K‡U Ni ˆZix KiZ | يَنْحِتُوْنَ (ن ح ت) |
| evi evi cwVZe¨, cybtcyb Ave„wË ‡hvM¨ | مَثَانِيْ |
| KLbI cÖmvwiZ Ki bv | لَا تَمُدَّنَّ |
| AebwgZ Ki | اِخْفِضْ |
| evû | (eûePb*.:* أَجْنِحَةٌ ) جَنَاحٌ |
| wef³Kvix | مُقْتَسِمِيْنَ |
| LÛ LÛ | عِضِيْنَ |
| cÖKv‡k¨ cÖPvi Ki | اِصْدَعْ |
| g„Zz¨, `„p wek¦vm, wbwðZ wek¦vm | يَقِيْن |

سُوْرَةُ النَّحْل

**m~iv Avb bvn&&j&**

**†gŠgvwQ**

**m~iv 16**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| ïµ we›`y, exh© | نُطْفَةٌ |
| SMov‡U, wei“×vPvix | خَصِيْمٌ |
| kxZ e‡¯¿i DcKiY, kxZ wbeviK DcKiY | دِفْءٌ |
| mÜ¨vq †Zvgiv PviY †¶Î ‡\_‡K Avb | (fve we‡kl¨*:* إِرَاحَةٌ) تُرِيْحُوْنَ |
| mKv‡j †Zvgiv PviY †¶‡Î wb‡q hvI | تَسْرَحُوْنَ |
| ‡Nvov | خَيْلٌ |
| L”Pi | (GKePb*.:* بَغْلٌ) بِغَالٌ |
| Mvav | (GKePb*.:* حِمَارٌ) حَمِيْرٌ |
| mij c\_ cÖ`k©b | قَصْدُ السَّبِيْلِ |
| eµ c\_, fyjc\_ | جَائِرٌ |
| **i“Kz- 2** |  |
| cky PviY KivI | تُسِيْمُوْنَ |
| is mg~n | (GKePb*.:* لَوْنٌ) أَلْوَانٌ |
| ZvRv | طَرِيًّا |
| ‡Zvgiv ‡ei Ki‡Z cvi, AvniY Ki | تَسْتَخْرِجُوْا |
| AjsKvi, †mŠ›`h© †kvfv, gwY-gy³v | حِلْيَةٌ |
| cvwb we`xY©Kvix | مَوَاخِرَ |
| (Ggb bv nq) ‡hb | أَنْ |
| Av‡jvwoZ nq, Av‡›`vwjZ nq, †n‡j hvq | تَمِيْدَ |
| wPýmg~n | عَلَامات |
| KLb, K‡e | أَيَّانَ |
| **i“Kz- 3** |  |
| mZ¨wegyL, AMÖvn¨Kvix | مُنْكِرَةٌ |
| m‡›`n bvB, wbwðZ | لَا جَرَمَ |
| Kvwnbxmg~n, DcK\_vmg~n | أَسَاطِيْرُ |
| ‡evSv, cvc | (GKePb*.:*  وِزْرٌ) أَوْزَار |
| **i“Kz- 4** |  |
| BgviZ | بُنْيَان |
| wfwËg~j | (GKePb*.:* قَاعِدَةٌ ) قَوَاعِدُ |
| aŸ‡m coj, wbcwZZ nj | خَرَّ |
| Qv` | سَقْفٌ |
| ‡Zvgiv SMov KiwQ‡j, ‡Zvgiv weZK© KiwQ‡j | تُشَاقُّوْنَ |
| hyjygKvix Ae¯’vq, AZ¨vPvix Ae¯’vq | ظَالِمِيْ |
| cweÎ \_vKv Ae¯’vq | طَيِّبِيْنَ |
| cwi‡eób K‡iwQj, AvcwZZ n‡qwQj | حَاقَ |
| **i“Kz- 5** |  |
| my`„p kc\_, Kov Kmg | جَهْدَ أَيْمَان |
| **i“Kz- 6** |  |
| (Hkx) Ávbm¤úbœiv, ¯§iYKvixMY | أَهَلَ الذِّكْزِ |
| KziAv‡bi c~‡e©Kvi wKZvemg~n | زُبُر |
| aŸwm‡q w`‡eb | يَخْسِفُ |
| Pjv‡div | تَقَلُّبَ |
| fxwZ mš¿¯— (Ae¯’vq) | تَخَوُّفٍ |
| wd‡i Av‡m | يَتَفَيَّؤُا |
| webxZ | دَاخِرُوْنَ |
| **i“Kz- 7** |  |
| me©`v, mve©¶wbK, kvk¦Z wPivPwiZ | وَاصِبًا |
| ‡Zvgiv dwiqv` Ki, †Zvgiv KvbœvKvwU Ki | تَجْئَرُوْنَ |
| Kv‡jv, Kvwjgv gwÛZ | مُسْوَدًّا |
| D‡ËRbv cÖkgbKvix, welbœ | كَظِيْمٌ |
| AvZ¥‡Mvcb K‡i | يَتَوَاراى |
| \_vK‡Z w`‡e, msi¶Y Ki‡e | يُمْسِكُ |
| Acgvb, nxbZv | هُوْن |
| cyu‡Z ‡dj‡e | يَدُسُّ |
| gvwU | تُرَاب |
| **i“Kz- 8** |  |
| eY©bv K‡i, ¸Y eY©bv Ki | تَصِفُ |
| wRnev mg~n | (GKePb*.:* لِسَانٌ) أَلْسِنَةٌ |
| me© cÖ\_g †cÖwiZ n‡e, m¤§yLxb Kiv n‡e, mev©‡MÖ †nP‡o †bqv n‡e | مُفْرَطُوْنَ |
| **i“Kz- 9** |  |
| ‡Mvei | فَرْثٌ |
| `ya | لَبَنًا |
| Dcv‡`q, Z…wßKi | سَائِغًا |
| gv`K `ªe¨ | سَكَرٌ |
| ‡gŠgvwQ | (GKePb:*.* نَحْلَةٌ ) نَحْلٌ |
| mnR mijfv‡e, Abv‡q‡m | ذُلُلاً |
| AKg©Y¨, wbK…óZv | أَرْذَلَ |
| ‡hb bv | لِكَيْ لَا |
| **i“Kz- 10** |  |
| ‡kªôZ¡ `vb Kiv n‡q‡Q | فُضِّلُوْا |
| wdwi‡q†`qv, cÖ`vb Kiv, cÖZ¨veZ©b Kiv | رَآدِّيْ |
| cyÎmg~n | بَنِيْنَ |
| ‡cŠÎmg~n | (GKePb*.:* حَفِيْدٌ) حَفَدَة |
| ‡Zvgiv eY©bv K‡ivbv, mve¨¯— Ki‡e bv | لَا تَضْرِبُوْا (ض ر ب) |
| civaxb †Mvjvg, gvwjKvbvaxb †Mvjvg | عَبْدًا مَّمْلُوْكًا |
| ‡evev | (eûePb*.:* بُكْمٌ ) أَبْكَمُ |
| ‡evSv | كَلٌّ |
| Zv‡K †hw`‡KB cvVvb nq | يُوَجِّهْهُّ أَيْنَمَا |
| **i“Kz- 11** |  |
| (†hgb) ‡Pv‡Li GK cjK, †h mg‡qi g‡a¨ ‡Pv‡Li GK cjK c‡o | لَمْحِ الْبَصَرِ |
| gnvk~Y¨, Avmgvb-Rwg‡bi ga¨eZx© ¯’vb, k~b¨ Mf© | جَوٌّ |
| Avevm¯’j | سَكَنًا |
| Pvgov | (GKePb*.:*  جِلْدٌ) جُلُوْدٌ |
| †Zvgiv jNy †eva Ki, †Zvgiv nvjKv g‡b Ki | تَسْتَخِفُّوْنَ |
| mdi | ظَعْن |
| ckg | (GKePb*.:* صُوْفٌ) أَصْوَاف |
| D‡Ui ckg, †jvg | (GKePb*.:* وَبْرٌ) أَوْبَار |
| eKixi ckg, Pzj | (GKePb*.:*  شَعْرٌ) أَشْعَار |
| Avmeve cÎ, M„n mvgMÖx | أَثَاثًا |
| AvZ¥‡Mvc‡bi ¯’vb, Avkªq¯’j, wbf„Z ¯’vb | أَكْنَانًا |
| **i“Kz- 12** |  |
| AvcwË M„nxZ nq, mš‘wó jv‡fi my‡hvM †`qv n‡e | يُسْتَعْتَبُوْنَ |
| my¯úó eY©bv Kiv | تِبْيَانًا |
| **i“Kz- 13** |  |
| my`„p Kiv | تَوْكِيْد |
| Rvwgb | كَفِيْلاً |
| m~Zv | غَزْلٌ |
| LÛ weLÛ (K‡i †d‡j‡Q) | أَنْكَاثًا |
| AwaK jvfevb | أَرْبى |
| öwjZ n‡e | تَزِلَّ |
| wbt†kl n‡q hv‡e | يَنْفَدُ (ن ف د) |
| wbt†kl n‡e bv, evKx \_vK‡e, Zv ¯’vqx | بَاقٍ |
| **i“Kz- 14** |  |
| AvRgx, Abvie | أَعْجَمِيٌّ |
| hv‡K eva¨ Kiv n‡q‡Q, hvi Dci ejcÖ‡qvM Kiv n‡q‡Q | أُكْرِهَ |
| cÖvavb¨ w`‡q‡Q, wcªq g‡b K‡i‡Q | اِسْتَحَبُّوْا |
| wbhv©wZZ †jv‡Kiv | فُتِنُوْا |
| **i“Kz- 15** |  |
| ¶zavi Av”Qv`b | لِبَاسُ الْجُوْعِ |
| **i“Kz- 16** |  |
| wQj bv, nq bvB | لَمْ يَكُ |
| ‡Zvgiv cÖwZ‡kva MÖnY Ki | عَاقَبْتُمْ |
| †Zvgiv KócÖvß n‡q‡Q, †Zvgv‡`i Kó †`qv n‡q‡Q | عُوْقِبْتُمْ |

سُوْرَةُ النَّحْل

**m~iv evbx BmivBj**

**evbx BmiBj**

**m~iv 17**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| ågY Kiv‡jb, cwiågY Kiv‡jb | أَسْراى (أَسْراى؛ يُسْرِي؛ إِسْرَاءٌ) |
| evqZzj­vn (gmwR‡` nvivg), Kvev kixd | الْمَسْجِدُ الْحَرَامُ |
| evqZyj gyKvÏvm (gmwR‡` AvKmv) | الْمَسْجِدُ الْأَقْصى |
| `yal© †hv×v, AwZkq kw³m¤úbœ | بَأْسٍ شَدِيْدٍ |
| Zviv Xy‡K QviLvi Kij, Abycª‡ek Kij, Qwo‡q coj | جَاسُوْا |
| †`‡ki g‡a¨, M„n - Af¨š—i | خِلَالَ الدِّيَارِ |
| weRq jvf, cvjv | كَرَّة |
| `j, RvgvqvZ, evwnbx | نَفِيْرًا |
| AcKvi K‡i‡Q, g›` K‡i‡Q | أَسَأْتُمْ |
| aŸsm-mvab K‡i, g›` KvR K‡i \_v‡K | يُتَبِّرُوْا |
| cwic„Y© iƒ‡c aŸsm Kiv, weivb K‡i †`qv | تَتْبِيْرًا |
| †Zvgiv cybive„wË Ki, cÖZ¨veZ©b Ki | عُدْتُّمْ( عَادَ؛ يَعُوْدُ؛ عُوْدًا ) |
| Avgiv cybive„wË Kie, cÖZ¨vewZ©Z n‡e | عُدْنَا |
| K‡q`Lvbv, KvivMvi | حَصِيْرًا |
| **i“Kz- 2** |  |
| Avgiv wb®cÖf K‡iwQ, AcmvwiZ K‡iwQ, †X‡K w`‡qwQ, gy‡Q w`‡qwQ | مَحَوْنَا |
| Avgiv Szwj‡q w`‡qwQ, mshy³ K‡i w`‡qwQ | أَلْزَمْنَا |
| Avgjbvgv, K…ZKg© | طَائِرَ |
| ‡Lvjv Ae¯’vq, Abve„Z, Db¥y³ | مَنْشُوْرًا |
| Avgiv Av‡`k Kwi, ûKzg ‡`B | أَمَرْنَا |
| †m aŸsm K‡i‡Q, aŸsm Kwi | دَمَّرَ |
| cwic~Y©iƒ‡c aŸsm Kiv, aŸsm | تَدْمِيْرًا |
| Z¡ivwš^Z, ZvovZvwo, `ywbqv (cvw\_©e myL) | عَاجِلَةٌ |
| wbw›`Z, waK…Z, Lvivc Ae¯’vq | مَذْمُوْمًا |
| (ingZ †\_‡K) weZvwoZ, cwiM„nxZ, ¯^xK„Z Ae¯’vq | مَدْحُوْرًا |
| ¯^xK…Z, cÖkswmZ | مَشْكُوْرًا |
| wbwl×, eÜ-Aei“×, cÖwZewÜ | مَحْظُوْرًا |
| ‡kªôZ¡, eyRyMx©, dwhjZ | تَفْضِيْلاً |
| AcgvwbZ, jvwÂZ, Amnvq | مَخْذُوْلاً |
| **i“Kz- 3** |  |
| Av‡`k K‡i‡Qb, ûKzg w`‡q‡Qb, dqmvjv K‡i w`‡q‡Qb | قَضى |
| GKgvÎ Zvu‡KB, ïay Zvu‡KB | إِيَّاهُ |
| Zviv Df‡qB | كِلَا هُمَا |
| agK w`‡e bv | لَا تَنْهَرْ |
| m¤§vbm~PK | كَرِيْمًا |
| webxZ bgªfv‡e, bgªZv | ذُلِّ |
| Zviv Df‡q Avgv‡K jvjb cvjb K‡i‡Q | رَبَّيَانِيْ |
| ‰kke, †QvU †ejvq, evj¨e¯’vq | صَغِيْرًا |
| cÖZ¨veZ©bKvix, ZIevKvix, AwfgyLx | أَوَّابِيْنَ |
| `vI, cÖ`vb Ki, w`‡e | ااتِ |
| Ace¨q Ki bv | لَا تُبَذِّرْ |
| Ace¨q | تَبْذِيْرًا |
| Ace¨qKvixiv | مُبَذِّرِيْنَ |
| Zzwg Avkv Ki | تَرْجُوْا |
| mnRfv‡e, bgªfv‡e | مَيْسُوْرًا |
| Ave× | مَغْلُوْلَةٌ |
| wZi¯‹„Z, jvwÃZ | مَلُوْمًا |
| AbyZß, civwRZ, A¶g Ae¯’vq | مَحْسُوْرًا |
| **i“Kz- 4** |  |
| `vwi`ª, Afve | إِمْلَاق |
| cvc, Aciva | خِطْأً |
| mvnvh¨cÖvß | مَنْصُوْرًا |
| `vuwocvj­v, mwVK IR‡bi cvj­v | قِسْطَاسْ |
| AbymiY Ki bv, wcQ‡b co bv | لَا تَقْفُ |
| c`PviYv Ki bv, Pjv‡div Ki bv | لَا تَمْشِ |
| m`‡c©, `¤¢^ f‡i | مَرَحًا |
| D”PZv | طُوْلاً |
| AcQ›`bxq | مَكْرُوْهًا |
| Ab¨ Dcvm¨, Ab¨ gvey`, Ab¨ Bjvn | إِلَهًا آخَرَ |
| Zywg wbw¶ß n‡e | تُلْقى |
| wbev©wPZ K‡i w`‡q‡Qb, ab¨ K‡i‡Qb | أَصْفى |
| **i“Kz- 5** |  |
| jy°vwqZ, Ave„Z, Avovj Kiv | مَسْتُوْرًا |
| AveiY, c`©v | اَكِنَّة |
| ewaiZv , wQwc | وَقْرًا |
| nvo | (GKePb*.:*  عَظْمٌ) عِظَامًا |
| cPv-Mjv, Pzb©-wePzY© (gvwU) | رُفَاتًا |
| bZzb | جَدِيْدٌ |
| gv\_v bvov‡bv, KUv¶ Kiv | (fve we‡kl¨*.:* اِنْغَاضٌ) يُنْغِضُوْنَ |
| **i“Kz- 6** |  |
| Kzgš¿Yv †`q, msNl© evavq, D®‹vwb †`q | يَنْزَغُ |
| ‡Zvgiv `vex Ki, †Zvgiv g‡b Ki | زَعَمْتُمْ |
| cwieZ©b Kiv | تَحْوِيْلاً |
| fqven, fxwZcÖ`, fq Kivi gZ | مَحْذُوْرًا |
| wjwLZ, wjwce× | مَسْطُوْرًا |
| fxwZ cÖ`k©b Kiv, fq ¯^i“c | تَخْوِيْفًا |
| Awfkß | مَلْعُوْنَةً |
| **i“Kz- 7** |  |
| D”P gh©v`v w`‡q‡Qb, m¤§vwbZ K‡i‡Qb | كَرَّمْتَ |
| AeKvk w`b | أَخَّرْتَ |
| Aek¨B cix¶v Kie, ekxf~Z Kie, g~‡jvrcvwUZ Kie | أَحْتَنِكَنَّ (ح ن ك) |
| cwic~Y© | مَوْفُوْرًا |
| weåvš— Ki, c`öwjZ Ki | اِسْتَفْزِزْ |
| AvµgY Ki, Zzwg Uvb, nvuKvI | أَجْلِبْ |
| Ak¦v‡ivnx evwnbx | خَيْلٌ |
| c`vwZK evwnbx | رَجِلٌ |
| kixK n‡q hvI, mn‡hvMx Ki | شَارِكْ |
| cÖwZkÖ“wZ `vI | عِدْ |
| cwiPvjbv K‡ib | يُزْجِيْ |
| cybivq, Ab¨ GKevi | تَارَةً أُخْراى |
| Sb&Sv, evqy, cÖPÛ SwUKv | قَاصِفًا |
| AbyMvgx, mvnvh¨Kvix, wRÁvmvKvix | تَبِيْعًا |
| **i“Kz- 8** |  |
| wbKUeZx© n‡qwQj, cÖvq | كِدْتَّ |
| Zzwg Szu‡K co‡Z | تَرْكَنُ |
| Avgiv Av¯^v`b KivZvg | أَذَقْنَا (ذ و ق) |
| wØ¸Y | ضِعْف |
| **i“Kz- 9** |  |
| m~h© X‡j covi mgq †\_‡K | دُلُوْكِ الشَّمْسِ |
| Nb AÜKvi | غَسَق |
| Zvnv¾y` Av`vq Ki, †R‡M DV, iv‡Z D‡V mvjvZ Av`vq Ki | تَهَجَّدْ |
| AwZwi³, bdj | نَافِلَةً |
| cÖkswmZ ¯’vb | مَقَامًا مَّحْمُوْدًا |
| wejyß n‡q‡Q | زَهَقَ |
| wejyß nIqvi | زَهُوْقًا |
| `~i K‡i †bqv | نَاا |
| cvk¦©‡`k | جَانِب |
| cÖK„wZ, wbqg, cš’v | شَاكِلَةٌ |
| **i“Kz- 10** |  |
| mvnvh¨Kvix | ظَهِيْرًا |
| SY©v | يَنْبُوْعًا |
| Lye cÖevwnZ Kiv, Rvix Kiv | تَفْجِيْرًا |
| wb‡¶c Ki | تُسْقِطَ (س ق ط) |
| LÛ, UzKiv | (GKePb: كِسْفَةٌ ) كِسَفًا |
| mvg‡b, gy‡LvgywL | قَبِيْلاً |
| ¯^Y© | زُخْرُفٌ |
| Zzwg Av‡ivnY Ki | تَرْقى |
| Av‡ivnb | رُقِيٌّ |
| **i“Kz- 11** |  |
| wbivc‡`, ¯^v”Q‡›`, wbwð‡š— | مُطْمَئِنِّيْنَ |
| gvbyl | بَشَرٌ |
| wbev©wcZ nIqvi Dcµg nq, w¯—wgZ n‡e | خَبَتْ |
| AwMœwkLv | سَعِيْرًا |
| eoB K…cY, msKxY©gbv | قَتُوْرًا |
| **i“Kz- 12** |  |
| nZfvM¨ (aŸsmK…Z) | مَثْبُوْرًا |
| Zv‡`i‡K D‡”Q` Ki‡e | يَسْتَفِزَّهُمْ |
| mg‡eZ K‡i, R‡ov K‡i | لَفِيْفًا |
| Avgiv c„\_K c„\_K K‡iwQ, Avgiv LÛ LÛ K‡iwQ | فَرَقْنَا |
| µgkt , ax‡i ax‡i, Aí Aí K‡i | مُكْثٍ |
| Zviv jywU‡q c‡o, cwZZ nq | يَخِرُّوْنَ |
| wmR`v Ae¯’vq, wmR`vq | سُجَّدًا |
| wPeyK, GLv‡b A\_© n‡e g¯—K ev gv\_v | أَذْقَان |
| Zviv Kvu`‡Z \_v‡K | يَبْكُوْنَ (ب ك ي) |
| ‡h bv‡gB, †h | أَيًّامَّا |
| D”P kã Ki bv, Lye D”P ¯^i Ki bv | لَا تَجْهَرْ |
| wbtk‡ãI bv, Lye bxPz ¯^i Ki bv | لَا تُخَافِتْ |
| ga¨g, gv‡S, gvSvgvwS | بَيْنَ |
| Gi | ذالِكَ |
| c\_, cš’v, ga¨eZ©x c\_ | سَبِيْلاً |

سُوْرَةُ الْكَهْف

**m~iv Kvn&&d&**

**¸nv**

**m~iv 18**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| Ae¯’vbKvix n‡e, emevmKvix n‡e | مَاكِثِيْنَ |
| webvkKvix n‡e, wbcvZ Ki‡e, webó Ki‡e | بَاخِعٌ |
| wcQ‡b | اا ثَار |
| Dw™¢`k~Y¨ g„wËKv | صَعِيْدًا جُرُزًا |
| ¸nv | الْكَهْفِ |
| we‡Lvw`Z,¯§viKwjwc | رَقِيْمٌ |
| hyeKiv | فِتْيَةٌ |
| M‡o `vI, cwiPvwjZ Ki, djcÖm~ Ki | هَيِّئْ |
| `yB `j, Dfq `j | حِزْبَيْن |
| wnmve K‡iwQj, AwaK MYbvKvix | أَحْصى |
| Zviv Ae¯’vb K‡iwQj | لَبِثُوْا |
| mgq, Kvj | أَمَدًا |
| **i“Kz- 2** |  |
| `„p K‡iwQjvg | رَبَطْنَا |
| Mwn©Z, Ab¨vq | شَطَطًا |
| ‡Zvgiv c„\_K n‡j, ‡Zvgiv cwiZ¨vM Ki‡j, †Zvgiv wew”Qbœ n‡j | اِعْتَزَلْتُمْ |
| c„\_K nIqv, cweZ¨vM Kiv, GKvMÖwPË nIqv | اِعْتَزَلَ |
| Zvn‡j Avkªq MÖnY Ki, ¯’vb MÖnY Ki | فَأْوُوْ |
| djcÖm~ Ki‡eb, wVK Ki‡eb, ‰Zix K‡i w`‡eb | يُهَيِّئْ |
| djcÖm~ , mnR‡eva¨, Avivg`vqK | مِرْفَقًا |
| D`q nq | طَلَعَتْ |
| m‡i hvq, cvk ‡K‡U hvq, wd‡i hvq | تَزَاوَرُ |
| Wvb w`‡K, Wvb cv‡k | ذَاتَ الْيَمِيْنِ |
| A¯— hvq | غَرَبَتْ |
| cvk †K‡U hvq, Zv AwZµg K‡i | تَقْرِضُ |
| evg w`‡K, evg cv‡k | ذَاتَ الشِّمَالِ |
| gq`vb, cÖk¯’ ¯’vb, cÖk¯’ PZ¡i | فَجْوَةٌ |
| c\_ cÖ`k©bKvix | مُرْشِدًا |
| **i“Kz- 3** |  |
| RvMÖZ Ae¯’vq | أَيْقَاظًا |
| wbw`ªZ, Nygš— Ae¯’vq \_vKv | رُقُوْدٌ |
| cvk¦© cwieZ©b KivB, cvk e`jvZvg | نُقَلِّبُ |
| cÖmvwiZ K‡i | بَاسِطٌ |
| Zvi `yB nvZ | ذِرَاعَيْهِ |
| ¸nvi Øvi, M‡Z©i gyL | وَصِيْدٌ |
| Zzwg DuwK w`‡q †`L‡Z | اِطَّلَعْتَ |
| Zzwg wcV wdiv‡Z | وَلَّيْتَ |
| cvjv‡Z | فِرَارًا |
| Zzwg cwic~Y© n‡q †h‡Z, mÂvi nZ | مُلِئْتَ |
| ‡iŠc¨ gy`ªv, w`invg BZ¨vw` | وَرِق |
| mZK©Zv Aej¤^b Ki“K, m~¶ Z`exi Aej¤^b Ki“K, bgªfv‡e PjyK | لِيَتَلَطَّفْ |
| †Ui †c‡Z †`q, Ávcb K‡i, Rvwb‡q †`q | يُشْعِرَنَّ |
| Avgiv AeMZ Kivjvg | أَعْثَرْنَا |
| weZK© K‡iv bv | لَا تُمَارِ |
| Av‡jvPbv, weZK© | مِرَاءً |
| **i“Kz- 4** |  |
| Avkªq¯’j | مُلْتَحَدًا |
| Avgiv Ag‡bv‡hvMx K‡i w`‡qwQ | أَغْفَلْنَا |
| mxgv jsNb g~jK, mxgv AwZµg Kiv | فُرُطًا |
| AveiY, c`v©, Pv‡`vqvi b¨vq wkLv | سُرَادِق |
| Zviv dwiqv` K‡i, mvnvh¨ K‡i, Zviv cvbxq Pvq | يَسْتَغِيْثُوْا |
| mvnvh¨ Kiv n‡e, cvwb †`qv n‡e | يُغَاثُوْا |
| MwjZ Zvgv, †Z‡ji Mv` | مُهْلٌ |
| Sjwm‡q w`‡e, fvRv-fvRv K‡i †`‡e | يَشْوِيْ |
| Ae¯’vb¯’j | مُرْتَفَقًا |
| Zv‡`i AjsK…Z Kiv n‡e | يُحَلَّوْنَ |
| KsKb, Pzwo we‡kl | أَسَاوِرَ |
| Kvco, e¯¿ | ثِيَابًا |
| wPKb, cvZjv, wgwn †ik‡gi Kvco | سُنْدُسْ |
| ‡gvUv †ik‡gi Kvco | اِسْتَبْرَق |
| wmsnvmb, DPzu gmb` | أَرَائِك |
| **i“Kz- 5** |  |
| cwi‡ewóZ K‡iwQjvg | حَفَفْنَا |
| Dfq, A\_v©r evMvb `ywU | كِلْتَا |
| Df‡qi ga¨¯’‡j, Zv‡`i `ywUi dv‡uK dvu‡K | خِلَالَهُمَا |
| Av‡jvPbv KiwQj, A‡c¶v KiwQj, K‡\_vcK\_b KiwQj | يُحَاوِرُ |
| AwaK kw³kvjx, civµvš—, †kªô | أَعَزُّ |
| Rbkw³, Rbc`, AwaK gvbyl, `j | نَفَرًا |
| ‡h aŸsm n‡e | أَنْ تَبِيْدَ |
| ¯^íZi, Kg | أَقَلَّ |
| Avhve, wec`, wech©q | حُسْبَانًا |
| Dw™¢`k~b¨ gvwU, ïb¨ gq`vb, Lvwj gvV | صَعِيْدًا زَلَقًا |
| ï®‹, MfxiZv | غَوْرًا |
| AwaKvi, ¶gZv, BLwZqvi | وَلَايَةُ |
| **i“Kz- 6** |  |
| P~Y©-wePyY©, f~wl | هَشِيْمًا |
| Avkv-AvKvsLv wn‡m‡e | أَمَلاً |
| Db¥y³ | بَارِزَة |
| Avgiv KvD‡K Qvoe bv, ev` w`e bv | لَمْ نُغَادِرَ |
| Zv‡`i ‡ck Kiv n‡e, m¤§yLxb Kiv n‡e | عُرِضُوْا |
| ivLv n‡e, Dcw¯’Z Kiv n‡e | وُضِعَ |
| fxZ-mš¿¯—, AvZswKZ | مُشْفِقِيْنَ |
| ev` †`q bvB, Qv‡owb | لَا يُغَادِرُ |
| **i“Kz- 7** |  |
| mvnvh¨Kvix i“‡c | عَضُدًا |
| aŸsm ¯’vb (MnŸi) | مَوْبِقًا |
| cwZZ n‡e | مُوَاقِعُوْا |
| **i“Kz- 8** |  |
| SMov‡U, ZK©wcÖq | جَدَلاً |
| e¨\_© Ki‡Z cv‡i | يُدْحِضُوْا (د ح ض) |
| Avkªq¯’j, cvjv‡bvi RvqMv | مَوْئِلاً |
| **i“Kz- 9** |  |
| Avwg \_vg‡ev bv, Avgiv mdi †kl Kie bv | لَا أَبْرَحُ |
| `yB b`xi wgjb¯’j | مَجْمَعَ الْبَحْرَيْنِ |
| Pj‡Z \_vK‡e | أَمْضِيَ |
| hyM hyM a‡i | حُقُبًا |
| gvQ | (eûePb*.:* حِيْتَانٌ) حُوْتٌ |
| myo½ K‡i, wQ`ª c\_ K‡i | سَرَبًا |
| Avgiv Avkªq wb‡qwQjvg | أَوَيْنَا |
| cv\_i | صَخْرَة |
| c`wPý Abymi‡Y, AbymiY K‡i | قَصَصًا |
| **i“Kz- 10** |  |
| ¸i“Zi, fvwi g›` | إِمْرًا |
| cÖ‡qvM Ki bv, Av‡ivc Ki bv | لَا تُرْهِقْ |
| Df‡q Pj‡Z jvMj | اِنْطَلَقَا |
| ¸i“Zi KvR, g›` KvR | شَيئًا إِمْرًا |
| fxlY Ab¨vq KvR | شَيئًا نُّكْراً |
| Zzwg KL‡bvB m¶g n‡e bv | لَنْ تَسْتَطِيْعَ |
| Df‡q [A\_v©r nhiZ wLwhi (Avt) I gymv (Avt)] Lv`¨ cªv\_©bv Kij | اِسْتَطْعَمَا (ط ع م) |
| Zviv A¯^xKvi K‡i | أَبَوْا |
| ‡gngvb`vix K‡i | يُضَيِّفُوْا |
| ‡`qvj | جِدَار |
| ‡Rvic~e©K, ej cÖ‡qvM K‡i | غَصْبًا |
| cÖfvevwš^Z Kiv, Kó †`qv | رَهَقَ |
| **i“Kz- 11** |  |
| c\_, welq m¤ú`, DcKiY, Kv‡h©vcKiY | سَبَبًا |
| Kv`vgvwU, cw¼j | حَمِئَة |
| `„óvš—g~jK, AbvKvswLZ Ab¨vq, mvsNvwZK | نُكْرًا |
| Avovj, c`v© | سِتْرًا |
| Zvi mv‡\_ wQj | لَدَيْهِ |
| `yB ce©Z, `yB cÖwPxi | سَدَّيْنِ |
| `yBwU ee©i RvwZi bvg | يَأْجُوْجَ وَ مَأْجُوْجَ |
| Ki | خَرْجًا |
| cÖvPxi | سَدًّا |
| mvnvh¨ Ki | (fve we‡kl¨*.:* اِعَانَةٌ) أَعِيْنُوْا |
| my`„p cÖvPxi, gReyZ †`qvj | رَدْمًا |
| ‡jvnvi cvZ, UzKiv | زُبَرَ الْحَدِيْدِ |
| mgvb n‡q †Mj | سَاواى |
| ce©ZØ‡qi `yB Pzov | صَدَفَيْنِ |
| ‡Zvgiv dzuK `vI | اُنْفُخُوْا (ن ف خ) |
| MwjZ Zvgv | قِطْرًا |
| Zviv cviZ bv | مَا اسْطَاعُوْا |
| Zviv m¶g nZ bv | مَا اسْتَطَاعُوْا |
| wQ`ª | نَقْبًا |
| Zi‡½i gZ co‡e, Zi½vBZ n‡e , †XE †Lj‡e | يَمُوْجُ |
| Ecw¯’Z Kiv, †ck Kiv (h\_v h\_) | عَرْضًا |
| AveiY, c`v© | غِطَاءً |
| **i“Kz- 12** |  |
| Af¨\_©bv, †gngvb`vix | نُزُلاً |
| mev©waK ¶wZMÖ¯’iv | الْأَخْسَرِيْنَ |
| KvR | صُنْعًا |
| RvbœvZzj wdi‡`Šm | فِرْدَوْس |
| ¯’vb cwieZ©b Kiv | حِوَلاً |
| Kvwj | مِدَادًا |
| wbt‡kwlZ n‡e | نَفِدَ |

سُوْرَةُ مَرْيَمْ

**m~iv gvwiqvg**

**gwiqg (Avt)**

**m~iv 19**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| ms‡Mvc‡b, wbf„‡Z | خَفِيًّا |
| `ye©j n‡q‡Q, wkw\_j n‡q‡Q | وَهَنَ |
| mgy¾j n‡q‡Q, ïå n‡q †M‡Q, Pzj †c‡K †M‡Q | اِشْتَعَلَ |
| gv\_v | رَأْسٌ |
| eva©K¨ | شَيْبًا |
| e¨\_©Kvg, nZfvMv, e`bmxe | شَقِيًّا |
| Avgvi ÁvwZeM©, Iqvwim, DËivwaKvix | مَوَالِيَ |
| eÜ¨v | عَاقِرًا |
| bvgwewkó | سَمِيًّا |
| ‡kl chv©‡q, mxgvnxb, Pig chv©‡q | عِتِيًّا |
| mnR | هَيِّنْ |
| Zzwg wQ‡j bv | لَمْ تَكُ |
| ‰kke, evj¨Kvj | صَبِيًّا |
| **i“Kz- 2** |  |
| ‡m c„\_K n‡q †Mj, AcmvwiZ nj | اِنْتَبَذَتْ |
| AvK„wZ aviY Kij | تَمَثَّلَ |
| `~‡i, c„\_K | قَصِيًّا |
| cÖme-‡e`bv | مَخَاض |
| ‡LRyi Mv‡Qi ¸wo, ‡LRyi Mv‡Qi KvÛ | جِذْعِ النَّخْلَةِ |
| ¯§„wZ wejyß,we¯§„Z | نَسْيًا مَّنْسِيًّا |
| SYv©, wbS©i | سَرِيًّا |
| bvov `vI, SvuKywb `vI | هُزِّيْ (ه ز ز) |
| myc° ZvRv †LRyi | رُطَبًا جَنِيًّا |
| cwiZ…ß Ki | قَرِّيْ |
| ‡jvK, gvbyl | إِنْسِيًّا |
| cvc, cv‡ci KvR, RNb¨ | فَرِيًّا |
| ‡`vjbv, gv‡qi †Kvj | مَهْدٌ |
| Avwg hZw`b ch©š— \_vwK | مَا دُمْتُ |
| nK Av`vqKvix, `vwqZ¡evb, mØ¨envi | بَرًّا |
| mv¶vZ, Dcw¯’wZ | مَشْهَدْ |
| my®úó kªeYKvix | أَسْمِعْ |
| my¯úó cÖZ¨¶Kvix | أَبْصِرْ |
| **i“Kz- 3** |  |
| wPiZ‡i, `xN© w`b | مَلِيًّا |
| AbyMÖnkxj, ‡ønkxj | حَفِيًّا |
| cwiZ¨vM KiwQ, c„\_K nw”Q | أَعْتَزِلُ |
| **i“Kz- 4** |  |
| Zviv bó Kij | أَضَاعُوْا |
| kvw¯—, †Mvgivnx | غَيًّا |
| Aek¨¤¢vex, AvMgbKvix | مَأْتِيًّا (ا ت ي) |
| fy‡j hvb, åvš— | نَسِيًّا |
| ‰ah©kxj nI | اِصْطَبِرْ (ص ب ر) |
| **i“Kz- 5** |  |
| bZRvby Ae¯’vq | جِثِيًّا |
| AwaKZi Dchy³ | أَوْلى |
| wbw¶ß nIqv, cÖ¾¡wjZ nIqv, cÖ‡e‡ki Rb¨ | صِلِيًّا |
| Awbevh©, P~ovš— | حَتْمًا |
| msmM©, gvnwdj, gRwjm | نَدِيًّا |
| cÖ`k©bx, †jvK †`Lvb, RvuKRvgK, evn¨`„wó‡Z (PvKwP‡K¨) | رِءْ يًا |
| wd‡i Avmv, cÖwZ`vb wn‡m‡e | مَرَدًّا |
| GKvKx | فَرْدًا |
| wec¶, kÎyZv, (Zv‡`i `vexi) we‡ivax | ضِدًّا |
| **i“Kz- 6** |  |
| E‡ËwRZ Kiv, cÖjyä Kiv, (†ekx †ekx ) DØy× | أَزًّا |
| ‡gngvb Ae¯’vq | وَفْدًا |
| wccvmvZ© Ae¯’vq | وِرْدًا |
| AwZ mvsNvwZK, ¸i“Zi, exfrm | إِدًّا |
| P~Y©weP~Y© nIqv | هَدًّا |
| ‡cÖg, fvjevmv | وُدًّا |
| KjncivqY, weZÛvcÖeY I †R`x | لُدًّا |
| ¶xYZg AvIqvR, kã | رِكْزًا |

سُوْرَةُ طه

**m~iv Z¡-nv**

**Z¡-nv**

**m~iv 20**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz- 1** |  |
| Zzwg Kó cvI | تَشْقى |
| mgy”P, DPzu | عُلى |
| wm³ g„wËKv, wbPz Rwg, gvwUi M‡f© | ثَراى |
| ‡Zvgiv Ae¯’vb Ki, †Zvgiv A‡c¶v Ki | اُمْكُثُوْا |
| Avwg Ae‡jvKb K‡iwQ, Avwg †`‡LwQ | اا نَسْتُ |
| AwMœ wkLv | قَبَسْ |
| D‡b¥vPb Ki, Ly‡j ‡dj | اِخْلَعْ |
| RyZv †Rvov | نَعْلَىْ |
| GKwU gyKvÏvm DcZ¨Kvi bvg, †hLv‡b nhiZ gymv (Avt) Gi cÖwZ Inx bvwhj nq | طُوًى |
| Avwg g‡bvbxZ K‡iwQ | (fve we‡kl¨*.:* اِخْتِيَارٌ) اِخْتَرْتُ |
| ivL‡Z PvB | أَكَادُ |
| †Mvcb | أُخْفِيْ |
| Zywg aŸsm n‡q hvI | تَرْداى |
| Avwg fi †`B | أَتَوَكَّؤُا |
| Mv‡Qi cvZv Svwo | أَهُشُّ |
| Avgvi QvMjcvj | غَنَمِيْ |
| KvR, cª‡qvRbxqZv | مَاا رِبُ |
| mvc | حَيَّةٌ |
| Ae¯’v | سِيْرَة |
| msjMœ Ki, wgwj‡q bvI, †P‡c ai | اُضْمُمْ |
| ïå, mv`v, D¾¡j | بَيْضَاءَ |
| **i“Kz- 2** |  |
| cÖk¯— Ki | اِشْرَحْ |
| Ly‡j `vI, `~i K‡i `vI, D‡b¥vPb Ki | اُحْلُلْ |
| RoZv, MÖwš’, wMiv | عُقْدَة |
| gReyZ Ki, kw³kvjx Ki | اُشْدُدْ |
| Avgvi †Kvgi, wcV, kw³ | أَزْرِيْ |
| kixK Ki, mn‡hvMx evwb‡q `vI | أَشْرِكْ |
| ‡hb | كَيْ |
| wb‡¶c Ki, fvwm‡q `vI | اِقْذِفِيْ (ق ذ ف) |
| Zzwg cÖwZcvwjZ nI, cwiewa©Z nI | تُصْنَعَ |
| Avgvi `„wó, Avgvi ‡PvL | عَيْنِيْ |
| Avwg ‡LvuR w`e, e‡j w`e? | أَدُلُّ |
| kxZj nq | تَقَرَّ |
| cix¶v | فُتُوْنًا |
| g‡bvbxZ K‡iwQ | اِصْطَنَعْتُ |
| Avgvi wb‡Ri Rb¨ | لِنَفْسِيْ |
| ‡Zvgiv `yRb Avjm¨ Ki bv, ‰kw\_j¨ Ki bv | لَا تَنِيَا |
| evovevwo K‡i, Ryjyg K‡i, `ye©¨envi K‡i | يَفْرُطَ |
| `vb K‡i‡Qb | أَعْطى |
| wK Ae¯’v? | مَابَالُ |
| wewfbœ, bvbvwea | شَتَّى |
| PviY Ki, PivI | اِرْعَوْا |
| we‡eKevb, eyw×gvb | أُولِى النُّهى |
| **i“Kz- 3** |  |
| cybivq, wØZxqevi, Av‡iKevi | تَارَةً أُخْراى |
| cÖk¯’ ¯’vb, mgZj cÖvš—i, myweavRbK | مَكَانًا سُوًى |
| Drm‡ei w`b | يَوْمُ الزِّيْنَة |
| c~ev©ý, w`‡bi cÖ\_g fvM, Pvk‡Zi mgq | ضُحًى |
| aŸsm K‡i w`‡eb, weaŸ¯— Ki‡eb | يُسْحِتَ |
| e¨\_©Kvg n‡q‡Q, wedj n‡q‡Q | خَابَ |
| DrK…ó, Av`k© | مُثْلى |
| civµvš— n‡e, Rqx n‡e, cÖvavb¨ we¯—vi Ki‡e | اِسْتَعْلى |
| iwk¸‡jv | (GKePb*.:* حَبْلٌ) حِبَالٌ |
| jvwV¸‡jv | (GKePb*.:* عَصَا) عِصِيُّ |
| AbywgZ nj, g‡b nj | يُخَيَّلُ |
| (fxwZ )Abyfe Kij | أَوْجَسَ |
| **i“Kz- 4** |  |
| ï®‹ c\_ | يَبَسًا |
| a„Z nq, aiv cov | دَرَكًا |
| ‡m aŸsm n‡q hv‡e | هَواى |
| Avgvi wcQ‡b, Avgvi Abymi‡Y | أَثَرِيْ |
| g~mv(Avt) Gi hy‡Mi GKRb †jv‡Ki bvg | سَامِرِيُّ |
| `xN© n‡q‡Q, DËxY© n‡q‡Q | طَالَ |
| ‡`n, AvK…wZwewkó, Aeqe | جَسَدًا |
| kã, Mi“ QvM‡ji Wv‡Ki kã | خُوَارٌ |
| **i“Kz- 5** |  |
| ‡n Avgvi gv‡qi †Q‡j, A\_v©r †n Avgvi fvB | يَابْنَؤُمَّ |
| k¥kªy, `vwo | لِحْيَة |
| Zzwg A‡c¶v Ki bvB, Zzwg g~j¨ `vIwb | لَمْ تَرْقُبْ |
| gywó f‡i wb‡q‡Q, MÖnY K‡i‡Q | قَبَضْتُ |
| GK gywó | قَبْضَة |
| ¯úk© Ki‡e bv | لَا مِسَاسَ |
| Zzwg n‡j, Zzwg n‡qwQ‡j, mviv w`b KvUv‡j | ظَلْتَ |
| Dcweó, Abyi³, mshy³f³ | عَاكِفًا |
| Avwg R¡vwj‡q w`e | نُحَرِّقَنَّ (ح ر ق) |
| Dwo‡q †`qv, wew¶ß Kiv | نَسْفًا |
| `„wónxb Ae¯’vq, bxj-‡PvL, cÖ¯—igq | زُرْقًا |
| Zviv ci¯úi Pzwc Pzwc ejvewj Ki‡e | يَتَخَافَتُوْنَ |
| DËg, DrK…ócš’xMY | أَمْثَلُ |
| **i“Kz- 6** |  |
| gq`vb, mgZj | قَاعًا |
| gm„Y, cwi®‹vi, cwiZ¨³,i“¶ a~mi gq`vb | صَفْصَفًا |
| DPzu wbPz, wUjv, Amgvb | أَمْتًا |
| g„`y ¸Äb, A¯úó aŸwb | هَمْسًا |
| webZ n‡e, AebwgZ n‡e | عَنَتْ |
| ‡eBbmvdx, Ryjyg, AfveMÖ¯— nIqv, nK bó nIqv | هَضْمًا |
| ‡m m„wó K‡i, bZzb Avwe®‹vi K‡i | يُحْدِثُ |
| `„p m¼íZv | عَزْمًا |
| **i“Kz- 7** |  |
| ¶yavZ© n‡e bv | لَا تَجُوْعَ (ج و ع) |
| e¯¿nxb n‡e bv, Abve„Z n‡e bv | لَا تَعْراى (ع ر ي) |
| wccvmvZ© n‡e bv | لَا تَظْمَؤُا (ظ م ء) |
| ‡iŠ`ªZß n‡e bv | لَا تَضْحى |
| msKxY©, m¼zwPZ | ضَنْكًا |
| **i“Kz- 8** |  |
| Aek¨¤¢vex, mve¨¯— nIqv | لِزَامًا |
| ‡mŠ›`h©, RvuKRgK | زَهْرَةٌ |
| cix¶v Kwi | نَفْتِنُ |

سُوْرَةُ الْأَنْبِيَآءِ

**m~iv Avw¤^qv**

**bexMY**

**m~iv 21**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| bZzb | مُحْدَث |
| Ag†bv‡hvMx, Ab¨ wPš—vq gk¸j | لَاهِيَة |
| **i“Kz- 2** |  |
| Avgiv aŸsm K‡iwQ, Avgiv weaŸ¯— K‡iwQ | قَصَمْنَا |
| Zviv Abyfe Kij, †Ui †cj | أَحَسُّوْا |
| cvjv‡Z jvMj, w`‡knviv n‡q cvjv‡Z jvMj | يَرْكُضُوْنَ (ر ك ض) |
| cvjv‡bv, w`‡knviv n‡q cvjv‡bv | رَكْضٌ |
| Pj‡Z \_v‡K, Ki‡Z \_vKj, ‡kl nq bvB | مَازَالَتْ |
| KwZ©Z dmj | حَصِيْدًا |
| AwMœ wbev©wcZ f®§ | خَامِدِيْنَ |
| Zviv cwikªvš— nq bv | لَا يَسْتَحْسِرُوْنَ (ح س ر) |
| Zviv \_v‡g bv | لَا يَفْتُرُوْنَ |
| Df‡qB aŸsm n‡q †hZ, Df‡qi g‡a¨ Akvwš— weivR KiZ | فَسَدَتَا |
| Avb, †ck Ki, `vI | هَاتُوْا |
| **i“Kz- 3** |  |
| wgwjZ Ae¯’vq, eÜ, mse× | رَتْقًا |
| c„\_K K‡i w`‡qwQ, Ly‡j w`‡qwQ, gy³ K‡iwQ | فَتَقْنَا |
| cÖk¯— | فِجَاجًا |
| Qv` | سَقْفًا |
| wePiY Ki‡Q, cwiµgY Ki‡Q, mvuZvi KvU‡Q | يَسْبَحُوْنَ |
| wPi¯’vqx, Abš— Rxeb, wPiš—bZv | خُلْد |
| hw` Zzwg g„Zy¨eiY Ki | إِنْ مِّتَّ (م و ت) |
| Zviv cÖwZ‡iva Ki‡Z cvi‡e bv | لَا يَكُفُّوْنَ |
| nZeyw× K‡i w`‡e, nZf¤^ K‡i †`‡e | تَبْهَت |
| nZeyw× Kiv, nZf¤^ Kiv | بَهْتٌ (ب ه ت) |
| **i“Kz- 4** |  |
| ‡K †ndvRZ Ki‡Z cv‡i?, ‡K i¶v Ki‡Z cv‡i? | مَنْ يَكْلَؤُ |
| mn‡hvwMZv †`qv n‡e, mvnvh¨Kvix cv‡e | يُصْحَبُوْنَ |
| wKQygvÎ, GKUz cwigvY, SvcUv | نَفْحَةٌ |
| mwilv, km¨ | خَرْدَلٌ |
| ‡R¨vwZ, Av‡jv | ضِيَآءٌ |
| **i“Kz- 5** |  |
| cªwZg~wZ©, cÖwZgv | تَمَاثِيْل (م ث ل) |
| weP~Y©, UzK‡iv UzK‡iv | جُذَاذًا |
| hyeK | فَتًى |
| K\_v ej‡Z cv‡i | يَنْطِقُوْنَ (ن ط ق) |
| AebwgZ nj, AebZ Kij | نُكِسُوْا |
| `» Ki, cywo‡q `vI | حَرِّقُوْا |
| nI, n‡q hvI | كُوْنِيْ |
| kxZj, VvÛv | بَرْدًا |
| **i“Kz- 6** |  |
| gnv msKU, weo¤^bv | كَرْبٌ |
| iv‡Z Xy‡K c‡owQj, iv‡Z Qwo‡q c‡owQj | نَفَشَتْ |
| QvM‡ji cvj, †gl | غَنَمٌ |
| Avwg eywS‡q w`‡qwQjvg | فَهَّمْنَا |
| wkí, KvwiMix | صَنْعَة |
| eg© wbgv©Y | لَبُوْس |
| i¶v Ki‡Z cv‡i, msi¶Y K‡i | تُحْصِنَ |
| cÖej, KwVb, Zxeª | عَاصِفَة |
| Wyeyixi KvR KiZ, Wye w`Z | يَغُوْصُوْنَ |
| gvQIqvjv (nhiZ BDbym Avt) | ذَا النُّوْنِ |
| ms‡kvab K‡i w`‡qwQjvg, Dc‡hvMx K‡i w`‡qwQjvg | أَصْلَحْنَا |
| msi¶Y K‡iwQj | أَحْصَنَتْ |
| mZxZ¡, B¾Z, j¾v¯’vb | فَرْجٌ |
| **i“Kz- 7** |  |
| AMÖvn¨ n‡e, A¯^xK…Z n‡e | كُفْرَان |
| DuPz fywg, myD”P ¯’vb | حَدَب |
| `ª“Z Qy‡UAvm‡e | يَنْسِلُوْنَ |
| we‡õvwiZ n‡e | شَاخِصَة |
| BÜb | حَصَبُ |
| DcbxZ n‡e, cÖ‡ekKvix n‡e | وَارِدُوْنَ |
| wPrKvi, Kvb dvUv AvZ©bv` | زَفِيْر |
| `~‡i \_vK‡e | مُبْعَدُوْنَ |
| ¶xYZg kã | حَسِيْس |
| Îvm, AvZsK | فَزَعُ |
| Avgiv ¸wU‡q †dje, fvR K‡i ivL‡ev | نَطْوِيْ |
| ¸Uv‡bv, fvR K‡i ivLv | طَيّ |
| wjwLZ KvMR, `dZi, LvZv | سِجِلّ |
| mveavb K‡i w`‡qwQ , Rvwb‡q w`‡qwQ | ااذَنْتُ |
| Avwg †Zv g‡b Kwi, GQvov Avwg Rvwbbv | إِنْ أَدْرِيْ |

سُوْرَةُ الْحَجِّ

**m~iv nv¾¡**

**nv¾¡**

**m~iv 22**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz- 1** |  |
| we¯§„Z n‡e, fy‡j hv‡e | تَذْهَلُ (ذ ه ل) |
| ¯—b¨`vwqbx | مُرْضِعَة |
| Mf©cvZ Ki‡e | تَضَعُ |
| Mf©eZx | ذَاتِ حَمْلٍ |
| gvZvj m`„k, cÖgË | سُكَاراى |
| Aeva¨, bvdigvb, D×Z | مَرِيْد |
| eÜz evbv‡e, AwffveK evbv‡e | تَوَلَّا |
| i³ wcÛ | عَلَقَة |
| gvsm wcÛ | مُضْغَةٌ |
| c~Y©vK…wZwewkó, m¤úyY© cÖ¯ZzZ | مُخَلَّقَة |
| w¯’wZkxj Kwi, ‡i‡L †`B, Ae¯’vb KivB | نُقِرُّ |
| wkïi“‡c | طِفْلاً |
| AKg©Y¨ Rxeb, nxbZg eqm, wbK…óZg Rxeb | أَرْذَلِ الْعُمُرِ |
| weï¯‹, wb®cÖvY | هَامِدَة |
| m‡ZR nq, mim nq | ِ اِهْتَزَّتْ |
| ùxZ nq, dy‡j D‡V | رَبَتْ |
| my`„k¨ Dw™¢`, g‡bvig Zi“-jZv, my›`i †Rvov | زَوْجٍ بَهِيْجٍ |
| evuKv K‡i, D×Z K‡i | ثَانِيَ |
| Kvua, M`v©b | عِطْف |
| **i“Kz- 2** |  |
| wØavØ›Ø RwoZ, mskqMÖ¯’, GKcÖv‡š— `vuwo‡q | حَرْف |
| i¾y, iwk | سَبَبٌ |
| Rxe-RšZz | (GKePb*.* دَآبَّة ) دَوَابٌّ |
| `yB SMov‡U, SMovKvix, wee`gvb c¶Øq | خَصْمَانِ |
| weZK© K‡i, SMov K‡i, Zviv weev` Ki‡Q | اِخْتَصَمُوْا |
| ‡K‡U ‰Zix Kiv n‡q‡Q, ‡K‡U ‡djv n‡q‡Q, wew”Qbœ Kiv n‡q‡Q | قُطِّعَتْ |
| Kvco | ثِيَابٌ |
| ‡X‡j †`qv n‡e | يُصَبُّ |
| weMwjZ Kiv n‡e | يُصْهَرُ |
| nvZzox, gy¸i, ¸R©, †jŠn`Û | مَقَامِعُ |
| ‡jvnv | حَدِيْدٌ |
| **i“Kz- 3** |  |
| gy³v | لُؤْلُؤٌ |
| ‡ikg | حَرِيْرٌ |
| ¯’vbxq Awaevmx | عَاكِفٌ |
| ewnivMZ | بَاد |
| ag©‡`ªvwnZv, wki&&K&, cvc KvR, bvw¯—KZv | إِلْحَاد |
| **i“Kz- 4** |  |
| K…kKvq DU, K…kKvq DU, `ye©j DU | ضَامِر |
| `~i-`~ivš— c\_, `~ieZx© c\_, cÖZ¨š— AÂj | فَجٍّ عَمِيْقٍ |
| M„ncvwjZ PZz®ú`x RšZy | بَهِيْمَةِ الْأَنْعَامِ |
| ‡Zvgiv LvI | كُلُوْا |
| LvIqvI | أَطْعِمُوْا |
| ¶zavZ©, fyLv, `yt¯’ | الْبَائِسْ |
| `~i K‡i, wVK K‡i | يَقْضُوْا |
| gqjv, Acwi”QbœZv | تَفَثٌ |
| cÖvPxb M„n, mymsiw¶Z M„n, A\_v©r Kvev kixd | الْبَيْتِ الْعَتِيْق |
| ‡Qvu †g‡i wb‡q hvq | تَخْطَفُ |
| wb‡¶c K‡i, Dwo‡q wb‡q hvq | تَهْوِيْ |
| `~ieZx© ¯’vb, eû`~i | سَحِيْقٌ |
| **i“Kz- 5** |  |
| webqxMY, wbôvc~Y© AvbyMZ¨ MÖnYKvix ‡jv‡Kiv, (Avj­vni ûKz‡gi Kv‡Q ) AebZKvix †jv‡Kiv | مُخْبِتِيْنَ |
| ‡KvievYxi DU¸‡jv | بُدْن |
| mvwie×fv‡e (`vuovb Ae¯’vq) | صَوَآفّ |
| f~cvwZZ nq, c‡o hvq, X‡j c‡o | وَجَبَتْ |
| ‰ah©kxj AfveMÖ¯—, cwiZzó, mwnòz | قَانِعَ |
| cÖv\_©bvKvix AfveMÖ¯— | مُعْتَرّ |
| gvsm | (GKePb*.:* لَحْمٌ) لُحُوْم |
| wek¦vmNvZK, Awek¦vmx, †LqvbZKvix | خَوَّان |
| **i“Kz- 6** |  |
| AbygwZ cÖ`vb Kiv nj | أُذِنَ |
| wbnZ nq, hy× Kiv n‡”Q | يُقَاتَلُوْنَ |
| weaŸ¯— Kiv nZ, aŸsmcÖvß nZ | هُدِّمَتْ |
| msmvi weivMx‡`i Dcvmbvjq¸‡jv, mvabv M„n | صَوَامِعُ |
| CmvB‡`i MxRv© | بِيَعٌ |
| Bû`x‡`i Dcvmbvjq¸‡jv | صَلَوَاتٌ |
| AeKvk w`‡qwQjvg | أَمْلَيْتُ |
| Avhve, kvw¯— | نَكِيْرٌ |
| K~c | بِئْرٌ |
| cwiZ¨³, AKg©Y¨, †eKvi | مُعَطَّلَةٌ |
| gnj, cÖvmv` | (eûePb*.:* قُصُوْرٌ) قَصْرٌ |
| myD”P, mw¾Z, gReyZ | مَشِيْد |
| AÜ nq | تَعْمى |
| **i“Kz- 7** |  |
| AvKv•Lv K‡i‡Q, ‡m msKí K‡i‡Q, Awfjvl K‡i‡Q | تَمَنّى |
| webZ nq, AebwgZ nq | تُخْبِتَ |
| eÜv, eiKZnxb, aŸsmKvix, Lvivc | عَقِيْمٌ |
| **i“Kz- 8** |  |
| nwireY¨, meyR, k¨vgj | مُخْضَرَّةٌ |
| **i“Kz- 9** |  |
| ‡hb cwZZ nq | أَنْ تَقَعَ |
| AvµgY Ki‡e, nvgjv Ki‡e | يَسْطُوْنَ |
| **i“Kz- 10** |  |
| gvwQ | ذُبَابًا |
| wb‡q hvq, wQwb‡q †bq | يَسْلُب |
| Zviv wdwi‡q wb‡Z cv‡i bv, D×viKi‡Z cv‡i bv | لَا يَسْتَنْقِذُوْا |
| D×vi Kiv, gy³ Kiv, Qvwo‡q †bqv | اِسْتِنْقَاذٌ |

سُوْرَةُ الْمُؤْمِنُوْنَ

**m~iv gyÕwgbyb**

**wek¦vmxMY, Cgvb MªnYKvixMY**

**m~iv 23**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| ¸ßv½, j¾v¯’vb, cweÎZv, mZxZ¡ | (GKePb*.:* فَرْجٌ) فُرُوْجٌ |
| wb›`bxq bq, wZi®K…Z n‡e bv, g›` ejv nq bvB | غَيْرُ مَلُوْمِيْنَ |
| mxgv jsNbKvix | عَادُوْنَ |
| msi¶YKvix, ‡Lqvj iv‡L, mZK© \_v‡K | رَاعُوْنَ |
| mvivsk , wbhv©m, wbev©wPZ | سُلَالَةٌ |
| Ave„Z K‡iwQ, cwiavb Kwi‡qwQ, †X‡K w`‡qwQ | كَسَوْنَا |
| c\_mg~n | (GKePb*.:* طَرِيْقَةٌ) طَرَائِقَ |
| AcmvwiZ Kiv, wb‡q hvIqv | ذَهَاب |
| ‡Zj, wcw”Qj | دُهنٌ |
| e¨Äb, Avnvh©, is | صِبْغٌ |
| **i“Kz- 2** |  |
| Av‡ivnb Ki‡e, mgvb nIqv | اِسْتَوَيْتَ |
| cix¶vKvix | مُبْتَلِيْنَ |
| **i“Kz- 3** |  |
| myL-m¤ú` `vb K‡iwQ, mv”Q›`¨ w`‡qwQ | أَتْرَفْنَا |
| myLx Kiv, m¤ú`kvjx Kiv, ab †`qv | اِتْرَاف |
| Am¤¢e, n‡Z cv‡i bv, m~`~i civnZ | هَيْهَاتَ |
| AveR©bv, P~Y©-weP~Y© | غُثَآءٌ |
| GKvw`µ‡g, ci ci, µgvMZfv‡e | تَتْرًا |
| DPzu RvqMv, DPzu f~wg | رَبْوَةٌ |
| **i“Kz- 4** |  |
| UzK‡iv UzK‡iv K‡i, LÛ-weLÛ K‡i | زُبُرًا |
| weåvwš—, AÁvbZv, Ag‡bv‡hvwMZv, Ae‡njv | غَمْرَةٌ |
| AvZ©bv` Kiv, dwiqv` Kiv | جِئْرٌ |
| cðv`cmiY Ki‡Z, m‡i ‡h‡Z, cÖZ¨vewZ©Z n‡Z | تَنْكِصُوْنَ (ن ك ص) |
| Mí ¸R‡e ‡g‡Z DVv, †K”Qv Kvwnbx ejv | سَامِرًا |
| A\_©nxb K\_v ej‡Z | تَهْجُرُوْنَ |
| wePy¨Z, wec\_Mvgx | نَاكِبُوْنَ (ن ك ب) |
| ‡j‡MB \_vK‡e | لَجُّوْا |
| **i“Kz- 5** |  |
| i¶v K‡ib, Avkªq `vb K‡ib | يُجِيْرُ |
| Zvui gyKvwejvq †KD Avkªq w`‡Z cvi‡e bv, Zvui wei“‡× ‡KD i¶v Ki‡Z cvi‡e bv | لَا يُجَارُ عَلَيْهِ |
| **i“Kz- 5** |  |
| KzcÖ‡ivPbv, IqvmIqvmv | هَمَزَات |
| K‡\_vcK\_bKvix, e³v, Dw³Kvix | قَائِلٌ |
| AvZ¥xqZvi eÜb | أَنْسَابٌ |
| Sjwm‡q w`‡e, `» Ki‡e | تَلْفَحُ |
| weeY©, exfrm, Kz-AvK…wZ | كَالِحُوْنَ |
| MYbvKvix, cwimsL¨vbKvix | عَادِّيْنَ |
| Ab\_©K, wbùj | عَبَثًا |

سُوْرَةُ النُّوْرِ

**m~iv b~i**

**Av‡jv**

**m~iv 24**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| †Zvgiv ‡eÎvNvZ Ki, †Kvov gvi | اِجْلِدُوْا |
| ‡eZ, †Kvov | جَلْدَة |
| ggZv, `qv, AbyK¤úv | رَأْفَةٌ |
| Acev` †`q | يَرْمُوْنَ |
| Avwk | ثَمَانِيْن |
| iwnZ n‡e, we`~wiZ n‡e | يَدْرَؤُا |
| **i“Kz- 2** |  |
| wg\_¨v Acev` | إِفْكٌ |
| Rwo‡q c‡owQ‡j, Avi¤¢ K‡iwQ‡j, PPv© KiwQ‡j, Av‡jvPbv KiwQ‡j | أَفَضْتُمْ |
| Qovw”Q‡j | تَلَقَّوْنَ |
| mvaviY K\_v, Zz”Q | هَيِّنًا |
| cÖPvwiZ nq, cÖmvi jvf Ki“K | تَشِيْعَ |
| **i“Kz- 3** |  |
| (†hb) Kmg bv Lvq, (†hb) kc\_ bv K‡i | لَا يَأْتَلِ |
| Kmg LvIqv, kc\_ Kiv | اِئْتَلى |
| wegy³, m¤úK©nxb, wb®‹jsK | مُبَرَّءُوْنَ |
| **i“Kz- 4** |  |
| †Zvgiv AbygwZ MÖnY Ki | تَسْتَأْنِسُوْا |
| emev‡mi ¯’vb bq, AbvevwmK, †h M„‡n †KD evm K‡i bv | غَيْرَ مَسْكُوْنَةٍ |
| bZ ivLv, AebZ Kiv, mshZ Kiv | غَضٌّ |
| cÖ`k©b bv K‡I, cÖKvkbv K‡i | لَا يُبْدِيْنَ |
| ¯^vgxiv | (GKePb*.*  بَعْل ) بُعُوْلَة |
| A\_e© `vm, †hŠbKvgbvgy³ `vm | غَيْرِ أُولِى الْإِربَةِ |
| evjK | طِفْل |
| ‡Mvcb A½, bvixM‡Yi AveiYxq welq | عَوْرَات |
| AweevwnZMY | أَيَامى |
| `vmx | (GKePb*.:* أَمَةٌ) إِمَاءٌ |
| `vmxMY | فَتَيَاتٌ |
| e¨wfPvi, ‡ek¨ve„wË | بِغَاءٌ |
| PwiÎeZx n‡q \_vKv, mZxZ¡ msi¶Y Kiv | تَحَصُّنًا |
| cvw\_©e m¤ú`, ¶Y¯’vqx m¤ú`, ˆelwqK ¯^v\_© | عَرَضٌ |
| **i“Kz- 5** |  |
| `xcvavi, ‡PivM `vbx, ZvK, ‡`Iqv‡ji †QvU †Lvc | مِشْكوة |
| cÖ`xc | مِصْبَاح |
| KvuPcvÎ | زُجَاجَة |
| b¶Î, Zviv | كَوْكَبٌ |
| D¾¡j | دُرِّيٌّ |
| Zv Av‡jvwKZ Kiv nq, Zv cÖ¾¡wjZ Kiv nq | يُوْقَدُ |
| ‡Zj | زَيْتٌ |
| D¾¡j Av‡jv w`‡”Q, ¯^ZtcÖ¾¡wjZ nq | يُضِيْءُ |
| mgybœZ Kiv †nvK, m¤§vb cÖ`k©b Kiv †nvK | تُرْفَعُ |
| weewZ©Z n‡e, Dwë‡q hv‡e | تَتَقَلَّبُ |
| gixwPKv | سَرَابٌ |
| gi“f~wg, gq`vb | قِيْعَةٌ |
| wccvmvZ© e¨w³ | ظَمْاانُ |
| Mfxi | لُجِّيٌّ |
| Kv‡QI †bB, m¤¢e bq, Av‡`Š bv | لَمْ يَكَدْ |
| **i“Kz- 6** |  |
| ¯—‡i ¯—‡i, Dc‡i bx‡P, ¯‘cxK…Z, Nbxf~Z | رُكَامًا |
| e„wó aviv | وَدْقٌ |
| Af¨š—i, ga¨ | خِلَالٌ |
| VvÛv, kxZ, eid wkjv | بَرْدٌ |
| Av‡jv, we`~¨r SjK | سَنَا |
| webxZfv‡e | مُذْعِنِيْنَ |
| AwePvi Ki‡eb | يَحِيْفَ |
| **i“Kz- 7** |  |
| kvmb KZ©„Z¡ cÖ`vb Ki‡eb, `vb Ki‡eb, Lwjdv evbv‡eb | يَسْتَخْلِفَنَّ |
| A¶gKvix | مُعْجِزِيْنَ |
| **i“Kz- 8** |  |
| AbygwZ MÖnY K‡i | يَسْتَأْذِنُ |
| AbygwZ MÖnY Kiv | اِسْتِيْذَانٌ |
| ev‡jM nIqv, cÖvß eq®‹ nIqv, eyw×i cwic°Zv ch©š— †cŠuQv | حُلُمٌ |
| (Ly‡j)ivL, †Zvgiv (Ly‡j)ivL | تَضَعُوْنَ |
| wØcÖni, `ycyi | ظَهِيْرَةٌ |
| evjKevwjKvMY | أَطْفَالٌ |
| (†hŠeb) AwZµgKvwibx, elx©qmx, e„×v | قَوَاعِدَ |
| ‡mŠ›`h© cÖ`k©bKvwibx | مُتَبَرِّجَات |
| c½y | أَعْرَج |
| PvPviv | أَعْمَام |
| dzdziv | (GKePb*.:* عَمَّةٌ) عَمَّات |
| gvgviv | أَخْوَال |
| Lvjviv | (GKePb*.:*  خَالٌ) خَالَاتٌ |
| wfbœ wfbœ fv‡e | أَشْتَاتًا |
| **i“Kz- 9** |  |
| KvR, e¨vcvi | شَأْنٌ |
| Zviv †Mvc‡b cÖ¯’vb K‡i, m‡i c‡o | يَتَسَلَّلُوْنَ مِنْ |
| †Mvc‡b cÖ¯’vb Kiv, m‡i cov | تَسَلَّلَ مِنْ |
| Pzwcmv‡i, A‡MvP‡i, †Mvc‡b | لِوَاذًا |

سُوْرَةُ الْفُرْقَانِ

**m~iv dyiK¡b**

**mZ¨ wg\_¨vi gvcKvwV**

**m~iv 25**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| cybi“Ìvb, cybi“¾xweZ Kiv | نُشُوْرًا |
| mvnvh¨ K‡i‡Q | أَعَانَ |
| ‡kvbv‡bv nq, cov nq, wjwce× Kiv nq | تُمْلى |
| Pjv‡div K‡i | يَمْشِيْ |
| nvU evRvi¸‡jv | (GKePb*.:* سُوْقٌ) أَسْوَاقٌ |
| **i“Kz-2** |  |
| gnj¸‡jv, cÖvmv`¸‡jv | قُصُوْرًا |
| ‡µv‡ai MR©b, ivM, iv‡Mi D‡ËRbv | تَغَيُّظًا |
| msKxY© | ضَيِّقًا |
| evuav Ae¯’vq, k„sLwjZ Ae¯’vq | مُقَرَّنِيْنَ |
| g„Zz¨, aŸsm | ثُبُوْرًا |
| ‡Zvgiv weåvš— K‡iwQ‡j? | أَضْلَلْتُمْ |
| aŸsmcÖvß, aŸsm | بُوْرًا |
| **i“Kz-3** |  |
| evav, cÖwZeÜKZv, Avovj | حِجْرًا |
| aywjKYv | هَبَاءً |
| wew¶ß | مَنْثُوْرًا |
| `ycy‡ii wekªvg¯’j | مَقِيْلاً |
| ‡gNgvjv | غَمَامٌ |
| ‡m Kvgov‡e | يَعَضُّ |
| cÖZviK | خَذُوْلًا |
| cwiZ¨³, ewR©Z, Dcnv‡mi ¸i“Z¡nxb e¯‘ | مَهْجُوْرًا |
| ¯úó Ave„wË (¯úófv‡e mvRv‡bv), µ‡g µ‡g, weiwZ w`‡q (GK we‡kl avivq Avjv`v Avjv`v As‡k) | تَرْتِيْلاً |
| e¨vL¨v (cÖ`vb Kwi), g~j K\_v‡K e¨³ K‡i w`‡qwQ | تَفْسِيْرًا |
| **i“Kz-4** |  |
| aŸsm Kiv | دَمَّرَ |
| K~‡ci AwaevmxMY | أَصْحَابَ الرَّسِّ |
| aŸsm Kiv (m¤ú~Y©i“‡c) | تَتْبِيرًا |
| **i“Kz-5** |  |
| Qvqv | ظِلٌّ |
| `jxj, c\_ cÖ`k©K | دَلِيْلاً |
| wekªvg ¯^i“c (g„Zz¨mg) | سُبَاتًا |
| mw¤§wjZ K‡i‡Qb, wgwj‡q cÖevwnZ K‡i‡Qb | مَرَجَ |
| wgwó | عَذْبٌ |
| my‡cq, Z…òv wbeviK | فُرَاتٌ |
| jeYv³ | مِلْحٌ |
| we¯^v`, cÖ`vnKvix | أُجَاجٌ |
| Aš—ivq, Avovj | بَرْزَخٌ |
| eskMZ m¤úK©, eskMZ m¤ú‡K©i AvZœxq | نَسَبًا |
| ‰eevwnK m¤úK©, ˆeevwnK m¤ú‡K©i AvZœxq | صِهْرًا |
| **i“Kz-6** |  |
| cÖ`xc A\_©vr m~h© | سِرَاج |
| chv©qµ‡g AvMgbKvix, hviv G‡Ki ci GK Av‡m | خِلْفَة |
| Zviv Pjv‡div K‡i | يَمْشُوْنَ |
| bgªfv‡e, webxZfv‡e | هَوْنًا |
| ivZ KvUvq | يَبِيْتُوْنَ |
| cÖvYvš—Ki, Awbevh© | غَرَامًا |
| Zviv Kvc©Y¨ K‡i | يَقْتُرُوْا |
| ga¨gcš’x, `Ûvqgvb | قَوَامًا |
| N„wYZ, jvwÃZ, nxb Ae¯’vq | مُهَانًا |
| mgy”P K¶, D”PZg gwÄj | غُرْفَة |
| MÖvn¨ K‡ib bv, c‡ivqv K‡ib bv | مَا يَعْبَؤُ |
| Aek¨¤¢vex, ¯’vqx Acwinvh© | لِزَامًا |

سُوْرَةُ الشُّعَرَآءِ

**m~iv ïÕAviv**

**Kweiv**

**m~iv 26**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| AebwgZKvixMY, webqxMY | خَاضِعِيْنَ |
| **i“Kz -2** |  |
| wkï Ae¯’vq, ˆkk‡e | وَلِيْدًا |
| Kvivi“×MY | مَسْجُوْنِيْنَ |
| mvc, ARMi | ثُعْبَانٌ |
| **i“Kz -3** |  |
| AeKvk `vI, Zvi (e¨vcvi) ¯’wMZ ivL | أَرْجِهْ |
| ‡Kvb ¶wZbvB | لَا ضَيْرَ |
| **i“Kz -4** |  |
| `j, RvgvÕAvvZ | شِرْذِمَةٌ |
| ‡µva DÏxßKvixiv | غَائِظُوْنَ |
| fxwZ cÖ`k©bKvix, m`vmZK© | حَاذِرُوْنَ |
| m~h©-D`qKv‡j | مُشْرِقِيْنَ |
| aiv c‡o †Mjvg | مُدْرَكُوْنَ |
| KLbB bq | كَلَّا |
| we`xY© nj | اِنْفَلَقَ |
| cvnvo | طَوْدٌ |
| Avgiv wbK‡U Avbjvg, wbKUZi K‡i w`‡qwQjvg | أَزْلَفْنَا |
| **i“Kz -5** |  |
| c~e©eZxMY | أَقْدَمُوْنَ |
| Avgv‡K cvbxq `vb K‡ib | يَسْقِيْنِ |
| mw¤§wjZ Ki | أَلْحِقْ |
| wbK‡U Avbv n‡e | أُزْلِفَتْ |
| cÖKvk Kiv n‡e, D‡b¥vwPZ Kiv n‡e | بُرِّزَتْ |
| A‡avgywL K‡i wb‡¶c Kiv n‡e, †V‡j †`qv n‡e | كُبْكِبُوْا |
| eÜz | صَدِيْقٌ |
| myü`q eÜz | حَمِيْمٌ |
| **i“Kz -6** |  |
| wbK…óZg †jv‡Kiv, Aag wbæRv‡Zi †jv‡Kiv | أَرْذَلُوْنَ |
| weZvobKvix | طَارِدٌ |
| cÖ¯—ivNv‡Z wbnZ e¨w³eM© | مَرْجُوْمِيْنَ |
| ‡evSvB, fwZ©, cwic~Y©, c~Y©Zv | مَشْحُوْن |
| **i“Kz -7** |  |
| ‡Zvgiv wbgv©Y Ki | تَبْنُوْنَ |
| D”P ¯’vb | رِيْعٌ |
| cÖvmv`, AÆvwjKv mg~n | (GKePb*.:* مَصْنَعْ) مَصَانِعَ |
| n¯—‡¶c Ki, AvNvZ nvb | بَطَشْتُمْ |
| wbqvgZ w`‡q‡Qb, mvnvh¨ K‡i‡Qb | أَمَدَّ |
| **i“Kz -8** |  |
| GBLv‡b | هَاهُنَا |
| my‡Kvgj i‡m fiv, gÄwiZ, gyKzwjZ | هَضِيْم |
| mvb‡›`, AnsKvi e‡k, `¤¢f‡i | فَارِهِيْنَ |
| **i“Kz -9** |  |
| cyi“lMY | ذُكْرَان |
| exZkª×, N„YvKvix | قَالِيْن |
| GK e„×v | عَجُوْزٌ |
| **i“Kz -10** |  |
| eb, GK Mv‡Qi bvg | أَيْكَةٌ |
| eskai‡`i | جِبِلَّةٌ |
| wb‡¶c Ki, †d‡jv | أَسْقِطْ |
| **i“Kz -11** |  |
| cÖweó K‡i‡Q, mÂvi K‡i‡Q | سَلَكْنَا |
| Acm„Z n‡q‡Q, `~‡i ivLv n‡q‡Q | مَعْزُوْلُوْنَ |
| cÖwZ‡kva MÖnY K‡i | اِنْتَصِرُوْا |
| Mš—e¨¯’vb, cÖZ¨veZ©b ¯’j | مُنْقَلَب |

سُوْرَةُ النَّمْل

**m~iv Avb bvgj**

**wcucov**

**m~iv 27**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| jvf KiQ, wk¶v †`qv nq | تُلَقّى |
| R¡jš— | شِهَابٌ |
| AsMvi | قَبَسٌ |
| Zzwg Av¸b †cvnv‡Z cvi | تَصْطَلُوْنَ |
| ‡m †gveviK (ab¨), Kj¨vYhy³ Kiv n‡q‡Q, Zv‡Z Kj¨vY †`qv n‡q‡Q | بُوْرِكَ |
| bovPov Ki‡Q, QyUvQywU Ki‡Q, Mwo‡q Pj‡Q | تَهْتَزُّ |
| mvc | جَآنٌّ |
| wcQ‡b wdij bv, gyL wdwi‡q †`Lj bv | لَمْ يُعَقِّب |
| e¶cvk¦©, eMj | جَيْب |
| **i“Kz-2** |  |
| fvlv, evK¨ | مَنْطِقٌ |
| mg‡eZ Kiv nZ, web¨¯— Kiv nZ | يُوْزَعُوْنَ |
| wccxwjKvi cÖvš—i, wccxwjKvi DcZ¨Kv | وَادِ النَّمْلِ |
| wccxwjKv | نَمْلَةٌ |
| wb‡®úwlZ bv K‡i, c``wjZ bv K‡i | لَا يَحْطِمَنَّ |
| gyPwK nvm‡jb | (fve we‡kl¨*.:* تَبَسُّمٌ) تَبَسَّمَ |
| nvmv | ضَاحِكًا |
| ZvIwdK `vI, mvg\_© `vb Ki | أَوْزِعْ |
| ‡LvuR Lei wb‡jb, ch©‡e¶Y Ki‡jb, †c‡jb bv | تَفَقَّدَ |
| û`û` (cvwL we‡kl) | هُدْهُدْ |
| Bqv‡gb AÂ‡ji GKwU iv‡R¨i bvg | سَبَا |
| ‡Mvcb e¯Zz, ¸ß welq | خَبْءَ |
| wb‡¶c Ki, Ac©Y Ki | أَلْقِهْ |
| **i“Kz-3** |  |
| wm×vš— MÖnY Kiv, dqmvjv Kiv | قَاطِعَة |
| Dc‡XŠKb, nvw`qv | هَدِيَّةٌ |
| kw³kvjx wRb, mvnmx, wekvj †`nx | عِفْرِيْتُ |
| wd‡i Av‡m, cÖZ¨vewZ©Z nq | يَرْتَدَّ |
| ‡Pv‡Li cvZv, `„wó, cjK | طَرْفٌ |
| weewZ©Z K‡i `vI, e`wj‡q `vI | نَكِّرُوْا |
| GB fv‡e, GBiƒc | هَاكَذَا |
| Mfxi cvwb, Rjvkq | لُجَّة |
| Db¥y³ Kij, DVvj | كَشَفَتْ |
| cv‡qi †Mvovjx | (GKePb*.:* سَاقٌ) سَاقَيْ |
| wegwÛZ, wbwg©Z | مُمَرَّدٌ |
| ¯^”Q KvuP | قَوَارِيْر |
| **i“Kz-4** |  |
| `jcwZ, `j, RvgvZ | رَهْطٌ |
| kc\_ Kiv, Zviv kc\_ Kij | تَقَاسَمُوْا |
| iv‡Z AvµgY Kie | نُبَيِّتَنَّ |
| aŸs‡mi mgq | مَهْلِكَ |
| **i“Kz-5** |  |
| g‡bvbxZ K‡i‡Qb, Pqb K‡i‡Qb | اِصْطَفى |
| Avj­­vn wK?(nb) | ءآللهُ |
| evMvb, D`¨vbmg~n | (GKePb*.:*  حَدِيْقَةٌ) حَدَائِقَ |
| g‡bvig, my‡kvwfZ | ذَاتَ بَهْجَةٍ |
| my`„p ce©Zgvjv | رَوَاسِيَ |
| Aš—ivq, Avovj | حَاجِزًا |
| wbt†kl n‡q †M‡Q, wejyß n‡q †M‡Q | اِدَّارَكَ |
| **i“Kz-6** |  |
| wbKUeZ©x, cðv`vbymiY Ki‡e, wcQ‡b G‡m †M‡Q | رَدِفَ |
| jy°vwqZ Av‡Q, †Mvcb K‡i ‡i‡L‡Q | تُكِنُّ |
| wee„Z Ki‡Q, eY©bv Ki‡Q, NUbv ev Kvwnbx eY©bv Ki‡Q | يَقُصُّ |
| **i“Kz-7** |  |
| Avi wK? A\_ev wK? Ab¨ wKQy? | أَمَّاذَا |
| AvZswKZ n‡e, fxZ wenej n‡q co†e | فَزِعَ |
| webxZfv‡e, webxZ Ae¯’vq | دَاخِرِيْنَ |
| APj,`„pg~j | جَامِدَة |
| A‡avgy‡L wbw¶ß n‡e | كُبَّتْ |

سُوْرَةُ الْقَصَصِ

**m~iv K¡mvm**

**avivevwnKfv‡e NUbv eY©bv Kiv**

**m~iv 28**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| ÔnvgvbÕ wdivD‡bi DRx‡ii bvg | هَامَانَ |
| `ya cvb KivI | أَرْضِعِيْ |
| Zz‡j wb‡qwQj | اِلْتَقَطَ |
| wePwjZ, Aw¯’i, k~b¨ n‡q hvIqv | فَارِغًا |
| wcQ‡b wcQ‡b hvI, Lei bvI | قُصِّيْ |
| `~i †\_‡K | عَنْ جُنُب |
| Lei w`e, mÜvb w`e | أَدُلُّ |
| **i“Kz-2** |  |
| mvnvh¨ cÖv\_©bv Kij | اِسْتِغَاثَةٌ |
| Nywl gvij | وَكَزَ |
| mZ©Kfv‡e, kswKZ Ae¯’vq, †Mvcb Lei | يَتَرَقَّبُ |
| MZKvj | أَمْسِ |
| wPrKvi K‡i WvK‡Q | يَسْتَصْرِخُ |
| aivi Rb¨ nvZ evovj, kv‡q¯—v Ki‡e | يَبْطِشُ |
| GK cÖvš— | أَقْصى |
| ‡`Šovj, †`Šwo‡q | يَسْعى |
| wm×vš— wb‡”Q, civgk© Ki‡Q | يَأْتَمِرُوْنَ |
| **i“Kz-3** |  |
| gyL Kij, †Pnviv wdivj, iIbv w`j | تَوَجَّهَ |
| Awfgy‡L, w`‡K | تِلْقَآءَ |
| `yB gwnjv `~‡i mwi‡q ivLwQj, `yRb AvU‡K †i‡L‡Q (Zv‡`i Rš‘¸‡jv‡K) | تَذُوْدَانِ |
| m‡i hvq, wd‡i hvq | يُصْدِرَ |
| ivLvjiv | (GKePb*.:* رَاعِيْ) رِعَاءٌ |
| mj¾fv‡e, j¾v I kvjxbZvi mv‡\_ | اِسْتِحْيَاء |
| PvKix w`b, PvKi wbhy³ Ki, kªwgK wb‡qvwRZ Ki | اِسْتَأْجِرْ |
| ‡Kvb GKRb | إِحْداى |
| GB `yBR‡bi | هَاتَيْنِ |
| eQi mg~n | (GKePb*.:* حِجَّةٌ) حِجَجْ |
| ‡h †Kvb GKwU, ‡hwU | أَيَّمَا |
| **i“Kz-4** |  |
| cÖ¯’vb KiwQj, hvÎv Kij | سَارَ |
| AsMvi | جَذْوَة |
| cÖvš—, wKbviv | شَاطِئِ |
| f~LÛ, ¯’vb | بُقْعَة |
| GB `ywU (†`qv nj) | ذَانِكَ |
| AwaK cÖvÄj | أَفْصَحُ |
| mg\_©K, mvnvh¨Kvix, mnvqK | رِدْأً |
| gReyZ Kie, kw³kvjx Kie | نَشُدُّ |
| evû | عَضُدًا |
| ‡cŠuQ‡Z cvi‡e bv (Kó w`‡Z) | لَا يَصِلُوْنَ |
| Av¸b R¡vjvI A\_v©r BU †cvovevi cÖ¯ZzwZ MÖnY Ki | أَوْقِدْ |
| `y`©kvMÖ¯’MY | مَقْبُوْحِيْنَ |
| **i“Kz-5** |  |
| AwZevwnZ n‡q‡Q, ewa©Z n‡q†Q, `xN© n‡q‡Q | طَاوَلَ |
| we`¨gvb, wQj bv, Aš—fy©³ wQj bv | ثَاوِيًا |
| **i“Kz-6** |  |
| Dch©ycwi †cŠuwQ‡qwQ | وَصَّلْنَا |
| Avgiv PvB bv | لَا نَبْتَغِيْ |
| Avgiv D‡”Q` n‡q hve, Avgv‡`i DrcvwUZ Kiv n‡e | نُتَخَطَّفْ |
| AnsKvi KiZ, Mwe©Z wQj (Zvi Awaevmxiv) | بَطِرَتْ |
| **i“Kz-7** |  |
| g‡bvbxZ K‡ib, cQ›` K‡ib | يَخْتَارُ |
| †Kvb GLwZqvi, ¶gZv, B”Qv, gš—e¨ | خِيَرَة |
| my`xN©, wPi¯’vqx | سَرْمَدًا |
| Av‡jv | ضِيَآءً |
| **i“Kz-8** |  |
| Kómva¨ wQj, `ye©n wQj, †evSv by‡q †`q | تَنُوْءُ |
| Avwg aŸwm‡q w`‡qwQ, cy‡Z †d‡jwQ | خَسَفْنَا |
| wK Avðh©, eoB Avd‡mvm | وَيْكَأَنَّ |
| **i“Kz-9** |  |
| dih K‡i‡Qb, wbav©iY K‡i‡Qb | فَرَضَ |
| ‡cŠ‡Qu †`‡eb, ‡h wdwi‡q †bq, cÖZ¨veZ©b Kivq | رَآدَّ |
| cÖZ¨veZ©b¯’j, cwiYwZ(Kj¨vYKi) | مَعَاد |
| Zzwg Avkv Ki | تَرْجُوْا |

سُوْرَةُ الْعَنْكَبُوْتِ

**m~iv ÕAvbKveyZ**

**gvKomv**

**m~iv 29**

|  |  |
| --- | --- |
| **i“Kz-1** |  |
| Aek¨B Avm‡e, Aek¨B mgvMZ | لَااتٍ |
| wbhv©wZZ n‡q‡Q, Kó †`qv n‡q‡Q | أُوْذِيَ |
| **i“Kz-2** |  |
| m„wó Ki‡eb, m„wó Kiv | (fve we‡kl¨*.:* إِنْشَاءٌ) يُنْشِئُ |
| cÖZ¨vewZ©Z n‡e , wdwi‡q hv‡e | تُقْلَبُوْنَ |
| **i“Kz-3** |  |
| AwMœ`» Ki | حَرِّقُوْا |
| gRwjm¸‡jv, mfv | نَادِي |
| **i“Kz-4** |  |
| welbœ n‡jb, `ytwLZ n‡jb | سِيْئَ |
| kw³‡Z Amnvq nj, gb, Aš—i, g‡b, Aš—‡i | ذَرْعًا |
| f~wgK¤ú | رَجْفَةٌ |
| `„wókw³gvb, ûwkqvi, weP¶Y | مَسْتَبْصِرِيْنَ |
| eRªaŸwb, weKU kã | صَيْحَه |
| gvKomv | عَنْكَبُوْت |
| `ye©jZg, AwaKZi f½yi, AwaK `ye©j | أَوْهَن |
| **i“Kz-5** |  |
| weiZ iv‡L, wb‡la K‡i | تَنْهى |
| Zzwg wjL‡Z bv | (fve we‡kl¨*.:* خَطٌّ) لَا تَخُطُّ |

سُوْرَةُ الرُّوْمِ

**m~iv i“g**

**‡ivgvbiv**

**m~iv 30**

|  |  |
| --- | --- |
| civwRZ n‡q‡Q, civ¯— n‡q‡Q | غُلِبَتْ |
| wbKUeZx© GjvKv, f~c„‡ôi wbæZg ¯’vb | أَدْنَى الْأَرْضِ |
| kxNÖB weRqx n‡e | سَيَغْلِبُوْنَ |
| Pvl KiZ | أَثَارُوْا |
| Avev` KiZ | عَمَرُوْا |
| evMvb, RvbœvZ, evMevwMPv | رَوْضَةٌ |
| Avb›` Ki‡e, mgv`„Z n‡e, ¯^vMZ Rvbvb n‡e | يُحْبَرُوْنَ |
| ‡Zvgv‡`i mÜ¨v nq (hLb gvMwie nq), †Zvgiv mÜ¨v Ki | تُمْسُونَ(mÜ¨v: مَسَاءٌ) |
| ‡Zvgv‡`i ga¨vý nq (hLb †hvni nq), †Zvgiv †hvni Ki | تُظْهِرُوْنَ(ga¨vý: ظُهْرٌ) |
| ‡Zvgiv Pjv‡div Ki, m¤cÖmvwiZ nI, Qwo‡q coQ | تَنْتَشِرُوْنَ |
| AwZ mnR, mnRZi | أَهْوَنُ |
| cÖZ¨veZ©bKvix, AwfgyLx n‡q | مُنِيْبِيْنَ |
| Avj­vni mšZzwó | وَجْهُ اللهِ |
| m~` | رِبَا |
| e„w× cvq | يَرْبُوَ |
| e„w× cvq bv | لَا يَرْبُوْا |
| Zviv wew”Qbœ n‡q hv‡e, wef³ n‡q co‡e | يَصَّدَّعُوْنَ |
| Zviv (myL)kh¨v ‰Zix Ki‡Q,(Kj¨v‡Yi c\_) cwi®‹vi Ki‡Q | يَمْهَدُوْنَ |
| D‡ËvwjZ K‡i, mÂvwiZ K‡i | تُثِيْرُ |
| e„wóaviv, e„wói ‡dvuUv | وَدْقٌ |
| nwir-eY©, nj‡` eY© | مُصْفَرًّا |
| `ye©jZv | ضُعْفٌ |
| eva©K¨ | شَيْبَةٌ |
| ¶gv PvB‡Z ejv n‡e | يُسْتَعْتَبُوْنَ |
| wePwjZ Ki‡Z bv cv‡i, †Zvgv‡K †hb nvjKv g‡b bv K‡i | لَا يَسْتَخِفَّنَّ |

سُوْرَةُ لُقْمَان

**m~iv jyK¡gvb**

**Ávbx jyKgvb**

**m~iv 31**

|  |  |
| --- | --- |
| µxov †KŠZzKKi evK¨, gb fyjv‡bv K\_v | لَهْوَالْحَدِيْث |
| ¯—¤¢, LyuwU | عَمَدٌ |
| ivB, mwihv | خَرْدَل |
| wkjvLÛ | صَخْرَةٌ |
| `„p msK‡íi KvR¸wj, mr mvn‡mi KvR¸wj | عَزْمِ الْأُمُوْر |
| wdwi‡q wbI bv | لَا تُصَعِّرْ |
| MÛ, Mvj, gyL | خَدٌّ |
| Mwe©Z, D×Z | مُخْتَال |
| ga¨gcš’v Aej¤^b Ki | اِقْصِدْ |
| wbK„óZi, AwaK AcÖxwZKi | أَنْكَرَ |
| AvIqvR, kã, ¯^i | (eûePb*.:* أَصْوَاتٌ) صَوْت |
| c~Y© K‡i‡Qb, m¤ú~Y© K‡i w`‡q‡Qb | أَسْبَغَ |
| ga¨gcš’v MÖnY K‡i | مُقْتَصِدْ |
| wek¦vmNvZK, cÖwZkÖ“wZ f½Kvix, cÖeÂK | خَتَّار |
| e`jv w`‡e, DcKvix, DcKvi Ki‡Z cv‡e | جَازٍ |
| e„wóaviv | غَيْث |
| AvMvgxKvj | غَدًا |
| Rv‡b bv | مَاتَدْرِيْ |

سُوْرَةُ السَّجْدَةِ

**m~iv** mvR**`vn**

**wmR`v**

**m~iv 32**

|  |  |
| --- | --- |
| c„\_K \_v‡K, Avjv`v \_v‡K | تَتَجَافى |
| cÖevwnZ Kwi, cwiPvwjZ Kwi, wcQb w`K †\_‡K nvuwK‡q wb‡q hve | نَسُوْقُ |

سُوْرَةُ الْأَحْزَابِ

**m~iv Avnhve**

**(AvµgYKvix) `j¸‡jv**

**m~iv 33**

|  |  |
| --- | --- |
| e¶f¨š—i, e¶wcÄi, †cU, Lvwj RvqMv | جَوْفٌ |
| AwaK Nwbó, AwaK nK`vi, wbKUZg | أَوْلى |
| wjwLZ, wjwce×, jvBbK…Z | مَسْطُوْرًا (س ط ر) |
| gyL, Mjv, KÚ | حَنَاجِرَ |
| cix¶v Kiv n‡qwQj | اُبْتُلِيَ |
| g`xbvi cyiv‡bv bvg | يَثْرِبْ |
| Pvwiw`K | (GKePb*.:*  قُطْرٌ) أَقْطَارٌ |
| KzÚv‡eva KiZ bv, Ae¯’vb KiZ bv, wej¤^ KiZ bv | مَا تَلَبَّثُوْا |
| cÖwZeÜKZv m„wóKvixiv | مُعَوِّقِيْنَ |
| Avm, P‡j Avm | هَلُمَّ |
| Kvc©Y¨Kvix, K…cbZv | أَشِحَّةً |
| Nyivq, Ny‡i | تَدُوْرُ |
| aviv‡jv, Pjgvb, Zx¶è | حِدَاد |
| evB‡i Ae¯’vbKvix, R½‡j emevmKvix, gi“f~wg‡Z \_vKZ | (*sr.*  بَاد ) بَادُوْنَ |
| gi“evmx,‡e`yBb, eÏy | أَعْرَابْ |
| gvbZ, bhi, eªZ | نَحْبٌ |
| MnŸi, NvuwU, `yM©¸‡jv | صَيَاصِيْ |
| ‡X‡j w`‡q‡Qb, mÂvi Ki‡jb, m„wó Ki‡jb | قَذَفَ |
| ‡Zvgiv cv †i‡LQ, †Zvgiv c` mÂvi Ki | تَطَئُوْ |
| we`vq | سَرَاحًا |
| mvR‡MvR †`Lv‡bv, cÖ`k©b Kiv, †ec`©v nIqv, †Lvjv‡gjv Pjv | تَبَرُّج |
| cÖ‡qvRb (ZvjvK †`qvi) | وَطَرًا |
| Avgiv weevn w`jvg | زَوَّجْنَا |
| gyL WvKv cyÎ, †cvl¨ cyÎ | أَدْعِيَاء |
| wcZv | اا بَاء |
| ingZ el©Y K‡ib | يُصَلِّيْ |
| c‡ivqv Ki bv, D‡c¶v Ki | دَعْ |
| w`‡q‡Qb, `vb K‡i‡Qb, MYxgZ K‡i w`‡q‡Qb, hv webv hy‡× w`‡q‡Qb | أَفَاءَ |
| ‡Zvgv‡K my‡hvM †`qv n‡q‡Q, `~‡i ivL‡Z cvi | تُرْجِيْ |
| Zzwg Avkªq `vI, ¯’vb w`‡Z cvi | تُئْوِيْ |
| Zzwg `~‡i mwi‡q `vI, Zzwg `~‡i ‡i‡LwQ‡j | عَزَلْتَ |
| cvnviv`vi,`„wóevb | رَقِيْبًا |
| (Lvevi) cÖ¯‘wZ | إِنَا |
| gk¸j n‡q emv | مُسْتَأْنِسِيْنَ |
| ingZ †cÖiY K‡ib, `i“` cvVvb | يُصَلُّوْنَ |
| `i“` cvVvI, mvjvZ cvVvI | صَلُّوْا |
| mvjvg cvVvI | سَلِّمُوْا |
| AbyMZ n‡q, mvjvg (AwZ DËg) | تَسْلِيْمًا |
| Szwj‡q †`q, †U‡b †bq | يُدْنِيْنَ |
| Pv`img~n | جَلَابِيْبٌ |
| Acev` cÖPvi‡Kiv, ¸Re iPbvKvixiv | مُرجِفُوْنَ |
| wb‡qvwRZ Ki‡e, D‡ËwRZ Ki‡e, cÖ¯‘Z Ki‡e | نُغْرِيَنَّ |
| cªwZ‡ekx n‡q \_vK‡Z cvi‡e bv | لَا يُجَاوِرُوْنَ |
| Awfkß, jvÕbZ cÖvß e¨w³iv | مَلْعُوْنِيْنَ |
| Zv‡`i cvIqv hv‡e | ثُقِفُوْا |
| nZ¨v (wb`©q fv‡e) | تَقْتِيْلاً |
| Zzwg wK fv‡e Rvb‡e? wK‡m †Zvgv‡K Rvbv‡e? | مَايُدْرِيْكَ |
| Avgv‡`i †bZ…e„›` | سَادَتَنَا |
| Avgv‡`i eoMY | كُبَرَاءَ نَا |
| h\_v\_©, mwVK | سَدِيْدًا |

سُوْرَةُ سَبَأٍ

**m~iv mvev**

**mvev RvwZ**

**m~iv 34**

|  |  |
| --- | --- |
| jy°vwqZ bq | لَا يَعْزُبُ |
| weP~wY©Z, PyY©-weP~Y©, Lye wQbœ-wew”Qbœ, UzKiv UzKiv K…Z | مُمَزَّقْ |
| Zzwg wdi, cweÎZv eY©bv Ki | أَوِّبِيْ |
| my‡Kvgj K‡iwQ, big K‡iwQ | أَلَنَّا |
| eg© (wbLyuZ) mg~n | سَابِغَاتٌ |
| mshy³ Kiv, cwigvY i¶v Ki | قَدِّرْ |
| Kov | سَرْدٌ |
| Zvi cÖvZtågY | غُدُوُّهَا |
| Zvi mvÜ¨-ågY | رَوَاحُهَا |
| cÖevwnZ K‡iwQ, weMwjZ K‡iwQ | أَسَلْنَا |
| MwjZ Zvgvi SYv© | عَيْنَ الْقِطْر |
| `yM©gvjv, DPzu DPzu BgviZ | مَحَارِيْبُ |
| cÖwZg~wZ©mg~n (cÖvYnxb e¯‘i) | (GKePb*.:* تِمْثَال ) تَمَاثِيْلُ |
| eo cvÎ | جِفَان |
| cyKzi, nvDR | جَوَاب |
| eo‡WMmg~n | (GKePb*.:*  قِدْرٌ ) قُدُوْرٌ |
| `„pfv‡e cÖwZwôZ, cvnvo, ¯’vbvš—i A‡hvM¨, iw¶Z | رَاسِيَات |
| Zvi jvwV | مِنْسَأَتُه، |
| evuafv½v eb¨v, cÖej eb¨v, Aei“× †mªvZ | سَيْلَ الْعَرِمِ |
| m¤úbœ , `ywU wewkó, A\_v©r `yB evMvb | ذَوَاتَيْ |
| dj-g~j | أُكُلٍ |
| we¯^v`, wZ³ | خَمْطٍ |
| SvD MvQ | أَثْل |
| Kzj e„¶ | سِدْرٌ |
| fq `~i n‡q hv‡e,AvZsK AcmvwiZ n‡e | فُزِّعَ |
| †Zvgiv wgwjZ n‡qQ | أَلْحَقْتُمْ |
| `vuo Kivb n‡e, `vuo Kiv‡bv e¨w³eM© | مَوْقُوْفُوْنَ |
| myD”P cÖvmv` | غُرُفَات |
| wewbgq cÖ`vb K‡ib, cÖwZ`vb w`‡q \_v‡Kb, Zvi ¯’‡j w`‡q \_v‡Kb (Av‡iv) | يُخْلِفْ |
| GK `kgvsk | مِعْشَار |
| wb‡¶c K‡ib, bvwhj K‡ib, AvNvZ K‡ib (wg\_¨vi Dci) | يَقْذِفُ |
| fxZ n‡e, fxZ mš¿¯— n‡e, fxZ wenŸj n‡e | فَزِعُوْا |
| cvjv‡Z cvi‡e bv, i¶v cv‡e bv | لَا فَوْتَ |
| bvMvj cvIqv (Cgv‡bi) | تَنَاوُش |
| `j¸‡jv,Abymvix, mZx\_©, †MvÎmg~n | أَشْيَاع |

سُوْرَةُ فَاطِرٍ

**m~iv dvwZ¡i**

**mªóv**

**m~iv 35**

|  |  |
| --- | --- |
| eû evû wewkó, Wvb cvLv | (GKePb*.:* جَنَاحٌ) أُولِيْ أَجْنِحَةٍ |
| Av‡ivnb K‡i, †cŠu‡Q | يَصْعَدُ |
| webó n‡q hv‡e, e¨\_© n‡e | يَبُوْرُ |
| mywgó | عَذْبٌ |
| Z„wßKviK, Z…òv wbeviK | فُرَاتٌ |
| UvUKv, ZvRv | طَرِيًّا |
| ‡LRyi AvuwUi †Lvmv, AwZ ¶z`ª e¯Zz, Zz”QvwZZz”Q e¯‘ | قِطْمِيْرٌ |
| fvivµvš—, †Kvb †evSvMÖ¯— e¨w³ | مُثْقَلَةٌ |
| ‡iŠ`ªZvc | حَرُوْرٌ |
| AwZµg K‡i‡Q, AvMgb K‡i‡Q | خَلَا |
| Ask, c\_, wMwic\_, †iLvc\_ | جُدَدٌ |
| mv`v | بِيْضٌ |
| jvj, †jvwnZ eY© | حُمْرٌ |
| Mvp, ‡NviKv‡jv | غَرَابِيْبُ |
| Kv‡jv | سُوْد |
| KL‡bv aŸsm n‡ebv, hvi KLbI ‡jvKmvb n‡ebv | لَنْ تَبُوْرَ |
| K¬vwš— | لُغُوْبٌ |
| Zviv PxrKvi K‡i ej‡e | يَصْطَرِخُوْنَ |
| AmšZzwó, †µva | مَقْتًا |
| †hb Zv wePwjZ bv nq, †hb Zv U‡j bv hvq | أَنْ تَزُوْلَا |
| Dfq wePwjZ nq, U‡j hvq | زَالَتَا |

سُوْرَةُ يس

**m~iv Bqv mxb**

**Bqv mxb**

**m~iv 36**

|  |  |
| --- | --- |
| Da©gyLx (n‡q Av‡Q) | مُقْمَحُوْنَ |
| KxvZ©mg~n (hv wcQ‡b †i‡L‡Q), cðv‡Zi wb`k©b mg~n | اا ثَار |
| msiw¶Z K‡iwQ | أَحْصَيْنَا |
| my®úó wKZve | إِمَامٍ مُّبِيْنٍ |
| kw³kvjx K‡iwQjvg, mvnvh¨ K‡iwQjvg | عَزَّزْنَا |
| Avgv‡K Zviv D×vi Ki‡Z cvi‡e bv | لَا يُنْقِذُوْنِ |
| Avgvi wbK‡U | لَدَيْنَا |
| AcmvwiZ Kwi, †ei Kwi | نَسْلَخُ |
| AÜKviv”Qbœ (n‡q hvq) | مُظْلِمُوْنَ |
| wbqš¿Y, wbw`©ó e¨e¯’v | تَقْدِيْر |
| AvKvi aviY K‡i, n‡q hvq, cÖZ¨veZ©b K‡i | عَادَ |
| ‡LRyi kvLv | عُرْجُوْنٌ |
| cyivZb (hv ï®‹) | قَدِيْم |
| ‡kvfbxq b‡n | مَا يَنْبِغِيْ |
| mš—iY Ki‡Q, mvuZvi KvU‡Q | يَسْبَحُوْنَ |
| mvnvh¨Kvix, dwiqv` ‡kªvZv | صَرِيْخٌ |
| Zviv evK-weZÛv Ki‡Z \_vK‡e | يَخِصِّمُوْنَ |
| IwmqZ Kiv | تَوْصِيَةٌ |
| Keimg~n | أَجْدَاث |
| Qy‡U Avm‡e, fxZfv‡e, `ª“Z †ei n‡q Avm‡e | يَنْسِلُوْنَ |
| wb`ªv¯’j, Kei | مَرْقَدْ |
| Kv‡R-K‡g©, Kv‡Ri g‡a¨ (gRvi), gk¸j | فِيْ شُغُلٍ |
| Avbw›`Z, mšZzó | فَاكِهُوْنَ |
| djg~j | فَاكِهَةٌ |
| wfbœ n‡q hvI, c„\_K nI | اِمْتَازُوْا |
| eû`j, eûRb, m„wóKzj | جِبِلاًّ |
| cÖ‡ek Ki, `» nI | اِصْلَوْا |
| wbwf‡q w`‡Z cvwi, ‡jvc Kiv | طَمَسَ |
| weK…Z K‡i w`‡Z cvwi, cwieZ©b K‡i †`qv | مَسْخٌ |
| Dwë‡q †`B | ُنَكِّسْ |
| AvqËvaxb K‡iwQ, ekxf~Z K‡i w`‡qwQ | ذَلَّلْنَا |
| evnb | رُكُوْبٌ |
| weMwjZ, cPvMjv, RivRxY© | رَمِيْم |
| meyR | أَخْضَر |
| cÖ¾¡wjZ Ki | تُوْقِدُوْنَ |

سُوْرَةُ الصَّآفَّاتِ

**m~iv Avm md&dvZ**

**hviv mvwie× nq**

**m~iv 37**

|  |  |
| --- | --- |
| wZi¯‹viKvixMY, fxwZ cÖ`k©bKvixiv | زَاجِرَات |
| agK †`Iqv, ZR©b Kiv | زَجْرًا |
| Ave„wËKvix, hviv ïbvq | تَالِيَات |
| weZvob | دُحُوْرًا |
| Aweivg | وَاصِبٌ |
| D¾¡j, R¡jš— | ثَاقِبٌ |
| AvVv‡jv | لَازِبٌ |
| jvwÂZ n‡e | دَاخِرُوْنَ |
| Avmb mg~n | (GKePb*.:* سَرِيْرٌ) سُرُرٌ |
| gy‡LvgywL n‡q | مُتَقَابِلِيْنَ |
| cvb cvÎ, M­vm | كَأْسٌ |
| ¶wZKi, gv\_v e¨\_v, gv\_v Nyivb | غَوْلٌ |
| gvZvj n‡e,Ávb-eyw× bó n‡e | يُنْزَفُوْنَ |
| msi¶YKvwiYx, AvbZ | قَاصِرَاتٌ |
| `„wó, bqb | طَرْفٌ |
| ïå, D¾¡j wWg | بَيْضٌ |
| myiw¶Z, jywK‡q ivLv | مَكْنُوْن |
| cÖwZdjcÖvßMY | مَدِيْنُوْنَ |
| Zzwg Avgv‡K aŸsm K‡iB †d‡jwQ‡j | تُرْدِيْنَ |
| Dcw¯’Z Kiv †jvK‡`i, AvUK e¨w³MY | مُحْضَرِيْنَ |
| hv°yg e„¶, dwYgYmv | زَقُّوْم |
| c~Y©Kvix n‡e | مَالِئُوْنَ |
| wgkªY, wgwkªZ cvbxq | شَوْبًا |
| dyUš— cvwb I cyuR | حَمِيْمٌ |
| avweZ n‡”Q, †`Šov‡”Q | يُهْرَعُوْنَ |
| fq cÖ`k©bKvixMY, mZK©KvixMY | مُنْذِرِيْنَ |
| hv‡`i fq cÖ`k©b Kiv n‡qwQj, hv‡`i mZK© Kiv n‡qwQj | مُنْذَرِيْنَ |
| mvov`vbKvix, Reve `vbKvix | مُجِيْبُوْنَ |
| msKU, hš¿bv | كَرْبٌ |
| cxwoZ, Amy¯’ | سَقِيْمٌ |
| AZtci mš—c©‡b Xy‡K coj, Svuwc‡q coj, nvbj | فَرَاغَ |
| Qy‡U Avmj, `ª“Z‡e‡M Avmj | يَزِفُّوْنَ |
| ‡Zvgiv †Lv`vB K‡i wbgv©Y Ki | تَنْحِتُوْنَ |
| Df‡q AvbyMZ¨ cÖKvk Kij, Df‡q AvZœmgc©Y Kij | أَسْلَمَا |
| kvwqZ Kij | تَلَّ |
| jjv‡Ui Awfgy‡L, Kcv‡ji Dci | جَبِيْنٌ |
| wek`, AZxe ¯úó | مُسْتَبِيْن |
| GK †`eZvi bvg | بَعْلاً |
| cvwj‡qwQj | أَبَقَ |
| jUvix‡Z †hvM`vb Kij, AskMÖnY Kij | سَاهَمَ |
| civf~Z nj, wbw¶ß nj | مُدْحَضِيْنَ |
| MÖvm Kij, wM‡j †djj | اِلْتَقَمَ |
| e„n`vKvi grm¨ | (eûePb*.:* حِيْتَانٌ) حُوْتٌ |
| Z…Ynxb cÖvš—i | عَرَآء |
| jvD MvQ, jZvcvZvhy³ MvQ | يَقْطِيْنَ |
| weåvš— Ki‡Z m¶g | فَاتِنِيْنَ |
| cÖ‡ekKvix, MgbKvix, f®§ n‡e | صَالٌ |
| mvwie×fv‡e `Ûvqgvb | صَافُّوْنَ |
| Avw½Yv, cÖvš—i, AÂj | سَاحَة |

سُوْرَةُ ص

**m~iv m`**

**m`**

**m~iv 38**

|  |  |
| --- | --- |
| wQj bv | لَاتَ |
| mgq | حِيْنَ |
| cwiÎv‡Yi Dcvq | مَنَاص |
| gbMov K\_v | اِخْتِلَاق |
| Zviv Av‡ivnY KiyK | يَرْتَقُوْا |
| civwRZ n‡e | مَهْزُوْم |
| ¯—¤¢, k~j, LyuwU, KxjK | أَوْتَادٌ |
| kvw¯—, Kó | عِقَابٌ |
| weivg, wej¤^, AeKvk, weiwZ | فَوَاق |
| Ask, cÖvc¨ | قِطّ |
| kw³kvjx, kw³i AwaKvix | ذَا الْأَيْدِ |
| m~¶è wePvikw³, evwM¥Zv, P~ovš— K\_v ejvi †hvM¨Zv | فَصْلَ الْخِطَابِ |
| cÖvPxi wWswM‡q G‡mwQj, †`qvj Uc‡K G‡mwQj | تَسَوَّرُوْا |
| gmwR‡`i m¤§y‡L Bgvg `vuovevi ¯’vb, `vD` (Avt) Gi evm¯’v‡bi Rb¨ GB kãwU e¨envi Kiv n‡q‡Q | مِحْرَابٌ |
| fxZ nj, Nve‡o †Mj | فَزِعَ |
| AwePvi Ki bv | لَا تُشْطِطْ |
| bqwU Ges beŸBwU A\_©vr wbivbeŸBwU | تِسْعٌ وَّتِسْعُوْنَ |
| ‡fox, `y¤^x | نَعْجَةٌ |
| Avgv‡K `vwe‡q wbj, K‡VviZv, Pvc m„wó K‡i‡Q | عَزَّ |
| kixKMY,cvkvcvwk emevmKvixiv | (GKePb*.:* خَلِيْطٌ) خُلَطَآء |
| Acivaxiv,cvcvPvixiv | فُجَّار |
| Dcw¯’Z Kiv nj, nvwRi Kiv nj, †ck Kiv nj | عُرِضَ |
| DrK…ó gv‡bi `ª“ZMvgx †Nvovmg~n | صَافِنَاتُ الْجِيَاد |
| A¯—wgZ n‡q †Mj, Avov‡j c‡o †Mj, A`„k¨ n‡q †Mj | تَوَارَتْ |
| ‡Q`b Kiv,¯úk© Kiv, g‡j †`Iqv, nvZ eywj‡q †`qv | مَسْحًا |
| cv¸‡jv | سُوْق |
| Mjv¸‡jv | أَعْنَاق |
| ao, †`n | جَسَدًا |
| g„`yMwZ, g„`yg›`fv‡e | رُخَاء |
| ‡hLv‡b †cŠuQv‡Z PvBZ | حَيْثُ أَصَابَ |
| cÖvmv` wbg©vYKvix | بَنَّآء |
| Wyeyix | غَوَّاصْ |
| D”P gh©v`v, ‰bK‡U¨i gh©v`v | زُلْفى |
| ïf cwiYvg, DËg cÖZ¨veZ©b ¯’vb | حُسْنَ مَااب |
| hš¿Yv, Kó | نُصْب |
| c`vNvZ Ki, AvNvZ Ki | اُرْكُضْ |
| ‡Mvm‡ji cvwb | مُغْتَسَلٌ |
| Z…Yivwk , Svo– , GK gywV Z…Y | ضِغْثًا |
| Kmg f½ Ki bv, kc\_ f½ Ki bv | لَا تَحْنَثْ |
| DËg ev›`viv | أَخْيَارٌ |
| mgeq®‹v (mnawg©bx) | أَتْرَابٌ |
| wbt‡kl, LZg, NvUwZ | نَفَاد |
| cyuR-i³ | غَسَّاق |
| `ª“Z‡e‡M cÖ‡ekKvix, A‡Üi g‡Zv | مُقْتَحِمٌ |
| Awfb›`b bvB | لَا مَرْحَبًا |
| R¡j‡e, cÖweó n‡e | صَالُوْا |
| g›`, Lye Lvivc †jvK | أَشْرَار |
| we`ª“‡ci cvÎ wn‡m‡e | سِخْرِيًّا |
| D”P ¯’vbxq, cÖav‡biv, `j‡bZviv | مَلَاءِ الْأَعْلى |
| K…wÎgZvKvixiv, wg\_¨v `vex`viMY, cÖZviK | مُتَكَلِّفِيْنَ |

سُوْرَةُ الزُّمَرِ

**m~iv Avh hyzgvi**

**`‡j `‡j**

**m~iv 39**

|  |  |
| --- | --- |
| wZwb Rwo‡q †`b, Av”Qvw`Z K‡i | يُكَوِّرُ |
| AbyMÖn K‡ib, mvgMªx `vb K‡ib | خَوَّلَ |
| wbwg©Z n‡q‡Q | مَبْنِيَّةٌ |
| cÖ‡ek Kivb, cÖevwnZ K‡ib, cÖevngvb | سَلَكَ |
| wbS©i, SY©v | (GKePb*.:* يَنْبُوْعٌ) يَنَابِيْع |
| ïwK‡q hvq | يَهِيْجُ |
| LoKzUv | حُطَامًا |
| mymvgÄm¨c~Y©, mv`„k¨c~Y© | مُتَشَابِهًا |
| cybive„Ë, cybt cybt Ave„wËi †hvM¨ | مَثَانِيَ |
| ‡ivgvwÂZ nq, †jvg nl©Y nq | تَقْشَعِرُّ |
| cÖkvš— nq, big nq | تَلِيْنُ |
| eµZvwewkó bq, eµZvgy³ | غَيْرَ ذِيْ عِوَجٍ |
| ci¯úi wei“×vfvevcbœ, ci¯úi evuKv ¯^fv‡ei | مُتَشَاكِسُوْنَ |
| m¤ú~Y©i“‡c, cy‡ivcywifv‡e | سَلَمًا |
| g„Zz¨ eiY Ki‡e, giYkxj | مَيِّتٌ |
| g„Zz¨ eiY Ki‡e, giYkxjMY | مَيِّتُوْنَ |
| wei‡³ msKzwPZ nq, wei“cfv‡e msKzwPZ nq | اِشْمَئَزَّتْ |
| nvq Avgvi Avd‡mvm | يَاحَسْرَتى |
| ‰kw\_j¨ Kiv, Î“wU Kiv | فَرَّطَ |
| Avj­vni cÖwZ KZ©‡e¨i †¶‡Î | جَنْبِ اللهِ |
| Pvwemg~n | مَقَالِيْد |
| KivqvË, †cuPv‡bv Ae¯’vq | مَطْوِيَّاتٌ |
| g~w”Q©Z n‡q co‡e, †eûk n‡e | صَعِقَ |
| D™¢vwmZ n‡e | أَشْرَقَتْ |
| ‡ck Kiv n‡e, Dc¯’vwcZ n‡e, ivLv n‡e | وُضِعَ |
| Dcw¯’Z Kiv n‡e, wb‡q Avmv n‡e | جِاْيءَ |
| nvuwK‡q †bqv n‡e, Zvwo‡q †bqv n‡e | سِيْقَ |
| `‡j `‡j | زُمَرًا |
| i¶xMY | خَزَنَةٌ |
| ‡Zvgiv myLx nI | طِبْتُمْ |
| wN‡i \_vK‡e | حَافِّيْنَ |

سُوْرَةُ الْمُؤْمِن

**m~iv Avj gyÕwgb**

**wek¦vmx**

**m~iv 40**

|  |  |
| --- | --- |
| AbyMÖ‡ni gvwjK, kw³kvjx, AbyMÖnkxj | ذِي الطَّوْلِ |
| wKqvgZ, mv¶vr, wePvi | تَلَاق |
| AveiY k~Y¨ n‡e, ‡ei n‡q co‡e, nvwhi n‡e | بَارِزُوْنَ |
| Avmbœ | اازِفَة |
| MÖvn¨ n‡e, †g‡b †bqv n‡e | يُطَاعُ |
| i¶vKvix | وَاق |
| ‡Zvgiv weRqx, cÖej | ظَاهِرِيْن |
| AvZ©bv‡`i w`b, wKqvgZ w`em,wPrKvi I wejv‡ci w`b | يَوْمَ التَّنَاد |
| e¨\_©, aŸsm | تَبَاب |
| Ac©b KiwQ, †mvc`© KiwQ | أُفَوِّضُ |
| `y®K…wZcivqY, `yw®K…wZKvix | مُسِيْئُ |
| k„sLj | سَلَاسِلُ |
| Zv‡`i ‡U‡b †bIqv n‡e, Zv‡`i Uvbv n‡e | يُسْحَبُوْنَ |
| `» Kiv n‡e, wbw¶ß n‡e, Zv‡`i‡K R¡vjv‡bv n‡e | يُسْجَرُوْنَ |

سُوْرَةُ حم السَّجْدَة

**m~iv nv wgg Avm-wmR`vn&**

**nv wgg wmR`vn&**

**m~iv 41**

|  |  |
| --- | --- |
| Adziš—, wbiwew”Qbœ | غَيْرُ مَمْنُوْن |
| Lv`¨m¤¢vi, Zvi kw³mg~n | أَقْوَات |
| aygªcyÄ, †avuqv | دُخَان |
| AbyMZ e¨w³eM© | طَائِعِيْن |
| SbSv evqy, S‡ov evZvm | صَرْصَرًا |
| \_vwg‡q ivLv n‡e, AvU‡K ivLv n‡e, wewfbœ `‡j web¨¯— Kiv n‡e, Zv‡`i‡K †kªYxe× Kiv n‡e | يُوْزَعُوْنَ |
| ‡Zvgiv †Mvcb ivLwQ‡j | تَسْتَتِرُوْنَ |
| AbyMÖn PvB‡e, ZIev Ki‡e, mš‘wó AR©b Ki‡Z PvB‡e | يَسْتَعْتَبُوْا |
| AbyMÖncÖvß, hv‡`i ZIev MÖnY Kiv n‡q‡Q, mš‘wó AR©‡bi my‡hvMcÖvß | مُعْتَبِيْن |
| Avgiv wba©viY K‡i w`‡qwQ | قَيّضْنَا |
| mnPi‡`i, mv¶x‡`i | قُرَنَاء |
| ‡Mvjgvj Ki, MÛ‡Mvj Ki | اِلْغَوْا |
| wbK…óZg | أَسْوَأَ |
| jvwÃZ, nxbZi,AcgvwbZ‡`i Aš—f©~³ | أَسْفَلِيْن |
| hv Zzwg PvI, hv B”Qv †cvlY Ki‡e | مَا تَشْتَهِيْ |
| Kzgš¿bv, cÖ‡ivPbv | نَزْغٌ |
| Zviv K¬vwš— †eva K‡i bv, Zviv K¬vš— nqbv | لَا يَسْئَمُوْنَ |
| ï®‹, RxY©, Z…YjZv nxb, `wgZ, webqx | خَاشِعَةٌ |
| kvw¯— `vbKvix, `Û`vZv | ذُوْ عِقَابٍ |
| gyKzj, AveiY, †Lvmv | أَكْمَامٌ |
| Avgiv wb‡e`b KiwQ | ااذَنَّا |
| `xN©, cÖk¯—, j¤^v PIov | عَرِيْضٌ |
| w`Mš—mg~n, PZzw`©K, wek¦RMZ | اافَاق |

سُوْرَةُ الشُّوْرا ى

**m~iv ïiv**

**cvi¯úwiK civgk©**

**m~iv 42**

|  |  |
| --- | --- |
| ‡f‡½ co‡e | يَتَفَطَّرْنَ |
| we¯—vi K‡ib (esk) | يَذْرَؤُ |
| wZwb weavb w`‡q‡Qb, wewae× Kiv n†q‡Q | شَرَعَ |
| `ye©n, fvix, `ytmn n‡q‡Q | كَبُرَ |
| Amvi, bvKP, evwZj | دَاحِضَةٌ |
| evK weZÛv K‡i, ev`vbyev` K‡i, m‡›`n m„wó K‡i | يُمَارُوْنَ |
| ‡mŠnv`©¨, fvjevmv | مَوَدَّةٌ |
| gy‡Q †`b, wbg~©j K‡i †`b | يَمْحُ |
| e„wó, †gN | غَيْثٌ |
| Pjgvb †bŠhvb, RvnvR | جَوَار |
| ce©Z, DuPz cvnvo | أَعْلَام |
| Zv n‡q hv‡e | يَظْلَلْنَ |
| wbðj, w¯’i | رَوَاكِدَ |
| weaŸ¯— K‡i †`‡eb, Wywe‡q w`‡eb | يُوْبِقَ |
| cvi¯úwiK civgk© wfwËK | شُوْراى |
| A¯^xKvi, we‡ivaKvix, †PóvKvix | نَكِيْر |
| ‡Rvov `vb K‡ib, Zv‡`i‡K wgwj‡q †`b | يُزَوِّجُ |
| eÜ¨v | عَقِيْمًا |
| cÖZ¨veZ©b K‡i, wd‡i hvq | تَصِيْرُ |

سُوْرَةُ الزُّخْرُفِ

**m~iv hyL&i“d&**

**¯^Y© wbwg©Z**

**m~iv 43**

|  |  |
| --- | --- |
| Avw`MÖš’, Avmgvbx wKZv‡ei Drm, g~jMÖš’ | أُمُّ الْكِتَاب |
| cÖZ¨vnvi Kiv | صَفْحًا |
| kw³, ao cvKo, cvKovI | بَطْشًا |
| P‡j G‡m‡Q, AwZµvš— n‡q‡Q | مَضى |
| w¯’i n‡q em, P‡o em‡Z cvi | تَسْتَؤُوْا |
| ekxf~ZKvix | مُقْرِنِيْنَ |
| Ask, fvM | جُزْءً ا |
| cÖwZcvwjZ Kiv nq, mymw¾Z n‡q jvwjZ cvwjZ nq | يُنَشَّؤُا |
| AjsKvi | حِلْيَةٌ |
| `„pfv‡e aviYKvixMY | مُسْتَمْسِكُوْنَ |
| AbymiYKvixMY | مُقْتَدُوْنَ |
| wei“c, m¤úK©nxb, gy³ | بَرَآءٌ |
| m„wó K‡i‡Qb | فَطَرَ |
| `yB Rbc‡`i (g°v I Zv‡q‡di) | قَرْيَتَيْنِ |
| †meKiƒ‡c, wbqš¿Y, KvR †bqv | سُخْرِيًّا |
| Qv`¸‡jv | سُقُفًا |
| i“cv | فِضَّةٌ |
| wmwoMy‡jv | مَعَارِج |
| Zviv Av‡ivnb K‡i | َظْهَرُوْنَ |
| ¯^Y©, ¯^Y© wbwg©Z | زُخْرُفًا |
| wegyL nq, AÜ nq | يَعْشُ |
| e¨eavb, `~iZ¡ | بُعْد |
| mg Ask MÖnYKvix, Askx`viMY | مُشْتَرِكُوْنَ |
| `je×fv‡e | مُقْتَرِنِيْن |
| nZeyw× K‡i w`j | اِسْتَخَفَّ |
| ‡µvavwš^Z Ki‡jv | ااسَفُوْا |
| ‡kvi‡Mvj ïi“ Kij, Zvwj evRvj | يَصِدُّوْنَ |
| DËivwaKvix n‡Zv, ¯’jvwfwl³ n‡Zv | يَخْلُفُوْنَ |
| m‡›`n K‡ivbv | لَا تَمْتَرُنَّ |
| eÜziv | (GKePb*.:* خَلِيْلٌ) أَخِلَّآء |
| \_vjv¸‡jv | صِحَافٌ |
| cvb cvÎ¸‡jv | أَكْوَابٌ |
| Z…ß n‡e | تَلَذُّ |
| jvNe Kiv n‡e bv | لَا يُفَتَّرُ |
| wbhy³ K‡i‡Q, wm×vš— MÖnY K‡i‡Q | أَبْرَمُوْا |
| wb‡qvMKvix, wm×vš— MÖnYKvix | مُبْرِمُوْنَ |

سُوْرَةُ الدُّخَانِ

**m~iv `yLvb**

**‡avuqv**

**m~iv 44**

|  |  |
| --- | --- |
| w¯’i Kiv nq, c„\_K Kiv nq, e›Ub Kiv nq | يُفْرَقُ |
| `vuovI, A‡c¶v Ki | اِرْتَقِبْ |
| ‡avuqv | دُخَانْ |
| wkLv‡bv, wk¶vcÖvß | مُعَلَّمٌ |
| c~‡e©i Ae¯’vq wd‡i hv‡e, cybivq ZvB Ki‡e | عَائِدُوْنَ |
| cÖZ¨vc©Y Ki, †Zvgiv Ac©Y Ki | أَدُّوْا |
| wb‡q †ei n‡q co, iIbv nI | أَسْرِ |
| w¯’i, ï®‹, cÖengvb | رَهْوًا |
| Avbw›`Z, Avb›`Kvix, myLx, m‡¤¢vM Dc‡fvMKvix | فَاكِهِيْنَ |
| AkÖ“cvZ K‡iwb, Kvu‡`wb | مَابَكَتْ |
| cybi“wÌZ | مُنْشَرِيْنَ |
| eÜz | مَوْلًى |
| MwjZ Zvgv, †Z‡ji Mv` | مُهْلٌ |
| dzU‡Z \_vK‡e | يَغْلِيْ |
| dzUv‡bv, wm× nIqv | غَلْيٌ |
| ‡U‡b wb‡q hvI | اِعْتِلُوْا |
| Rvnvbœv‡gi ga¨¯’‡j | سَوَآءِ الْجَحِيْم |
| ‡Zvgiv ‡X‡j `vI | صُبُّوْا |
| Av¯^v` MÖnY Ki | ذُقْ |

سُوْرَةُ الْجَاثِيَةِ

**m~iv Rvwmqv**

**f‡q bZRvby Ae¯’vq**

**m~iv 45**

|  |  |
| --- | --- |
| AUj \_v‡K, wR` K‡i, †Kvb Aciva evievi Kiv | يُصِرُّ |
| AR©b K†i‡Q, wµqvkxj | اِجْتَرَحُوْا |
| mgq, Kv‡ji AveZ©b | دَهْرٌ |
| f‡q bZRvby Ae¯’vq | جَاثِيَةٌ |
| wjLvw”Q, †jLv, Avgiv wjwce× K‡i ivLwQjvg | (fve we‡kl¨*.:* اِسْتِنْسَاخ ) نَسْتَنْسِخُ |
| Avgiv Rvwb bv | مَانَدْرِيْ |
| `„pwek¦vmx, wbwðZ | مُسْتَيْقِنِيْنَ |
| `„p wek¦vm | اِسْتِيْقَانٌ |

سُوْرَةُ الْأَحْقَافِ

**m~iv Avn&K¡d**

**evjyKvgq DcZ¨Kv**

**m~iv 46**

|  |  |
| --- | --- |
| Aewkó,`wjj, wb`k©b | أَثَارَةٌ |
| Awfbe, cÖ\_g, bZzb | بِدْعًا |
| Kó K‡i | كُرْهًا |
| wÎk | ثَلَاثُوْنَ |
| ¶gv Kwi, gvR©bv Kwi, AwZµg Kwi, awi bv | نَتَجَاوَزُ |
| wbt†kl K‡i‡Qv | أَذْهَبْتُمْ |
| AvnKvdevmx, evjyKvgq DcZ¨Kv, Av` RvwZi evm¯’vb | أَحْقَافْ |
| ‡gNgvjvi“‡c, N‡U hvIqv | عَارِضًا |
| Avmbœ, AMÖmigvb, Awfgy‡L AvMgbKvix | مَسْتَقْبِلٌ |
| DcZ¨Kv¸‡jv, cÖvš—i, b`x-bvjv | أَوْدِيَةٌ |
| ‰bK‡U¨I gva¨g, mwbœKUeZ©x, mvwbœa¨ | قُرْبَانًا |
| `j, †Mvôx | نَفَرًا |
| ‡Zvgv‡`i‡K i¶v Ki‡eb, evuPv‡eb | يُجِرْكُمْ |
| K¬vwš— †eva K‡ib wb | لَمْ يَعْيَ |

سُوْرَةُ مُحَمَّدٍ

**m~iv gynv¤§`**

**gynv¤§` (mvt)**

**m~iv 47**

|  |  |
| --- | --- |
| wbõj K‡i w`‡q‡Qb, webó ev e¨\_© K‡i †`b | أَضَلَّ |
| `~i Ki‡eb, ¶gv Ki‡eb | كَفَّرَ |
| mymsnZ Ki‡eb, ms‡kvab Ki‡eb | أَصْلَحَ |
| Ae¯’v, ‰KwdqZ | بَالَ |
| Nv‡o AvNvZ Kiv | ضَرْبَ الرِّقَابِ |
| m¤ú~Y©fv‡e civf~Z K‡i‡Qv, †Zvgiv P~Y© weP~Y© K‡i `vI | أَثْخَنْتُمْ |
| ch©y`¯— Kiv | ثَخْنٌ |
| eÜb (e›`x‡`i), †MÖdZvi Kiv | وَثَاق |
| gyw³cY †b‡e | فِدَاءً |
| Rvwb‡q w`‡q‡Qb, wPwb‡q w`‡q‡Qb | عَرَّفَ |
| `y‡f©vM, AatcZb, `yM©wZ | تَعْسًا |
| cwieZ©bxq bq, wbg©j, ¯^”Q, cwi®‹vi | غَيْرِااسِن |
| myiv, cvbxq | خَمْر |
| gay | عَسَلٌ |
| Aš¿¸‡jv | أَمْعَاء |
| GBgvÎ | اانِفًا |
| j¶Y¸‡jv | أَشْرَاط |
| ‡Q‡q †M‡Q, wenej gvby‡li g‡Zv, Ávb nvivj | مَغْشِيٌّ |
| ‡kvPbxq cwiYwZ, Avd‡mvm | أَوْلى |
| Zvjv c‡o‡Q | (GKePb*.:* قُفْلٌ) أَقْفَال |
| ‡kvfb K‡i †`Lvq, †kvfbxq K‡i‡Q | سَوَّلَ |
| wg\_¨v Avkv †`q, wg\_¨v Avkv AvKv•Lvi aviv `xN© K‡i‡Q | أَمْلى |
| ‡Mvcb AwfmwÜ | إِسْرَار |
| KzcÖe„wË, we‡Øl fve | أَضْغَان |
| K\_vi fw½‡Z | لَحْنِ الْقَوْلِ |
| KLbI ¶zbœ Ki‡eb bv | لَنْ يَّتِرَ |
| Pvc †`b, msKxY© K‡ib, msKxY© | يُحْفِ |

سُوْرَةُ الْفَتْحِ

**m~iv dvZ&n**

**weRq**

**m~iv 48**

|  |  |
| --- | --- |
| AZxZ, c~‡e© hv n‡q‡Q | تَقَدَّمَ |
| fwel¨Z, cieZ©x mg‡q hv n‡q‡Q | تَأَخَّرَ |
| aviYv †cvlbKvix, AbygvbKvix | ظَانِّيْنَ |
| ‡Zvgiv mvnvh¨ Ki, mn‡hvwMZv Ki | تُعَزِّرُوْا |
| †Zvgiv m¤§vb cÖ`k©b Ki | تُوَقِّرُوْا |
| hy×jä m¤ú` | مَغَانِمَ |
| weRqx K‡i‡Qb, weRq `vb K‡iwQ‡jb | أَظْفَرَ |
| Kzievbxi Rš‘ ev cï¸‡jv | الْهَدْيَ |
| Ave× (hv wQj) | مَعْكُوْفًا |
| c``wjZ Ki‡e, chy©`¯— Ki‡e, wcó Ki‡e | تَطَئُوْا |
| ¶wZMÖ¯—, KjsK | مَعَرَّةٌ |
| Zviv c„\_K nZ | تَزَيَّلُوْا |
| ‡MvÎxq AnwgKv, g~L©Zv, fyj wPš—vaviv | حَمِيَّةٌ |
| AeavwiZ Ki‡jb, my`„p Ki‡jb | أَلْزَمَ |
| gyÛbKvix | مُحَلِّقِيْنَ (ح ل ق) |
| KZ©bKvix, Pzj †QvUKvix | مُقَصِّرِيْنَ (ق ص ر) |
| wPý | سِيْمَا |
| wKkjq, Kuywo, AsKzi | شَطْءَ |
| kw³kvjx K‡i | اازَرَ |
| k³ nq | اِسْتَغْلَظَ |
| KvÛ | سُوْق |

سُوْرَةُ الْحُجُرَاتِ

**m~iv ûRyivZ**

**N‡ii Pvi †`qvj, evm¯’vb, evwo**

**m~iv 49**

|  |  |
| --- | --- |
| cix¶v K‡i‡Qb ,cwi‡kvwaZ K‡i‡Qb, hvPvB K‡i wb‡q‡Qb | اِمْتَحَنَ |
| wd‡i Av‡m, wd‡i Avmv | تَفِيْءَ |
| ‡`vlv‡ivc K‡iv bv | لَا تَلْمِزُوْا |
| ci¯úi‡K †W‡Kv bv | لَا تَنَابَزُوْا |
| ‡`vl †LvuR K‡ivbv, ‡Mvcb Z\_¨ mÜvb K‡ivbv | لَا تَجَسَّسُوْا |
| ciwb›`v K‡ivbv, MxeZ K‡ivbv | لَا يَغْتَبْ |
| KgwZ Ki‡eb bv (cÖwZdj `v‡b), jvNe Kiv n‡e bv | لَا يَلِتْ |

سُوْرَةُ ق

**m~iv K¡d&**

**K¡d&**

**m~iv 50**

|  |  |
| --- | --- |
| msk‡q †`v`yj¨gvb | مَرِيْجٌ |
| dvUj, wQ`ª | فُرُوْجٌ |
| mgybœZ | طَلْعٌ |
| ‡LRyi ¸”Q | بَاسِقَات |
| mvwi mvwi | نَضِيْد |
| Avgiv wK K¬vš— n‡q c‡owQ? Avgiv wK Amg\_© wQjvg? | عَيِيْنَا |
| Mjvi wkiv | حَبْلِ الْوَرِيْدِ |
| mv\_x, Dcweó e¨w³, e‡m \_v‡K | قَعِيدٌ |
| Dcw¯’Z,m`v cÖ¯‘Z | عَتِيْد |
| g„Zz¨ hš¿Yv, msÁv †jvc cvIqv | سَكْرَةٌ |
| Zzwg cvk KvUv‡Z, Zzwg cvwj‡q †eovw”Q‡j | تَحِيْدُ |
| AveiY, c`©v | غِطَاء |
| Zzwg wK c~Y© n‡qQ? | هَلِ امْتَلَأْتِ |
| Zviv ågY K‡i wdi‡Zv | نَقَّبُوْا |
| Avkªq¯’j | مَّحِيصٍ |

سُوْرَةُ الذَّارِيَاتِ

**m~iv hvwiqvZ**

**wew¶ßKvix evZvm**

**m~iv 51**

|  |  |
| --- | --- |
| a~wj Sb&Sv, wew¶ßKvix | ذَارِيَات |
| wew¶ß Kiv, Dov‡bv | ذَرْوًا |
| fvix †gNcyÄ, †evSv | وِقْرًا |
| ‡bŠhvb, cÖevngvb | جَارِيَات |
| KvR e›UbKvix | مُقَسِّمَات |
| eû c\_, eû K¶c\_, wfbœ wfbœ AvK…wZ i“c | حُبُك |
| wg\_¨vPvixiv, AbygvbKvixiv | خَرَّاصُوْنَ |
| e›`x Kiv n‡e, kvw¯— †`qv n‡e, DËß Kiv n‡e | يُفْتَنُوْنَ |
| Nygv‡Zv | يَهْجَعُوْنَ |
| we¯§q, wPrKvi | صَرَّةٌ |
| Pvcovj | صَكَّتْ |
| ¶gZvi `¤¢, kw³ | رُكْن |
| cv‡ci cÖvc¨, `y‡f©vM, ¸bvni kvw¯—, cvwb fiv evjwZ | ذَنُوبًا |

سُوْرَةُ الطُّوْرِ

**m~iv Z’i**

**‡h cvnv‡oi Dci Dw™¢` Av‡Q**

**m~iv 52**

|  |  |
| --- | --- |
| cvZv, big KvMR, cvZjv Pvgovi KvMR | رَقٌّ |
| Db¥y³, †Lvjv | مَنْشُوْر |
| evqZzj gvÕgyi, wPi Avev` Ni | الْبَيْتِ الْمَعْمُوْرِ |
| D‡ØwjZ, D”QwmZ, Mig, Zi½ we¶zä| | مَسْجُوْر |
| wbeviYKvix | دَافِعٌ |
| cÖejfv‡e Av‡›`vwjZ | مَوْرًا |
| ‡Rvi av°v | دَعًّا |
| Avgiv wKQyB n«vm Kie bv | مَا أَلَتْنَا |
| `vqx, eÜK | رَهِيْنٌ |
| Kv‡ji wech©q | رَيْبَ الْمَنُوْنِ  (`yN©Ubv: رَيْبَ ; g„Zz¨: مَنُوْن) |
| we‡eKeyw× | أَحْلَامٌ |
| mxgv jsNbKvixiv | طَاغُوْنَ |
| iPbv K‡i‡Q | تَقَوَّلَ |
| wbqš¿K, Zvi kvmb P‡j | مُصَيْطِرُوْنَ |
| fvivµvš— n‡q Av‡Q | مُثْقَلُوْنَ |
| Avgvi †Pv‡Li mvg‡b | أَعْيُنِنَا |
| A¯—Mgb | إِدْبَارٌ |

سُوْرَةُ النَّجَمِ

**m~iv bvR&&g&**

**Zviv**

**m~iv 53**

|  |  |
| --- | --- |
| A¯—wgZ | هَواى |
| cÖÁvm¤úbœ, kw³kvjx, †KŠkjm¤úbœ | ذُوْ مِرَّةٍ |
| ‡m wbKUeZ©x nj | دَنَا |
| AeZiY Kij, Dc‡i Sz‡j \_vKj | تَدَلّى |
| `yB aby‡Ki e¨eavb, `yB aby‡Ki `~i‡Z¡ | قَابَ قَوْسَيْن |
| RoRM‡Zi †klcÖv‡š— Aew¯’Z Kzj e„¶,BnKvj I ciKv‡ji ga¨ mxgvbvq Aew¯’Z K’j e„¶ | سِدْرَةُ الْمُنْتَهى |
| Aš—M©Z, AmsMZ, Ab¨vq, eo cÖZviYvc~Y© | ضِيْزاى |
| bvg †`qv, bvg ivLv | تَسْمِيَةٌ |
| mxgv, †`Šo, †hvM¨Zv | مَبْلَغ |
| ‡QvU Aciva | لَمَمْ |
| å“Y Ae¯’vq | أَجِنَّةٌ |
| gvZ…M‡f©i wkï | جَنِيْن |
| eÜ K‡i, DPuy K‡i, ¶vš— nq | أَكْداى |
| c~Y© K‡i | أَوْفى |
| nvmvb | أَضْحَكَ |
| Kvu`vb | أَبْكى |
| g„Zy¨ †`b, gv‡ib | أَمَاتَ |
| RxweZ K‡ib, evuPvb | أَحْيى |
| ïµwe›`y, ïµwe›`y öwjZ nq | تُمْنى |
| Rb¥, DÌvb | نَشْأَة |
| Afvegy³ K‡ib | َغْنى |
| m¤ú` `vb K‡ib | أَقْنى |
| wkÕiv, m~h© †\_‡K K‡qK¸Y eo GKwU b¶‡Îi bvg | شِعْراى |
| AwZ Aeva¨ | أَطْغى |
| D‡ë †`qv RbemwZmg~n, DrcvwUZ | مُؤْتَفِكَة |
| DwV‡q wb‡¶c K‡iwQj | أَهْواى |
| D`vmxb n‡q AvQ, Mv‡dj n‡q AvQ | سَامِدُوْنَ |

سُوْرَةُ الْقَمَرِ

**m~iv K¡gvi&**

**Pvu`**

**m~iv 54**

|  |  |
| --- | --- |
| wPivPwiZ | مُسْتَمِرٌّ |
| mZK©evYx (Avj­vn‡`ªvwnZv †\_‡K weiZ ivLvi eû wk¶vcÖ` DcKiY), ûwkqvix | مُزْدَجَرٌ |
| D‡c¶v Ki, wegyL nI | تَوَلَّ |
| A`„k¨gvb, AcwiwPZ, KwVb `ytmn | نُكُرٌ |
| Zv‡K agKv‡bv n‡qwQj | اُزْدُجِرْ |
| AwZ ewl©Z, cªej el©‡Yi | مُنْهَمِرْ |
| eû ‡jŠn kjvKv, eû †c‡iK | دُسُر |
| Aegvbbv Kiv n‡q‡Q, Kzdix Kiv n‡q‡Q , cÖZ¨vLvZ n‡q‡Q | كُفِرَ |
| bwmnZ MÖnYKvix, Dc‡`k MÖnYKvix | مُدَّكِرْ |
| DrcvwUZ K‡i, DwV‡q wb‡¶c K‡i | تَنْزِعُ |
| KvÛ¸‡jv | أَعْجَاز |
| ‡Quov, KwZ©Z, mg~‡j DrcvwUZ | مُنْقَعِرْ |
| cvMj, eyw×nxb, Db¥v`, weK…Zeyw× | سُعُر |
| `yó, `vw¤¢K | أَشِرْ |
| nvwRi n‡e (cvjvµ‡g), wbw`©ó ¶‡Y, Dcw¯’Z \_vK‡e | مُحْتَضَرْ |
| †m `vwqZ¡ wbj (nZ¨v Kivi) | تَعَاطى |
| †m nZ¨v Kij | عَقَرَ |
| weP~Y© ï®‹ Z…Ycj­e, c``wjZ | هَشِيْمٌ |
| LoKzUv Øviv †Lvqvo cÖ¯‘ZKvix | مُحْتَظِر |
| Sb&Sv evqy, cv\_‡ii e„wó, cÖ¯—iel©YKvix So | حَاصِبًا |
| ‡kl iv‡Z, iv‡Zi †kl As‡k | سَحَرٌ |
| eo wec`, eo fqven, KwVbZi | أَدْهى |
| wZ³, wZ³Zi | أَمَرُّ |
| Av¸b, GKwU †`vh‡Li bvg | سَقَر |
| †Pv‡Li cj‡Ki g‡a¨ (Kvh©Ki nq) | لَمْحٍ بِالْبَصَر |
| `j | أَشْيَاعٌ |
| wjwLZ, wjwce× | مُسْتَطَرْ |
| mZ¨I cÖK…Z m¤§vb-gh©v`vi ¯’vb, †hvM¨ Avmb | مَقْعَدِ صِدْقٍ |
| ev`kvn, mgªvU | مَلِيْكٍ |
| mve©‡fŠg ¶gZvi AwaKvix, gnvcivµgkvjx | مُقْتَدِر |

سُوْرَةُ الرَّحْمنِ

**m~iv Avi-ingvb**

**A‡kl `qvevb**

**m~iv 55**

|  |  |
| --- | --- |
| AveZ©b K‡i, GKwU wnmve Abymi‡Y ¯^xq K¶c‡\_ Nyi‡Q | حُسْبَانٌ |
| m„óRxe, m„wó | أَنَامْ |
| ‡Lvmvwewkó, f~wlhy³ | ذُوالْعَصْفِ |
| myMwÜ ¸j¥ | رَيْحَان |
| AbyMÖn, †bqvgZ | اا لَآء |
| ï®‹ gvwU, gvwUi cvwZj | صَلْصَال |
| ci¯úi wgwjZ nq | يَلْتَقِيَانِ |
| Aš—ivj, wefw³ †iLv | بَرْزَخٌ |
| AwZµg ev mxgv jsNb Ki‡Q bv, G‡K Ac‡ii g‡a¨ cÖ‡ek Ki‡Q bv | لَا يَبْغِيَانِ |
| gy³v | لُؤْلُؤْ |
| cÖevj | مَرْجَان |
| RvnvR¸‡jv | جَوَار |
| myD”P cvjmn | مُنْشَئَات |
| ce©Z cÖgvY,cvnv‡oi gZ, RvnvR | كَا الْأَعْلَام |
| gnxqvb, gwngvgq | ذُوالْجَلَالِ |
| ¸i“Z¡c~Y© KvR, begwngvq weivR, GK we‡kl Ae¯’vq | شَأْنٌ |
| `yB †evSv (gvbyl I wRb) | ثَقَلَانِ |
| AwZµg Ki, cvjvI | تَنْفُذُوْا |
| mxgv, wKbviv | أَقْطَار |
| kw³ I mvg\_©¨ | سُلْطَانٌ |
| AwMœ wkLv | شُوَاظٌ |
| aygªcyÄ, weMwjZ Mig Zvgv | نُحَاسٌ |
| jvj Pvgov | وَرْدَةٌ |
| ‡Z‡ji g‡Zv iw³g eY© | دِهَانٌ |
| Kcvj, Kcv‡ji Pzj, mvg‡bi Pzj | (GKePb نَاصِيَةٌ) نَوَاصِيْ |
| cv | أَقْدَامٌ |
| Rvnvbœv‡gi DËß cvwb | حَمِيْمٌ |
| UMeM K‡i dzUš— | اانْ |
| meyR m‡ZR Wvjcvjvq c~Y©, eû kvLv cj­­e wewkó `yB D`¨vb | ذَوَاتَا أَفْنَان |
| divk¸‡jv, kh¨v¸‡jv | فُرُشٍ |
| Av¯—iY | بَطَائِن |
| cyi“ †ikg | اِسْتَبْرقٌ |
| dj¸‡jv | جَنَا |
| Szu‡K co‡e, wbKUeZ©x | دَانٍ |
| ¯úk© Kiv | طَمَثَ |
| nxiv, i“ex | يَاقُوْت |
| Nb meyR, Nb mwbœ‡ewkZ k¨vgj m‡ZR `yB D`¨vb | مُدْهَآمَّتَانِ |
| Df‡qB D”QwjZ, Drw¶ßgvb | نَضَّاخَتَانِ |
| Avbvi, Wvwjg | رُمَّانٌ |
| mykxjv my›`ixMY, m”PwiÎv my`k©bv ¯¿xiv | خَيْرَاتٌ حِسَانٌ |
| ZvwKqv, MvwjPv, wPKb †ikgx Kvco | رَفْرَف |
| meyR | خُضْرٌ |
| Ag~j¨ Pv`i, my›`i, myiw¶Z kh¨v | عَبْقَرِيٌّ |

سُوْرَةُ الْوَاقِعَةِ

**m~iv IqvwK¡qv**

**NUbv**

**m~iv 56**

|  |  |
| --- | --- |
| NUbv | وَاقِعَةٌ |
| AebZKvix | خَافِضَةٌ |
| mgybœZKvix | رَافِعَةٌ |
| cÖKw¤úZ Kiv n‡e, Av‡›`vwjZ n‡e | رُجَّتْ |
| (cÖej ) K¤úb | رَجًّا |
| (m¤ú~Y© i“‡c) P~Y© weP~Y© | بَسًّا |
| Drw¶ß a~jv | هَبَآءً |
| wew¶ß | مُنْبَثًّا |
| Wvbcš’x, mr †jv‡Kiv, Wvbnv‡Zi †jvK¸‡jv | أَصْحَابُ الْمَيْمَنَةِ |
| evgcš’x, Amr †jv‡Kiv, evgnv‡Zi †jvK¸‡jv | أَصْحَابُ الْمَشْئَمَةِ |
| eû msL¨K, †ekxmsL¨K, eo `j | ثُلَّةٌ |
| ¯^Y©LwPZ | مَوْضُوْنَةٌ |
| wPiš—b | مُخَلَّدُوْنَ |
| nvZjIqvjv myivfvÛ, KzRv | أَبَارِيْق |
| gv\_v Nyiv‡e bv | لَا يُصَدَّعُوْنَ |
| cvc evK¨, cv‡ci (K\_v) | تَأْثِيْمًا |
| KuvUvnxb | مَخْضُوْدٌ |
| Kjv¸‡jv | طَلْحٍ |
| \_‡i \_‡i mvRv‡bv, Kuvw`fiv | مَنْضُوْدٌ |
| m¤cÖÖmvwiZ, `xN© cªmvwiZ | مَمْدُوْد |
| cÖmªe‡Yi cÖevwnZ cvwb, (m`v ) cÖevngvb | مَسْكُوْب |
| KzgvixMY | أَبْكَارًا |
| ¯^vgxi cÖwZ Avm³v, †mvnvwMbx | عُرُبًا |
| mgK¶, mgeq¯‹v | أَتْرَابًا |
| Kv‡jv †auvqv | يَحْمُوْم |
| Aweivg wjß \_v‡K, AweiZ wjß \_vKv | يُصِرُّوْنَ |
| ¸bvn, cvc KvR | حِنْثٌ |
| Z…òvZ© DU‡`i cvb Kivi g‡Zv | شُرْبَ الْهِيْم |
| LoKzUv, f~wl | حُطَامًا |
| nZeyw× n‡q co‡e, we¯§q †eva Ki‡Z \_vK‡e | تَفَكَّهُوْنَ |
| me©bvk n‡q‡Q, Avgiv `ÛMÖ¯’ n‡qwQ | مُغْرَمُوْنَ |
| ‡gNgvjv | مُزْن |
| cÖ¾¡wjZ Ki, R¡vjvI | تُوْرُوْنَ |
| gi“Pvix, cw\_K | مُقْوِيْن |
| ZviKvivwRi Aew¯’wZi ¯’vb, ZviKvivwRi Ae¯’vb | مَوَا قِعِ النُّجُوْم |
| c~Z cweÎ, (hviv ) cweÎZg | مُطَهَّرُوْنَ |
| D‡c¶vi e¯‘ g‡b Ki‡e? Zz”QÁvb Ki‡e? | مُدْهِنُوْنَ |
| Kv‡iv Aaxb bv nI, Kv‡iv Aaxb¯’ bv nI | غَيْرَ مَدِيْنِيْنَ |
| kvwš—, myL I m‡¤¢vM | رَوْحٌ |
| DËg I myMwÜ g~jK Lv`¨, DËg wih&K& | رَيْحَانٌ |
| `nb nIqv | تَصْلِيَة |
| Rvnvbœvg | جَحِيْم |

سُوْرَةُ الْحَدِيْدِ

**m~iv nv`x`**

**‡jvnv**

**m~iv 57**

|  |  |
| --- | --- |
| Lwjdv, DËivwaKvix, cÖwZwbwa | مُسْتَخْلَفِيْن |
| ‡R¨vwZ MÖnY Ki‡Z cvwi, Av‡jv cvB, (Av‡jv wb‡q) Avgiv DcK…Z ne | نَقْتَبِسُ |
| mÜvb K‡i bvI | اِلْتَمِسُوْا |
| cÖvPxi, †`qvj | سُوْرٌ |
| w`‡K | قِبَلَ |
| GLbI wK †mB mgq Av‡mwb? | أَلَمْ يَأْنِ |
| AwZµvš— nj, AwZevwnZ nj | طَالَ |
| eû Kvj, `xN©Kvj | أَمَد |
| cvi¯úwiK ‡MŠie,AnsKvi | تَفَاخُرْ |
| cÖvPzh©, AwaK AR©‡bi cÖwZ‡hvwMZv | تَكَاثُرْ |
| cÖk¯—Zv, wekvjZv, we¯Z…wZ | عَرْضٌ |
| msNwUZ Kiv, m„wó Kiv | نَبْرَأَ |
| nZvkvMÖ¯— n‡qvbv, wegl© n‡qvbv | لَا تَأْسَوْا |
| hv wKQy ¶wZ nq, hv nvivq | فَاتَ |
| ‡cÖiY K‡iwQ, AbyMvgx K‡iwQ | قَفَّيْنَا |
| mb¨vmev`, msmviZ¨vMx, ‰eivM¨ev` | رَهْبَانِيَّة |
| cvjb Kiv, †`Lv‡kvbv Kiv, j¶¨ ivLv | رِعَايَة |
| `yB Ask, Dfq Ask, wØ¸Y Ask, `yB fvM | كِفْلَيْنِ |

سُوْرَةُ الْمُجَادِلَةِ

**m~iv gy&Rvw`jvn&**

**ZK©-weZK©Kvix bvix**

**m~iv 58**

|  |  |
| --- | --- |
| Awf‡hvM Ki‡Q, bvwjk Ki‡Q | تَشْتَكِيْ |
| K\_vevZ©v, K‡\_vcK\_b | تَحَاوُر |
| hviv whnvi(gv‡qi wcV‡K wb‡Ri ¯¿xi mv‡\_ Zzjbv Kiv) K‡i, Rv‡njx hy‡M hviv Zv‡`i ¯¿x‡K ejZ †h Zzwg Avgvi gv‡qi gZ Ges mv‡\_ mv‡\_ weevn eÜb wQbœ n‡q †hZ|Gi“c weevn we‡”Q`‡K whnvi ejv nZ| | يُظَاهِرُوْنَ |
| ‡mB mg¯— bvixiv hviv | الَّلائِيْ |
| ci¯úi‡K ¯úk© Kiv | يَتَمَاسَّا |
| `yB gvm | شَهْرَيْنِ |
| ci¯úi, avivevwnKfv‡e | مُتَتَابِعَيْنِ |
| lvU | سِتِّيْنَ |
| wei“×vPiY K‡i, we‡ivwaZv K‡i | يُحَادُّوْنَ |
| Ac`¯’ n‡e, jvwÃZ n‡e | كُبِتُوْا |
| Ac`¯’ n‡qwQj, jvwÃZ Kiv n‡qwQj | كُبِتَ |
| ¸‡b †i‡L‡Qb | أَحْصى |
| Aeva¨Zv, bv-digvbx | مَعْصِيَة |
| mvjvg K‡i, Awfb›`b Rvbvq | حَيَّوْا |
| †Zvgiv cÖk¯—Zv m„wó Ki, †Zvgiv ¯’vb K‡i `vI | تَفَسَّحُوْا |
| PIov, m¤cÖmvwiZ Kij | تَفَسُّح |
| ‡Zvgiv `uvwo‡q hvI, †Zvgiv D‡V hvI | اُنْشُزُوْا |
| Xvj¯^i“c | جُنَّة |
| cÖej n‡q‡Q, cÖfve we¯—vi K‡i‡Q | اِسْتَحْوَذَ |
| `j | حِزْبٌ |
| A‡bK bxP, AwaK jvwÃZ | أَذَلِّيْنَ |
| eÜzZ¡ K‡i, fvjevmv †cvlY K‡i | يُوَادُّوْنَ |

سُوْرَةُ الْحَشْرِ

**m~iv nvki&**

**mgv‡ek, mg‡eZ Kiv**

**m~iv 59**

|  |  |
| --- | --- |
| i¶vKvix | مَانِعَةٌ |
| my`„p `yM©¸‡jv | (GKePb حِصْنٌ) حُصُوْنٌ |
| ‡X‡j w`‡jb, mÂvi Ki‡jb | قَذَفَ |
| Zviv aŸsm Kij | يُخْرِبُوْنَ |
| †Zvgiv Dc‡`k ev wk¶v MÖnY Ki | اِعْتَبِرُوْا |
| wbe©vmb | جَلَآءٌ |
| ‡LRyi MvQ | لِيْنَة |
| †Zvgiv †`Šwo‡qQ, ‡Zvgiv Av‡ivnY K‡iQ | أَوْجَفْتُمْ |
| AvewZ©Z | دُوْلَةً |
| abx, weËevb | أَغْنِيَاءُ |
| cÖ‡qvRb, AvKv•Lv, Cl©v | حَاجَةٌ |
| Zviv cÖvavb¨ †`q, AMÖvwaKvi †`q | يُؤْثِرُونَ |
| Afve AbUb, ¶zav | خَصَاصَةٌ |
| gy³ K‡i, i¶v K‡i, †eu‡P \_v‡K | يُوْقَ |
| Kvc©Y¨, †jvf, msKxY©Zv | شُحٌّ |
| gybvwdK n‡q‡Q, gybv‡dKx K‡i‡Q | نَافَقُوْا |
| fqsKi | رَهْبَة |
| msiw¶Z emwZ, `yM©cwi‡ewóZ RbemwZ | قُرًى مُّحَصَّنَة |
| ci¯úi we`xY©, wØavwef³, wew¶ß | شَتّى |
| kvw¯—, Kzdj | وَبَال |
| webxZ | خَاشِعًا |
| `xY© we`xY© n‡”Q, aŸ‡m hv‡”Q | مُتَصَدِّعًا |
| msi¶K | مُهَيْمِنٌ |
| eoZ¡ MÖnYKvix, AZxe gwngvwš^Z, AnsKvix | مُتَكَبِّر |

سُوْرَةُ الْمُمْتَحِنَةِ

**m~iv gyg&Zvwnbvn&**

**†h bvix‡`i cix¶v Ki‡Z n‡e**

**m~iv 60**

|  |  |
| --- | --- |
| †Zvgiv ¯’vcb Ki | تُلْقُوْنَ |
| weivMfvRb, wbtm¤úK©, exZkª× | بُرَءآؤُا |
| ‡Zvgiv kÎ“Zv K‡iQ, †Zvgiv kÎ“Zv m„wó K‡i wb‡q‡Qv | عَادَيْتُمْ |
| Zviv mvnvh¨ mn‡hvwMZv K‡i‡Q | ظَاهَرُوْا |
| cix¶v K‡i bvI, hvPvB K‡i bvI | ِ اِمْتَحِنُوْا |
| AvU‡K †iLbv | لَا تُمْسِكُوْا |
| Kvwdi bvix‡`i weevn eÜ‡b | عِصَمِ الْكَوِافِرِ |
| nvZQvov n‡q‡Q, P‡j †M‡Q | فَاتَ |

سُوْرَةُ الصَّفِّ

**m~iv md&**

**hy×‡¶‡Îi mvwi, KvZvi**

**m~iv 61**

|  |  |
| --- | --- |
| Am‡š—vlRbK, ‡µva D‡`ªKKvix | مَقْتًا |
| cÖvPxi, BgviZ | بُنْيَانٌ |
| B¯úvZ wbwg©Z, mxmv wgwkªZ, my`„p | مَرْصُوْصٌ |

سُوْرَةُ الْجُمُعَةِ

**m~iv RygyÕAvn&**

**ïµev‡ii mgv‡e‡ki mjvn&**

**m~iv 62**

|  |  |
| --- | --- |
| wKZve¸‡jv, cy¯—Kmg~n | (GKePb سِفْرٌ ) أَسْفَارًا |
| Zviv Qy‡U †Mj, Zviv `ª“Z‡e‡M avegvb nj | اِنْفَضُّوْا |

سُوْرَةُ الْمُنَافِقُوْنَ

**m~iv gybvwdKzb**

**KcUvPvix, wØgyLx, ‡gvbv‡dK**

**m~iv 63**

|  |  |
| --- | --- |
| ‡`n¸‡jv, kixi¸‡jv | ( GKePb جِسْمٌ) أَجْسَامٌ |
| Kv‡Vi UzK‡iv, ‡Lv`vBK…Z Kv‡Vi LÛ | خُشُبٌ |
| ‡`qv‡j †VKvb, †njvb †`qv | مُسَنَّدَة |
| kã, DPuy AvIqvR, †kvi‡Mvj, wPrKvi | صَيْحَةٌ |
| Zviv SvuKzwb †`q, Zviv wdwi‡q †bq | لَوَّوْا |
| Zviv wQbœ wfbœ n‡q hvq, Zviv m‡i c‡o | يَنْفَضُّوْا |

سُوْرَةُ التَّغَابُنِ

**m~iv ZvMveyb**

**Rq-civRq**

**m~iv 64**

|  |  |
| --- | --- |
| Rq civRq, cvi¯úwiK jvf I †jvKmvb | تَغَابُنْ |

سُوْرَةُ الطَّلَاقِ

**m~iv Z¡jvK&**

**ZvjvK**

**m~iv 65**

|  |  |
| --- | --- |
| m„wó Ki‡eb, bZzb c\_ †ei K‡i w`‡eb | يُحْدِثْ |
| c„\_K Ki, wfbœ Ki, we‡”Q` Ki | فَارِقُوْا |
| `yB Rb mywePviK, `yB Rb b¨vqcivqY | ذَوَي عَدْلٍ |
| m¤ú~Y© Kiv, c~Y© Kiv, AR©b Kiv | بَالِغُ |
| Mf©avwiYx bvix | أُولَاتِ حَمْلٍ |
| mvg\_©¨ | وُجْد |
| mš—vb cÖme K‡i | يَضَعْنَ |
| Abgbxq nI, ci¯úi‡K Amyweavq †dj‡Z PvI, ci¯ú‡ii cÖwZ K‡Vvi nI | تَعَاسَرْتُمْ |
| ¯—b¨ `vb Ki‡e, `ya LvIqv‡e | تُرْضِعُ |
| Ab¨ †KD, Ab¨ †Kvb bvix | أُخْراى |
| ¯^”Qj e¨w³, weËevb | ذُوْ سَعَةٍ |
| Agvb¨ K‡iwQj | عَتَتْ |

سُوْرَةُ التَّحْرِيْمِ

**m~iv Zvn&ixg**

**‡KvbwKQy nvivg K‡i †bqv**

**m~iv 66**

|  |  |
| --- | --- |
| Zzwg ‡c‡Z PvI, Zzwg †c‡Z Pv”Q | تَبْتَغِيْ |
| gyw³i e¨e¯’v, wb®K…wZ cvevi e¨e¯’v | تَحِلَّة |
| ‡Mvc‡b e‡jwQj | أَسَرَّ |
| cÖKvk Ki‡jb, Rvwb‡q w`‡jb | أَظْهَرَ |
| e‡j w`‡jb, e¨³ Ki‡jb | عَرَّفَ |
| ev` w`‡qwQ‡jb, Ae¨³ ivL‡jb | أَعْرَضَ |
| m‡i wM‡qwQj, Suz‡KwQj | صَغَتْ |
| †Zvgiv ci¯úi‡K mvnvh¨ Ki, †Zvgiv msNe× nI | تَظَاهَرَا |
| ZIevKvix bvixiv | تَائِبَاتٌ |
| wmqvg cvjbKvix bvixiv | سَائِحَاتٌ |
| AKzgvix weaev bvixiv | ثَيِّبَاتٌ |
| Kzgvix | أَبْكَارًا |
| wbg©g ü`q, wb`©q | ِ غِلَاظٌ |
| weï×, LvuwU, mwZ¨Kvi | نُصُوْحًا |
| wbg©vY Ki | اِبْنِ |
| mZxZ¡, j¾v¯’vb | فَرْجٌ |

سُوْرَةُ الْمُلْكِ

**m~iv gyjK&**

**mgMÖ m„wói KZ…©Z¡,mve©‡fŠgZ¡**

**m~iv 67**

|  |  |
| --- | --- |
| ¯—‡i ¯—‡i, G‡Ki Dci Av‡iK | طِبَاقًا |
| LuyZ, e¨wZµg, AmsMwZ | تَفَاوُت |
| Î“wU, dvuK | فُطُوْر |
| evi evi, wØZxq evi | كَرَّتَيْنِ |
| e¨\_© cÖwZnZ | خَاسِئًا |
| K¬vš—, kªvš— | حَسِيْر |
| wb‡¶‡ci DcKiY | رُجُوْمًا |
| AvZ©bv`, weKU kã | شَهِيْقًا |
| D‡ØwjZ n‡e, µz× n‡e | تَفُوْرُ |
| ‡d‡U cov, `xY©-we`xY© nIqv | تَمَيَّزُ |
| Awfkvc, jvbZ, ingZ †\_‡K eû `~i | سُحْقًا |
| big, myMg, Aaxb | ذَلُوْلاً |
| w`K w`Mš—, iv¯—v, e¶ | مَنَاكِب |
| \_i\_i K‡i Kuvc‡e, Av‡›`vwjZ n‡e | تَمُوْر |
| Zviv AwePj i‡q‡Q | َ لَجُّوْا |
| wbægyLx n‡q, A‡avgywL n‡q | مُكِبًّا |
| AwaK mZ¨ c\_cÖvß, †ekx †n`v‡qZcÖvß | أَهْداى |
| wbK‡U, Avmbœ | زُلْفى |
| ¤­vb n‡e | سِيْئَتْ |
| i¶v Ki‡e, Avkªq †`‡e | يُجِيْرُ |
| P‡j hvq, n‡q hvq | أَصْبَحَ |
| f~Mf©¯’, bvMv‡ji evB‡i, wb‡P P‡j hvq | غَوْرًا |
| cÖengvb | مَعِيْن |

سُوْرَةُ الْقَلَمِ

**m~iv K¡jvg&**

**Kjg**

**m~iv 68**

|  |  |
| --- | --- |
| Kj‡gi kc\_, Kj‡gi Kmg | وَالْقَلَمِ |
| Zviv wjL‡Q, Zviv wjwce× K‡i | يَسْطُرُوْنَ |
| ‰bwZKZvi AwZ D”P gh©v`vq Awfwl³, gnvb PwiÎ | خُلُقٍ عَظِيْمٍ |
| Db¥v`, weKviMÖ¯—, cvMjvgx‡Z wbgw¾Z | مَفْتُوْن |
| Zzwg bgbxq nI, Zzwg wKQy MÖnY Ki‡Z cÖ¯Z’Z nI | تُدْهِنُ |
| AZ¨vwaK kc\_Kvix, njdKvix | حَلَّاف |
| †h MvwjMvjvR K‡i, ciwb›`vKvix | هَمَّاز |
| PjvPjKvix | مَشَّاء |
| Kzrmv iUbvKvix | نَمِيْم |
| `yðwiÎ, `y`©g PwiÎnxb | عُتُلّ |
| KzL¨vZ, e¾vZ, nZfvMv | زَنِيْم |
| `vM w`e (AcgvwbZ I jvwÃZ Kie) | نَسِمُه، |
| bvK, ïuo | خُرْطُوْم |
| Zviv Bb kv Avj­­vn e‡jwb, Zv‡`i K\_vq †Kvbi“c e¨wZµ‡gi m¤¢vebv iv‡Lwb | لَا يَسْتَثْنُوْنَ |
| wePiYKvix, wech©q | طَائِفٌ |
| wb`ªvgMœ, Ny‡g wbgw¾Z | نَائِمُوْنَ |
| ‡K‡U †djv dmj | صَرِيْمٌ |
| G‡K Aci‡K WvK‡Z jvM‡jv | تَنَادَوْا |
| hviv Kv‡U, dj AvniYKvix, dmj KZ©bKvix | صَارِمِيْنَ |
| Kvc©Y¨, wbe„ËKvix, A‡b¨i A‡MvP‡i wb‡Ri KvR mgvav K‡i †djv | حَرْد |
| ga¨eZ©x, DËg, †kªô | أَوْسَط |
| Awf‡hvM Ki‡Z jvMj, G‡K Ac‡ii  cÖwZ †`vlv‡ivc Ki‡Z jvMj | يَتَلَاوَمُوْنَ |
| Abve„Z Kiv n‡e, D‡b¥vwPZ Kiv n‡e | يُكْشَفُ |
| nuvUz ‡\_‡K cv‡qi wbP ch©š—, wcÛjx | سَاق |
| gvQ Iqvjv [nhiZ BDb~m (Avt)] | صَاحِبُ الْحُوْتِ |
| welv`v”Qbœ, KvZi | مَكْظُوْم |
| ‡cŠuQvb, cÖvß nj | تَدَارَكَ |
| wbw¶ß nZ | نُبِذَ |
| Db¥y³ cÖvš—i, evjyKvgq gvV | عَرَاء |
| g~‡jvrcvUb Ki‡e, AvQ‡o †dj‡e, c`öjb Kiv‡e | يُزْلِقُوْنَ |

سُوْرَةُ الْحَآقَّة

**m~iv nv°n&**

**Awbevh©fv‡e msNwUZe¨**

**m~iv 69**

|  |  |
| --- | --- |
| Aek¨¤¢vex NUbv, Awbevh©fv‡e msNwUZe¨, hv NU‡eB | الْحَاقَّة |
| cÖjqsKix wech©q, mxgv AwZµg | طَاغِيَةٌ |
| µgvMZ, weivgnxb,wkKo †\_‡K D‡”Q`K…Z | حُسُوْمًا |
| f~cvwZZ | صَرْعى |
| K‡Vvifv‡e | رَابِيَة |
| msi¶Y K‡i, ¯§iY K‡i | تَعِيَ |
| ¯§„wZ, ¯§iYKvix | وَاعِيَة |
| dzrKvi | نَفْخَةٌ |
| P~Y© weP~Y© K‡i †`qv | دَكَّةٌ |
| evuab wkw\_j n‡e, wewk­ó n‡e | وَا هِيَةٌ |
| Av‡k cv‡k, wKbviv¸‡jv | أَرْجَاء |
| ¸ß, †Mvcb \_vKv | خَافِيَة |
| GB †h | هَاؤُ |
| Avgvi Avgjbvgv | كِتَابِيَة |
| Rxeb | عِيْشَة |
| d‡ji ¸”Q, dj ivwk | قُطُوْفٌ |
| Sz‡j \_vKv, AebwgZ, mwbœKUeZ©x | دَانِيَة |
| AZxZ w`b¸‡jv | خَالِيَة |
| hw` Avgv‡K bv †`qv n‡Zv | لَمْ أُوْتَ |
| hw` bvB RvbZvg | لَمْ أَدْرِ |
| P~ovš— nZ | قَاضِيَة |
| Avgvi ¶gZv | سُلْطَانِيَة |
| Mjvq duvm jvMvI, Mjvq †ewo civI | غُلُّوْا |
| wb‡¶c Ki | صَلُّوْا |
| wkKj | سِلْسِلَة |
| Zvi gvc, Zvi ˆ`N©¨ | ذَرْعُهَا |
| mËzi | سَبْعُوْنَ |
| nvZ | ذِرَاعًا |
| ‡eu‡a †dj, k„sLj weRwoZ Ki | اُسْلُكُوْا |
| DrmvwnZ KiZ bv | لَا يَحُضُّ |
| ¶Z †\_‡K wbtm„Z im, cuyR I `yM©Ügq i³ | غِسْلِيْن |
| MbK,MYrKvi | كَاهِنٌ |
| ‡Kvb K\_v Kv‡iv bv‡g iPbv K‡i Pvwj‡q †`qv | تَقَوَّلَ |
| ‡Kvb iPbvejxi Ask | أَقَاوِيْل |
| Aš— wkiv, Rxeb agbx, KÚ wkiv | وَتِيْنٌ |
| weiZ ivL‡Z m¶g nIqv, cÖwZ‡ivaKvix | حَاجِزِيْن |

سُوْرَةُ الْمَعَارِجِ

**m~iv gvÕAvwiR**

**Da©Mg‡bi c\_¸‡jv**

**m~iv 70**

|  |  |
| --- | --- |
| cÂvk | خَمْسِيْن |
| nvRvi | أَلْفٌ |
| eQi | سَنَة |
| wea~wbZ ckg, wea~wbZ Dj | عِهْنٌ |
| esk,cwievi, RvwZ-‡Mvôx | فَصِيْلَةٌ |
| Avkªq `vbKvix, Zv‡K Avkªq w`‡e | تُئْوِيْه |
| Drw¶ß Av¸‡bi †jwjnvb wkLv | لَظى |
| ‡jnbKvix, AvKl©YKvix, Lwm‡q w`‡e | نَزَّاعَةً |
| gy‡Li Pvgov, Mv‡qi Pvgov | شَواى |
| ‡muK w`‡q ivLj, msiw¶Z | أَوْعى |
| Aw¯’i wPË, ‰ah©nxb | هَلُوْعًا |
| Nve‡o D‡V, nv-ûZvk K‡i | جَزُوْعًا |
| Kvc©Y¨ K‡i, K…cY nq | مَنُوْعًا |
| AwePj, ixwZgZ, m`v me©`v | دَائِمُوْنَ |
| `‡j `‡j | عِزِيْن |
| Aaxb¯’, AwZµgKvix | مَسْبُوْقِيْنَ |
| ‡`Šov‡”Q, avweZ n‡”Q | يُوْفِضُوْنَ |

سُوْرَةُ نُوْحٍ

**m~iv b~n&**

**b~n (Avt)**

**m~iv 71**

|  |  |
| --- | --- |
| Abgbxq , wR` Ki‡Z \_vKj, AUj \_vKj | أَصَرُّوْا |
| gh©v`v, †kªôZ¡ | وَقَار |
| bvbv ch©vq, ch©vqµ‡g | أَطْوَار |
| kh¨vi“‡c, mgZj K‡i wewQ‡q w`‡q‡Qb, weQvbv i“‡c | بِسَاطًا |
| b~n& RvwZi Dcvm¨ †`eZvi bvg | وَدّ |
| b~n& RvwZi Dcvm¨ †`eZvi bvg | سُوَا عًا |
| b~n& RvwZi Dcvm¨ †`eZvi bvg | يَغُوْث |
| b~n& RvwZi Dcvm¨ †`eZvi bvg | يَعُوْق |
| b~n& RvwZi Dcvm¨ †`eZvi bvg | نَسْرًا |
| evwm›`v, emevmKvix, M„nevmx | دَيَّارًا |
| aŸsm | تَبَارًا |

سُوْرَةُ الْجِنِّ

**m~iv wRb**

**wRb**

**m~iv 72**

|  |  |
| --- | --- |
| Aev¯—e Dw³, mxgvnxb wg\_¨v | شَطَطًا |
| AvZœ¤¢wiZv, AnsKvi | رَهَقًا |
| cwic~Y© | مُلِئَتْ |
| cÖnix, cvnviv`vi | حَرَسًا |
| emvi RvqMv, Avmb MÖnY Kivi ¯’vb, Avmbmg~n | مَقَاعِدَ |
| cÖ¯‘Z, †c‡Z ivLv, wb‡qvwRZ | رَصَدًا |
| wewfbœ,wef³ | قِدَدًا |
| cvjvq | هَرَبًا |
| ¶wZ, AwePvi, nK bó nevi | بَخْسًا |
| c\_åó, mxgv jsNbKvix, mZ¨wegyL, Ab¨vqKvix | قَاسِطُوْنَ |
| †e‡Q wb‡q‡Q, Lyu‡R wb‡q‡Q | تَحَرَّوْا |
| BÜb | حَطَبًا |
| cÖPzi | غَدَقًا |
| `ytmn, KwVb | صَعَدًا |
| wfo Rgv‡bvi, Svuwc‡q covi, wN‡i aivi | لِبَدًا |
| KLbI Avkªq w`‡Z cvi‡ebv, KLbI i¶v Ki‡Z cvi‡ebv | لَنْ يُّجِيْرَ |
| ¯^í, AwZ Kg | أَقَلُّ |
| cÖnix, i¶K, cvnviv`vi | رَصَدًا |

سُوْرَةُ الْمُزَّمِّلِ

**m~iv gyh&hvw¤§j**

**e¯¿ve„Z**

**m~iv 73**

|  |  |
| --- | --- |
| e¯¿ve„Z e¨w³ [GLv‡b D‡Ïk¨ n‡jb ivm~j (mvt)] | مُزَّمِّلٌ |
| iv‡Zi DVv , ivZ RvMv | نَاشِئَةٌ |
| AvZœmsh‡gi Rb¨, cÖe„wË‡K `gb Kivi Rb¨ | وَطْئًا |
| mwVK evK¨ ùziY | أَقْوَمُ قِيْلاً |
| Kg©e¨¯—Zv | سَبْحًا |
| GKwbôfv‡e gMœ nIqv | تَبْتِيْلاً |
| AeKvk `vI | مَهِّلْ |
| k„•Lj¸‡jv | أَنْكَالاً |
| KÚ †ivaKvix, Mjvq AvU‡K hvq | ذَاغُصَّةٍ |
| wew¶ß n‡q cov evjyKv¯Z’c | كَثِيْبًا مَّهِيْلاً |
| fvix, KwVb, k³ K‡i | وَبِيْلاً |
| e„× | شِيْبًا |
| we`xY© n‡e | مُنْفَطِرٌ |
| `yB Z…Zxqvsk | ثُلُثَيْ |
| ‡`‡k †`‡k ågY Ki‡e, we‡`k hvÎv Ki‡e | يَضْرِبُوْنَ فِيْ الْأَرْضِ |

سُوْرَةُ الْمُدَّثِّرِ

**m~iv gyÏvm&wmi&**

**e¯¿v”Qvw`Z**

**m~iv 74**

|  |  |
| --- | --- |
| e¯¿v”Qvw`Z , Pv`ive„Z | مُدَّثِّرْ |
| †R‡M D‡Vv, D‡V `vuovI | قُمْ |
| mZK© Ki, mZK©evYx cÖPvi Ki | أَنْذِرْ |
| gnZ¡ cÖKvk Ki, eoZ¡ †NvlYv Ki, ‡kªôZ¡ †NvlYv Ki | كَبِّرْ |
| g~wZc~Rv©, cÖwZgvc~Rv, †cŠËwjKZv, AcweÎZv | رُجْز |
| `~‡i \_vK, cwiZ¨vM Ki | اُهْجُرْ |
| wk½vq dzrKvi cÖ`vb Kiv n‡e | نُقِرَ |
| wk½v | نَاقُوْر |
| AvivgcÖ`, cÖPzi m”QjZv, ‡bZ…Z¡-KZ…©‡Z¡i c\_ | تَمْهِيْدًا |
| Pov‡Z eva¨ Ki‡ev, Av‡ivnY Ki‡Z eva¨ Ki‡ev | أُرْهِقَ |
| Rvnvbœv‡gi GKwU cvnvo, KwVb DaŸ©Mvgx Av‡ivnb | صَعُوْدًا |
| å“KzwU Ki‡jv, Kcvj KzPKvj | عَبَسَ |
| fq-cÖ`k©K gyLf½x Ki‡jv, ivMvwš^Z n‡q ZvKv‡jv | بَسَرَ |
| ‡jvK ci¤úivq cÖvß, cÖvPxb hy‡Mi gvbyl‡`i †\_‡K cÖvß, hv c~e© †\_‡K P‡j Avm‡Q | يُؤْثَر |
| `»Kvix, hv gvby‡li Pvgov Sjwm‡q ‡`q | لَوَّاحَةٌ |
| Rvnvbœv‡gi EwbkRb cªnix | تِسْعَةَ عَشَر |
| Av‡jv‡Kv¾j nq | أَسْفَرَ |
| Zvi Kv‡Ri Rb¨ A½xKvive×, `vqe× | رَهِيْنَةٌ |
| wg\_¨v ejZvg, hv m¤ú‡K© Avgv‡`i Ávb wQj bv Zv wb‡q K\_v ejZvg, Ab\_©K ZK© KiZvg, Av‡jvPbv KiZvg | نَخُوْضُ |
| Ab\_©K ZK©Kvix, hviv Ab\_©K K\_v e‡j ‡eovq Zv‡`i mv‡\_ hviv A\_©nxb K\_v e‡j, Av‡jvPbvKvixMY | خَائِضِيْنَ |
| Mvavmg~n | حُمُرٌ |
| eb¨, fxZ | مُسْتَنْفِرَة |
| cjvqbci , cvjvq | فَرَّتْ |
| wmsn | قَسْوَرَة |
| ag©fxi“Zvi KviY, b¨vqcivqYZvi Drm, ZvKIqvi KviY,f‡qi †hvM¨ | أَهْلُ التَّقْواى |
| ¶gv Kivi AwaKvix, ¶gvi Drm, ¶gvi gvwjK | أَهْلُ الْمَغْفِرَة |

سُوْرَةُ الْقِيَامَةِ

**m~iv wK¡qvgvn&**

**‡kl w`e‡m gvby‡li cybi“Ìvb**

**m~iv 75**

|  |  |
| --- | --- |
| wZi¯‹viKvix, Awf‡hvMKvix, fr©mbvKvix | لَوَّامَةٌ |
| f‡q nZeyw× Ki‡e, w¯’i n‡q hv‡e, f‡q nZf¤^ n‡e | بَرِقَ |
| Av‡jvnxb n‡e, MÖnY n‡e, AÜKv‡i wbgw¾Z n‡e | خَسَفَ |
| cvjvevi ¯’vb, Avkªq¯’j | مَفَرُّ |
| ‡Kvb Avkªq¯’j †bB, †Kvb wbivcËv †bB | لَا وَزَرْ |
| ARynvZ, IRi | مَعَاذِيْرٌ |
| D¾¡j, Avb‡›`v¾¡j, Drdzj­ | نَاضِرَة |
| weeY©, welbœ, wbivk, `ytLx | بَاسِرَة |
| aŸsm, gnvwech©q, gnvwec`,†gi“`Û f½Kvix AvPiY | فَاقِرَة |
| Mjv, KÚv | تَرَاقِيَ |
| i¶vKvix,SvoduyK `vbKvix | رَاق |
| Rwo‡q hv‡e, Ac‡ii mv‡\_ mshy³ n‡e | اِلْتَفَّت |
| cv, cv‡qi nvuUz †\_‡K cv‡qi MvuBU ch©š— Ask, K‡VviZv | سَاق |
| PvwjZ Kiv, nvuwK‡q wb‡q hvIqv, cÖZ¨veZ©b¯’j, hvÎv | مَسَاق |
| `¤¢f‡i AvZœcÖksmv K‡i, AnwgKvq gË n‡q AvZœcÖksmv Kiv | يَتَمَطّى |
| `y‡f©vM, `ytL | أَوْلى |
| D‡Ïk¨nxb, wbi\_©K | سُدًى |
| öwjZ, wbw¶ß | يُمْنى |

سُوْرَةُ الدَّهْرِ

**m~iv `vn&i**

**Rxe‡bi ‡Kvb we‡kl mgq**

**m~iv 76**

|  |  |
| --- | --- |
| Rxe‡bi ‡Kvb we‡kl mgq, mxgvnxbKvj | دَهْرٌ |
| D‡j­L‡hvM¨ | مَذْكُوْرًا |
| mw¤§wjZ, wgwkªZ | أَمْشَاج |
| †jvnvi wkKj | سَلَاسِل |
| Mjvi †jvnvi †ewo, eÜbx | أَغْلَال |
| mswgkªY, wgwkªZ `ª‡e¨i cÖavb Dcv`v‡bi mv‡\_ hv †hvM Kiv nq | مِزَاج |
| my`~icÖmvix, e¨vcK, me©Îwe¯Z…Z | مُسْتَطِيْرًا |
| hy×e›`x, e›`x | أَسِيْرًا |
| KwVb, K‡ó I f‡q å“KzwU Kiv, fqsKi | عَبُوْسًا |
| `xN©, welv`c~Y© I `ytLgq gyL Kiv,†K¬kKi | قَمْطَرِيْرًا |
| Avb›` | سُرُوْرًا |
| Zxeª DËvc, †iv` | شَمْسًا |
| Zxeª kxZ,kx‡Zi cÖ‡Kvc | زَمْهَرِيْرًا |
| wbKU¯’, mwbœwnZ, wbK‡U \_vK‡e | دَانِيَة |
| d‡ji ¸”Q | **قُطُوْف** |
| bvgv‡bv, AvqZ¡vaxb, nv‡Zi Kv‡Q | تَذْلِيْلاً |
| eo cvbcvÎ, cvÎ | اانِيَة |
| ùwU‡Ki gZ ¯^”Q , Kvu‡Pi gZ | قَوَارِيْرًا |
| cwigvY, cwiwgZ cwigv‡Y | تَقْدِيْرًا |
| Av`v wgwkªZ cvbxq | زَنْجَبِيْلاً |
| Rvbœv‡Zi GK SY©v, cÖmªe‡Yi bvg | سَلْسَبِيْلاً |
| wew¶ß , myZv Ly‡j wM‡q wQU‡K cov | مَنْثُوْرًا |
| MVb, KvVv‡gv, †Rvov | أَسْرٌ |

سُوْرَةُ الْمُرْسَلَاتِ

**m~iv gyimvjvZ**

**hv‡`i ‡cÖiY Kiv nq**

**m~iv 77**

|  |  |
| --- | --- |
| hv‡`i ‡cÖiY Kiv nq, cvVv‡bv nq (evZvm, †d‡ikZv, im~j) | مُرْسَلَات |
| µgvMZfv‡e, G‡Ki ci GK | عُرْفًا |
| cÖPÛ S‡oi †e‡M cÖevwnZ | عَصْفًا |
| fyj †\_‡K mwVK‡K c„\_K K‡i, wg\_¨v †\_‡K mZ¨‡K c„\_K K‡i, c„\_K K‡i (†gN‡K) | فَرْقًا |
| †h ‡d‡ikZviv bex‡`i Kv‡Q Inx wb‡q Av‡mb, †cŠ‡Qu †`b, RvMÖZKvix (Aš—‡i) | مُلْقِيَاتِ |
| ¤­vb n‡q hv‡e, Av‡jv nviv‡e | طُمِسَتْ |
| we`xY© Kiv n‡e, †d‡U UzK‡iv UzK‡iv n‡q hv‡e | فُرِجَتْ |
| we‡ùvwiZ n‡e , evZv‡m a~wjKYv n‡q wew¶ß n‡e | نُسِفَتْ |
| wba©vwiZ mg‡qGKwÎZ n‡e, wbw`©ó mg‡q Dcw¯’Z Kiv n‡e, mg‡eZ n‡e | أُقِّتَتْ |
| ¯’wMZ Kiv n‡q‡Q | أُجِّلَتْ |
| Avavi i“‡c, cvÎ i“‡c, aviYKvix i“‡c, | كِفَاتًا |
| my`„p D”P, DPzu | شَامِخَاتٌ |
| kxZj I my‡cq cvwb , mywgó cvwb | فُرَاتًا |
| P‡j hvI, cÖ¯’vb Ki, Pj‡Z \_vK | اِنْطَلِقُوْا |
| wZb ¯—¤¢wewkó, wZb kvLvwewkó | ثَلَاثِ شُعَبٍ |
| QvqvkxZj bq | لَا ظَلِيْل |
| AwMœwkLv, Av¸‡bi †jwjnvb wkLv | لَهَبٌ |
| wb‡¶c Ki‡e | تَرْمِيْ |
| ùzwj½ | شَرَرٌ |
| D‡Ui `j , Rvnv‡Ri `wo | جِمَالَتٌ |
| njy` eY© | صُفْر |

سُوْرَةُ النَّبَأِ

**m~iv bvev**

**(gnv) msev`**

**m~iv 78**

|  |  |
| --- | --- |
| wK wel‡q? | عَمَّ |
| wb`ªv, Nyg | نَوْمٌ |
| wekªvg, Avivg | سُبَاتًا |
| AveiY ¯^i“c, Av”Qv`b ¯^i“c | لِبَاسًا |
| AwZkq D¾j | وَهَّاجًا |
| e„wó el©YKvix †gNgvjv | مُعْصِرَات |
| cÖPzi, gyljavivq, Awekªvš— | ثَجَّاجًا |
| Nbmwbœweó , Nb cj­weZ | أَلْفَافًا |
| gixwPKv | سَرَابًا |
| NvuwU | مِرْصَاد |
| Avevm¯’j, Mš—e¨¯’vb, cÖZ¨veZ©b ¯’j | مَاا بًا |
| Zviv Ae¯’vbKvix n‡e, Ae¯’vb Ki‡e | لَابِثِيْنَ |
| hyM hyM a‡i | أَحْقَابًا |
| †bvsiv cyuR | غَسَّاقًا |
| Dchy³ | وِفَاقًا |
| evMvb¸‡jv, D`¨vb¸‡jv | حَدَائِقْ |
| cwic~Y©, cÖPzi, D”QwmZ | دِهَاقًا |
| b¨vq K\_v, h‡\_vchy³ K\_v, h\_vh\_ K\_v | صَوَابًا |

سُوْرَةُ النَّازِعَاتِ

**m~iv bvwhÕAvZ**

**m‡Rv‡i (cÖvY) wbM©ZKvix**

**m~iv 79**

|  |  |
| --- | --- |
| m‡Rv‡i (cÖvY) wbM©ZKvix | نَازِعَات |
| wbgw¾Z n‡q, Wy‡e | غَرْقًا |
| g„`yfv‡e gy³ Kiv | نَشْطًا |
| ZxeªMwZ‡Z muvZvi Kv‡U | سَبْحًا |
| hviv w¶cÖZvi mv‡\_ AMÖmi nq | سَبْقًا |
| f~wgK¤ú, Zxeª cÖK¤úb (wksMvi dzu‡Ki) | رَاجِفَةٌ |
| AbymiY Ki‡e | تَتْبَعُ |
| cðv`vbymiYKvix cÖK¤úb (Av‡iv GKwU) | رَادِفَة |
| cÖKw¤úZ (n‡e), mš¿¯— (n‡e) | وَاجِفَةٌ |
| hviv cybi“wÌZ n‡e, cÖZ¨veZ©bKvix n‡e | مَرْدُوْدُوْنَ |
| cÖv\_wgK Ae¯’v ,c~e©ve¯’v | حَافِرَة |
| aŸsmcÖvß, cPv, ¶qcÖvß, MwjZ | نَخِرَة |
| Db¥y³ cÖvš—i, †Lvjv gq`vb | سَاهِرَة |
| D”PZv, D”PZi ¯—i (Qv`) | سَمْكَ |
| AÜKviv”Qbœ K‡i‡Qb | أَغْطَشَ |
| w`b , m~‡h©v`q, mKv‡ji m~h©wKiY | ضُحًى |
| Zv‡K we¯Z…Z K‡i‡Qb | دَحَاهَا |
| PviY-f~wg, Dw™¢` | مَرْعى |
| `„pfv‡e ¯’vcb K‡i‡Qb, `„pfv‡e †cÖvw\_Z K‡i‡Qb | أَرْسى |
| gnvwech©q, gnvwec` | طَامَّة |
| †m e¨vcv‡i ejv ‡Zvgvi `vwqZ¡ bq, ‡Zvgvi G wel‡q wK Ávb Av‡Q ‡h Zzwg ej‡e? | فِيْمَ أَنْتَ |
| GK weKvj, mÜ¨v | عَشِيَّةٌ |
| †mB w`‡bi GK mKvj, †fvi (hv Zvi mÜ¨v‡K AbymiY K‡i) | ضُحَاهَا |

سُوْرَةُ عَبَسَ

**m~iv ÕAvevmv**

**å“KzwÂZ Ki‡jb**

**m~iv 80**

|  |  |
| --- | --- |
| Zzwg mg¯— g‡bv‡hvM w`”Q | تَصَدّى |
| Ae‡njv KiQ, gyL wdiv”Q , Abxnv cÖKvk KiQ | تَلَهّى |
| †jLK‡`i nvZ, `~Z‡`i nvZ | أَيْدِي سَفَرَة |
| m¤§vwbZ | كِرَامٍ |
| cweÎ, mZZv m¤úbœ | بَرَرَة |
| aŸsmcÖvß †nvK | قُتِلَ |
| †m KZBbv AK„ZÁ, †m KZBbv Agvb¨Kvix, †m wKfv‡e A¯^xKvi K‡i | مَا أَكْفَرَه |
| Ke‡i †cŠwQ‡q w`‡jb | أَقْبَرَ |
| cvjb K‡iwb, c~Y© K‡iwb | لَمَّا يَقْضِ |
| el©Y(cÖPzi) | صَبًّا |
| we`xY©(Lye) | شَقًّا |
| Dw™¢`, kvKmewR | قَضْبًا |
| wbweo, Nbmwbœ†ewkZ | غُلْبًا |
| Mevw`i Z…Y ev ¸j¥RvZxq Lv`¨ | أَبًّا |
| Kvb‡K ewai Kiv aŸwb,KY©we`viK aŸwb | صَآخَّة |
| nvwmLykx fiv, mnvm¨ | ضَاحِكَةٌ |
| myLe‡i Avbw›`Z, cÖdzj­ (n‡e) | مُسْتَبْشِرَة |

سُوْرَةُ التَّكْوِيْرِ

**m~iv ZvK&fxi**

**¸wU‡q ‡`qv nj I Av‡jv nvivj**

**m~iv 81**

|  |  |
| --- | --- |
| ¸wU‡q ‡`qv n‡e | كُوِّرَتْ |
| wbw¶ß n‡q co‡e, BZ¯—Z wew¶ß n‡e, †R¨vwZ nviv‡e | اِنْكَدَرَتْ |
| `kgv‡mi Mf©eZx DU, c~Y© Mf©eZx DU | عِشَارٌ |
| D‡cw¶Z n‡e | عُطِّلَتْ |
| DËß n‡q dz‡j DV‡e, cÖ¾¡wjZ Kiv n‡e | سُجِّرَتْ |
| mshy³ Kiv n‡e, Ry‡o †`qv n‡e(kix‡ii mv‡\_) | زُوِّجَتْ |
| †g‡q wkï hv‡K Rxeš— Kei †`qv n‡q‡Q | مَوْءُوْدَة |
| c`©v miv‡bv n‡e | كُشِطَتْ |
| †h ZviKv m‡i †h‡Z \_v‡K, cðv`cmiYKvix | خُنَّسْ |
| `ª“Z‡e‡M N~Y©vqgvb , Pjgvb | الْجَوَار |
| jyKv‡bv \_v‡K, A`„k¨gvb (b¶Î¸‡jv) | كُنَّس |
| we`vq MÖnY K†i | عَسْعَسَ |
| wbtk¦vm MÖnY K‡i | تَنَفَّسَ |
| D”P gh©v`vm¤úbœ, m¤§vwbZ | مَكِيْن |
| hv‡K gvb¨ Kiv nq | مُطَاع |
| †mLv‡b | ثَمَّ |
| †h w`‡Z Pvq bv, K„cY | بِضَنِيْن |

سُوْرَةُ الْاِنْفِطَار

**m~iv BbwdZvi**

**wew¶ß nIqv**

**m~iv 82**

|  |  |
| --- | --- |
| S‡i co‡e, wew¶ß n‡e | اِنْتَثَرَتْ |
| we‡ùvwiZ n‡q co‡e, we`xY© Kiv n‡e | فُجِّرَتْ |
| DrcvwUZ n‡e, Dëv‡bv n‡e, D‡b¥vwPZ n‡e | بُعْثِرَتْ |

سُوْرَةُ الْمُطَفِّفِيْنَ

**m~iv gyZ¡d&wdwdb**

**hviv gv‡c Kg †`q,hviv VKvq**

**m~iv 83**

|  |  |
| --- | --- |
| hviv gv‡c Kg †`q , hviv VKvq | مُطَفِّفِيْنَ |
| IRb K‡i ‡bq, †g‡c †bq | اكْتَالُوْا |
| cy‡iv MÖnY K‡i | يَسْتَوْفُوْنَ |
| IRb K‡i †`q, †g‡c †`q | كَالُوْا |
| Zviv Kg †`q | يُخْسِرُوْنَ |
| wjwce× MÖš’ , wjwLZ, wPwýZ | مَرْقُوْمٌ |
| gwiPv a‡i‡Q | رَانَ |
| `k©b †\_‡K ewÂZ n‡e | مَحْجُوْبُوْنَ |
| LuvwU, weï× cvbxq | رَحِيْق |
| mxj †gvnihy³, †gvni Kiv | مَخْتُوْمٌ |
| †gvni | خِتَامٌ |
| K¯‘wi | مِسْكٌ |
| hviv Avj­vni AvbyMZ¨ Ki‡Z cÖwZ‡hvwMZv K‡i | مُتَنَافِسُوْنَ |
| Rvbœv‡Zi GKwU SY©vi bvg | تَسْنِيْم |
| Zviv Bkviv K‡i, KUv¶ K‡i | يَتَغَامَزُوْنَ |
| Drdzj­ n‡q | فَكِهِيْن |
| wK? | هَلْ |
| cÖwZ`vb cvIqv †M‡Q | ثُوِّبَ |

سُوْرَةُ الْاِنْشِقَاقِ

**m~iv BbwkK¡K¡&**

**‡d‡U hvIqv, we`xY© nIqv**

**m~iv 84**

|  |  |
| --- | --- |
| ‡d‡U hv‡e, we`xY© n‡e | اِنْشَقَّتْ |
| ‡m wb‡`©k cvjb Ki‡e | أَذِنَتْ |
| Zv‡K Aek¨B Ggb Ki‡Z n‡e, GUvB Zvi R‡b¨ h\_v\_© | حُقَّتْ |
| m¤cÖmvwiZ Kiv n‡e | مُدَّتْ |
| Zv Lvwj n‡q hv‡e, k~b¨ n‡q hv‡e | تَخَلَّتْ |
| cwikªg K‡i hv‡”Q , KvR K†i hv‡”Q | كَادِحٌ |
| cwikªg Kiv, KvR Kiv | كَدْحًا |
| KL‡bv wd‡i Avm‡e bv | لَنْ يَّحُوْرَ |
| m~h©v‡¯—i jvwjgv, †Mva~wjj‡Mœi i³ eY© | شَفَقٌ |
| mgv‡ek NUvq, Av”Qbœ K‡i | وَسَقَ |
| c~Y© nq | اتَّسَقَ |
| Zv‡`ii g‡b †Mvcb ivL‡Q , Zviv †cvlY Ki‡Q | يُوْعُوْن |

سُوْرَةُ الْبُرُوْجِ

**m~iv eyi“R**

**wekvj ZviKvivwR, my`„p `yM© m~iv 85**

|  |  |
| --- | --- |
| MZ© | أُخْدُوْدٌ |
| Dcweó | قُعُوْد |
| †cÖggq, †øn civqY, Ki“Yvgq | وَدُوْدٌ |

سُوْرَة الطَّارِقِِ

**m~iv Z¡wiK¡&**

**iv‡Z AvZœcÖKvkKvix (b¶Î) m~iv 86**

|  |  |
| --- | --- |
| iv‡Z AvZœcÖKvkKvix (b¶Î) | طَارِق |
| ¯^‡e‡M öwjZ, wQU‡K cov | دَافِق |
| wc‡Vi nvo, †gi“`Û,wcV | صُلْب |
| e¶cvÄi, ey‡Ki nvo | تَرَائِبْ |
| cix¶v Kiv n‡e, hvPvB Kiv n‡e | تُبْلى |
| ‡Mvcb welqvejx, †Mvcb inm¨ | سَرَائِرُ |
| hv evievi wd‡i Av‡m (e„wó), e„wó aviYKvix | ذَاتُ الرَّجْعِ |
| hv we`xY© nq, we`xY©e¶ | ذَاتُ الصَّدْعِ |
| nvwm, VvÆv, Zvgvkvi K\_v | هَزْلٌ |
| Aí wKQy¶‡Yi R‡b¨ | رُوَيْدًا |

سُوْرَةُ الْأَعْلى

**m~iv AvÕjv**

**me‡P‡q DPuy**

**m~iv 87**

|  |  |
| --- | --- |
| Dw™¢`, e„¶ivwR, meyR Nvm | مَرْعى |
| AveR©bv, LoKz‡Uv, ï®‹ Nvm | غُثَآء |
| Kv‡jv, Kvj‡P, gwjb | أَحْواى |
| `~‡i \_v‡K, cvk KvwU‡q Pj‡e | يَتَجَنَّبُ |
| eo nZfvM¨ | أَشْقى |
| cÖ‡ek Ki‡e, †cŠQu‡e | يَصْلى |

سُوْرَةُ الْغَاشِيَةِ

**m~iv Mwkqvn&**

**Av”Qv`bKvix**

**m~iv 88**

|  |  |
| --- | --- |
| Av”Qv`bKvix | غَاشِيَة |
| K¬vš— I kªvš— | نَاصِبَة |
| dyUš— | اانِيَة |
| K›UKgq e„¶, KvuUvhy³ ï®‹ Nvm | ضَرِيْعٌ |
| cyó Ki‡e bv, †gvUv Ki‡e bv | لَا يُسْمِنُ |
| mymw¾Z | مَوْضُوْعَة |
| ‡njvb †`evi evwjk | نَمَارِقُ |
| mvwie× | مَصْفُوْفَةٌ |
| ‡ik‡gi MvwjPv, my‡Kvgj kh¨v | زَرَابِيُّ |
| weQv‡bv | مَبْثُوْثَة |
| ¯’vcb Kiv n‡q‡Q, `„pg~j Kiv‡bv n‡q‡Q | نُصِبَتْ |
| weQv‡bv n‡q‡Q | سُطِحَتْ |
| ej cÖ‡qvMKvix , Rei`w¯—Kvix | مُصَيْطِرٌ |
| cÖZ¨veZ©b | إِيَاب |

سُوْرَةُ الْفَجْر

**m~iv dvR&i&**

**†fvi**

**m~iv 89**

|  |  |
| --- | --- |
| †Rvo | شَفْعٌ |
| ‡e‡Rvo | وَتْر |
| we‡eKm¤úbœ‡`i Rb¨, †evam¤úbœ e¨w³†`i Rb¨ | ذِيْ حِجْر |
| Bivg eskxq, Bivg †MvÎ | إِرَمَ |
| DPuy ¯—¤¢ wbg©vYKvix, ¯—‡¤¢i AwaKvix | ذَاتِ الْعِمَاد |
| ‡Lv`vB K‡iwQj | جَابُوْا |
| gvi‡jb, AvNvZ Ki‡jb | صَبَّ |
| KkvNvZ, PveyK | سَوْطٌ |
| ‡Zvgiv DrmvwnZ Kibv G‡K Aci‡K | لَا تَحَآضُّوْنَ |
| DËivwaKvi m~‡Î cvIqv m¤ú`, gxiv‡mi m¤ú` | تُرَاث |
| Rgv K‡i †fvM Ki | أَكْلاً لَّمًّا |
| AwZkq fvjevmv | حُبًّا جَمًّا |
| Avm‡eb | جِآيءَ |
| evuab, `„p eÜb | وَثَاقَ |
| cÖkvš— | مُطْمَئِنَّة |

سُوْرَةُ الْبَلَدِ

**m~iv evjv`**

**kni (g°v bMix)**

**m~iv 90**

|  |  |
| --- | --- |
| Awaevmx, AeZiYKvix , nvjvj | حِلّ |
| Kó I cwikªgwbf©i | كَبَدٍ |
| cÖPzi | لُبَدًا |
| `yBwU †VvuU | شَفَتَيْن |
| `yBwU c\_ ( fvj I g›` ) | نَجْدَيْن |
| Aej¤^b K‡iwb, AwZµg Ki‡Z mvnm K‡iwb | لَا اقْتَحَمَ |
| Kómva¨ c\_, eÜzi wMwic\_ | عَقَبَةٌ |
| gy³ Kiv | فَكُّ |
| Afve Ae¯’v, Dcevm | ذِيْ مَسْغَبَة |
| wbKU AvZœxq m¤ú‡K©i, AvcbRb | ذَامَقْرَبَة |
| a~wjgvLv, a~wj-gwjb | ذَامَتْرَبَة |
| cwi‡eóbKvix | مُؤْصَدَة |

سُوْرَةُ الشَّمْسِ

**m~iv kvgm&**

**m~h©**

**m~iv 91**

|  |  |
| --- | --- |
| Zvi wcQ‡b Avwef~©Z nq | تَلَاهَا |
| cªKvk K‡i, D¾¡j K‡i, cÖKU K‡i | جَلّى |
| wewQ‡q w`‡q‡Qb, we¯Z…Z K‡i‡Qb | طَحى |
| Kjylv”Qbœ K‡i, Pvcv †`q | دَسّى |
| cvwb cvb Kivq | سُقْيى |
| aŸsm Ki‡jb | دَمْدَمَ |
| cwiYvg, cwiYwZ | عُقْبى |

سُوْرَةُ اللَّيْلِ

**m~iv jvBj**

**ivwÎ**

**m~iv 92**

|  |  |
| --- | --- |
| bvbv iKg, wewfbœ cÖK…wZi, wewfbœgyLx | شَتّى |
| K‡Vvi cwiYvg, K‡Vvi c\_ | عُسْراى |
| ‡m aŸsmcÖvß n‡e | تَرَدّى |
| R¡jš—, †jwjnvb | تَلَظّى |
| nZfvM¨, Pig cvcx , `yf©vMv | أَشْقى |
| cig wbôvevb, AwZ ci‡nRMvi | أَتْقى |

سُوْرَةُ الضُّحى

**m~iv `ynv**

**D¾¡j w`b**

**m~iv 93**

|  |  |
| --- | --- |
| D¾¡j w`b, Pvk‡Zi mgq | ضُحى |
| cÖkvwš—i mv‡\_ AÜKviv”Qbœ nq | سَجى |
| cwiZ¨vM K‡ib wb | مَا وَدَّعَ |
| wei“c ev Amš‘ó nb wb | مَا قَلى |
| wbt¯^, `wi`ª | عَائِلا |
| K‡Vvi, i“p n†qvbv | لَا تَقْهَرْ |
| wa°vi, fr©mbv, wZi¯‹vi K‡ivbv, agK w`‡ebbv | لَا تَنْهَرْ |
| cÖKvk Ki‡Z \_vK | حَدِّثْ |

سُوْرَةُ الشَّرْحْ

**m~iv Bbwkivn&**

**cÖmvib, D‡b¥vPb**

**m~iv 94**

|  |  |
| --- | --- |
| Avgiv bvwg‡qwQ, mwi‡q w`‡qwQ, jvNe K‡iwQ | وَضَعْنَا |
| ‡f‡½ w`w”Qj , cÖPÛ fvix †evSv nw”Qj | أَنْقَضَ |
| Avcbvi wcV | ظَهْرَكَ |
| Bev`Z-e‡›`Mxi K‡Vvi kª‡g AvZœwb‡qvM Ki“b | اِنْصَبْ |
| g‡bv‡hvM w`b, g‡bvwb‡ek Ki“b | اِرْغَبْ |

سُوْرَةُ التِّيْنِ

**m~iv Zxb**

**Zxb, Wygyi**

**m~iv 95**

|  |  |
| --- | --- |
| Zxb, GK cÖKvi dj, hv kvg‡`‡k I c¨v‡j÷vB‡b †ekx cwigv‡Y nq, Wygyi, AvÄxi | تِيْن |
| AvK…wZ, Aeqe, AvKvi, KvVv‡gv | تَقْوِيْم |
| nxbZg, AwZ bx‡P | أَسْفَل |
| me©wbPz Ae¯’vb | سَافِلِيْن |

سُوْرَةُ الْعَلَقِِ

**m~iv ÕAvjvK¡&**

**RgvU i³wcÛ**

**m~iv 96**

|  |  |
| --- | --- |
| i³wcÛ, RgvU i³ | عَلَق |
| gwngvwš^Z, gnvb, eoB AbyMÖnkxj | الْأَكْرَم |
| cÖZ¨veZ©b n‡e, wd‡i ‡h‡Z n‡e | رُجْعى |
| ‡U‡b aie, a‡i Uvbe | نَسْفَعًا |
| m¤§yLfv‡Mi †Kk¸”Q, gv\_vi mvg‡bi Pzj, Kcvj | نَاصِيَة |
| mg\_©K, cvk¦©Pi, mn‡hvMx | نَادِيَ |
| Rvnvbœv‡gi cÖnixMY(†d‡ikZvMY) | زَبَانِيَة |

سُوْرَةُ الْقَدْرِِ

**m~iv K¡`i&**

**gwngvwš^Z iRbx**

**m~iv 97**

|  |  |
| --- | --- |
| K`‡ii ivZ, gwngvwš^Z iRbx | لَيْلَةُ الْقَدْر |

سُوْرَةُ الْبَيِّنَةِ

**m~iv evBwq¨bvn&**

**cÖvgvY¨ `wjj**

**m~iv 98**

|  |  |
| --- | --- |
| weiZ \_vK‡Z cÖ¯‘Z, AwePwjZ Awfhvb K‡i | مُنفَكّينَ |
| mZ¨ I mwVK ev mij | قَيِّمَةٌ |
| m„wói Aag, wbK„ó Rxe | شَرُّ الْبَرِيَّةِ |
| m„wói †kªô, DrK…ó Rxe | خَيْرُ الْبَرِيَّةِ |

سُوْرَةُ الْزِلْزَالِ

**m~iv whjhvj**

**f~wgK¤ú**

**m~iv 99**

|  |  |
| --- | --- |
| f~wgK¤ú | زِلْزَال |
| Zvi wK n‡q‡Q?, Zvi wK nj? | مَالَهَا |
| e‡j w`‡e, eY©bv Ki‡e | تُحَدِّثُ |
| ‡ei n‡e, wd‡iAvm‡e | يَصْدُرُ |
| wfbœ wfbœ `‡j, Avjv`v Avjv`v, wew”Qbœ Ae¯’vq | أَشْتَاتًا |

سُوْرَةُ الْعَادِيَاتِِ

**m~iv ÕAvw`qvn&**

**avegvb ‡Nvov¸‡jv**

**m~iv 100**

|  |  |
| --- | --- |
| avegvb ‡Nvov¸‡jv | عَادِيَات |
| ‡n«mv aŸwb w`‡q ‡`Šovq, Da©k¦v‡m †`Šovq | ضَبْحًا |
| Av¸‡bi dzjwK Sv‡o, AwMœ ùzwj½ we”QywiZ K‡i | مُوْرِيَات |
| ¶zivNv‡Z | قَدْحًا |
| hviv Awfhvb Pvjvq, AvKw¯§K AvµgY Pvjvq | مُغِيْرَات |
| Drw¶ß K‡i, Dovq | أَثَرْنَ |
| a~jv | نَقْعًا |
| Af¨š—‡i Xy‡K c‡o, wf‡oi g‡a¨ Xy‡K c‡o | وَسَطْنَ |
| AK…ZÁ | كَنُوْد |
| ‡ei Kiv n‡e, DwÌZ n‡e | بُعْثِرَ |
| cªKvk Kiv n‡e | حُصِّلَ |

سُوْرَةُ الْقَارِعَةِ

**m~iv K¡wiÕqvn&**

**gnv cÖjq**

**m~iv 101**

|  |  |
| --- | --- |
| gnv cÖjq, weKU MR©b mnKv‡i,weivU wec`RbK NUbv | الْقَارِعَة |
| KxUcZ½ | فَرَاش |
| wew¶ß | مَبْثُوْث |
| a~wbZ | مَنْفُوْش |
| Zvi wVKvbv,Zvi ¯’vb | أُمُّه، |
| DËß Av¸b, Rjš— Av¸b | نَارٌ حَامِيَة |

سُوْرَةُ التَّكَاثُرِِ

**m~iv ZvK¡vmyi**

**(A‡\_©i) cÖvPzh©**

**m~iv 102**

|  |  |
| --- | --- |
| ‡gvnv”Qbœ, Mvwdj, fywj‡q †i‡L‡Q | أَلْهى |
| (A‡\_©i) cÖvPzh© | تَكَاثُر |
| ‡`‡LQ, †cŠ‡QQ | زُرْتُمْ |
| Keimg~n | مَقَابِر |

سُوْرَةُ الْعَصْر ِ

**m~iv ÕAvm&i&**

**gnvKvj**

**m~iv 103**

|  |  |
| --- | --- |
| Kmg, kc\_ | وَ |
| aŸsm, ¶wZ | **خُسْرٍ** |
| gnvKvj,mgq, hgvbv | **عَصْر** |
| Dc‡`k ‡`q, IwmqZ K‡i | تَوَا صَوْ |

سُوْرَةُ الْهُمَزَةِِ

**m~iv ûgvhvn&**

**wQ`ªv‡š^lYKvix**

**m~iv 104**

|  |  |
| --- | --- |
| `y‡f©vM | وَيْلٌ |
| wa°vi, wQ`ªv‡š^lYKvix | هُمَزَة |
| wb›`v, Kzrmv iUbvKvix | لُمَزَة |
| Agi, wPi¯’vqx K‡i ivL‡e | أَخْلَدَ |
| wbw¶ß n‡e, †d‡j †`qv n‡e | يُنْبَذَنَّ |
| UzKiv UzKivKvix Av¸b, P~Y© weP~Y©Kvix ¯’vb | حُطَمَة |
| cÖR¡wjZ | مُوْقَدَة |
| ‡cŠQv‡e, MÖvm Ki‡e | تَطَّلِعُ |
| ü`q, w`j | أَفْئِدَة(GKePb*.:* فُؤَادٌ) |
| `xN©vwqZ, DuPz DuPz | مُمَدَّدَة |

سُوْرَةُ الْفِيْلِ

**m~iv dxj**

**n¯—xevwnbx**

**m~iv 105**

|  |  |
| --- | --- |
| n¯—xevwnbx, nvwZIqvjvMY | أَصْحَابُ الْفِيْلِ |
| n¯—x, nvwZ | الْفِيْلُ |
| e¨\_© ev evbPvj K‡i †`qv | تَضْلِيْل (ض ل ل) |
| Svu‡K Svu‡K cvLx | أَبَابِيْل |
| f~wl, Z…Y | عَصْفٌ |
| wPev‡bv, f¶Y Kiv | مَأْكُوْلٌ (ا ك ل) |

سُوْرَةُ قُرَيْشٍ

**m~iv KzivBk**

**KzivBk †MvÎ**

**m~iv 106**

|  |  |
| --- | --- |
| Zv‡`i Af¨¯— nIqv, mycwiwPZ, Avmw³ | إِيْلَافٌ |
| mdi | رِحْلَةٌ (ر ح ل) |
| kxZKvj | شِتَاءٌ |
| MÖx¤§Kvj | صَيْفٌ |

سُوْرَةُ الْمَاعُوْنِ

**m~iv gvÕEb**

**mvaviY e¨env‡ii wRwbl**

**m~iv 107**

|  |  |
| --- | --- |
| agK w`‡q Zvwo‡q †`q , av°v †`q | يَدُعُّ (د ع ع) |
| Ae‡njv K‡i, D`vmxb fve cÖ`k©b K‡i | سَاهُوْنَ |
| mvaviY cÖ‡qvR‡bi wRwbl,‡QvU LvU mvnvh¨ `vb | مَاعُوْنَ |

سُوْرَةُ الْكَوْثَرِ

**m~iv KvImvi&**

**BnKvj I ciKv‡ji AMwYZ Kj¨vY**

**m~iv 108**

|  |  |
| --- | --- |
| BnKvj I ciKv‡ji AMwYZ Kj¨vY, nvk‡ii w`‡bi nvIh KvImvi ev Rvbœv‡Zi GKwU SY©v | الْكَوْثَرْ |
| †Kvievbx Ki | انْحَرْ (ن ح ر) |
| ‡Zvgvi kÎy,‡h ‡Zvgvi cÖwZ we‡Øl K‡i | شَانِئَكَ |
| wkKo- KvUv, wbe©sk | أَبْتَرْ |

سُوْرَةُ الْكَافِرُوْنَ

**m~iv Kvwdi“b**

**Kvwdiiv**

**m~iv 109**

|  |  |
| --- | --- |
| Avwg Bev`Z Kwibv | لَا أَعْبُدُ |
| hvi †Zvgiv Bev`Z Ki | مَا تَعْبُدُوْنَ ( ع ب د) |
| hvi Avwg Bev`Z Kwi | مَا أَعْبُدُ |
| hvi †Zvgiv Bev`Z K‡i \_vK | مَا عَبَدتُّمْ |
| Bev`ZKvix | عَابِدٌ |

سُوْرَةُ النَّصْرِ

**m~iv bvm&i&**

**mvnvh¨**

**m~iv 110**

|  |  |
| --- | --- |
| `‡j `‡j | أَفْوَاجًا |
| ¶gvcªv\_©x nI, gvd PvI | اِسْتَغْفِرْ (غ ف ر) |

سُوْرَةُ لَهَب

**m~iv jvnve**

**AwMœwkLv**

**m~iv 111**

|  |  |
| --- | --- |
| aŸsm †nvK, ‡f‡½ hvK | تَبَّتْ (ت ب ب) |
| aŸsm nj | تَبَّ (ت ب ب) |
| ‡Kvb Kv‡R Av‡mwb | مَا أَغْنى (غ ن ي) |
| ‡jwjnvb Av¸b,wkLv mgwš^Z Av¸b | ذَاتَ لَهَبٍ |
| enbKvwibx | حَمَّالَةٌ (ح م ل) |
| BÜb, jvKwo, KvV | حَطَبٌ |
| Mj‡`k, Mjv | جِيْدٌ |
| ‡LRyi Mv‡Qi Qv‡j c**v**Kv‡bv iwk we‡kl | مَسَدٌ |

سُوْرَةُ الْإِخْلَاصِ

**m~iv BLjvm**

**weï×Zv ( Cgv‡bi)**

**m~iv 112**

|  |  |
| --- | --- |
| GK, GKK, AwØZxq, A‰ØZ | أَحَدٌ |
| AgyLv‡c¶x , Afvegy³, mewKQy ‡\_‡K gyLv‡c¶xnxb, mewKQy Zvi gyLv‡c¶x | الصَّمَدُ |
| wZwb Kv‡iv RbK bb, wZwb KvD‡K Rb¥ †`b wb | لَمْ يَلِدْ |
| wZwb RvZK bb, Zuv‡K ‡KD Rb¥ †`q wb | لَمْ يُوْلَدْ |
| mgK¶, mgZzj¨ | كُفُوًا |

سُوْرَةُ الْفَلَقِ

**m~iv dvjvK¡&**

**‡fvi**

**m~iv 113**

|  |  |
| --- | --- |
| Avwg Avkªq PvB, cwiÎvY MÖnY KiwQ | أَعُوْذُ |
| Elv, †fvi, cÖfvZ, mKvj †ejv | فَلَقٌ |
| iv‡Zi A›aKvi | غَاسِقٍ (غ س ق) |
| Av”Qbœ K‡i | وَقَبَ (و ق ب) |
| dzrKvi cÖ`vbKvix, duzK `vbKvixMY | نَفَّاثَاتِ (ن ف ث) (GKePb*.*: نَفَّاثَة) |
| MÖwš’, Mxov | عُقَدِ (ع ق د) |

سُوْرَةُ النَّاسِ

**m~iv bvm**

**gvbeRvwZ**

**m~iv 114**

|  |  |
| --- | --- |
| ev`kvn, AwacwZ | (مُلُوْكٌ) مَلِكٌ |
| cÖwZcvjK , ciIqviw˜Mvi | رَبِّ |
| gvey`, Dcvm¨ | إِلـٰـه |
| AvZœ‡MvcbKvix | الْخَنَّاس |
| Kzgš¿Yv †`q, Kzcivgk© †`q | يُوَسْوَسُ (و س و س) |